IIM KASHIPUR

वार्षिक प्रतिवेदन

वित्तीय वर्ष 2024-25

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

विषयसूची

- हमारे बारे में 1
- ध्येय एवं लक्ष्य 2
- शासी मण्डल 3
- अध्यक्षीय उद्‌बोधन 5
- निदेशक की कलम से 6
- व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 11
- व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एनालिटिक्स) कार्यक्रम 18
- कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम 25
- कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम 31
- डॉक्टरेट कार्यक्रम 38
- दीक्षांत समारोह 40
- छात्रवृत्तियाँ 41
- प्रवेश 43
- प्लेसमेंट एवं कॉर्पोरेट संबंध 50
- एआईआर एवं एओएल 69
- कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम 70
- अनुकूलित प्रबंधन विकास कार्यक्रम 70
- ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम 71
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं परामर्श 82
- उत्कृष्टता केंद्र 84
- सार्वजनिक नीति और सरकार में उत्कृष्टता केंद्र 84
- नवाचार और उद्यमिता विकास फाउंडेशन 86
- डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर 94
- चैत्य पुस्तकालय 99
- आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर 106
- संकाय सदस्य 108
- अनुसंधान प्रकाशन 113
- विद्यार्थी निकाय शैक्षणिक रिपोर्ट 2024-25 117
- आंतरिक शिकायत समिति की रिपोर्ट (आईसीसी) 162
- कार्य 163
- भर्ती/नियुक्तियाँ 164
- एमपीआरसी 165
- अतिरिक्त विवरण 168
- लेखा रिपोर्ट एवं तुलन पत्र 175

हमारे बारे में

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर, भारत सरकार द्वारा 2011 में स्थापित द्वितीय पीढ़ी का आईआईएम है। इसका लक्ष्य अभिनव शिक्षण पद्धतियों का इस्तेमाल कर, उच्च गुणवत्ता वाले शोध को बढ़ावा देते हुए एवं संधारणीय नेतृत्व का अभ्यास करके प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

शिक्षा और प्रबंधन क्षेत्र में चौदह वर्ष से अधिक सेवा प्रदत्तकर्ता के रूप में उत्सव मनाते हुए, आईआईएम काशीपुर अपने चार मुख्य मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है: सहशासन, पारदर्शिता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, सभी हितधारकों के साथ सक्रिय जुड़ाव। संस्थान का मानना है कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के तौर पर, प्रबंधन शिक्षा एवं सामाजिक रूपांतरण के क्षेत्र में उसकी एक बड़ी भूमिका है। हमारे रणनीतिक लक्ष्यों में सम्मिलित हैं: शैक्षणिक परिततंत्र में सुधार; शैक्षिक सिद्धांत, प्रणाली और अनुसंधान के बीच तालमेल; नवाचार, उद्यमिता और सार्वजनिक सेवा को प्रोत्साहन देना; स्थानीय हितधारकों को सशक्त बनाना; समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का उत्थान; तथा लैंगिक विविधता।

संस्थान प्रकृति की अद्‌भुत सुंदरता से भरपूर है, जो शैक्षणिक दृढ़ता को एक संपूर्ण अनुभव प्रदान करता है। उत्तराखण्ड में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से सिर्फ 25 किमी दूर स्थित इसका 200 एकड़ का विशाल परिसर, हिमालय की गोद में बसे शांत शहर काशीपुर में उत्साह और उल्लास फैलाता है। संस्थान भारत के सबसे सघन औद्योगिक जिलों में से एक के निकट स्थित है, जहाँ 180 से अधिक उद्यमों ने इस क्षेत्र में और इसके आसपास अपने संयंत्र स्थापित किए हुए हैं; यह रणनीतिक भौगोलिक स्थिति संस्थान के लिए एक सुविधाजनक बिन्दु प्रदान करती है, जब यह नियमित उद्योग संपर्कों और लाइव परियोजनाओं के साथ अपने आदर्श वाक्य 'करके सीखना' को चरितार्थ करती है।

आईआईएम काशीपुर एक विद्यार्थी संचालित परिसर है – नियोजन/प्लेसमेंट से लेकर प्रयोजनमूलक कार्यों तक, शैक्षणिक से लेकर गैर-शैक्षणिक गतिविधियों तक, हर विभाग के लिए एक विद्यार्थी निकाय है। विद्यार्थी कई प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं जैसे अग्नित्रय – वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव; टेडएक्स; प्रबंधन संगोष्ठी; उत्तिष्ठ – वार्षिक उद्यमिता सम्मेलन; तेजस – नेतृत्वसंबंधी वार्ता शृंखला एवं एमबीए व्याख्यान शृंखला।

इस संस्थान का एक सशक्त विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम है। इसने विश्व के कई अग्रणी प्रबंध संस्थानों के साथ गठजोड़/टाई-अप किए हैं, जैसे कि आलबोर्ग यूनिवर्सिटी, डेनमार्क; अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस; ESDES, ल्योन, फ्रांस; तेल अवीव यूनिवर्सिटी, इज़राइल; यूनिवर्सिटी ऑफ़ लीमा, पेरू; वूसोंग यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया; लिनियस यूनिवर्सिटी, स्वीडन; सूचो यूनिवर्सिटी, ताइवान; सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके; FPT, वियतनाम; एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड; और CTBC बिजनेस स्कूल, ताइवान। आईआईएम काशीपुर AACSB (एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ़ बिजनेस) और EQUIS (EMFD क्वालिटी इम्प्रूवमेंट सिस्टम) का सदस्य है।

संस्थान का एक समृद्ध भूतपूर्व विद्यार्थी तंत्र है जिसमें विविध पृष्ठभूमियों के युवा प्रबंधन पेशेवर सम्मिलित हैं। इन सभी ने संस्थान की ब्रांड इक्विटी को अक्षुण्ण बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है। वे अपने उन्नत अनुभव साझा करते हैं, लाइव परियोजना,प्रशिक्षण और नियोजन/प्लेसमेंट के रूप में अपनी सक्रिय भागीदारी देते हैं। आईआईएम काशीपुर अपने प्रत्येक भूतपूर्व विद्यार्थी के साथ अपने आजीवन रिश्ते को संजोकर रखता है।

संस्थान में एक समर्पित कर्मचारी समूह है जो परिसर एवं प्रत्येक विभाग को अपनी पूरी क्षमता से संचालित होने के लिए अनवरत कार्यरत रहते हैं, साथ ही हितधारकों को सेवाएँ भी प्रदान करते हैं। हमारे अधिकांश कर्मचारियों ने आईआईएम काशीपुर को बनाने और आगे ले जाने में अपने अमूल्य समय एवं श्रम का योगदान दिया है।

संस्थान में अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा है, जिसमें हरा-भरा वातावरण, पूरी तरह से जुड़ी हुई विश्वस्तरीय कक्षाएँ, विद्यार्थी संचालित भोजनालय, कैफेटेरिया, एक कैंटीन, एक बैंक, एटीएम, एक किराने की दुकान, एक व्यायामशाला, एम्फीथिएटर, एक बहुमंजिला पुस्तकालय, वाई-फाई सक्षम शैक्षणिक ब्लॉक, विद्यार्थियों के लिए वातानुकूलित छात्रावास, खेल के मैदान और स्वतंत्र क्षेत्र तथा शांत और स्थिर वातावरण वाली एक सुंदर झील सम्मिलित हैं।

आईआईएम काशीपुर को निरंतर वैश्विक मानकों का पालन करने के प्रयत्नों पर गर्व है और इसके लिए उसके पास एक सशक्त नीति संरचना है जो सभी हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

संस्थान का आदर्श वाक्य

संस्थान का आदर्श वाक्य है **'क्रियामूलक अधिगम/करके सीखना'**

परिकल्पना

एक प्रतिष्ठित संस्थान बनना जो प्रबंधन अनुसंधान एवं शिक्षा को बढ़ावा देता है और बदलती दुनिया में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करता है।

उद्देश्य

संस्थान प्रबंध के उभरते क्षेत्रों में व्यावहारिक और अंतःविषय अनुसंधान एवं प्रथाओं के माध्यम से ज्ञान सृजित तथा प्रसारित करने का प्रयास करता है। संस्थान सामाजिक रूप से जागरूक, सक्षम और नैतिक व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं एवं शोधकर्ताओं को विकसित करता है, जो समावेशी होने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास और अंतर्राष्ट्रीयकरण दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्वपूर्ण सोच, नवाचार और उद्यमिता की क्षमता रखते हैं।

आधार मूल्य

- सहशासन
- सभी हितधारकों के साथ सक्रिय जुड़ाव
- हरित चेतना
- पारदर्शिता

शासी मण्डल

31 मार्च 2025 को शासी मण्डल के रूप में

श्री संदीप सिंह
अंतरिम अध्यक्ष,बीओजी, आईआईएम काशीपुर
लेखक एवं स्वतंत्र निदेशक

श्रीमती राधा रतूड़ी
मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड सरकार
उत्तराखंड सरकार के प्रतिनिधि

श्री पी.के. बनर्जी
जेएस (एमजीटी और एमसी एवं छात्रवृत्ति)

सुश्री विभा मल्होत्रा
(01 अप्रैल 2024-21 अक्टूबर 2024)
निदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ

श्री अरविन्द महाजन
IIMPACT के संस्थापक सदस्य,
और प्रसिद्ध प्रबंधन सलाहकार

श्री एन. के. मिश्रा
आईपीएस, SK-88, सेवानिवृत्त

प्रो सोमनाथ चक्रबर्ती
निदेशक (कार्यवाहक) एवं अधिष्ठाता (अकादमिक),
आईआईएम काशीपुर

श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव
(कार्यवाहक) बीओजी के सचिव,
आईआईएम काशीपुर

प्रो कीर्ति शारदा
संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र में संकाय,
आईआईएम अहमदाबाद

प्रो कुणाल के गांगुली
अधिष्ठाता (विकास),
आईआईएम काशीपुर

अध्यक्षीय उद्बोधन

प्रिय हितधारकों,

आईआईएम काशीपुर द्वारा अर्जित की गईं असाधारण उपलब्धियों को साझा करते हुए मुझे गर्व और हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। वर्ष 2022 से 2024 तक लगातार एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 25 में अपना स्थान बनाए रखना, आईआईएम काशीपुर समुदाय द्वारा निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रमाण है। यह उपलब्धि हमारे अटूट समर्पण, लचीलेपन और शैक्षणिक व परिचालन उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। अनुभवात्मक शिक्षा, उद्योग कार्यशालाओं और विशिष्ट रूप से तैयार की गई पाठ्यक्रम संरचना पर हमारा मुख्य बल, उद्योग-तत्पर पेशेवरों को तैयार करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है। कार्यकारी शिक्षा, ऑनलाइन कार्यक्रमों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों में हमारा विस्तार, शिक्षा की बदलती गतिशीलता के प्रति हमारी अनुकूलन क्षमता को और अधिक उजागर करता है।

मुझे हमारे असाधारण शोध प्रदर्शन की घोषणा करते हुए विशेष हर्ष हो रहा है, जो साइटेशन्स (उद्धरण) में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अगणित लेखों के प्रकाशन से स्पष्ट है। यह ज्ञान के सृजन और प्रसार के प्रति हमारे संकाय सदस्यों के अटूट समर्पण को दर्शाता है, जिसने वैश्विक शैक्षणिक मंच पर संस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा में योगदान दिया है। गतिशील शिक्षण प्रक्रियाओं में हमारे विद्यार्थियों की भागीदारी, आईआईएम काशीपुर में अपनाई जाने वाली दृढ़ शिक्षा प्रणाली एवं शोध के प्रभाव का एक स्पष्ट प्रतिबिंब है।

विविधता और समावेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे लक्ष्य के मूल में है। हमारे कार्यक्रमों में बढ़ती लैंगिक विविधता एक सशक्त और संतुलित शैक्षिक वातावरण के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को परिलक्षित करती है। यह उल्लेखनीय है कि आईआईएम काशीपुर में महिला प्रतिनिधित्व वर्ष 2023 में 35% से बढ़कर वर्ष 2024 में 42% हो गया है, जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 7% की वृद्धि को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, छात्रवृत्तियों और वित्तीय सहायता के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करते हैं कि आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने में किसी भी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े।

उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ के उद्घाटन के अवसर पर उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल का आईआईएम काशीपुर में आगमन, हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक क्षण साबित हुआ। आईआईएम काशीपुर को अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के मध्य एक समन्वयकारी शक्ति के रूप में मान्यता मिलना तथा प्रबंधन में समावेशन और युवाओं के नेतृत्व में डिजिटल परिवर्तन पर दिया गया बल, उत्तराखण्ड के प्रगति और सशक्तिकरण के ध्येय को आगे बढ़ाने में हमारी भूमिका को पुनः स्थापित करता है। संस्थान द्वारा नवाचार और उद्यमिता पर दिया गया विशेष ध्यान भी सार्थक परिणाम दे रहा है, डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर तथा नवाचार एवं उद्यमिता विकास फाउंडेशन (एफ आई ई डी) जैसी पहलें उद्यमशील प्रतिभाओं के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी आगामी यात्रा में, शिक्षा मंत्रालय, उत्तराखण्ड सरकार, हमारे शासी मण्डल तथा व्यापक समुदाय के निरंतर सहयोग से आईआईएम काशीपुर शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता रहेगा। समावेशन, शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति हमारा दृष्टिकोण हमें आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरित करता रहेगा। मैं संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, भूतपूर्व विद्यार्थियों (एलुमनी) एवं सभी हितधारकों के अथक समर्पण के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। हम सब मिलकर ऐसी विरासत का निर्माण कर रहे हैं, जो आने वाले वर्षों तक स्थायी रहेगी और प्रेरणा देती रहेगी।

सादर,
संदीप सिंह
अंतरिम अध्यक्ष, आईआईएम काशीपुर

निदेशक की कलम से

आईआईएम काशीपुर ने वर्ष 2011 में द्वितीय पीढ़ी के आईआईएम के रूप में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी, इसे शैक्षणिक दृढ़ता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ परिवर्तित होते औद्योगिक रुझानों के अनुरूप विकसित होने की दृष्टि से स्थापित किया गया था। हमारा लक्ष्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, हम सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने तथा उद्यमिता और समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। आज हम निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हैं, जहाँ संस्थान और हमारे हितधारकों दोनों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह प्रतिबद्धता न केवल हमारी शैक्षणिक पेशकशों को सुदृढ़ करती है, बल्कि समुदाय और व्यापक अर्थव्यवस्था में हमारी भूमिका को भी सशक्त बनाती है।

वर्ष 2024-25 के लिए हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत गर्व का अनुभव हो रहा है।

अनुसंधान:

विगत वर्ष के दौरान संस्थान ने विभिन्न शैक्षणिक विषयों में अपने अनुसंधान एजेंडा को निरंतर आगे बढ़ाया है, जिससे नवाचार, सहयोग और वास्तविक जीवन पर इसके प्रभाव को प्रोत्साहन मिला है। संस्थान ने कई अभिनव परियोजनाओं में सहभागिता की है, प्रतिस्पर्धी अनुदान प्राप्त किए तथा उच्च-प्रभाव वाली पत्रिकाओं में शोध प्रकाशित किए हैं। उद्योग और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ रणनीतिक साझेदारियों ने हमारे अनुसंधान की सीमा एवं दृश्यता को और अधिक सुदृढ़ किया। साथ ही, अंतर्विषयी पहलों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे जटिल वैश्विक चुनौतियों के समाधान विकसित करने में सहायता मिली है। संस्थान ने वर्ष 2024-25 में एबीएस श्रेणी-3 पत्रिकाओं में 22 शोध प्रकाशन, एबीएस श्रेणी-2 पत्रिकाओं में 17 शोध प्रकाशन, ABS श्रेणी-1 पत्रिकाओं में 13 शोध प्रकाशन, ABDC श्रेणी-A* पत्रिकाओं में 2 शोध प्रकाशन, ABDC श्रेणी-A पत्रिकाओं में 31 शोध प्रकाशन, ABDC श्रेणी-B पत्रिकाओं में 23 शोध प्रकाशन एवं ABDC श्रेणी-C पत्रिकाओं में 5 शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं। वर्ष 2024-25 में संस्थान द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कुल 72 शोध-पत्र प्रकाशित किए गए हैं।

डॉक्टोरल कार्यक्रम:

आईआईएम काशीपुर का डॉक्टोरल कार्यक्रम निरंतर प्रगति कर रहा है, वर्ष 2024 में 15 शोधार्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि विगत वर्ष यह संख्या 9 थी, जो 66.7% की वृद्धि को दर्शाती है। नए बैच में 26.7% महिला अभ्यर्थी सम्मिलित हैं। मार्च 2025 तक कुल पीएचडी शोधार्थियों की संख्या 52 है, जिनका प्रतिनिधित्व नौ शैक्षणिक क्षेत्रों में है, इनमें 34 पुरुष और 18 महिलाएँ सम्मिलित हैं। श्रेणीवार, सामान्य वर्ग से 36, ईडब्ल्यूएस से 8, एनसी-ओबीसी से 6 एवं एससी वर्ग से 2 अभ्यर्थी हैं। अप्रैल 2024 में सात पीएचडी शोधार्थियों ने उपाधि प्राप्त की। प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम (ईएफपीएम) के अंतर्गत वर्तमान में 10 अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने अपनी आंतरिक शोध-प्रबंध रक्षा पूर्ण कर ली है और अंतिम मूल्यांकन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अप्रैल 2024 में आठ ईएफपीएम शोधार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।

एमबीए एवं एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम:

आईआईएम काशीपुर द्वि-वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय एमबीए कार्यक्रम संचालित करता है, जो शैक्षणिक दृढ़ता, नेतृत्व विकास एवं अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देता है। यह पाठ्यक्रम छह सत्रों में विभाजित है, जिसमें प्रथम वर्ष में आधारभूत अनिवार्य (कोर) विषय पढ़ाए जाते हैं तथा द्वितीय वर्ष में विविध ऐच्छिक विषयों और उद्योग-आधारित कार्यशालाओं का समायोजन है। एमबीए बैच 2024–26 में 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 281 विद्यार्थी (207 पुरुष और 74 महिलाएँ) सम्मिलित हैं, जिनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि इंजीनियरिंग, वाणिज्य, विज्ञान, कला तथा अन्य विषयों से संबंधित है। यह उल्लेखनीय है कि 62.6% विद्यार्थियों के पास पूर्व कार्य अनुभव है। यह संस्थान लैंगिक, शैक्षणिक और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में विविधता और समावेशन को बढ़ावा देता है, जहाँ विद्यार्थियों का चयन एक समग्र प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, जिसमें कैट स्कोर, लिखित अभिरुचि परीक्षा, व्यक्तिगत साक्षात्कार, शैक्षणिक उपलब्धियाँ, कार्य अनुभव तथा विविधता संबंधी कारकों को सम्मिलित किया जाता है। वर्ष 2024-25 में एमबीए छात्रवृत्तियाँ तीन श्रेणियों के अंतर्गत प्रदान की गईं: योग्यता-आधारित, आवश्यकता-आधारित तथा योग्यता-सह-आवश्यकता आधारित, जिससे 44 पात्र विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता सुनिश्चित की जा सकी।

आईआईएम काशीपुर का एमबीए (एनालिटिक्स) द्वि-वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है, जिसे डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में उभरते नेतृत्वकर्ताओं के लिए विशेष रूप से गठित किया गया है। यह कार्यक्रम आधुनिक व्यावसायिक चुनौतियों का समाधान करने हेतु प्रबंधन के मूल सिद्धांतों को उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ समाहित करता है। यह पाठ्यक्रम छह सत्रों में विभाजित है, प्रथम वर्ष में प्रबंधन और एनालिटिक्स के अनिवार्य (कोर) विषयों का समन्वित अध्ययन कराया जाता है, जबकि द्वितीय वर्ष में विशेषज्ञता आधारित ऐच्छिक विषयों तथा एक शोध-प्रबंध का प्रावधान है। बैच 2024–26 में 20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 165 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया, जिनमें उल्लेखनीय लैंगिक विविधता देखने को मिलती है, जिनमें 71% से अधिक छात्राएँ हैं। विद्यार्थी इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग दोनों पृष्ठभूमियों से आते हैं और लगभग 67% विद्यार्थियों के पास पूर्व कार्य अनुभव है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में विस्तृत ऐच्छिक विषयों की सूची उपलब्ध है तथा उद्योग-नेतृत्वित कार्यशालाओं का समायोजन है, जो सिद्धांत और व्यवहार के मध्य एक सेतु का कार्य करती हैं। यह संस्थान आवश्यकता-आधारित, योग्यता-आधारित तथा योग्यता-सह-आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियों के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वर्ष 2024–25 में एमबीए (एनालिटिक्स) के 22 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

ईएमबीए (देहरादून):

कार्यकारी एमबीए (ईएमबीए) एक सुदृढ़ दो-वर्षीय, सप्ताहांत-आधारित स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जिसे मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के कार्यरत पेशेवरों के लिए गठित किया गया है, जो अपने करियर में व्यवधान पड़े बिना अपने नेतृत्व और प्रबंधन संबंधी कौशल को उन्नत करना चाह रहे हैं। व्यावहारिक अनुप्रयोग, सह-अधिगम तथा उद्योग-संबंधित परियोजनाओं पर विशेष बल देते हुए, यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यावसायिक परिवेश में सफल होने के लिए आवश्यक रणनीतिक, विश्लेषणात्मक और डिजिटल क्षमताओं से उपकरणीकृत करता है। इस कार्यक्रम में अनिवार्य (कोर) पाठ्यक्रम, विभिन्न क्षेत्रों में विस्तृत ऐच्छिक विषय तथा एक कैपस्टोन सिमुलेशन सम्मिलित है, जो सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करता है। 2024–26 बैच में विभिन्न उद्योगों से जुड़े 40 अनुभवी पेशेवर सम्मिलित हैं, जो सहयोग और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि पर आधारित समृद्ध अधिगम वातावरण प्रदान करते हैं।

ईएमबीए (एनालिटिक्स):

आईआईएम काशीपुर का द्वि-वर्षीय ईएमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम कार्यरत पेशेवरों और उद्यमियों के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे अपनी नौकरी छोड़े बिना प्रबंधन और विश्लेषणात्मक कौशल को उन्नत कर सकें। यह कार्यक्रम सप्ताहांत ऑनलाइन कक्षाओं तथा परिसर-आधारित गहन सत्र (कैंपस इमर्शन) के माध्यम से संचालित किया जाता है, इस दृढ़ पाठ्यक्रम वाले कार्यक्रम में प्रबंधन और एनालिटिक्स के अनिवार्य (कोर) विषयों के साथ-साथ विविध ऐच्छिक विषय, उद्योग-आधारित कार्यशालाएँ तथा व्यावहारिक अधिगम का समायोजन है। 2024–26 बैच में कुल 62 प्रतिभागी हैं, जो विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमियों, मुख्यतः आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्र से संबंधित हैं। यह कार्यक्रम समालोचनात्मक चिंतन, नवाचार और अनुप्रयुक्त विश्लेषण पर विशेष बल देता है, ताकि प्रतिभागी विभिन्न उद्योगों विशेषकर आईटी, बैंकिंग और परामर्श में डेटा-आधारित व्यावसायिक समाधान विकसित करने में सक्षम नेतृत्वकर्ता बन सकें। प्रथम वर्ष के पश्चात एक प्रारंभिक निकास विकल्प उपलब्ध है, जिसके अंतर्गत प्रतिभागी व्यावसायिक विश्लेषण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही चार वर्षों के भीतर पूर्ण एमबीए डिग्री पूर्ण करने की लचीली सुविधा भी प्रदान की गई है।

छात्रवृत्तियाँ:

संस्थान-प्रायोजित छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त, आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थी भारत सरकार तथा अन्य बाहरी वित्तीय सहायता योजनाओं से भी लाभान्वित होते हैं, वर्ष 2024–25 में कुल 91 विद्यार्थियों को केंद्र सरकार की योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें अनुसूचित जाति (एससी) के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप तथा ओबीसी, ईबीसी एवं डीएनटी विद्यार्थियों के लिए प्रधानमंत्री यशस्वी योजना सम्मिलित हैं। 13 अन्य विद्यार्थियों को राज्य सरकार की पहलों, जैसे हिमाचल प्रदेश की मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना, दिल्ली की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, 13 विद्यार्थियों को निजी क्षेत्र से भी सहयोग प्राप्त हुआ, जिनमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, रतनलाल कंवरलाल पाटनी फाउंडेशन तथा जना देवी मॉल छात्रवृत्ति जैसी संस्थाएँ सम्मिलित हैं। ये समग्र वित्तीय सहायता विकल्प यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी पात्र विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान और न्यायसंगत पहुँच प्राप्त हो सके।

अनुभवात्मक अधिगम:

आईआईएम काशीपुर की अनुभवात्मक अधिगम (ईएल) पहल, जिसकी शुरुआत वर्ष 2019 में की गई थी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सजीव परामर्शी परियोजनाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान कर शैक्षणिक अध्ययन और व्यावहारिक सामाजिक प्रभाव के बीच की दूरी को कम करना है। तीन प्रमुख क्षेत्रों—पर्यावरणीय स्थिरता, ग्रामीण व्यावसायिक पद्धतियाँ तथा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) में कुल 284 विद्यार्थियों की सहभागिता के साथ, यह कार्यक्रम 73 संगठनों के साथ साझेदारी करते हुए संचालित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में फील्डवर्क किया। विद्यार्थियों ने संधारणीयता, ग्रामीण आजीविका और उद्यम विकास से जुड़ी चुनौतियों पर, नमकवाली और अकुम्स फार्मास्यूटिकल्स जैसी संस्थाओं के उल्लेखनीय सहयोग से कार्य किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली परियोजनाओं को फरवरी 2025 में आयोजित एक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया, साथ ही “अनुभवात्मक अधिगम अनुभव” अभियान और 'अनुभवात्मक अधिगम: मुक्त संवाद' पॉडकास्ट जैसी मीडिया पहलों के माध्यम से कार्यक्रम की दृश्यता और भी अधिक दृष्टिगोचर हुई। व्यावहारिक, समुदाय-केंद्रित अधिगम के माध्यम से, सामाजिक रूप से संवेदनशील व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को आकार देने की दिशा में अनुभवात्मक अधिगम निरंतर अग्रसर है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं परामर्श:

आईआईएम काशीपुर ने अपने वैश्विक सहभागिता और परामर्श प्रयासों का उल्लेखनीय विस्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति (आईआरसी) ने छह वर्षों में पहली बार अपने प्रमुख मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) कार्यक्रम का ऑफलाइन आयोजन सफलतापूर्वक किया, जिसमें 90 पंजीकरण प्राप्त हुए। शैक्षणिक क्षेत्र में, 09 विद्यार्थियों ने ग्रीस, दक्षिण कोरिया, लातविया और पेरू के संस्थानों के साथ दीर्घकालिक विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रमों में भाग लिया, वहीं ग्रीस की अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल के साथ दो अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रमों में कुल 57 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिनमें पहली बार कार्यकारी एमबीए के विद्यार्थी भी सम्मिलित थे। संस्थान ने मोरक्को की रबात बिजनेस स्कूल के साथ नई साझेदारी स्थापित की तथा कोलर यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ लीमा के साथ सहयोग को नवीनीकृत किया। इसके अतिरिक्त, ब्राज़ील, यूनाइटेड किंगडम, पुर्तगाल और नाइजीरिया के संस्थानों के साथ नई साझेदारियों के लिए वार्ता चल रही है। परामर्श के क्षेत्र में, संस्थान ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का कार्यभार ग्रहण किया, जिनमें ₹24.5 लाख की सरकारी परियोजना (ब्याज समानीकरण योजना का मूल्यांकन), ₹23.4 लाख का वन संरक्षण विभाग के साथ बाजार सर्वेक्षण तथा सऊदी अरब की एक डेयरी कंपनी के लिए ₹10 लाख

की अनुकूलन परियोजना सम्मिलित है - ये पहलें नीति-निर्माण और उद्योग परामर्श के क्षेत्र में आईआईएम काशीपुर के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करती हैं।

कार्यकारी शिक्षा / प्रबंधन विकास कार्यक्रम:

आईआईएम काशीपुर कार्यकारी एवं प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के एक अग्रणी प्रदाता के रूप में अपनी स्थिति को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है, जो पेशेवरों और संगठनों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। वर्ष 2024–25 में संस्थान ने गेल, आईओसीएल, पावरग्रिड, पेट्रोनेट एलएनजी, मैक्स हेल्थकेयर तथा आरडब्ल्यूएस ग्रुप जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के लिए अनुकूलित प्रबंधन विकास कार्यक्रमों को आयोजित किया, जिनमें रणनीति, नेतृत्व, संचार तथा महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया। विशेष रूप से, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत "भावी नेतृत्व विकास कार्यक्रम" के तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य भारतीय संस्थानों में संकाय विकास को प्रोत्साहित करना था। ऑनलाइन कार्यकारी शिक्षा के क्षेत्र में, आईआईएम काशीपुर ने टाइम्स एडुटेक, न्यू-लर्न, टीमलीज़, एनएसई अकादमी आदि साझेदारों के सहयोग से संचालन, आपूर्ति शृंखला, विपणन, एचआर एनालिटिक्स तथा वित्त जैसे विविध क्षेत्रों पर केंद्रित, विविध एक-वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम तथा अल्पावधि कार्यकारी विकास कार्यक्रम प्रस्तावित किए। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, पीमैनीफोल्ड ईवी अकादमी के सहयोग से नेट ज़ीरो रणनीति और संधारणीय नेतृत्व पर एक अत्याधुनिक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा, ईएसजी तथा कार्बन बाजार जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रमुख व्यवसाय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीबीएम), जो मध्य-करियर पेशेवरों के लिए 14 महीने का एक मिश्रित कार्यक्रम है, के अपने प्रथम बैच में 34 प्रतिभागियों का नामांकन किया एवं जिसका दूसरा बैच सितंबर 2025 में प्रारंभ होने वाला है। ये सभी पहलें आईआईएम काशीपुर की, सुदृढ़ उद्योग-शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से पेशेवरों को भविष्य के लिए अवश्यंभावी कौशल तथा आजीवन अधिगम से उपकरणीकृत करने की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं।

उत्कृष्टता केंद्र:

आईआईएम काशीपुर तीन उत्कृष्टता केंद्र संचालित करता है जिनमें-नवाचार एवं उद्यमिता विकास फाउंडेशन (एफआईईडी), अभिकल्पना एवं नवाचार केंद्र (डीआईसी), लोक नीति एवं शासन उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी) सम्मिलित हैं।

नवाचार एवं उद्यमिता विकास फाउंडेशन (एफआईईडी) तथा अभिकल्पना एवं नवाचार केंद्र (डीआईसी) विद्यार्थियों के उद्यमिता प्रकोष्ठ के सक्रिय सहयोग से, वर्ष भर नवाचार एवं उद्यमिता से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन करते हैं, वहीं लोक नीति एवं शासन उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी) लोक नीति और शासन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रभावपूर्ण अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण का संचालन करते हैं।

एफआईईडी (नवाचार एवं उद्यमिता विकास फाउंडेशन):

आईआईएम काशीपुर का इनक्यूबेशन प्रकोष्ठ, नवाचार एवं उद्यमिता विकास फाउंडेशन (एफआईईडी) वर्ष 2024–25 में भारत के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वर्ष 2018 में स्थापित एफआईईडी ने अब तक कृषि, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, लॉजिस्टिक्स तथा सामाजिक प्रभाव जैसे क्षेत्रों में 200 से अधिक नवउद्यमों का सहयोग किया है, इसने ₹15.6 करोड़ की प्रारंभिक पूँजी वितरित की है तथा ₹350 करोड़ से अधिक के उपक्रम निवेश को सुगम बनाया है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र कायाकल्प हेतु लाभकारी दृष्टिकोण (RKVY-RAFTAAR), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना, जेनेसिस और महिला उद्यमिता मंच (WEP) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के अंतर्गत एफआईईडी ने ग्रीनपॉड्स और डिजी स्टे जैसे उच्च-प्रभाव वाले नवउद्यमों को प्रोत्साहित किया है, साथ ही 400 से अधिक ग्रामीण उद्यमियों और स्वयं सहायता समूह (SHG) के सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, एफआईईडी ने "साहस एवं सक्षम 6.0" कार्यक्रम प्रारंभ किया, जिसके अंतर्गत 7 कृषि- नवउद्यमों को ₹60 लाख की अनुदान राशि प्रदान की गई, 51 ग्रामीण उद्यमियों के लिए व्यवसाय नियोजन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं तथा आरईएपी के अंतर्गत प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (ToT) कार्यक्रमों के माध्यम से 78 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। एफआईईडी को लगातार दूसरे वर्ष संस्थान नवाचार परिषद (IIC) के अंतर्गत 4-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई एवं इसने उत्तराखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अन्य उल्लेखनीय पहलों में उद्यमिता बूटकैंप, नेतृत्व कार्यशालाएँ, पेशेवरों के लिए विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा आईआईएम काशीपुर के प्रमुख उद्यमिता शिखर सम्मेलन "उत्थिष्ठ'25" का सफल आयोजन सम्मिलित है, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। एफआईईडी के सहयोगात्मक प्रयास ग्रामीण एवं शहरी भारत में जमीनी स्तर के नवाचार, युवा-नेतृत्वित उद्यमों तथा सतत उद्यम विकास को निरंतर पोषित कर रहे हैं।

अभिकल्पना एवं नवाचार केंद्र (डीआईसी):

आईआईएम काशीपुर का अभिकल्पना एवं नवाचार केंद्र (डीआईसी), जिसे 'नवाशय' के नाम से जाना जाता है, ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में अभिकल्पना -आधारित नवाचार को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की है, विशेषकर हिमालयी क्षेत्र तथा टियर-2/टियर-3 शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र में। अपने प्रमुख कार्यक्रम हेल्प (हिमालयन शिक्षा अधिगम कार्यक्रम) के अंतर्गत, नवाशय ने आठ गहन डिज़ाइन थिंकिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिनके माध्यम से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में 600 से अधिक विद्यार्थियों और 30 शिक्षकों तक पहुँच बनाई गई। इन कार्यशालाओं ने ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज, वेल्हम गर्ल्स स्कूल तथा आरएएन पब्लिक स्कूल्स में आयोजित उल्लेखनीय सत्रों के माध्यम से विद्यालय और महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सहानुभूति और समस्या-समाधान कौशल को विकसित किया। इस केंद्र ने मीडिया विद्यार्थियों के लिए सिनेमैटिक डिज़ाइन थिंकिंग की

अवधारणा भी प्रस्तुत की तथा आविष्कार 3.0 नामक राज्य-स्तरीय रोबोटिक्स चैलेंज का आयोजन किया, जिसमें 15 विद्यालयों के 155 विद्यार्थियों ने भाग लिया, इस पहल ने STEM और अंतर्विषयी नवाचार को प्रोत्साहित किया। इस केंद्र का प्रमुख आयोजन "अविन्या – राष्ट्रीय अभिकल्प विचार सम्मेलन 2025" रहा, जिसमें मैकिंजी, टाटा मोटर्स और अकीरा एनालिटिक्स जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के विशेषज्ञों ने मानव-केंद्रित अभिकल्पना के वास्तविक अनुप्रयोगों पर विचार-विमर्श किया। इसके अतिरिक्त, डीआईसी ने 9 राज्यों से आए 41 सीबीएसई प्राचार्यों के लिए एक शैक्षणिक दौरे का आयोजन किया, जिससे जनसंपर्क सुदृढ़ हुआ और नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के साथ समन्वय को बढ़ावा मिला। ये पहलें अभिकल्प शिक्षा और वास्तविक समस्या-समाधान के बीच सेतु निर्माण करने के डीआईसी के लक्ष्य की पुनः पुष्टि करती हैं, जिससे सामाजिक रूप से जागरूक और नवाचार-प्रेरित शिक्षार्थियों की नई पीढ़ी का निर्माण हो रहा है। आगे की दिशा में, 'नवाशय' राष्ट्रीय अभियानों और स्थानीय हितधारकों के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से अपने प्रभाव को और अधिक गहरा करने का लक्ष्य रखता है।

लोक नीति एवं शासन उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी):

वित्त वर्ष 2024–25 में भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर के लोक नीति एवं शासन उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी) ने नीति अनुसंधान और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में अपनी भूमिका को और सुदृढ़ किया। केंद्र ने चार उत्तरी राज्यों में सुकन्या समृद्धि योजना पर आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित एक प्रमुख अध्ययन पूर्ण किया, जिसमें विशेषकर वंचित वर्गों के बीच योजना के बालिकाओं की शिक्षा, वित्तीय समावेशन और सामुदायिक जागरूकता पर सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित किया गया। केंद्र ने आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के लिए सार समीक्षा श्रृंखला के अंतर्गत एक राष्ट्रीय मूल्यांकन को भी अंतिम रूप दिया, जिसमें यह विश्लेषण किया गया कि परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हुए परामर्शदात्री कंपनियों ने स्मार्ट सिटीज मिशन के क्रियान्वयन में किस प्रकार योगदान दिया। इन पहलों के माध्यम से सीओईपीपीजी ने साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, समावेशी विकास और सार्वजनिक क्षेत्र में नवाचार को सुदृढ़ किया।

एनआईआरएफ:

एनआईआरएफ प्रबंधन रैंकिंग में आईआईएम काशीपुर की यात्रा प्रगति, दृढ़ता, चुनौतियों और निरंतर सुधार के सम्मिश्रण को प्रतिबिंबित करती है। संस्थान ने वर्ष 2016 में 21वें स्थान के साथ एक सशक्त शुरुआत की और 2017 में मामूली सुधार करते हुए 20वां स्थान प्राप्त किया। भी बनाए रखा गया। इसके बाद संस्थान को गिरावट के दौर का सामना करना पड़ा, जहाँ 2018 में इसकी रैंक फिसलकर 22 वें, 2019 में 25 वें और 2020 में 33 वें स्थान पर आ गई, जो 2021 तक समान बनी रही। हालाँकि, 2022 में आईआईएम काशीपुर प्रभावशाली वापसी करते हुए 10 स्थान की उछाल के साथ 23वें स्थान पर पहुँचा एवं 2023 में उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ 19वाँ स्थान प्राप्त किया। 2024 में आईआईएम काशीपुर 23वें स्थान पर रहा एवं अपने विगत वर्ष के स्कोर 60.82 की तुलना में 61.74 के कुल स्कोर के साथ वृद्धि करते हुए वर्ष 2025 में संस्थान ने अपनी यथास्थिति को बनाए रखा।

एक स्कोर अंतर का विश्लेषण उत्तरोत्तर वृद्धि की क्षमता को रेखांकित करता है। शीर्ष 10 संस्थानों के मध्य कुल स्कोर अंतर 12.66 अंकों का है, जबकि 11–20 रैंक वाले संस्थानों के मध्य यह अंतर केवल 5.84 अंक का है। यह अंतर 21–30 रैंक वाले संस्थानों के लिए और भी सीमित होकर मात्र 1.94 अंक रहा। यह दर्शाता है कि वर्तमान में लगातार 23वें स्थान पर स्थित आईआईएम काशीपुर न केवल स्थिरता को प्रदर्शित कर रहा है, बल्कि अपने रैंकिंग वर्ग में अपेक्षाकृत कम स्कोर अंतर के कारण, आगामी वर्षों में और बेहतर स्थान प्राप्त करने की दृढ़ क्षमता भी रखता है।

प्लेसमेंट:

आईआईएम काशीपुर अपने कॉर्पोरेट संबंधों को सुदृढ़ करते हुए प्लेसमेंट अवसरों का विस्तार कर रहा है। एमबीए एवं एमबीए (एनालिटिक्स) 2023–25 बैच के अंतिम प्लेसमेंट में बीएफएसआई, कंसल्टिंग, टेक्नोलॉजी और एनालिटिक्स क्षेत्रों की शीर्ष कंपनियों ने भाग लिया। आईसीआईसीआई बैंक, अमेज़न, डेलॉइट, पीडब्ल्यूसी, एक्सेंचर और टाइगर एनालिटिक्स जैसी कंपनियों ने विविध भूमिकाएँ प्रस्तावित कीं, जिसके परिणामस्वरूप अधिकतम सीटीसी ₹33.00 लाख प्रतिवर्ष, औसत ₹14.60 लाख प्रतिवर्ष और माध्यिका ₹14.50 लाख प्रतिवर्ष रही। 2024–26 बैच के समर प्लेसमेंट में टाटा कैपिटल, कैपजेमिनी और प्यूमा जैसी शीर्ष कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही। संस्थान ने 'समन्वय' और 'पेरेनियल' कॉन्क्लेव के माध्यम से अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, फाइजर आदि उद्योग जगत के नेतृत्वकर्ताओं की मेजबानी की। विद्यार्थियों ने ओनिक्स डेटा, रिलायंस रिटेल, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, एक्सेंचर और मोंडेलेज़ द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ये उल्लेखनीय उपलब्धियाँ विद्यार्थियों की क्षमता, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल को दर्शाती हैं, साथ ही आईआईएम काशीपुर की राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच पर बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को ठोस रूप देती हैं।

प्रवेश:

शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए आईआईएम काशीपुर ने अपने प्रमुख एमबीए, एमबीए (एनालिटिक्स) और पीएचडी कार्यक्रमों में सफलतापूर्वक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की, जो संस्थान की निरंतर वृद्धि और विविधता को दर्शाता है। एमबीए कार्यक्रम में कुल 292 विद्यार्थियों का प्रवेश हुआ, जिसमें महिला नामांकन में उल्लेखनीय 22.48% की वृद्धि अंकित की गई एवं बैच के आधे से अधिक विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का कार्यानुभव है। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में 165 विद्यार्थियों का प्रवेश हुआ, जिसमें 71.5% महिला अभ्यर्थियों के प्रवेश के रूप में एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ, यह संस्थान की लैंगिक विविधता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। दोनों कार्यक्रमों में शैक्षणिक पृष्ठभूमि की व्यापक विविधता देखने को मिली, जिसमें अधिकांश विद्यार्थी गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं तथा देश भर के विभिन्न राज्यों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ है। पीएचडी कार्यक्रम के

अंतर्गत आठ शैक्षणिक क्षेत्रों में 15 शोधार्थियों का प्रवेश हुआ, जिनमें से एक-चौथाई महिलाएँ हैं और लगभग आधे शोधार्थी उपयुक्त कार्यानुभव के साथ आए हैं। ये रुझान आईआईएम काशीपुर के समावेशी, अनुभवी तथा शैक्षणिक रूप से सशक्त बैचों पर दिए जा रहे विशेष बल को रेखांकित करती हैं, जो कि एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से सुनिश्चित किया गया है, जिसमें कैट/जीमैट स्कोर, शैक्षणिक अभिलेख तथा अन्य आईआईएम के सहयोग से आयोजित साक्षात्कार सम्मिलित हैं। आईआईएम काशीपुर के सभी कार्यक्रमों के 2024–26 बैचों में लैंगिक विविधता, कार्यानुभव तथा शैक्षणिक पृष्ठभूमि की विविधता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम ने महिला नामांकन का नया कीर्तिमान स्थापित किया, जबकि एमबीए बैच में इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के बीच संतुलित प्रतिनिधित्व बना रहा। दृढ़ शैक्षणिक मानकों को बनाए रखते हुए, पीएचडी कार्यक्रम ने भी आकार और विविधता दोनों में विस्तार किया है।

वित्त:

संस्थान वित्तीय वर्ष 2019-20 से अपनी परिचालन और पूँजीगत व्यय संबंधी आवश्यकताओं को पूर्ण रूप से अपने स्व-अर्जित निधियों से पूरा कर रहा है।

इन सीमाओं के बाद भी, संस्थान ने एक बार फिर शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, संस्थान ने ₹118.75 करोड़ की समेकित सकल आय दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2023-24 के ₹96.47 करोड़ की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी) का रहा, जो ₹109.51 करोड़ था, विगत वित्तीय वर्ष के ₹89 करोड़ की तुलना में इसमें 23.06% की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि अंकित की गई है।

इस वर्ष के लिए कुल राजस्व व्यय ₹82.99 करोड़ रहा, जिसमें ₹14.15 करोड़ का मूल्यह्रास व्यय सम्मिलित है। इसके साथ ही, संस्थान ने पूँजीगत संपत्तियों के निर्माण पर ₹23.14 करोड़ व्यय किए, जिसमें वर्तमान परिसर निर्माण और बुनियादी ढाँचे का विकास सन्निहित है।

वित्त वर्ष 2024-25 की समाप्ति तक, संस्थान की कुल संचित निधि ₹120.51 करोड़ है, जिसमें से ₹112.31 करोड़ सावधि जमा रसीदों (FDRs) में निवेश किए गए हैं।

व्यय की तुलना में आय की इस अधिकता का मुख्य कारण विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि से प्राप्त उच्च शैक्षणिक शुल्क है। संस्थान वर्तमान में पूरी तरह ऋण मुक्त है और अपनी परिचालन एवं पूँजीगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नकदी प्रवाह का सृजन कर रहा है। यह सशक्त वित्तीय स्थिति संस्थान की वृद्धि और विकास में सम्मिलित सभी हितधारकों के सामूहिक और निरंतर प्रयासों के कारण संभव हो पाई है।

निर्माण कार्य:

वित्तीय वर्ष 2023-2024 में, संस्थान ने अपने कर्मचारियों और विद्यार्थियों के रहने एवं कार्य करने की स्थितियों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई आधारभूत संरचना परियोजनाओं को प्रारंभ किया था। हमने 24 फ्लैटों की क्षमता वाले एक नए संकाय आवास का निर्माण शुरू किया था। यह परियोजना पूर्ण होने के समीप है और आशा है कि जुलाई 2025 के अंत तक यह आवंटन के लिए तैयार हो जाएगी। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में, संस्थान ने दूसरे भूखंड के लिए सीमा दीवार का निर्माण शुरू किया था, जो अब पूरा हो चुका है।

यह वार्षिक प्रतिवेदन आईआईएम काशीपुर के समग्र विकास के पथ पर निरंतर प्रगति को दर्शाती है। हम शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) और उत्तराखंड सरकार के अटूट सहयोग के लिए उनके प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हैं।

मैं शासी मण्डल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) के अध्यक्ष एवं सदस्यों के साथ-साथ हमारे संकायाध्यक्ष, कार्यक्रम अध्यक्ष, गतिविधि प्रमुख, संकाय, कर्मचारियों और प्रशासनिक टीमों के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए हृदय से सराहना करता हूँ।

हम जिला एवं स्थानीय प्रशासन, काशीपुर नगर निगम और व्यापारिक समुदाय के साथ मजबूत सहयोग के लिए भी आभारी हैं, जिनकी सक्रिय भागीदारी हमारी पहल की पहुँच और प्रभाव को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है।

आगे बढ़ते हुए, आईआईएम काशीपुर समाज के प्रति योगदान और मानवता की सेवा के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। हम अपने विविध हितधारकों की उस अमूल्य भूमिका को भी स्वीकार करते हैं, जो एक सशक्त एवं समावेशी संस्थान बनाने में हमें सहयोग करती है।

आपके निरंतर सहयोग के लिए आप सभी का धन्यवाद।
प्रो. नीरज द्विवेदी
निदेशक

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम

कार्यक्रम संरचना एवं पाठ्यक्रम

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम: आईआईएम काशीपुर द्विवर्षीय पूर्णकालिक आवासीय 'मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)' कार्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें प्रासंगिक वयस्क शिक्षण सिद्धांत का उपयोग करके प्रदान की जाने वाली विश्व स्तरीय प्रबंधन शिक्षा की सभी मुख्य विशेषताएँ हैं। एमबीए, संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम होने के नाते इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रमुख साधन है। एमबीए दो वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है। यह दृढ़ पाठ्यक्रम ज्ञान के प्रति जुनून और उस ज्ञान को वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में क्रियान्वित करने की क्षमता को उन्नत करने हेतु है। यह कार्यक्रम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर बल देता है एवं नेतृत्व और अखंडता के मूल्यों को विकसित करता है। यह कार्यक्रम उत्कृष्ट प्राध्यापक सदस्यों जो कि लगातार विद्यार्थियों के साथ जुड़े रहते हैं द्वारा संचालित रोचक पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम संरचना इस तरह से अभिकल्पित की गई है कि विद्यार्थियों को आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार, अनुभवजन्य शिक्षण एवं उद्यमशीलता पर बल देते हुए उन्हें लीक से हटकर सोचने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह उन्हें उच्च स्तर की उत्कृष्टता हासिल करने की चुनौती देने के साथ-साथ उन्हें भविष्य के व्यवसायी नेतृत्वकर्ता बनने के अवसर भी प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम

एमबीए कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है: पहले वर्ष में तीन सत्र और दूसरे वर्ष में तीन सत्र। प्रत्येक सत्र लगभग बारह सप्ताह की अवधि का होता है। पहले वर्ष में, सभी मुख्य पाठ्यक्रम सम्मिलित होते हैं, जिन्हें प्रबंधन सिद्धांत के एक सामान्य आधार हेतु अभिकल्पित किया गया है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कक्षा में जो कुछ भी सिखाया गया है उसका व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य बनाने एवं दूसरे वर्ष में वैकल्पिक और स्व-अध्ययन पाठ्यक्रमों के माध्यम से गहन अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर मिलता है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-26 में एमबीए में मुख्य पाठ्यक्रम					
क्रम सं.	सत्र	क्षेत्र / केंद्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
1	1	ओबी-एचआर	संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5
2	1	संचालन-डीएस	व्यवसाय सांख्यिकी	1	25
3	1	वित्त लेखांकन	वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5
4	1	वित्त लेखांकन	वित्तीय बाज़ार	0.5	12.5
5	1	अर्थशास्त्र	सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1	25
6	1	विपणन	विपणन प्रबंधन।	1	25
7	1	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	कार्यशाला-व्यवसाय के लिए कम्प्यूटेशनल उपकरण	0.5	12.5
8	1	संचार	कार्यशाला-लिखित और मौखिक संचार	0.5	12.5
9	1		कार्यशाला-रचनात्मक चिंतन/पारस्परिक कौशल	0.5	12.5
			कुल क्रेडिट	**6**	**150**

क्रम सं.	सत्र	क्षेत्र / केंद्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
1	2	संचालन-डीएस	निर्णय मॉडलिंग	1	25
2	2	ओबी-एचआर	संगठनात्मक डिज़ाइन	0.5	12.5
3	2	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	25
4	2	वित्त लेखांकन	कॉर्पोरेट वित्त	1	25
5	2	विपणन	विपणन प्रबंधन II	0.5	12.5
6	2	संचालन-डीएस	संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25
7	2	अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र और लोक नीति	1	25
8	2	रणनीति + एफआईईडी	उद्यमशील संगठन और समाज	0.5	12.5
9	2	संचार	व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.5	12.5
10	2		कार्यशाला- रचनात्मक चिंतन/पारस्परिक कौशल	0.5	12.5
			कुल क्रेडिट	**7.5**	**188**

क्रम सं.	सत्र	क्षेत्र / केंद्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
1	3	ओबी-एचआर	नेतृत्व	0.5	12.5
2	3	विपणन	विपणन अनुसंधान	0.5	12.5
3	3	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	व्यवसाय के लिए विश्लेषण	0.5	12.5
4	3	ओबी-एचआर	संगठनों में लोक प्रबंधन	1	25
5	3	वित्त लेखांकन	प्रबंधन लेखांकन	1	25
6	3	रणनीति	रणनीतिक प्रबंधन	1	25
7	3	संचार	नेतृत्व संचार	0.5	12.5
8	3	डीआईसी	डिज़ाइन थिंकिंग और इनोवेशन	0.5	12.5
9	3	ओबी-एचआर	व्यावसायिक नैतिकता	0.5	12.5
10	3	अर्थशास्त्र; संचालन- डीएस+ एफआईईडी; बाह्य संसाधन+ डीआईसी+सीओईपीपीजी	अनुभवात्मक अधिगम। (पर्यावरण और सतत व्यावसायिक पद्धतियाँ +हिमालयन इनबाउंड/नमामि गंगे)/(एमएसएमई विकास+सामाजिक उद्यमिता)/(ग्रामीण क्षमता का वितालकन करना+उन्नत भारत संलयन)	0.5	12.5
			कुल क्रेडिट	**6.5**	**162.5**

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में एमबीए में ऐच्छिक पेशकश:

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में सब्सक्राइब किए गए ऐच्छिक की सूची (एमबीए बैच 2023-25)			
क्रम सं.	**सत्र**	**पाठ्यक्रम का नाम**	**क्रेडिट**
1	सत्र 4	व्यवसाय मूल्यांकन	1
2		उपभोक्ता व्यवहार	1
3		अंतर-सांस्कृतिक संचार एवं प्रबंधन (CCM)	1
4		निर्णयों हेतु उपभोक्ता की अंतर्दृष्टि	1
5		उपभोक्ता संबंध प्रबंधन	1
6		कॉर्पोरेट संधारणीयता रणनीति	1
7		विकासशील बाज़ार के दूरदर्शी: आंतरिक और बाहरी ग्राहक	1
8		तथ्य विज्ञान एवं मशीन लर्निंग	1
9		ईकॉमर्स	1
10		वित्तीय डेरिवेटिव्स / व्युत्पन्न वित्तीय साधन	1
11		निवेश प्रबंधन	1
12		रसद प्रबंधन	1
13		गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा	1
14		बिक्री एवं वितरण प्रबंधन	1
15		उभरते बाज़ार के लिए रणनीतियाँ	1
16		रणनीतिक रुझान परिवर्तन प्रबंधन	1
17		आर का उपयोग करने वाले प्रबंधकों हेतु सांख्यिकीय शिक्षण मॉडल	1
18		सेवा प्रबंधन	1
19		सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	1
20		उद्योग 4.0: व्यवसाय संचालन में रूपांतरण	1
21		संगठनात्मक उत्कृष्टता हेतु प्रतिभा प्रबंधन	1
22		डिजाइन थिंकिंग के अनुप्रयोग	1

23	सत्र 5	कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं गहन शिक्षण	1
24		उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	1
25		उन्नत मीडिया मार्केटिंग	1
26		व्यवसाय से व्यवसाय विपणन	1
27		अंतर सांस्कृतिक नेतृत्व	1
28		डिजिटल मार्केटिंग	1
29		डिजिटल रूपांतरण	1
30		उद्यमी विपणन	1
31		उद्यम संसाधन योजना	1
32		निश्चित आय बाज़ार	1
33		वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन	1
34		मानव संसाधन विश्लेषण	1
35		विलय और अधिग्रहण	1
36		विपणन विश्लेषिकी	1
37		प्रबंधन परामर्श	1
38		मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन (MEBM)	1
39		उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन	1
40		निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग	1
41		परियोजना प्रबंधन	1
42		आपूर्ति श्रृंखला का लचीलापन एवं डिजिटल ट्विनस	1
43		रणनीतिक स्रोत निर्धारण प्रबंधन	1
44	सत्र 6	बिग डेटा प्रबंधन	1
45		मतभिन्नता प्रबंधन एवं समझौता वार्ता	1
46		वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन	1
47		अंतरराष्ट्रीय व्यापार	1
48		अंतर्राष्ट्रीय विपणन	1
49		वस्तु-सूची प्रबंधन	1
50		प्रभावक विपणन	1
51		आईटी परामर्श	1

52		गतिशील नेतृत्व के लिए विविधता एवं समावेशन का लाभ उठाना	1
53		समृद्ध विपणन	1
54		प्रबंधन के लिए फिल्में	1
55		विपणन रणनीति	1
56		संचालन रणनीति	1
57		मूल्य निर्धारण प्रबंधन	1
58		खुदरा प्रबंधन	1
59		आपूर्ति श्रृंखलाओं का विश्लेषण	1

उद्योग कार्यशालाएँ: वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अलावा, प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में उद्योग कार्यशालाओं का अनुभव भी प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में आयोजित की जाने वालीं इन उद्योग कार्यशालाओं का लक्ष्य, प्रतिभागियों को उद्योग व्यवसायियों के साथ निर्देशित बातचीत के माध्यम से उन नवीनतम डेटा-संचालित व्यावसायिक पद्धतियों की एक झलक प्रदान करना है, जो उद्योग और अर्थव्यवस्था में परिनियोजित होती हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित उद्योग कार्यशालाएँ

क्रम सं.	सत्र	उद्योग कार्यशाला का नाम
1	**सत्र 4**	समकालीन बैंकिंग पद्धतियाँ एवं रुझान
2		फिनटेक: व्यवसाय में अनुप्रयोग
3		हाइब्रिड कार्यशील और विकसित डिजिटल दुनिया में डिजिटल लचीलापन
4	**सत्र 5**	निवेश बैंकिंग और पूँजी बाजार
5		आपूर्ति श्रृंखला नियोजन और समन्वयन: SAP IBP और उन्नत विश्लेषण का उपयोग करना
6		सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रबंधन
7		डिजिटल व्यवसाय रूपांतरण
8		उच्च प्रौद्योगिकी उत्पादों एवं सेवाओं का विपणन
9	**सत्र 6**	कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित सटीक विपणन
10		व्यवसाय में प्रभावी संचार की कला में दक्षता प्राप्त करना

एमबीए 2024-26 बैच के लिए शुल्क संरचना

एमबीए I (2024-25)				एमबीए -II (2025-26)			
विवरण	**सत्र -I**	**सत्र –II**	**सत्र -III**	**सत्र -IV**	**सत्र –V**	**सत्र -VI**	**कुल (रुपये में)**
प्रवेश-शुल्क	₹ 25,000.00	-	-	-	-	-	₹ 25,000.00
पाठ्यक्रम-शुल्क	₹ 2,84,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,84,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 16,96,000.00
प्रतिदेय ज़मानती राशि	₹ 9,000.00	-	-	-	-	-	₹ 9,000.00
कुल-शुल्क	₹ 3,18,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,84,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 17,30,000.00

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) प्रोग्राम

कार्यक्रम संरचना एवं पाठ्यक्रम

आईआईएम काशीपुर में 'मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स' एक द्विवर्षीय गहन और पूरी तरह से आवासीय कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से उन प्रतिभागियों के लिए गठित किया गया है जो बड़ी डेटा क्रांति में शामिल होना चाहते हैं तथा डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में उभरना चाहते हैं।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्य में बेहतर निर्णय लेने के लिए जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए एक व्यापक शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक विषयों का विवेकपूर्ण समन्वय, जटिल व्यावसायिक समस्याओं से निपटने के लिए विद्यार्थियों के आवश्यक कौशल को विकसित करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यावसायिक और सामाजिक चुनौतियों को परिभाषित करने, पैटर्न की पहचान करने, अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, व्यावसायिक रणनीतियों को विकसित करने एवं बेहतर प्रबंधन निर्णय लेने के लिए, विश्लेषणात्मक उपकरणों तथा तकनीकों का उपयोग करते हुए त्रुटिहीन संचार कौशल के साथ-साथ अच्छे प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल को अर्जित करके भविष्योन्मुख व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है।

पाठ्यक्रम

द्विवर्षीय एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है। पहले वर्ष में, प्रबंधन और विश्लेषणात्मक कोर पाठ्यक्रमों का एक आदर्श समन्वय पढ़ाया जाता है जो विद्यार्थियों को प्रबंधन और विश्लेषणात्मक अवधारणाओं की नींव बनाने में मदद करता है। दूसरे वर्ष में, विद्यार्थियों को रचनात्मक विश्लेषण-संचालित व्यावसायिक समाधानों को समझने और बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के विश्लेषण-उन्मुख वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 'एनालिटिक्स' का अधिक उन्नत ज्ञान मिलता है। इस कार्यक्रम में एक शोध प्रबंध घटक भी शामिल है जो कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के तीन सत्रों में विस्तारित है। यह घटक एक विद्यार्थी को उसकी रुचि के क्षेत्र को गहराई से पहचानने और तलाशने, अनुसंधान प्रश्नों को परिभाषित करने और फिर अनुसंधान करने की उसकी क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त अनुसंधान उपकरणों का उपयोग करने में मदद करता है, जिससे इस प्रक्रिया के दौरान ही उसे मूल्यवान कौशल प्राप्त हो जाता है।

अभ्यासकर्ता कक्षा में पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग संबंधी अपने दृष्टिकोण को सामने लाते हैं। इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के पास उद्योग संबंधी अनुभव, व्यावसायिक समस्याओं से निपटने में व्यावहारिक अनुभव और चुनने के लिए वैकल्पिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला का उचित समन्वय होगा।

एमबीए (एनालिटिक्स) में मुख्य पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) पाठ्यक्रम			
सत्र I			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
व्यावसायिक सांख्यिकी	1	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5	प्रबंधन ऐच्छिक
वित्तीय बाजार	0.5	12.5	प्रबंधन ऐच्छिक
सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक
विपणन प्रबंधन I	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक
गणितीय आधार	1	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5	प्रबंधन ऐच्छिक
कार्यशाला- लिखित और मौखिक संचार	0.5	12.5	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र का कुल योग	**6**	**150**	**एमसी: 4, एसी: 2**

सत्र II			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
व्यवसाय कंप्यूटिंग - I	1	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
कॉर्पोरेट वित्त	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक
निर्णय मॉडलिंग	1	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
व्यवसाय विश्लेषिकी का परिचय	1	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.5	12.5	प्रबंधन ऐच्छिक
विपणन प्रबंधन II	0.5	12.5	प्रबंधन ऐच्छिक
प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनसत्र का कुल योग	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र का कुल योग	**7**	**175**	**एमसी: 3, एसी: 4**

सत्र III			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
व्यवसाय कंप्यूटिंग - II	1	25	एनालिटिक्स कोर
डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	1	25	एनालिटिक्स कोर
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	1	25	एनालिटिक्स कोर
संगठनों में लोक प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
शोध विधियों पर संगोष्ठी	1	25	एनालिटिक्स कोर
रणनीतिक प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
सत्र का कुल योग	**6**	**150**	**एमसी: 2, एसी: 4**
प्रथम वर्ष के कुल क्रेडिट= 19			**प्रथम वर्ष के कुल संपर्क घंटे= 475**

द्वितीय वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) के मुख्य एवं ऐच्छिक पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) पाठ्यक्रम			
सत्र IV			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
प्रबंधकों के लिए अनुप्रयुक्त अर्थमिति	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक/ एनालिटिक्स कोर
डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक/ एनालिटिक्स कोर
शोध प्रबंध- भाग क	1	25	एनालिटिक्स कोर

ऐच्छिक 1/2	0.5 * 2	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
ऐच्छिक 3/4	0.5 * 2	25	एनालिटिक्स/प्रबंधन ऐच्छिक
सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक/ एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	**6**	**150**	**विष्लेषकी से न्यूनतम 5 क्रेडिट**

सत्र V			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
उन्नत डेटा विश्लेषण	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक/ एनालिटिक्स कोर
कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और गहन अधिगम	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक/ एनालिटिक्स कोर
शोध प्रबंध- भाग ख	1	25	एनालिटिक्स कोर
ऐच्छिक 5/6	0.5 * 2	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
ऐच्छिक 7/8	0.5 * 2	25	एनालिटिक्स/प्रबंधन ऐच्छिक
प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	1	25	प्रबंधन ऐच्छिक/ एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	**6**	**150**	**विष्लेषकी से न्यूनतम 5 क्रेडिट**

सत्र VI			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
शोध प्रबंध – फाइनल	2	50	एनालिटिक्स कोर
ऐच्छिक 9/10	0.5 * 2	25	एनालिटिक्स ऐच्छिक
ऐच्छिक 11/12/13/14	0.5 * 4	50	एनालिटिक्स/प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र का कुल योग	**5**	**125**	**विष्लेषकी से न्यूनतम 3 क्रेडिट**
द्वितीय वर्ष के लिए आवश्यक कुल क्रेडिट= 17			
दो वर्ष के लिए आवश्यक कुल क्रेडिट= 36			
टिप्पणी: अधिकतम क्रेडिट: सत्र IV – 7, सत्र VI – 6			

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित ऐच्छिक विषय

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में सब्सक्राइब किए गए ऐच्छिक की सूची (एमबीएए बैच 2023-25)				
क्रम सं.	**सत्र**	**पाठ्यक्रम का नाम**	**क्रेडिट**	**ऐच्छिक प्रकार**
1	सत्र IV	वित्तीय व्युत्पन्न साधन (1.0 क्रेडिट)	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
2		अंतर-सांस्कृतिक संचार एवं प्रबंध (सीसीएम)	1	प्रबंधन ऐच्छिक
3		अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थशास्त्र	1	प्रबंधन ऐच्छिक
4		रणनीति का अर्थशास्त्र	1	प्रबंधन ऐच्छिक
5		स्वचालित डेटा संग्रह	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
6		परिचालन बुद्धिमत्ता एवं अवलोकन क्षमता	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
7		उपभोक्ता व्यवहार	1	प्रबंधन ऐच्छिक
8		सेवा प्रबंधन	0.5	प्रबंधन ऐच्छिक
9		उपभोक्ता संबंध प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
10		विपणन दूरदर्शी विकसित करना	1	प्रबंधन ऐच्छिक
11		विपणन निर्णयों के लिए उपभोक्ता अंतर्दृष्टि	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
12		बिक्री और वितरण प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
13		रोजगार संबंध का परिचय	1	प्रबंधन ऐच्छिक
14		कर्मचारी प्रशिक्षण और विकास	1	प्रबंधन ऐच्छिक
15		रणनीतिक रुझान परिवर्तन प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
16		उद्योग 4.0 - व्यवसाय संचालन में रूपांतरण	1	प्रबंधन ऐच्छिक
17		गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा	1	प्रबंधन ऐच्छिक
18		लॉजिस्टिक्स प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
19		उभरते बाज़ारों के लिए रणनीतियाँ एसईएम	1	प्रबंधन ऐच्छिक
20		कॉर्पोरेट स्थिरता रणनीति सीएसएस	1	प्रबंधन ऐच्छिक
21		वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन (1.0 क्रेडिट)	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक

22	सत्र V	विलय और अधिग्रहण	1	प्रबंधन ऐच्छिक
23		मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
24		कॉर्पोरेट संचार और संकट प्रबंधन (सीसीसीएम)	1	प्रबंधन ऐच्छिक
25		निर्णय लेने के लिए व्यवहारिक अर्थशास्त्र	1	प्रबंधन ऐच्छिक
26		विकास, प्रगति और भारतीय अर्थव्यवस्था	1	प्रबंधन ऐच्छिक
27		अनुप्रयुक्त समय श्रृंखला अर्थमिति	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
28		लोक नीति एवं वित्त	1	प्रबंधन ऐच्छिक
29		धन प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
30		आंकड़ों के साथ परामर्श करना	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
31		रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
32		सूचना एवं तंत्र सुरक्षा	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
33		डिजिटल रूपांतरण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
34		उन्नत मीडिया विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
35		डिजिटल विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
36		उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
37		विपणन विश्लेषण	1	प्रबंधन ऐच्छिक
38		नैतिक विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
39		व्यवसाय से व्यवसाय विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
40		डिजाइन थिंकिंग के अनुप्रयोग	1	प्रबंधन ऐच्छिक
41		उद्यमी विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
42		डिजिटल नेतृत्व	1	प्रबंधन ऐच्छिक
43		भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संगठनात्मक उत्कृष्टता	1	प्रबंधन ऐच्छिक
44		उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों का नेतृत्व करना	1	प्रबंधन ऐच्छिक
45		अंतर-सांस्कृतिक नेतृत्व	1	प्रबंधन ऐच्छिक
46		मानव संसाधन विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
47		आपूर्ति श्रृंखला तन्यकता एवं डिजिटल ट्विन्स	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
48		उन्नत परिचालन अनुसंधान	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
49		परियोजना प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
50		रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला का उत्पादकता विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक

51		उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
52		प्रबंधन परामर्श	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
53	सत्र VI	प्रबंधन के लिए फिल्में	1	प्रबंधन ऐच्छिक
54		सोशल मीडिया अभियानों के लिए सामग्री विकास रणनीति	1	प्रबंधन ऐच्छिक
55		खाद्य एवं कृषि-प्रौद्योगिकी उद्यमिता	1	प्रबंधन ऐच्छिक
56		अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विश्लेषण	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
57		सार्वजनिक नीति का विश्लेषण	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
58		खेल सिद्धांत, प्रयोग और व्यवहार	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
59		क्लाउड में कृत्रिम बुद्धिमत्ता	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
60		कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोग	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
61		सुदृढीकरण शिक्षण का उपयोग करते हुए उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
62		स्पार्क के साथ एमएल अनुप्रयोग	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
63		खुदरा प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
64		विपणन रणनीति	1	प्रबंधन ऐच्छिक
65		मूल्य निर्धारण प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
66		सामाजिक विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
67		अंतर्राष्ट्रीय विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
68		प्रभावक विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
69		विलासिता विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
70		गतिशील नेतृत्व के लिए विविधता और समावेशन का लाभ उठाना	1	प्रबंधन ऐच्छिक
71		संघर्ष प्रबंधन एवं संधिवार्ता	1	प्रबंधन ऐच्छिक
72		सूची प्रबंध	1	प्रबंधन ऐच्छिक
73		आर का उपयोग करके निर्णय लेना: एक व्यष्टि अध्ययन दृष्टिकोण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
74		प्रौद्योगिकी नवाचार प्रबंध: परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में	1	प्रबंधन ऐच्छिक
75		आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
76		संचालन रणनीति	1	प्रबंधन ऐच्छिक
77		अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	1	प्रबंधन ऐच्छिक

उद्योग कार्यशालाएँ: वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अलावा, प्रतिभागियों को कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष में उद्योग कार्यशालाओं का अनुभव भी प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष में आयोजित की जाने वालीं इन उद्योग कार्यशालाओं का लक्ष्य, प्रतिभागियों को उद्योग व्यवसायियों के साथ निर्देशित बातचीत के माध्यम से उन नवीनतम डेटा-संचालित व्यावसायिक पद्धतियों की एक झलक प्रदान करना है, जो उद्योग और अर्थव्यवस्था में परिनियोजित होती हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित उद्योग कार्यशालाएँ

क्रम सं.	सत्र	उद्योग कार्यशाला का नाम
1	सत्र IV	आईडब्ल्यू- पावर बीआई का उपयोग करके डेटा रिपोर्टिंग और पायथन के साथ डेटा स्क्रैपिंग
2		आईडब्ल्यू- बड़े पैमाने पर डेटा प्लेटफॉर्म का प्रबंधन करना
3	सत्र V	आईडब्ल्यू- सूचना प्रौद्योगिकी में परामर्श
4		आईडब्ल्यू- आपूर्ति श्रृंखला योजना और समन्वय
5	सत्र VI	आईडब्ल्यू- डिजिटल रूपांतरण/ सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन

एमबीए (एनालिटिक्स) 2024-26 बैच के लिए शुल्क संरचना:

वर्ष/ घटक	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क	सेवा एवं आधारभूत संरचना शुल्क	साथ ही प्रतिदेय सावधानी जमा	कुल योग
प्रथम वर्ष	**₹ 25,000**	**₹ 4,45,000**	**₹ 5,38,000**	**₹ 9,000**	**₹ 10,17,000**
सत्र I	₹ 25,000	₹ 1,48,000	₹ 1,78,000	₹ 9,000	₹ 3,60,000
सत्र II		₹ 1,48,000	₹ 1,80,000		₹ 3,28,000
सत्र III		₹ 1,49,000	₹ 1,80,000		₹ 3,29,000
द्वितीय वर्ष	-	**₹ 4,45,000**	**₹ 5,38,000**	-	**₹ 9,83,000**
सत्र IV		₹ 1,48,000	₹ 1,78,000		₹ 3,26,000
सत्र V		₹ 1,48,000	₹ 1,80,000		₹ 3,28,000
सत्र VI		₹ 1,49,000	₹ 1,80,000		₹ 3,29,000
योग	**₹ 25,000**	**₹ 8,90,000**	**₹ 10,76,000**	**₹ 9,000**	**₹ 20,00,000**

कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम

कार्यकारी एमबीए (ईएमबीए), प्रबंधन में दो वर्षीय एक गहन स्नातकोत्तर कार्यक्रम है जो विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए बनाया गया है। यह एक विशेष कार्यक्रम है जो आज के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवसायी वातावरण में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए, अभ्यासरत अधिकारियों को ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। यह एक परिशुद्ध, पूर्णतः कक्षा-आधारित कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया जाता है क्योंकि इसका उद्देश्य अधिकारियों को उनकी पेशेवर गतिविधि में बिना हस्तक्षेप किए, अपने प्रबंधकीय कौशल को शीघ्रता से उन्नत करने का अवसर प्रदान करना है। प्रतिभागी अपने विविध अनुभवों को कक्षा में साझा करते हैं एवं वास्तविक दुनिया और लाइव परियोजनाओं पर काम करते हैं। यह कार्यक्रम सक्रिय रूप से, प्रतिभागियों को कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को अपने कार्यस्थल पर लागू करने में, सक्षम बनाने के तरीकों का अन्वेषण करता है। संक्षेप में, यह कार्यक्रम अधिकारियों को निर्बाध रूप से बड़ी और अधिक सफल नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार करता है।

उद्देश्य

कार्यक्रम के कुछ विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं

- **विद्यमान एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए डिजिटल निपुणता की आदत विकसित करना।**
- **स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए उद्यमशीलता की भावना पैदा करना।**
- **विशेष रूप से व्यवसाय में व्यावसायिक संचार बढ़ाने के लिए अनुप्रयोग।**
- **उनके संगठनात्मक विकास में आत्मविश्वास और योग्यता के द्वारा अधिक से अधिक योगदान देना।**

प्रमुख बिंदु

- डिजिटल निपुणता
- भविष्य के कौशल
- अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम में लचीलापन
- कैपस्टोन सिमुलेशन
- मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम पैकेज
- परिसर में गहन सहभागिता
- उद्योग अध्ययन

प्रवेश प्रक्रिया

ईएमबीए कार्यक्रम के लिए प्रवेश नीति के अनुसार, कैट और जीमैट वैध स्कोरकार्ड धारकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। ईएमबीए में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार के पास निम्नलिखित अनिवार्य होना चाहिए:

- यूजीसी/एआईयू द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त स्नातक की डिग्री, जहाँ न्यूनतम अंक हैं- सामान्य के लिए 50%, एनसी-ओबीसी के लिए 47% और एससी/एसटी/डीएपी के लिए 45%
- स्नातक के बाद न्यूनतम तीन वर्ष का प्रबंधकीय/उद्यमी/व्यावसायिक अनुभव।

ईएमबीए कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में सम्मिलित हैं, कैट/जीमैट स्कोर, या आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (EMAT) में प्राप्त अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार में उम्मीदवारों का प्रदर्शन।

ईएमबीए बैच 2024-26 के बारे में

ईएमबीए 2024-26 बैच में चालीस उम्मीदवारों को प्रवेश दिया गया था। यह बैच अनुभवी पेशेवरों का एक स्वस्थ समन्वय है, जो देश भर के उन प्रतिष्ठित संस्थानों से निकल कर आए हैं और जो राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय अग्रणी कंपनियों का हिस्सा रहे हैं।

कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना	
सत्र 1	**सत्र 2**
व्यावसायिक आँकड़े कार्यकारी संचार वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण विपणन प्रबंधन-I संगठनात्मक व्यवहार	व्यावसायिक सिमुलेशन कॉर्पोरेट संचार रणनीति डिज़ाइन कार्य संगठन प्रबंधन लेखांकन प्रबंधकीय अर्थशास्त्र विपणन प्रबंधन II
सत्र 3	**सत्र 4**
आलोचनात्मक सोच और पारस्परिक कौशल निर्णय मॉडलिंग डिजिटल विपणन समष्टि-अर्थशास्त्र विश्लेषण और लोक नीति प्रबंधन सूचना प्रणाली	कॉर्पोरेट वित्त कॉर्पोरेट नियम डिज़ाइन थिंकिंग और इनोवेशन संगठनों में लोगों का प्रबंधन करना संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध
सत्र 5	
कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग कैपस्टोन सिमुलेशन उद्यमशील संगठन और समाज परियोजनाओं का निर्माण और रिपोर्टिंग नेतृत्व बातचीत, मध्यस्थता और सुलह कूटनीतिक प्रबंधन	

ईएमबीए में क्षेत्रवार सांकेतिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम	
सामान्य प्रबंधन	**वित्त एवं लेखांकन**
प्रतिस्पर्धी परिदृश्य कॉर्पोरेट एथिक्स गवर्नेंस वैश्विक व्यापार के लिए अंतर-सांस्कृतिक कौशल उद्यमशीलता सामाजिक उद्यमिता	अग्रिम वित्तीय विवरण विश्लेषण व्यवसाय मूल्यांकन वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन उद्यमशील वित्तीय प्रबंधन वित्तीय व्यवहार वित्तीय व्युत्पन्न साधन और जोखिम प्रबंधन निवेश प्रबंधन वित्तीय बाज़ारों में व्यापारिक रणनीतियाँ उद्यम पूँजी और निवेश बैंकिंग व्यक्तिगत वित्त निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन
संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान	**संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंध**
व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन शोध निष्कर्षों का निर्माण उद्योग ४.०- व्यवसाय संचालन रूपांतरण प्रौद्योगिकी का प्रबंधन संचालन रणनीति परियोजना प्रबंधन गुणवत्ता प्रबंधन और सिक्स सिग्मा सेवा संचालन प्रबंधन अन्वेषणात्मक डेटा विश्लेषण अनुप्रयुक्त सर्वेक्षण डेटा विश्लेषण आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी उद्योग ४.०: व्यवसाय संचालन रूपांतरण व्यवसाय संचालन में प्रौद्योगिकी प्रबंधन	व्यवसाय नैतिकता क्षतिपूर्ति और लाभ रोजगार संबंध एचआर एनालिटिक्स श्रम कानून और औद्योगिक संबंध संधिवार्ता और संघर्ष प्रबंधन संगठनात्मक परिवर्तन और विकास निष्पादन प्रबंधन सत्ता और राजनीति प्रतिभा अधिग्रहण प्रबंधन डिजिटल परिवर्तन के लिए पुनर्विचार समूह

रणनीति	सूचना प्रौद्योगिकी
व्यापार प्रतिदर्श अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक प्रबंधन के लिए आधार नवाचार और कॉर्पोरेट उद्यमिता उभरते बाज़ारों के लिए रणनीतियाँ	उन्नत मशीन अधिगम व्यवसाय बुद्धिमत्ता और व्यवसाय विश्लेषिकी डेटा विज्ञान एवं मशीन अधिगम डेटा विज़ुअलाइज़ेशन डिजिटल व्यवसाय एवं सीमांत प्रौद्योगिकी व्यवसाय विश्लेषिकी का आधार सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन वेब और सोशल मीडिया एनालिटिक्स पाठ विश्लेषण
विपणन	**संचार**
व्यवसाय से व्यवसाय विपणन डिज़ाइन थिंकिंग का अनुप्रयोग डिजिटल विपणन मूल्य प्रबंधन उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन ग्रामीण विपणन बिक्री और वितरण रणनीतिक ब्रांड प्रबंधन	व्यवसाय प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय व्यापार मीडिया प्रबंधन मूवी प्रबंधन

अर्थशास्त्र
कृषि व्यवसाय विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अर्थशास्त्र उद्यमिता का अर्थशास्त्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थशास्त्र स्थिरता का प्रबंधन रणनीतिक लागत प्रबंधन

ईएमबीए 2024-26 बैच में बैच विविधता

लैंगिक विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	31
महिला	9

अध्ययन विषय विविधता

अध्ययन विषय	कुल प्रवेशित
इंजीनियरिंग	11
गैर- इंजीनियरिंग	29

कार्य अनुभव

कार्य अनुभव (वर्ष में)	अनुपात
3 से 5 वर्ष	42.5 %
5 से 10 वर्ष	27.5 %
10 से 15 वर्ष	20 %
15 से 20 वर्ष	8 %

उद्योग अनुभव

उद्योग	संख्या	उद्योग	संख्या
सूचना प्रौद्योगिकी	10	नवीकरणीय ऊर्जा	1
ऑटोमोबाईल	2	निर्माण	3
भारतीय रेल+मेट्रो	2	फार्मास्युटिकल	3
बिक्री और प्रस्ताव	2	विपणन	1
प्रबंधन	1	अन्य	13
विनिर्माण	2		

कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के बाद त्वरित बहिर्गमन एवं पुनः प्रवेश लेने का विकल्प:

ईएमबीए कार्यक्रम के प्रतिभागियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद बाहर निकलने का विकल्प दिया जा सकता है। ऐसे प्रतिभागियों को "सामान्य प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र" प्रदान किया जाएगा। इस प्रमाणन में निम्नलिखित संरचना शामिल होगी:

घटक	क्रेडिट	संपर्क घंटे
कार्यकारी पाठ्यक्रम	19.0	475
कैपस्टोन और बिजनेस	1.0	25
कुल	20.0	500

जिन प्रतिभागियों ने बाहर निकलने का विकल्प चुना है, वे कार्यक्रम में फिर से सम्मिलित हो सकते हैं। हालाँकि, उन्हें एमबीए की डिग्री प्राप्त करने के लिए मूल पंजीकरण की तिथि से चार वर्ष के भीतर ईएमबीए कार्यक्रम की सभी अहर्ताओं को पूर्ण करना होगा।

कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर के द्विवर्षीय कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) (ईएमबीएए) कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता बनने के लिए तैयार करना है, जो संगठनात्मक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए एनालिटिक्स की शक्ति का उपयोग कर सकते हैं। यह कार्यक्रम बहु-विषयक शैक्षणिक एवं व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को विश्लेषकी, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन के उभरते और अंतःविषय क्षेत्रों में प्रशिक्षित करता है। यह कार्यक्रम संरचना उन कार्यकारी अधिकारियों और उद्यमियों के लिए गठित की गई है जो प्रबंधन शिक्षा में आगे बढ़ने का अवसर चाहते हैं, लेकिन जिनके लिए प्रबंधन में पूर्णकालिक कार्यक्रम में प्रवेश लेना कठिन दिखाई पड़ता है। ईएमबीएए कार्यकारी अधिकारियों को अपने संबंधित व्यवसायों में संलिप्त रहने के साथ ही साथ, अपने ज्ञान के आधार को उन्नत करने हेतु लचीलापन प्रदान करने के लिए गठित किया गया है। ईएमबीएए में एक दृढ़ पाठ्यक्रम शामिल है, जो प्रतिभागियों को विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों से परिचित कराता है एवं उनके साथियों, प्राध्यापकों और उनके संगठनों के साथ रचनात्मक सहयोग के लिए अवसर प्रदान करता है। ईएमबीएए कार्यक्रम विषयवस्तु और दृढ़ता में नियमित एमबीएए के समकक्ष है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपने ज्ञान के आधार को उन्नत करने एवं अपने कौशल तथा दक्षताओं को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ें और अंततः अपने संगठनों में नेतृत्वकर्ता की भूमिका का निर्वहन कर सकें। ईएमबीएए का अभिनव दृष्टिकोण, आवश्यकता-आधारित पाठ्यक्रम, डेटा-संचालित दृष्टिकोण और अनुभवी प्राध्यापक एक एकीकृत शिक्षण अनुभव प्रदान करते हैं जो उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखते हुए, प्रतिभागियों के प्रबंधकीय कैरियर पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम है। छह सत्रों में विभाजित इस 24 महीनों के कार्यक्रम में 900 घंटे का संपर्क-समय मिलता है। अकादमिक इनपुट दो प्रकार के पाठ्यक्रमों के माध्यम से दिया जाता है: मुख्य पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम। कक्षाएँ सप्ताहांत में ऑनलाइन आयोजित की जाती हैं और प्रत्येक सत्र से पहले एक कैंपस इमर्शन एवं शिक्षण मॉड्यूल होता है। पहले तीन सत्रों में मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जबकि चौथे, पाँचवें और छठे सत्र में मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को विश्लेषण और प्रबंधन अवधारणाओं से परिचित कराते हैं एवं उन्हें समर्थ बनाते हैं। इस मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उम्मीदवारों को तकनीकी कौशल, व्यवसाय के बुनियादी सिद्धांतों, प्रबंधन पद्धतियों, नेतृत्व एवं रणनीति और बिजनेस एनालिटिक्स के लिए विशिष्ट समकालीन कौशल में प्रशिक्षित करना है। इसके अलावा, यह प्रतिभागियों को उद्योग 4.0 में सफल होने के लिए आवश्यक अंतःविषयी कौशल से सँवारता करता है।

ऐसे कई अधिकारी हैं जो नौकरी छोड़े बिना प्रबंधन योग्यता प्राप्त करके अपनी शिक्षा प्रोफ़ाइल को उन्नत करना चाहते हैं। ईएमबीएए इस आवश्यकता को पूरा करने में मदद करता है। इस प्रकार इस कार्यक्रम के अध्ययन-लक्ष्य, प्रबंधन शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में मौजूद रहने एवं महत्वपूर्ण सोच और नवाचार में सक्षम व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने के अभियान के साथ जुड़ा हुआ है। इस कार्यक्रम के अध्ययन-लक्ष्य अभिव्यक्ति के विभिन्न तत्वों के साथ संरेखित हैं। लक्ष्य अभिव्यक्ति के तत्वों के साथ लक्ष्यों का मानचित्रण नीचे प्रस्तुत किया गया है।

सीखने के लक्ष्य	लक्ष्य कथन के साथ संरेखण
लक्ष्य: आधुनिक व्यावसायिक पद्धतियाँ और संदर्भ के बारे में ज्ञान का प्रदर्शन।	अनुप्रयुक्त एवं अंतःविषयी अनुसंधान और प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अभ्यास
लक्ष्य: व्यावसायिक प्रक्रियाओं का विश्लेषण करना और आलोचनात्मक दृष्टिकोण से उनका मूल्यांकन करना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता
लक्ष्य: पाठ्यक्रम की सीखों को प्रयोग में लाना, समझना और विश्लेषण-संचालित व्यावसायिक समाधान बनाना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता
लक्ष्य: प्रबंधन और विश्लेषणात्मक अवधारणाओं के ज्ञान को प्रदर्शित करना।	अनुप्रयुक्त एवं अंतःविषयी अनुसंधान और प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अभ्यास
लक्ष्य: वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान के लिए आलोचनात्मक सोच प्रदर्शित करना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता

1. प्रतिभागियों की विवरणिका/प्रोफ़ाइल

ईएमबीए (2024-26), के तृतीय बैच के लिए कुल 169 आवेदन प्राप्त हुए थे और जिसमें से 62 प्रतिभागियों ने प्रवेश लिया। 62 प्रतिभागियों में से, 47 प्रतिभागी पुरुष हैं एवं 15 महिलाएँ प्रतिभागी हैं। 61 प्रतिभागी भारत के विविध राज्यों से हैं एवं 01 प्रतिभागी सऊदी अरब से है।

1.1 लैंगिक विविधता

2024-26 बैच में 15 महिलाएँ एवं 47 पुरुष प्रतिभागी सम्मिलित हैं।

लिंग	संख्या
पुरुष	47
महिला	15

1.2 स्नातक स्तर की पढ़ाई के अनुसार शैक्षिक योग्यता ब्रेकअप: 2024-26 बैच के लगभग 35% प्रतिभागी कंप्युटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से हैं। शेष 21% प्रतिभागी कोर इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

डिग्री का प्रकार	प्रतिभागियों का अनुपात
आईटी/ कंप्युटर साइंस इंजीनियरिंग	35.48 %
कोर इंजीनियरिंग	20.96 %
कॉमर्स	16.13 %
साइंसेस	6.4 %
अन्य	20.96 %

1.3 कार्य अनुभव: तीन वर्ष का अनुभव इस कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए मूल मानदंड है। लगभग एक तिहाई प्रतिभागियों के पास पाँच से दस वर्ष के बीच का कार्य अनुभव है एवं औसत कार्य अनुभव 7.13 वर्ष है। नीचे दी गई तालिका प्रतिभागियों के कार्य अनुभव को दर्शाती है।

कार्य अनुभव (वर्ष में)	अनुपात
3 से 5 वर्ष	46.77 %
5 से 10 वर्ष	30.64 %
10 से 15 वर्ष	14.51 %
15 से 20 वर्ष	8.06 %

1.4 **उद्योग क्षेत्र की पृष्ठभूमि:** अधिकतर प्रतिभागी आईटी/आईटीईएस (सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएँ) से हैं, साथ ही बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ और परामर्श/कंसल्टिंग हैं। अन्य उद्योग क्षेत्रों में स्वास्थ्य, निर्माण एवं विनिर्माण, शिक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और विविध कार्यक्षेत्र भी सम्मिलित हैं।

उद्योग	अनुपात
आईटी एवं आईटीईएस	32.25 %
परामर्श	6.45 %
बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ	24.19 %
स्वास्थ्य	4.83 %
शिक्षा	3.22 %
निर्माण एवं विनिर्माण	6.45 %
विविध	17.74 %
इलेक्ट्रॉनिक्स	3.22 %
लॉजिस्टिक्स एवं सरकार	1.61%

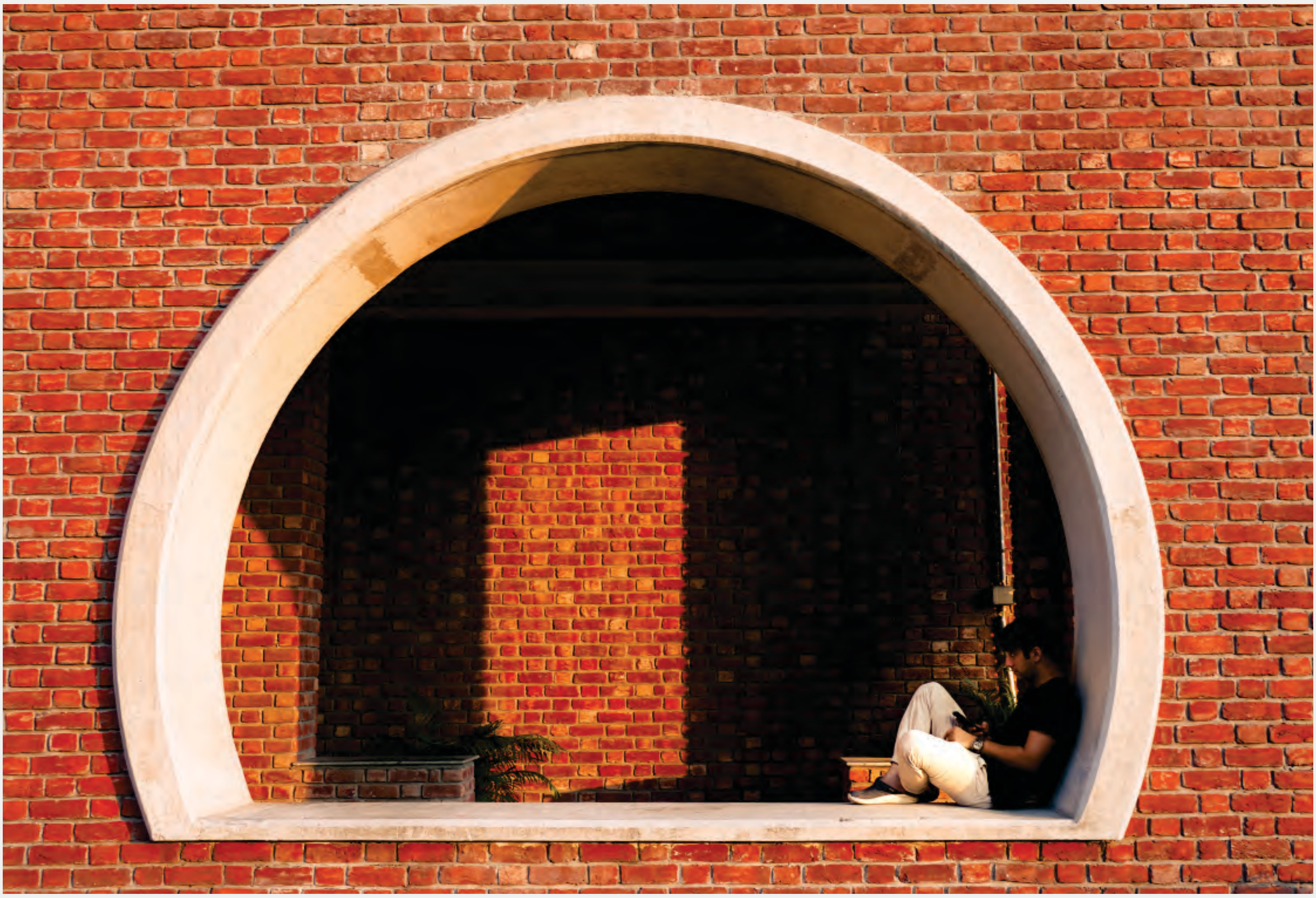

2.0 कार्यक्रम संरचना:

कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है (प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष प्रत्येक में तीन-तीन सत्र)।

2.1 प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम

ईएमबीएए - प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम			
सत्र I			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
संगठनात्मक व्यवहार	1	25	प्रबंधन कोर
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
वित्तीय बाजार	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1	25	प्रबंधन कोर
सांख्यिकी I	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
गणितीय आधार	1	25	एनालिटिक्स कोर
एक्सेल और एसक्यूएल का परिचय	1	25	एनालिटिक्स कोर
प्रोग्रामिंग इन आर	1	25	एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	***6.5***	***162.5***	***MC = 3, AC = 3.5***

सत्र II			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
विपणन प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
उद्यमिता	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
डिजाइन सोच और नवाचार	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
निर्णय मॉडलिंग	1	25	एनालिटिक्स कोर
सांख्यिकी II	1	25	एनालिटिक्स कोर
प्रबंधन सूचना प्रणाली	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
पाइथन के साथ व्यवसाय विश्लेषकी का परिचय	1	25	एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	***6.5***	***162.5***	***MC = 3, AC = 3.5***

सत्र III			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**टिप्पणियाँ**
संगठनों में लोक प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
रणनीतिक प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
कॉर्पोरेट वित्त	1	25	प्रबंधन कोर
विपणन अनुसंधान	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	1	25	एनालिटिक्स कोर
डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग	1	25	एनालिटिक्स कोर
अर्थमिति	1	25	एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	***6.5***	***162.5***	***MC = 3, AC = 3.5***
प्रथम वर्ष का कुल योग	***19.5***	***487.5***	***MC = 9, AC = 10.5***
कोर = 19.5, ऐच्छिक = 0			

2.2 द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम

ईएमबीएए – द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम			
सत्र IV			
पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणियाँ
बहुविषयी डेटा विश्लेषण	1	25	एनालिटिक्स कोर
डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	1	25	एनालिटिक्स कोर
व्यवसाय हेतु सूचना प्रौद्योगिकी	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	2	50	एनालिटिक्स
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	0.5	12.5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
उद्योग कार्यशाला (एक)	NA	12.5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सत्र का कुल योग	***5***	***137.5***	***AC = 4.5-5, MC= 0-0.5***

सत्र V			
पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणियाँ
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	2	50	एनालिटिक्स
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	2	50	एनालिटिक्स/प्रबंधन
ऐच्छिक /CIS (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	1	25	एनालिटिक्स/प्रबंधन
उद्योग कार्यशाला (एक)	NA	12,5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सत्र का कुल योग	***5***	***137.5***	***AC = 2-5, MC= 0-3***

सत्र VI			
पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणियाँ
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	1	25	एनालिटिक्स
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	1	25	एनालिटिक्स/प्रबंधन
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	1	25	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सिमुलेशन एण्ड गेम (2.0 क्रेडिट्स)	2	50	प्रबंधन
उद्योग कार्यशाला (एक)	NA	12.5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सत्र का कुल योग	5	137.5	***AC = 1-3, MC= 2-4***
द्वितीय वर्ष का कुल योग [कोर: 6.5, ऐच्छिक: 8.5]	15	412.5	***AC = 7.5-13, MC= 2-7.5***
कुल योग [कोर = 26.0, ऐच्छिक = 8.5]	***34.5***	***900***	***AC = 18 – 23.5***
			MC= 11-16.5
			तीन उद्योग कार्यशालाएँ

2.3 द्वितीय वर्ष ऐच्छिक:

क्षेत्र	ऐच्छिक पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम का प्रकार
परिचालन प्रबंधन	सिक्स सिग्मा	प्रबंधन ऐच्छिक
	आर का उपयोग करके निर्णय लेना: एक केस स्टडी दृष्टिकोण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	उन्नत परिचालन अनुसंधान	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण	एनालिटिक्स कोर
	परियोजना प्रबंधन	प्रबंधन ऐच्छिक
	आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	आर (R) का उपयोग कर व्यवसाय विश्लेषण हेतु डेटा माइनिंग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और गहन अधिगम	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	एनालिटिक्स कोर
	व्यवसाय हेतु सूचना प्रौद्योगिकी	एनालिटिक्स कोर
	उद्यम संसाधन योजना प्रणाली	प्रबंधन ऐच्छिक
	सामाजिक तंत्र विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	व्यवसाय बुद्धिमत्ता एवं व्यवसाय विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	ब्लॉकचेन के माध्यम से व्यावसायिक नवाचार	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	सुदृढ़ीकरण अधिगम का उपयोग कर उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन क्लाउड	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	स्पार्क के साथ एमएल अनुप्रयोग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
ओबी एवं एचआरएम	भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संगठनात्मक उत्कृष्टता	प्रबंधन ऐच्छिक
	मेकिंग टीम्स वर्क	प्रबंधन ऐच्छिक
	डिजिटल नेतृत्व	प्रबंधन ऐच्छिक
	विघटनकारी विश्व में परिवर्तन का प्रबंधन: समानांतर अनुकरण (सिमुलेशन) के माध्यम से सीखना	प्रबंधन ऐच्छिक
अर्थशास्त्र	स्थिरता विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विश्लेषण,	एनालिटिक्स ऐच्छिक
वित्त एवं लेखांकन	वित्तीय व्युत्पन्न साधन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	व्यवसाय मूल्यांकन	प्रबंधन ऐच्छिक
	वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
रणनीति	उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ (एसईएम)	प्रबंधन ऐच्छिक
विपणन	डिजिटल मार्केटिंग	प्रबंधन ऐच्छिक
	सामाजिक विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक
	व्यवसाय-से-व्यवसाय विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक
	उपभोक्ता व्यवहार विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक / प्रबंधन ऐच्छिक
	विपणन विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक

2.4 कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के बाद त्वरित बहिर्गमन एवं पुनः प्रवेश लेने का विकल्प

ईएमबीएए कार्यक्रम के प्रतिभागियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद बाहर निकलने का विकल्प दिया जा सकता है। ऐसे प्रतिभागियों को **"बिजनेस एनालिटिक्स में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र"** प्रदान किया जाएगा। इस **प्रमाणन** में निम्नलिखित संरचना सम्मिलित होगी:

घटक	क्रेडिट	संपर्क घंटे
विश्लेषिकी पाठ्यक्रम	10.5	262.5
प्रबंधन पाठ्यक्रम	9	225
कैपस्टोन/सीआईएस	0.5	12.5
कुल	20	500

जिन प्रतिभागियों ने बाहर निकलने का विकल्प चुना है, वे कार्यक्रम में पुनः सम्मिलित हो सकते हैं। हालाँकि, उन्हें एमबीए की डिग्री प्राप्त करने के लिए मूल पंजीकरण की तिथि से चार वर्ष के भीतर ईएमबीएए कार्यक्रम की सभी अहर्ताओं को पूर्ण करना होगा।

2.5 उद्योग कार्यशाला पाठ्यक्रम:

उद्योग कार्यशालाओं का उद्देश्य स्नातक करने वाले समूह की उद्योग-तत्परता को उन्नत करने का एक अनूठा तरीका होना है। यह देखते हुए कि सभी समूहों में कार्य-अनुभव वाला अनुभाग सम्मिलित है, इसे एक महत्वपूर्ण निविष्टि/इनपुट के रूप में देखा जाता है जो ईएमबीएए कार्यक्रम इन प्रतिभागियों को प्रदान करता है। इसीलिए इसे आईआईएम काशीपुर ईएमबीएए कार्यक्रम के विभेदकों में से एक के रूप में देखा जाता है।

ये प्रत्येक कार्यशालाएँ 12.5 घंटे की संकाय सहभागिता आधारित होती हैं और इनमें कोई क्रेडिट नहीं होता है।

ईएमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2023-25 की उद्योग कार्यशालाओं का विवरण:

क्र. सं.	उद्योग कार्यशाला	सत्र
1	ब्लॉकचेन के साथ व्यापार	IV
2	उन्नत विश्लेषिकी रणनीति और परामर्श: डिजिटल परिवर्तन को सक्षम करना	V
3	व्यावसायिक समस्याओं को हल करने में सांख्यिकी और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग पर उद्योग कार्यशाला	VI

2.6 मुख्य बातें:

1. ईएमबीए (एनालिटिक्स) 2023-25 के द्वितीय बैच का उद्घाटन 08 मई 2023 को 82 प्रतिभागियों के साथ किया गया।
2. कार्यक्रम के दो वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण हुए और 30 अप्रैल 2025 को आयोजित बारहवें दीक्षांत समारोह में 72 प्रतिभागी उत्तीर्ण हुए।
3. ईएमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2023-25 के लिए सत्र IV, V और VI के लिए 39 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गए।
4. 2024-26 के तृतीय बैच का उद्घाटन 20 मई 2024 को 62 प्रतिभागियों के साथ किया गया और 57 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम का प्रथम वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है।

डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी)

डॉक्टरेट कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है, जिसे पेशेवरों की शैक्षणिक और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गठित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्वानों को प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान और शोध करने के लिए आवश्यक कौशल से उपकरणीकृत करना है।

डॉक्टरेट कार्यक्रम ऐसे उम्मीदवारों की माँग करता है जिनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि उत्कृष्ट हो, बौद्धिक जिज्ञासा हो एवं विद्वतापूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक अनुशासन हो। यह उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो अध्येताओं के प्रभावोत्पादक कार्य के प्रकाशन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हों।

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

- प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए अध्येताओं को प्रोत्साहित करना, जिससे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन हो और वास्तविक दुनिया की प्रबंधन चुनौतियों के लिए प्रयोगात्मक समाधान मिल सके।
- प्रबंधन के जटिल मुद्दों को समझने और उनकी जाँच करने के लिए आवश्यक समझ और कौशल विकसित करना।
- अध्येताओं को शैक्षणिक अनुसंधान एवं शिक्षण में करियर के लिए तैयार करना, जिससे देश में योग्य प्रबंधन प्राध्यापकों की कमी को पूरा करने में सहायता मिल सके।

पाठ्यक्रम कार्य के भाग के तहत डॉक्टरेट अध्येताओं को 28 क्रेडिट पूरे करने होते हैं, जो न्यूनतम 700 घंटे के समकक्ष है। इस व्यापक परीक्षा की पात्रता के लिए प्रथम वर्ष (सत्र 3) के समापन तक 10-पॉइंट स्केल पर न्यूनतम 6.5 का सीजीपीए प्राप्त करना होगा एवं द्वितीय वर्ष (सत्र 6) की समाप्ति तक इसे बनाए रखना होगा।

इस कार्यक्रम में प्रतिवर्ष जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में प्रवेश प्रक्रिया होती है।

1. स्नातक अध्येता:

अप्रैल 2024 में कुल सात (07) डॉक्टरेट अध्येताओं ने स्नातक किया।

2. प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम:

आईआईएम काशीपुर में प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम (ईएफपीएम) को एक कार्यकारी डॉक्टरेट कार्यक्रम के तौर पर प्रारूपित किया गया था, ताकि अनुभवी पेशेवरों की शैक्षणिक एवं अनुसंधान की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके, जो गहन शोध के माध्यम से जटिल प्रबंधकीय मुद्दों को समझना और उनका समाधान करना चाहते हैं।

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थे:

- अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन हो और वास्तविक दुनिया की प्रबंधन समस्याओं के प्रयोगात्मक समाधान खोजे जा सकें।
- अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर अन्वेषण करने के लिए आवश्यक समझ एवं कौशल से सँवारना।
- अध्येताओं के मध्य प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षण में करियर के लिए संभावित विशेषज्ञता विकसित करना और जिससे देश में उच्च गुणवत्ता वाले प्रबंधन प्राध्यापकों की उपलब्धता में योगदान मिल सके।
- 2019 से, ईएफपीएम कार्यक्रम में प्रवेश बंद कर दिए गए हैं।

लैंगिक विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	08
महिला	02

31 मार्च 2025 को ईएफपीएम बैच की संख्या:

ईएफपीएम में पंजीकृत अभ्यर्थियों का क्षेत्रवार वितरण	
श्रेणी	**उपस्थित उम्मीदवार**
संचालन एवं निर्णय विज्ञान	02
संगठनात्मक व्यवहार और एचआरएम	02
विपणन	01
वित्त एवं लेखांकन	01
सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली	02
रणनीति	01
अर्थशास्त्र	01

सभी ईएफपीएम अध्येताओं ने सफलतापूर्वक अपना आंतरिक शोध-प्रबंध मूल्यांकन पूरा कर लिया है, शोध-प्रबंध को मूल्यांकन के लिए बाह्य-परीक्षक के पास भेज दिया गया है और वे अंतिम मूल्यांकन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

ग्रेजुएट स्कॉलर्स:

अप्रैल 2024 में कुल आठ (08) ईएफपीएम अध्येता स्नातक हुए।

दीक्षांत समारोह 2024

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर ने 27 अप्रैल 2024 को अपना ग्यारहवाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह मनाया, केपीएमजी इंडिया के प्रधान कार्यकारी अधिकारी श्री येज्दी नेगपोरेवाला ने मुख्य अतिथि के तौर पर इस समारोह की शोभा बढ़ाई।

कुल 435 प्रतिभागियों को कन्वोकेशन मिला, जिनमें एमबीए कार्यक्रम के 232 प्रतिभागी, एमबीए एनालिटिक्स कार्यक्रम के 87 प्रतिभागी, डॉक्टोरल कार्यक्रम के 12 प्रतिभागी, ईएमबीए कार्यक्रम के 21 प्रतिभागी और ईएमबीए एनालिटिक्स कार्यक्रम के 83 प्रतिभागी सम्मिलित थे।

कुल 09 प्रतिभागियों को उनके संबंधित कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक (स्वर्ण, रजत एवं कांस्य) से सम्मानित किया गया एवं एक प्रतिभागी को एमबीए और एमबीए एनालिटिक्स कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए पदक (स्वर्ण) से सम्मानित किया गया।

क्र. सं.	कार्यक्रम	अनुक्रमांक सं.	प्रतिभागी का नाम	पदक
1	एमबीए	एमबीए22169	श्रवण हरिहरण	स्वर्ण
2	एमबीए	एमबीए22270	बोधिसत्त्व घोष	रजत
3	एमबीए	एमबीए22285	शिवम शर्मा	कांस्य
4	एमबीए	एमबीए22280	अमित विक्रम श्रीवास्तव	स्वर्ण (सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन)
5	एमबीए एनालिटिक्स	एमबीएए22075	स्रीजता मैती	स्वर्ण
6	एमबीए एनालिटिक्स	एमबीएए22076	सुभम सेखर सारंगी	रजत
7	ईएमबीए	ईएमबीए2113	कपिल शर्मा	स्वर्ण
8	ईएमबीए	ईएमबीए2110	गौरव डोबरियाल	रजत
9	एमबीए एनालिटिक्स	ईएमबीएए22057	रमनदीप कौर	स्वर्ण
10	ईएमबीए एनालिटिक्स	ईएमबीएए22092	योगेश विजय वलुंज	रजत

संस्थान ने बैच के शीर्ष 5% विद्यार्थियों को निदेशक की मेरिट सूची से भी सम्मानित किया। दीक्षांत समारोह 2024 के दौरान निम्नलिखित प्रतिभागी निदेशक की मेरिट सूची पुरस्कार के प्राप्तकर्ता रहे।

क्र. सं.	कार्यक्रम	अनुक्रमांक सं.	प्रतिभागी का नाम
1	एमबीए	एमबीए22169	श्रवण हरिहरण
2	एमबीए	एमबीए22270	बोधिसत्त्व घोष
3	एमबीए	एमबीए22285	शिवम शर्मा
4	एमबीए	एमबीए22149	शेलके प्रशांत संजय
5	एमबीए	एमबीए22156	रोहित दादी
6	एमबीए	एमबीए22245	सुरुचि तिवारी
7	एमबीए	एमबीए22212	गौरव शर्मा
8	एमबीए	एमबीए22039	खुशर नंदवानी
9	एमबीए	एमबीए22272	किंशुल सिंघल
10	एमबीए	एमबीए22280	अमित विक्रम श्रीवास्तव
11	एमबीए	एमबीए22019	अतिशय जैन
12	एमबीए	एमबीए22260	अर्णव मेहता
13	एमबीए एनालिटिक्स	एमबीएए22075	स्रीजता मैती
14	एमबीए एनालिटिक्स	एमबीएए22076	सुभम सेखर सारंगी
15	एमबीए एनालिटिक्स	एमबीएए22079	स्वाति सलोनी पत्रो
16	एमबीए एनालिटिक्स	एमबीएए22025	ध्रुव चौधरी
17	एमबीए एनालिटिक्स	एमबीएए22069	शुभी गुप्ता

छात्रवृत्तियाँ

अपने प्रयासों में कि कोई भी अभ्यर्थी वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण संस्थान में एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित न रहे, आईआईएम काशीपुर प्रतिवर्ष योग्य प्रतिभागियों को उदार वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निर्धारण वर्ष 2011-20 में, आईआईएम काशीपुर ने प्रतिभागियों की पारिवारिक आय और शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर 10% तक वित्तीय सहायता की स्थापना की। हालाँकि, निर्धारण वर्ष 2020-21 से, संस्थान ने एमबीए और एमबीएए कार्यक्रमों के पात्र प्रतिभागियों को ट्यूशन फीस की पूर्ण छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। निम्नलिखित तीन प्रकार की संस्थागत छात्रवृत्तियाँ एमबीए और एमबीएए प्रतिभागियों के लिए उपलब्ध होती हैं:

- आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति
- आवश्यकता-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति
- योग्यता-आधारित छात्रवृत्ति

2024-25 में कुल 66 विद्यार्थियों को संस्थान प्रायोजित छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुईं। विवरण के लिए नीचे दी गई तालिका देखें.

छात्रवृत्ति	एमबीए 2023-25 बैच	एमबीए 2024-26 बैच	एमबीएए 2023-24 बैच	एमबीएए 2024-26 बैच	कुल
आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति	14	9	07	07	**37**
आवश्यकतायोग्यता-सह-आधारित छात्रवृत्ति	9	4	03	01	**17**
योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	4	4	02	02	**12**

भारत सरकार की छात्रवृत्ति

भारत सरकार की निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ छात्रों के लिए उपलब्ध हैं:

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना प्रदान की गई।
- एसटी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति, मंत्रालय जनजातीय मामलों द्वारा प्रदान की जाती है।
- ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी विद्यार्थियों के लिए कॉलेज में शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना 2024-25।

भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालय/विभाग द्वारा प्रस्तावित केंद्रीय छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत कुल 91 विद्यार्थियों को 2024-25 में अनुदान प्राप्त हुआ। विस्तृत जानकारी नीचे दिखाई गई है।

छात्रवृत्ति योजनाएँ	**नवागत**	**नवीनीकृत**
अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना	11	12
एसटी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति	13	10
ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी विद्यार्थियों हेतु कॉलेज में उच्च श्रेणी के लिए शिक्षा की पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना 2024-25	33	12
कुल	**57**	**34**

अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाएँ

अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाएँ	**नवागत**	**नवीनीकृत**
स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	3	NIL
पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग (तमिलनाडु सरकार)	NIL	3
मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना हिमाचल प्रदेश	1	NIL
दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति	2	2
एससी/एसटी कल्याण विभाग की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना - (दिल्ली)	1	NIL
राजाश्री शाहू महाराज मेरिट छात्रवृत्ति एससी छात्र- (महाराष्ट्र)	NIL	1
कुल	**7**	**6**

अन्य छात्रवृत्ति योजनाएँ

संस्थान द्वारा प्रायोजित और भारत सरकार की छात्रवृत्ति के अलावा, निम्नलिखित संगठन भी 15 योग्य विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाएँ	**नवागत**	**नवीनीकृत**
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक स्कॉलरशिप	5	6
रतनलाल कँवरलाल पत्नि प्रतिष्ठान छात्रवृत्ति	1	NIL
जना देवी मॉल छात्रवृत्ति 2024-25	1	NIL
कुल	**7**	**6**

प्रवेश

आईआईएम काशीपुर ने, दस द्वितीय एवं तृतीय पीढ़ी के आईआईएम के एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश हेतु सामान्य प्रवेश प्रक्रिया (CAP) 2024 के आयोजन के लिए संयोजक की भूमिका निभाई। मेरिट सूची तैयार करने के लिए 15,361 से अधिक अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। यह दर्शाता है कि देश में प्रबंधन शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सहयोगी आईआईएम सामूहिक रूप से किस प्रकार कार्य करते हैं।

2024 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया जुलाई 2024 में पूर्ण हुई। आईआईएम काशीपुर के दोनों प्रमुख (फ्लैगशिप) कार्यक्रमों—एमबीए तथा एमबीए (एनालिटिक्स) में उपलब्ध सीटों की संख्या नीचे दी गई है:

कार्यक्रम का नाम	स्वीकृत प्रवेश क्षमता 2024
एमबीए	300
एमबीए (एनालिटिक्स)	150

एमबीए 2024 प्रवेश की प्रमुख झलकियाँ

i. **कुल प्रवेशित विद्यार्थी**–सामान्य) **292**–155, एनसी ओबीसी–65, एससी–25, एसटी–09, डीएपी–18, ईडब्ल्यूएस–20)

ii. वर्तमान बैच के लिए कुल 216 **पुरुष** एवं 76 **महिला** अभ्यर्थियों का पंजीकरण किया गया। विगत वर्ष की तुलना में महिला विद्यार्थियों की संख्या 62 से बढ़कर 76 हो गई है। एमबीए 2024– बैच में प्रवेशित 26 **महिला विद्यार्थियों** की संख्या, पिछले बैच की तुलना में **22.58%** अधिक रही है।

iii. पिछले वर्ष के 132 विद्यार्थियों की तुलना में, **एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले कुल 152 विद्यार्थियों** को प्रवेश दिया गया, जो कि पिछले बैच की तुलना में 15.15% अधिक है। समग्र रूप से, कुल मिलकर **बैच के 52.05% विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का कार्य अनुभव है।** पिछले कुछ वर्षों में प्रवेश नीति में कार्य अनुभव को अधिक वरीयता देने पर निरंतर ध्यान केंद्रित किए जाने के परिणामस्वरूप अधिक अनुभवी बैच का गठन संभव हो पाया है।

iv. **विषय/शैक्षणिक विविधता** – यह बैच इंजीनियरिंग एवं गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों का एक सम्मिश्रण है। **बैच में गैर-इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की हिस्सेदारी 68.15% है।**

v. भारत के राज्यों **केंद्र शासित प्रदेशों 25** से विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व।

एमबीए प्रवेश

आईआईएम काशीपुर में प्रवेश विभिन्न मापदंडों के तहत उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में कैट स्कोर, शैक्षणिक पृष्ठभूमि एवं उम्मीदवार का व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) का स्कोर सम्मिलित होता है।

पीआई प्रक्रिया एक सामान्य प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से दस आईआईएम, जो हैं आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम नागपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम राँची, आईआईएम संबलपुर, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम त्रिची और आईआईएम उदयपुर के साथ आयोजित की जाती है।

सीएपी 2024 प्रक्रिया के लिए कुल 23,376 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिनमें से 18,152 अभ्यर्थियों ने प्रक्रिया के लिए पंजीकरण किया तथा इनमें से 292 अभ्यर्थियों को आईआईएम काशीपुर के एमबीए 2024–26 बैच में प्रवेश दिया गया।

एमबीए 2024-26 का यह बैच देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से निकले नए स्नातकों एवं अग्रणी राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का हिस्सा रहे अनुभवी पेशेवरों का एक स्वस्थ मिश्रण है।

एमबीए 2024–26 के लिए प्रवेशित विद्यार्थियों का न्यूनतम एवं अधिकतम कैट पर्सेंटाइल

श्रेणी	सामान्य	एनसी-ओबीसी	इडब्ल्यूएस	एससी	एसटी	डीएपी
प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या	155	65	20	25	09	18
न्यूनतम कैट पर्सेंटाइल	94.00	77.37	77.73	60.89	40.55	40.01
अधिकतम कैट पर्सेंटाइल	99.60	95.73	95.35	87.37	76.22	84.87

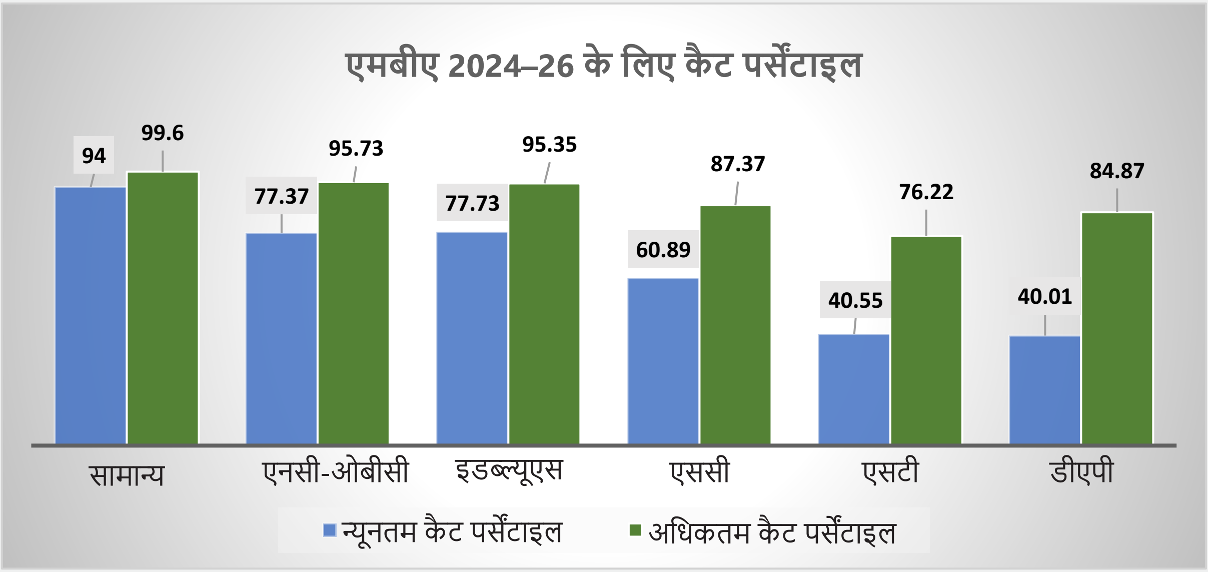

एमबीए 2024-26 बैच में लैंगिक विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	216
महिला	76

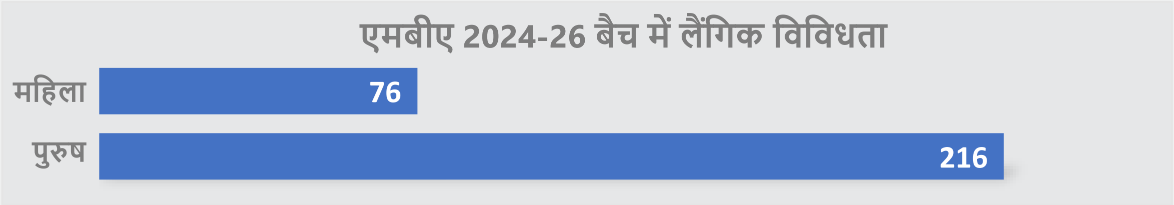

एमबीए 2024-26 बैच में अध्ययन विषय विविधता

अध्ययन विषय	संख्या
इंजीनियरिंग	93
गैर-इंजीनियरिंग	199

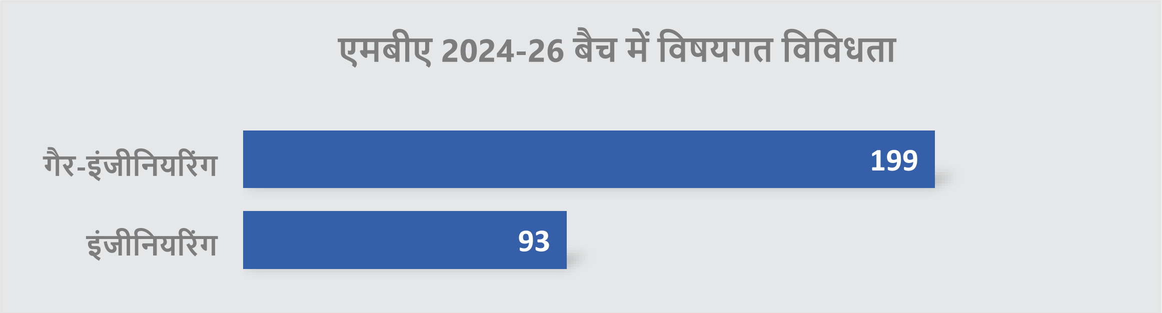

कार्य अनुभव

कार्य अनुभव	विद्यार्थियों की संख्या
6 माह से कम	112
6 माह से 12 माह	28
12 से 24 माह से अधिक	120
24 माह से अधिक	32

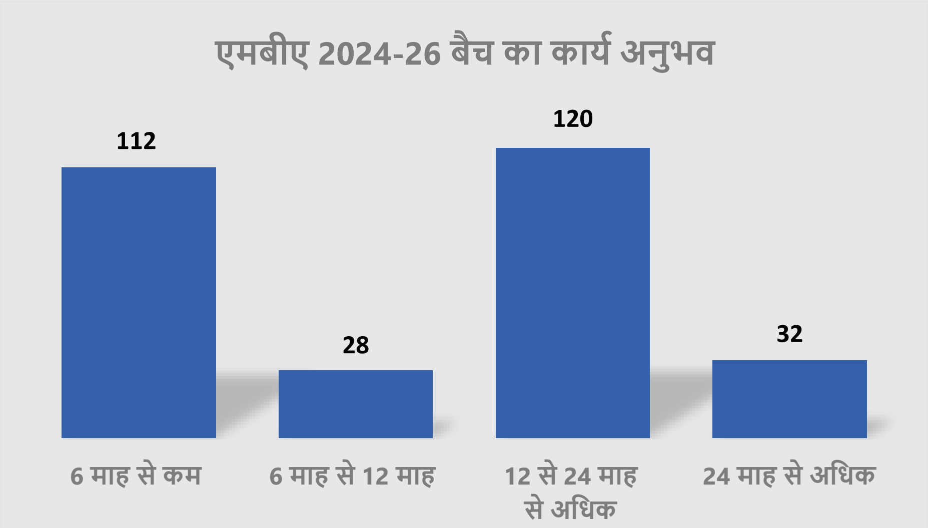

एमबीए (एनालिटिक्स) 2024 प्रवेश की प्रमुख झलकियाँ

i. कुल प्रवेशित विद्यार्थी – **165 (सामान्य–52, एनसी-ओबीसी–37, एससी–23, एसटी–17, डीएपी–12, ईडब्ल्यूएस–24)**

ii. बैच में कुल **118 महिला अभ्यर्थी** सम्मिलित हैं। इस बैच में कुल 71.51% महिला विद्यार्थी हैं।

iii. पिछले वर्ष के 87 विद्यार्थियों की तुलना में, एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले 100 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। **समग्र रूप से, बैच के 60.61% विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का कार्य अनुभव है।**

iv. अध्ययन विषय विविधता पिछले बैच के समान रही। बैच में **गैर-इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की भागीदारी 54.55% है, जिसमें 165 में से 90** विद्यार्थी गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं।

v. भारत के **20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** से विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व।

vi. एमबीए (एनालिटिक्स) 2024–26 बैच की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इस विशेषीकृत कार्यक्रम में लगातार दूसरे वर्ष **118 महिला अभ्यर्थियों** का रिकॉर्ड प्रवेश है। यह आईआईएम काशीपुर के एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में अब तक की सबसे अधिक महिला विद्यार्थी संख्या है।

एमबीए (एनालिटिक्स) प्रवेश

एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम के लिए आवेदन प्रवेश नीति के अनुसार वैध कैट या जीमैट स्कोरकार्ड वाले अभ्यर्थियों से आमंत्रित किए गए थे। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में प्रवेश, अभ्यर्थियों के विभिन्न शैक्षणिक मानकों पर समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। इन मानकों में कैट/जीमैट स्कोर, शैक्षणिक रिकॉर्ड तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) सम्मिलित हैं।

कुल 8,146 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 1,698 अभ्यर्थियों को एमबीए (एनालिटिक्स) के व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों में से 1,308 अभ्यर्थी व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) प्रक्रिया में सम्मिलित हुए।

एमबीए (एनालिटिक्स) 2024–26 बैच में कुल 165 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। इनमें से 118 महिला अभ्यर्थियों को 165 की संख्या वाले बैच में प्रवेश मिला, अर्थात् इस बैच का लगभग 71.51% भाग महिला विद्यार्थियों का है, जो आईआईएम काशीपुर में लैंगिक विविधता के क्षेत्र में एक रिकॉर्ड है।

एमबीए (एनालिटिक्स) 2024-26 बैच में लैंगिक विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	47
महिला	118

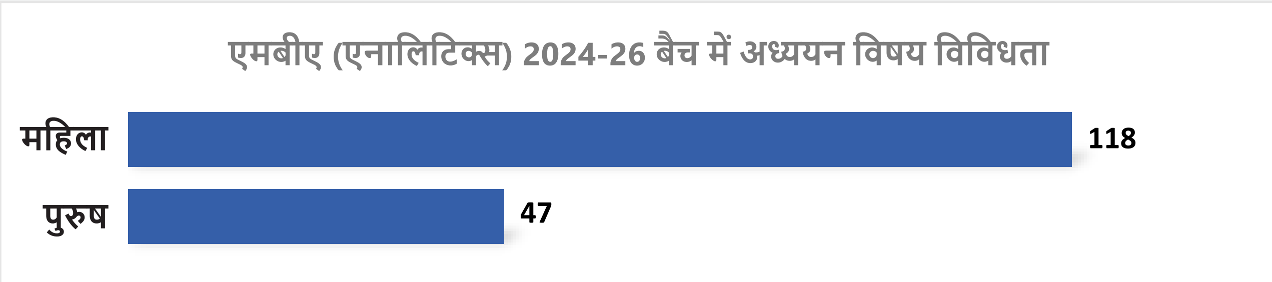

एमबीए (एनालिटिक्स) 2024-26 बैच में अध्ययन विषय विविधता

अध्ययन	विषयसंख्या
इंजीनियरिंग	75
गैर-इंजीनियरिंग	90

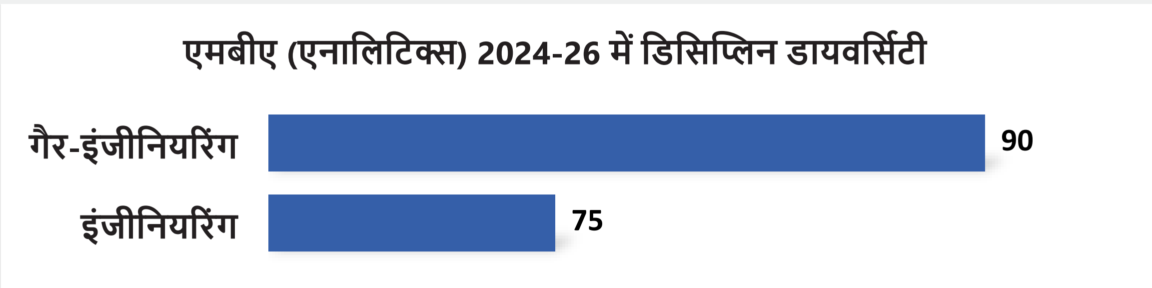

एमबीए (एनालिटिक्स) 2024-26 बैच का कार्य अनुभव

कार्य अनुभव	विद्यार्थियों की संख्या
नवागत	57
एक वर्ष तक	08
12 से 24 माह से अधिक	52
24 माह से अधिक	48

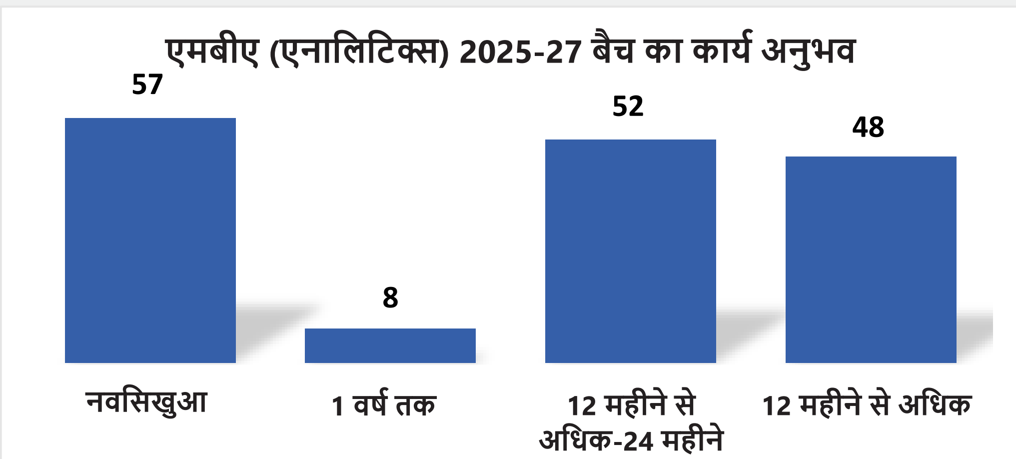

एमबीए (एनालिटिक्स) 2024-26 बैच का श्रेणीवार वर्गीकरण	
श्रेणी	**प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या**
सामान्य	52
एनसी-ओबीसी	37
एससी	23
एसटी	17
डीएपी	12
ईडब्ल्यूएस	24

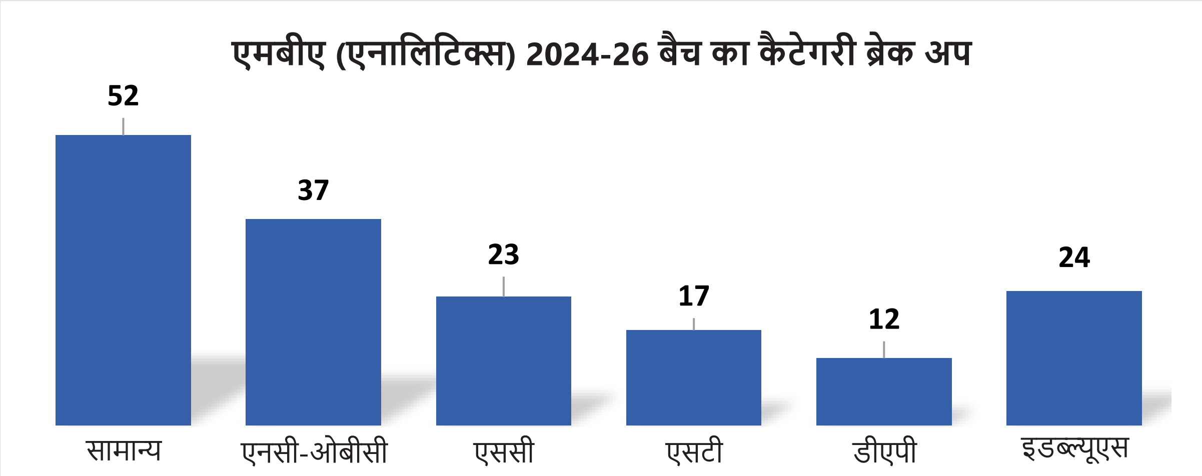

पीएचडी 2024 प्रवेश की प्रमुख झलकियाँ

i **कुल प्रवेशित – 15 अध्येता,** विगत वर्ष के 09 अध्येताओं की तुलना में कुल 15 अध्येताओं को प्रवेश दिया गया।

ii **प्रवेशित अध्येताओं में 26.67% महिला अभ्यर्थी हैं।** प्रवेशित 15 अध्येताओं में से 04 अध्येता महिलाएँ हैं।

iii **18 महीने से अधिक कार्य अनुभव वाले 07 अध्येताओं** को प्रवेश दिया गया।

iv कुल 8 अकादमिक क्षेत्रों में प्रवेशित: अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली, विपणन, संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन तथा रणनीति।

v. भारत के **11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** से शोधार्थियों का प्रतिनिधित्व।

vi. प्रवेशित शोधार्थी निम्न योग्यता परीक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं: **कैट, गेट, जीआरई, आईआइएमबी, जेआरएफ (नेट)।**

पीएचडी प्रवेश

आईआईएम काशीपुर का डॉक्टरेट कार्यक्रम व्यवसाय प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में एक परिशुद्ध अनुसंधान कार्यक्रम है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में स्वतंत्र अनुसंधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। डॉक्टरेट कार्यक्रम उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक जिज्ञासा और विद्वतापूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक अनुशासन वाले उम्मीदवारों की माँग करता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मानक के गुणवत्ता प्रकाशन के माध्यम से व्यक्तियों को उनके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएचडी 2024 बैच के लिए कुल 225 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 111 अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। यह प्रक्रिया हाइब्रिड मोड में (ऑनलाइन और ऑफलाइन) आयोजित की गई थी। कुल 15 अभ्यर्थियों को पीएचडी 2024 बैच में प्रवेश दिया गया।

पीएचडी 2024 बैच के लिए क्षेत्र-वार प्रवेशित अभ्यर्थी

क्र. सं.	क्षेत्र	प्राप्त आवेदन	योग्य	अयोग्य	शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों की संख्या	साक्षात्कार	क्षेत्रानुसार सुझाई गई सीटें	स्वीकृत प्रवेश क्षमता	प्रवेशित
1	व्यवसाय संचार	1	1	0	1	0	0	1	0
2	अर्थशास्त्र	27	14	13	14	8	2	2	2
3	वित्त एवं लेखा	44	32	12	14	8	2	2	1
4	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	15	7	8	7	4	3	3	2
5	विपणन	46	28	18	28	14	4	4	4
6	संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन	47	20	27	18	9	3	3	1
7	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	22	13	9	13	7	5	5	3
8	लोक नीति	7	5	2	5	2	1	1	0
9	रणनीति	16	11	5	11	6	2	2	2
	कुल	**225**	**131**	**94**	**111**	**58**	**22**	**23**	**15**

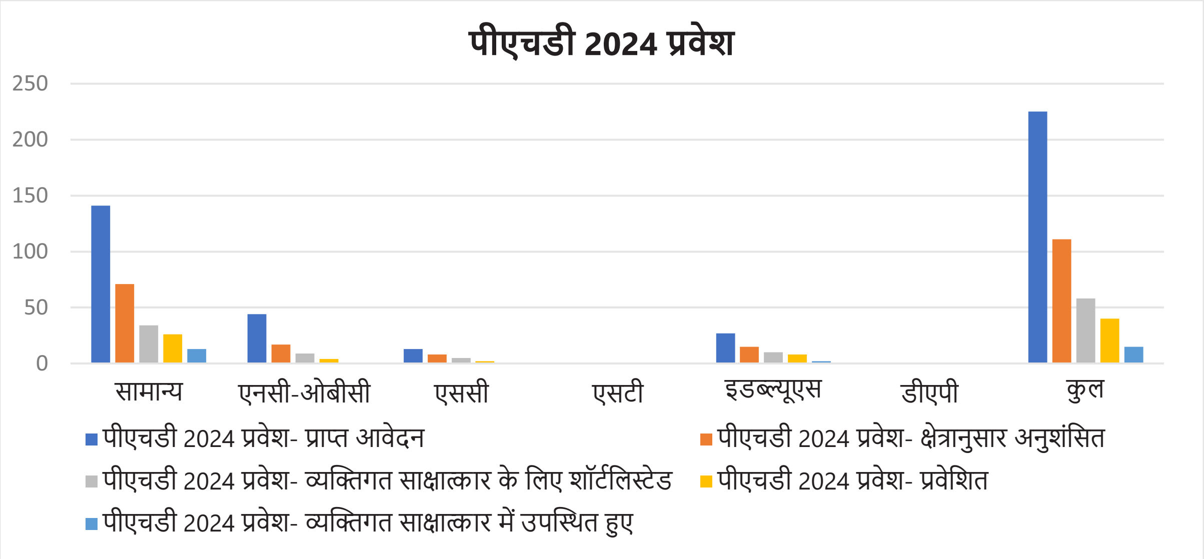

लैंगिक विविधता

लैंगिक विविधता			
वर्ष	**2022**	**2023**	**2024**
पुरुष	09	08	11
महिला	04	01	04

उत्तीर्ण परीक्षा

उत्तीर्ण परीक्षा	2022-26	2023-27	2024-28
कैट	8	3	6
गेट	1	1	1
जीआरई	0	0	1
आईआइएमबी	1	0	2
जेआरएफ(नेट)	3	5	5

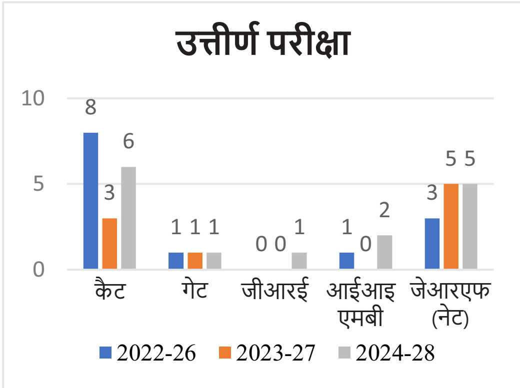

कार्य अनुभव

15 में से **07** अध्येताओं के पास 18 महीने से अधिक का कार्य अनुभव है।

प्लेसमेंट और कॉर्पोरेट संबंध

आईआईएम काशीपुर निरंतर अपने कॉर्पोरेट संबंधों को सुदृढ़ करने एवं विद्यार्थियों के लिए विविध प्लेसमेंट अवसर सृजित करने के प्रयास करता रहा है। इस वर्ष, संस्थान ने कई क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों की सक्रिय भागीदारी देखी, जो आईआईएम काशीपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों पर नियोक्ताओं के विश्वास की पुष्टि करता है।

एमबीए एवं एमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2023-25 के लिए अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख संगठनों की सक्रिय भागीदारी के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बीएफएसआई क्षेत्र में आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ अमेरिका और वेल्स फारगो द्वारा सक्रिय नियुक्तियाँ देखी गईं, जबकि अमेज़न, टीवीएस मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा कैपिटल द्वारा विविध भूमिकाओं के प्रस्ताव पेश किए गए। परामर्श एवं तकनीकी क्षेत्र को केपीएमजी, डेलॉयट, पीडब्ल्यूसी, जेडएस एसोसिएट्स और कॉग्निजेंट द्वारा प्रस्तावित किए गए अवसरों से बल मिला, जबकि विश्लेषकी एवं अनुसंधान की भूमिकाएँ एक्सेंचर, गार्टनर और टाइगर एनालिटिक्स द्वारा प्रदान की गईं।

प्लेसमेंट के परिणाम अत्यंत उत्साहजनक रहे, जिसमें अधिकतम सीटीसी ₹33.00 लाख प्रति वर्ष, औसत सीटीसी ₹14.60 लाख प्रति वर्ष एवं मध्यम सीटीसी ₹14.50 लाख प्रति वर्ष रहा। ये परिणाम संस्थान की निरंतर प्रगति और आईआईएम काशीपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में उद्योग के निरंतर विश्वास को दर्शाते हैं।

2024–26 बैच के समर प्लेसमेंट में हमारे दीर्घकालिक नियोक्ता भागीदारों और उभरती हुई कंपनियों दोनों ने उत्साही भागीदारी दिखाई। कंपनियाँ जैसे आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कैपिटल, बजाज एलायंज़, कैपजेमिनी, टेक महिंद्रा, वी ई कमर्शियल वीइकल, प्यूमा और थॉमसन रेउटर्स ने बीएफएसआई, आईटी, कंसल्टिंग, एफएमसीजी, उपभोक्ता वस्तुएँ और निर्माण क्षेत्र में विविध भूमिकाओं के प्रस्ताव पेश किए। इस सशक्त भागीदारी ने विद्यार्थियों के लिए उन्नत प्रशिक्षण अवसर सुनिश्चित किए एवं पारंपरिक व आधुनिक भूमिकाओं का संतुलित मिश्रण दर्शाया।

प्लेसमेंट से इतर, इस वर्ष संस्थान का उद्योग सहभागिता पारिस्थिकी तंत्र और भी मजबूत हुआ है। समन्वय एवं सतत सम्मेलनों में 20 से अधिक प्रतिष्ठित उद्योग नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया, जिनमें अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, फाइजर, वॉल्वो ग्रुप, एयर लिक्विड, रैपीपे फिनटेक, स्टेनली ब्लैक एंड डेकर, कारगिल, डीलक्स, यूएसटी, ग्रांट थॉर्नटन, पीडब्ल्यूसी, पेटीएम, एशियन पेंट्स, मिंत्रा, एचपी एवं किंड्रिल जैसी कंपनियाँ शामिल थीं। इन सत्रों ने भविष्यगत कार्य, लोक रूपांतरण और प्रबंधकीय पद्धतियों में विकास पर संवाद के लिए एक प्रभावशाली मंच प्रदान किया।

हमारे विद्यार्थियों ने लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से संस्थान का नाम ऊँचा किया है। वे ओनिक्स डेटा (यूनाइटेड किंगडम) द्वारा आयोजित डेटा डीएनए चैलेंज में अंतरराष्ट्रीय विजेता; रिलायंस रिटेल – द आइडिया बज़ (रिलायंस रिटेल द्वारा आयोजित) एवं श्नाइडर इलेक्ट्रिक वोल्ट सीज़न 1 (श्नाइडर इलेक्ट्रिक द्वारा आयोजित) में राष्ट्रीय विजेता; एक्सेंचर इनोवेशन चैलेंज 2024 (एक्सेंचर द्वारा आयोजित) में राष्ट्रीय रनर-अप तथा मोंडेलिज़ मास्ट्रोज़ 2024 (कमर्शियल ट्रैक) मोंडेलिज़ द्वारा आयोजित में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट बनकर उभरे हैं।

ये असाधारण उपलब्धियाँ हमारे विद्यार्थियों की कुशलता, रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता को रेखांकित करती हैं तथा आईआईएम काशीपुर की राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों पर बढ़ती प्रतिष्ठा को सशक्त करती हैं।

लेखापरीक्षित

IIM KASHIPUR

2023-25

फाइनल प्लेसमेंट रिपोर्ट

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

लेखा परीक्षक की ओर से

संदर्भ: IAR/PLA/2025-2026/0014

अध्यक्ष
प्लेसमेंट

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर,
कुंडेश्वरी, काशीपुर
ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड-244713

Infomerics
Analytics & Research

प्रिय महोदय,
विषय: **मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों के बैच 2023-2024 के लिए प्लेसमेंट रिपोर्ट का ऑडिट।**

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर (आईआईएम काशीपुर) के 2023-2025 के लिए मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एनालिटिक्स प्रोग्राम के फाइनल प्लेसमेंट (कैंपस में प्राप्त और स्वीकृत किए गए प्रस्तावों के आधार पर) के लिए आपके द्वारा तैयार प्लेसमेंट रिपोर्ट में प्रस्तुत पारिश्रमिक, कार्य, क्षेत्र और स्थान से संबंधित डेटा का ऑडिट किया है।

इन्फोमेरिक्स एनालिटिक्स एंड रिसर्च (आईएआर) की जिम्मेदारी रिपोर्ट में दिए गए पारिश्रमिक, कार्य, क्षेत्र और स्थान से संबंधित जानकारी को भारतीय प्रबंध संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ सत्यापित करना।

इस संदर्भ में, हम निम्नलिखित की पुष्टि करते हैं:

1. ऑडिट के उद्देश्य से, हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।

2. रिपोर्ट में प्रस्तुत जानकारी का सत्यापन आईआईएम काशीपुर द्वारा भर्ती करने वाली कंपनियों से प्राप्त संचार पर आधारित है। इन्फोमेरिक्स एनालिटिक्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड ने स्वतंत्र रूप से कोई जानकारी या दस्तावेज नहीं जुटाए हैं।

लेखा परीक्षक की ओर से

Infomerics
Analytics & Research

3. हमने रिपोर्ट में प्रस्तुत रोजगार स्थल, कार्य और पारिश्रमिक के संबंध में जानकारी को आईआईएम काशीपुर से प्राप्त संचार के साथ सत्यापित किया है।

   क) वेतन आँकड़ों को 'कंपनी के लिए लागत' के तहत श्रेणीबद्ध किया गया है।

   ख) जहाँ कुछ विद्यार्थियों के नौकरी के स्थान की जानकारी अनुपलब्ध थी, संस्थान ने उनके स्थान के विवरण की पुष्टि की है। प्लेसमेंट चेयर से नौकरी के स्थान के विवरण के बारे में आधिकारिक पुष्टि प्राप्त की गई है।

4. आईआईएम काशीपुर द्वारा लिखित संचार के माध्यम से प्रस्तावों की स्वीकृति और प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर होने वाले विद्यार्थियों की संख्या ज्ञापित की गई है।

सादर,

टीजी उदय कुमार
डायरेक्टर-रेटिंग्स्
इन्फोमेरिक्स एनालिटिक्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड

अध्यक्ष की टिप्पणी

हमें अपने प्रमुख मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) और मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों के 2023-2025 बैच के लिए फाइनल प्लेसमेंट रिपोर्ट जारी करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

इस वर्ष, 190 से अधिक संगठनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा जिसमें परामर्श, बिक्री एवं विपणन,व्यवसाय विश्लेषकी, सामान्य प्रबंधन, वित्त, मानव संसाधन, संचालन एवं उत्पाद प्रबंधन सहित विभिन्न डोमेन थे। जिसमें प्रतिनिधित्व किए गए अन्य प्रमुख क्षेत्र बीएफएसआई, परामर्श, आईटी और एनालिटिक्स, स्थायी उपभोक्ता, ई-कॉमर्स, फिनटेक, विनिर्माण, इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी और रसद आदि थे।

हमारे विद्यार्थी लगातार अपनी समस्या-समाधान और रचनात्मक चिंतन क्षमताओं के लिए आगे आए हैं एवं कॉर्पोरेट और गैर-कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में विलक्षण सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय रूप से, हमारे विद्यार्थी प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर के विजेता बनकर उभरे हैं, जिनमें 5 राष्ट्रीय विजेता, 6 राष्ट्रीय फाइनलिस्ट एवं कई राष्ट्रीय सेमी-फाइनलिस्ट सम्मिलित हैं।

ये उपलब्धियाँ हमारे नियोक्ताओं के अटूट सहयोग के बिना संभव नहीं होतीं, जिन्होंने इस संस्थान पर अपरिमित भरोसा जताया है। इस भर्ती अभियान ने हमारे भर्ती भागीदारों की प्रतिष्ठित सूची में कई नए संगठनों का भी स्वागत किया। हम इस सफलता में उनके अमूल्य योगदान के लिए सभी कॉर्पोरेट संगठनों और भर्ती भागीदारों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। हम भविष्य में भी सबके निरंतर फलदायी सहयोग की आशा करते हैं।

हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रोफेसर उत्कर्ष एवं प्रोफेसर दीपक वर्मा
अध्यक्ष, प्लेसमेंट और कॉर्पोरेट संबंध
भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

IIM KASHIPUR
भारतीय प्रबंध संस्थान
काशीपुर
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
KASHIPUR

2

प्लेसमेंट के प्रमुख बिंदु

पहली बार भर्ती करने वाले प्रमुख नियोक्ता

- आदित्य बिड़ला कैपिटल
- एयरटेल पेमेंट्स बैंक
- बीएनपी परिबास
- एपैक ड्यूरेबल
- फ्रॉस्ट एण्ड सुलीवान
- ग्रांट थोरंटन
- हिलटी
- आईबीएम
- इंडस वैली पार्टनर्स
- इन्श्योरेन्स समाधान
- जेके सीमेंट
- जेएसडब्ल्यू एनर्जी
- जुबिलेंट फूड वर्क्स
- कल्याणी ग्रुप
- मदर डेयरी
- एनटीटी डाटा
- फिज़िक्स वाला
- पीडब्ल्यूसी इंडिया
- शुगर कॉस्मेटिक्स
- टेक महिंद्रा
- टीवीएस इलेक्ट्रानिक्स
- वेल्स फ़ार्गो
- यामाहा
- जेडएस असोसिएट्स

परंपरागत प्रमुख नियोक्ता

- अबिनबेव
- एक्सेंचर एटीसीआई
- एक्सिस बैंक
- बैंक ऑफ अमेरिका
- ब्लैकब्रिक्स
- कैपजेमिनी
- कॉग्निजेंट
- डेलोइट
- डिजिट इंश्योरेंस
- रिलायंस रिटेल
- एसएलएमजी बीवरेजस्
- टाटा कैपिटल
- टाइगर एनालिटिक्स
- वेकफिट
- टीवीएस क्रेडिट
- हेक्सावेर
- आईसीआईसीआई
- आईडीबीआई बैंक
- इंडियामार्ट
- इंफ़ोसिस
- लीप इंडिया
- महिंद्रा एण्ड महिंद्रा
- नेटवेस्ट
- नीनओपल
- ऑफबिजनेस
- ओरिएंट इलेक्ट्रिक
- पीडब्ल्यूसी ऐक्सेलरैशन सेंटर
- आरबीएल बैंक
- ट्रेडएन्स
- ट्रेसविस्ता

प्लेसमेंट के प्रमुख बिंदु

कंपनी को लागत

उच्चतम	औसत
33.12 लाख रुपये प्रति वर्ष	14.95 लाख रुपये प्रति वर्ष

मध्यम	शीर्ष 25%
14.46 लाख रुपये प्रति वर्ष	20.92 लाख रुपये प्रति वर्ष

190+ नियोक्ताओं की संख्या

4

प्लेसमेंट के प्रमुख बिंदु

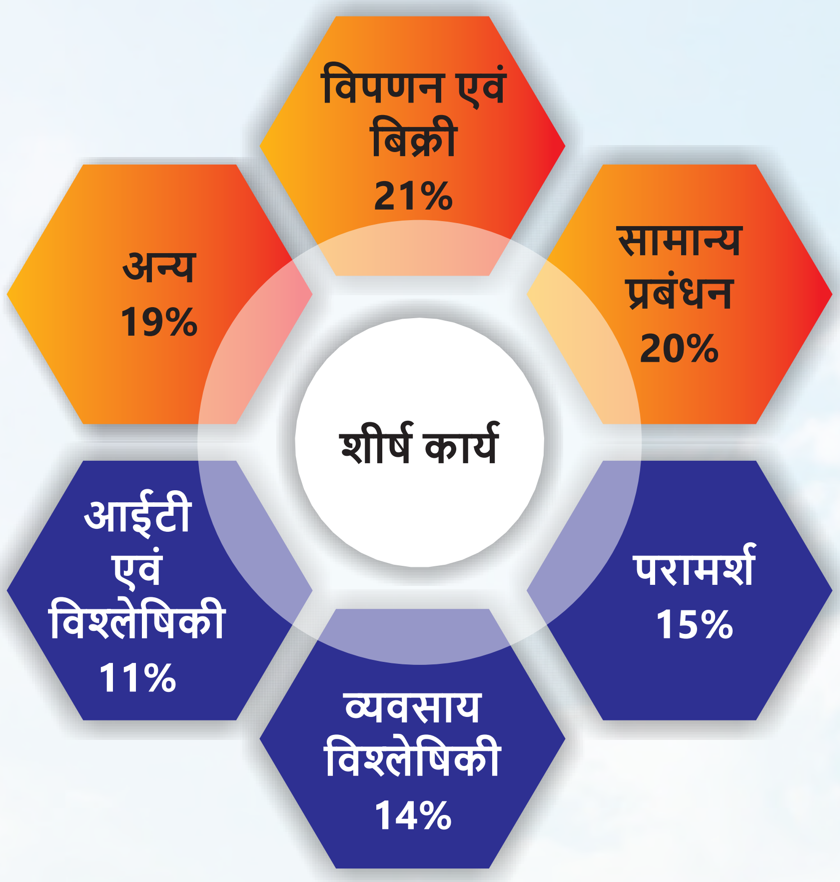

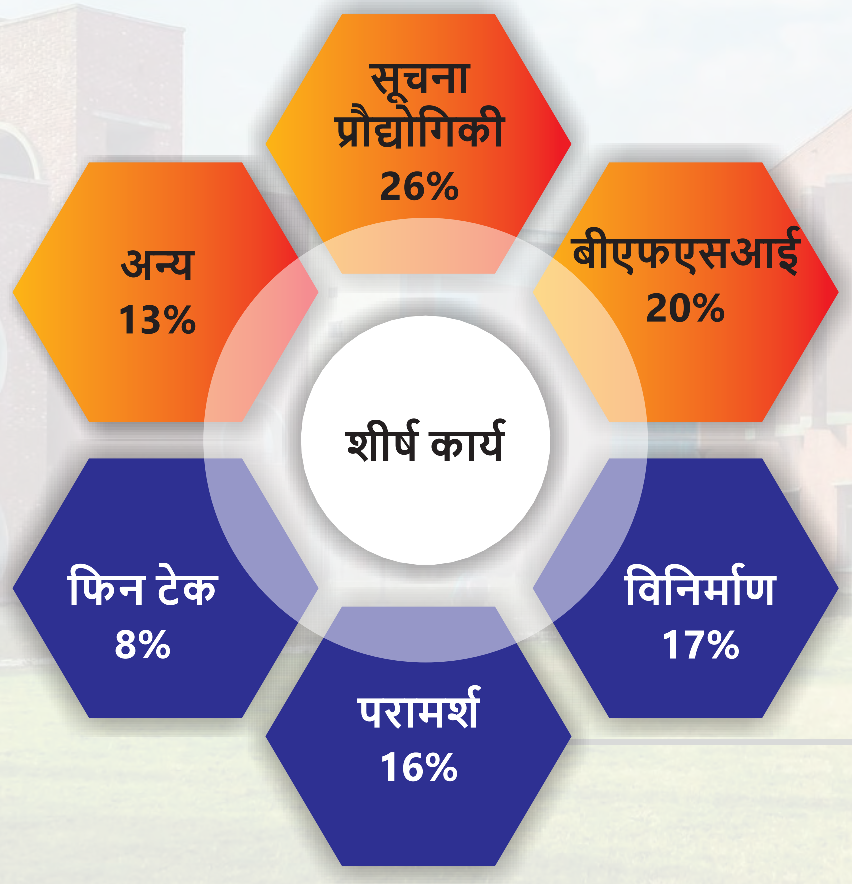

विषयवस्तु

1 विद्यार्थियों का वर्गीकरण 10

1.1 संपूर्ण प्लेसमेंट पूल का वर्गीकरण 10
1.2 क्षेत्रों के आधार पर वर्गीकरण 10
1.3 कार्य के आधार पर वर्गीकरण 11
1.4 स्थान के आधार पर वर्गीकरण 11

2 वेतन आँकड़े 12

3 क्षेत्र के आधार पर वेतन का वर्गीकरण 13

4 कार्य के आधार पर वेतन का वर्गीकरण 14

5 स्थान के आधार पर वेतन का वर्गीकरण 15

6 प्रमुख नियोक्ता 16

1. विद्यार्थियों का वर्गीकरण

1.1 संपूर्ण पूल का वर्गीकरण

श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या
संस्थान के माध्यम से प्लेसमेंट के लिए प्रयास किया	433
संस्थान के माध्यम से प्लेसमेंट के लिए प्रयास नहीं किया	
a. कंपनी द्वारा प्रायोजित या पहले से ही कार्यरत	-
b. निरंतर शिक्षा	2
c. नौकरी की तलाश स्थगित करना	3
d. उद्यमिता	2
e. पारिवारिक व्यवसाय में वापस आना/शामिल होना	3
f. प्रक्रिया के बाहर प्लेसमेंट के लिए प्रयास किया	9
g. अन्य कारणों से प्लेसमेंट के लिए प्रयास नहीं किया	18
कुल विद्यार्थी जिन्होंने संस्थान के माध्यम से प्लेसमेंट के लिए प्रयास नहीं किया	37
अस्थित, यदि कोई हो	10
कुल स्नातक	**480**

1.2 क्षेत्र के आधार पर वर्गीकरण

क्षेत्र	स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	114
बीएफएसआई	85
विनिर्माण	72
परामर्श	70
फिनटेक	33
ई व्यापार	18
इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी	12
ऊर्जा	9
उपभोक्ता सामान	8
एडटेक	4
खुदरा	3
बाजार अनुसंधान	2
स्वास्थ्य	1
मीडिया/ मनोरंजन	1
टेलीकॉम	1
योग	**433**

1.3 कार्य के आधार पर वर्गीकरण

कार्य	स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या
विपणन / बिक्री	90
सामान्य प्रबंधन	86
परामर्श	66
व्यापार विश्लेषिकी	62
आईटी और विश्लेषिकी	48
वित्त	36
उत्पाद प्रबंधन	24
संचालन / आपूर्ति श्रृंखला	16
मानव संसाधन	4
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	1
कुल योग	**433**

1.4 स्थान के आधार पर वर्गीकरण

स्थिति	आँकड़े
बैंगलोर	68
चेन्नई	13
हैदराबाद	24
कोलकाता	5
मुंबई	68
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	80
शेष भारत	56
टीबीडी**	118
यूएई	1
कुल योग	433

8

2. वेतन आँकड़े

वेतन आँकड़े	सीटीसी
निम्नतम	820000
उच्चतम	3312000
मध्यमान	1495464
माध्यिका	1446950
आँकड़े	433

3. क्षेत्र के आधार पर वेतन का वर्गीकरण

नियोक्ता का क्षेत्र	न्यूनतम	अधिकतम	मध्य	मध्यिका	आँकड़े
बीएफएसआई	2200000	1000000	1502124	1450000	85
परामर्श	2795600	921600	1494344	1400000	70
उपभोक्ता सामान	1700000	1200000	1510003	1530004	8
ई-बिजनेस	3312000	850000	2115437	1701812	18
एडटेक	1950000	1950000	1950000	1950000	4
ऊर्जा	1875000	1200000	1383333	1250000	9
इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी	1700000	1000000	1352083	1300000	12
फिनटेक	2302042	820000	1573574	1655640	33
स्वास्थ्य	2300000	2300000	2300000	2300000	1
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	2900000	900000	1496691	1471451	114
विनिर्माण	2702000	1000000	1305094	1236125	72
बाजार अनुसंधान	1439518	1200000	1319759	1319759	2
मीडिया / मनोरंजन	1600000	1600000	1600000	1600000	1
खुदरा	1501689	860004	1253898	1400000	3
टेलीकॉम	1800000	1800000	1800000	1800000	1

4. कार्य के आधार पर वेतन का वर्गीकरण

कार्य	न्यूनतम	अधिकतम	मध्य	मध्यिका	डाटा
व्यापार विश्लेषिकी	2302042	960000	1553567	1450000	62
परामर्श	2795600	921600	1408683	1257502	66
वित्त	2200000	820000	1471291	1450000	36
सामान्य प्रबंधन	2900000	972000	1579444	1655640	86
मानव संसाधन	1800000	1200000	1245842	1241684	4
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	1200000	1200000	1200000	1200000	1
सूचना प्रौद्योगिकी और विश्	1802000	1100000	1604038	1633000	48
विपणन / बिक्री	3312000	850000	1440040	1200012	90
संचालन / आपूर्ति श्रृंखला	2702000	860004	1466481	1450844	16
उत्पाद प्रबंधन	1800000	900000	1383287	1400002	24

5. स्थान के आधार पर वेतन का वर्गीकरण

स्थिति	न्यूनतम	अधिकतम	मध्य	मध्यिका	आँकड़े
बैंगलोर	3312000	900000	1599580	1419000	68
चेन्नई	3312000	1000000	1714039	1750000	13
हैदराबाद	1900000	820000	1330885	1333876	24
कोलकाता	2003620	1000000	1400726	1400004	5
मुंबई	2396500	860004	1428093	1410006	68
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	2740600	960000	1468904	1450000	80
शेष भारत	2795600	1000000	1346208	1204190	56
टीबीडी	3312000	850000	1564637	1560008	118
यूएई	2900000	2900000	2900000	2900000	1

प्रमुख पूर्व भर्तीकर्ता

accenture	ADITYA BIRLA FASHION & RETAIL	Amul	BANK OF AMERICA	AXIS BANK	BAJAJ Allianz
Bloomberg	Capgemini	Cummins	EY	cognizant	cinépolis
Deloitte.	Gartner	digit	DECIMAL POINT	HEXAWARE	GSK
hampa	HAVELLS	DP JAIN	indiamart	IDBI BANK	ICICI Bank
JSL	kotak	KPMG	L&T Technology Services	MAQ Software	mi
Micron	Nippon India Mutual Fund	now Purchase	orient electric	ofbusiness	paltech
Reliance	PUMA	pwc	RBL BANK	SWIGGY	Coca-Cola
TATA ADVANCED SYSTEMS	Royal Bank of Scotland	TA DIGITAL	TATA CAPITAL	V-GUARD	thyssenkrupp
TATA MOTORS	Tiger Analytics	TVS CREDIT	TVS	wakefit	whatfix

प्लेसमेंट टीम

डॉ उत्कर्ष
अध्यक्ष-प्लेसमेंट और कॉर्पोरेट संबंध
+91 94557 09222/
+91 7900444090 (Ext-236)

प्रोफ़ेसर दीपक वर्मा
अध्यक्ष-प्लेसमेंट और कॉर्पोरेट संबंध
+91 96330 96504/
+91 7900444090 (Ext-245)

श्री रवि कुमार गुप्ता
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
+91 97595 88803/
+91 7900444090 (Ext-308)

श्री अभिषेक पंत
प्रशासनिक सहायक
+91 98972 96274/
+91 7900444090 (Ext-308)

श्री शुभम सक्सेना
प्रशासनिक सहायक
+91 95825 78549/
+91 7900444090 (Ext-633)

छात्र समन्वयक
E-mail: placecomm@iimkashipur.ac.in

अदिति एम 7428451658 || अदिति टी 9770742299 || आर्यन जी 8529486686
आर्यन पाल 8376901076 || अयान 9711005725 || भृगु 8294662873
एतिका 9873118590 || गर्वित 9664237300 || नेहा 8983779703
निकुंज 8209659939 || निशि 7772021222 || निष्कर्ष 8800930672
रोशन 9630163608 || संकेत 9109285443 || श्रेय 9870143556
सिद्धांत 8767325135 || वासु 9711180665 || विशाल 9763120412

IIM KASHIPUR
भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर,
कुंडेश्वरी, काशीपुर, जिला-ऊधम सिंह नगर,
उत्तराखंड-244713, भारत
Tel: +91-7088 270882, 7900 444090, 91, 92, 93

प्रत्यायन, संस्थानिक समीक्षा और अधिगम का आश्वासन 2024-25

1) संस्थानिक प्रदर्शन समीक्षा

प्रथम संस्थानिक प्रदर्शन समीक्षा रिपोर्ट अप्रैल 2024 में आईआईएम काशीपुर के शासी निकाय (बीओजी) को सौंपी गई थी एवं तत्पश्चात, मई 2024 में यह रिपोर्ट संस्थान की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थी।

2) एएसीएसबी (AACSB) प्रत्यायन

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, प्रत्यायन एवं संस्थानिक समीक्षा (एआईआर) और अधिगम का आश्वासन (एओएल) समितियों ने एएसीएसबी प्रत्यायन की आवश्यकताओं को पूरा करने पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित किया। इसके कुछ मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं।

- सभी कार्यक्रमों के मूल्यांकन घटकों जैसे, (मध्यावधि एवं सत्रांत परीक्षाओं) के साथ कार्यक्रम अधिगम उद्देश्य (पीएलओएस) का सफलतापूर्वक मानचित्रण किया गया।
- शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए सभी कार्यक्रमों के 'अधिगम का आश्वासन' (एओएल) प्रतिवेदनों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।
- सुश्री एमी मेमन (पूर्व क्षेत्रीय प्रमुख, दक्षिण एशिया, एएसीएसबी) द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर 'पात्रता आवेदन' (ईए) प्रतिवेदन को संशोधित किया गया।
- समिति के सदस्यों ने रणनीतिक योजना प्रतिवेदन पर विस्तार से चर्चा की और संशोधित ईए प्रतिवेदन को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संशोधित ईए प्रतिवेदन फरवरी 2025 में बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के जमा किए गए।
- प्लेसमेंट अध्यक्ष और आईआरसी के मतों पर विचार करने के पश्चात, एआईआर समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से जनवरी 2025 से (ईएफएमडी) यूरोपीय प्रबंध विकास संस्थान की सदस्यता रद्द करने का निर्णय लिया।

3) आयोजित सम्मेलन एवं कार्यक्रम

- अध्यक्ष, एआईआर ने 22 अप्रैल 2024 को नोएडा में आयोजित ईएफएमडी ग्लोबल (इक्विस) के भारत संगोष्ठी (इंडिया सिम्पोजियम) में भाग लिया।
- अध्यक्ष, एआईआर और अध्यक्ष, एओएल ने 18 सितंबर 2024 को आईआईएफटी दिल्ली में एएसीएसबी द्वारा आयोजित "स्टार्टिंग योर एक्रिडिटेशन जर्नी) नामक सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन ने हमें प्रत्यायन के प्रति एएसीएसबी के दृष्टिकोण एवं पात्रता आवेदन पत्र की अन्य आवश्यकताओं को समझने में सहायता प्रदान की।
- प्रो. शिवम (अध्यक्ष, एओएल) और प्रो. दीपक (समिति सदस्य, एओएल) ने 12-14 नवंबर 2024 को एएसीएसबी द्वारा एओएल पर आयोजित वर्चुअल सेमनल/आभासी सम्मेलन, जिसका उद्देश्य एओएल प्रक्रिया के चरणों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना, क्षमता लक्ष्यों (अधिगम लक्ष्यों) एवं शिक्षण उद्देश्यों के सिद्धांतों को समझना तथा प्रभावी रुब्रिक्स (मूल्यांकन मार्गदर्शिका) तैयार करना था, में भाग लिया।

कार्यकारी / प्रबंधन विकास कार्यक्रम

क्षमताओं का निर्माण और कौशल को निखारना एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। कॉर्पोरेट प्रबंधन की लगातार बदलती गतिशीलता के साथ, नवीनतम कौशल प्रवृत्तियों के साथ तालमेल रखना आज के समय की माँग बन गई है। कॉर्पोरेट जगत में प्रासंगिक बने रहने एवं प्रतिस्पर्धा में अग्रणी होने के लिए, आईआईएम काशीपुर द्वारा संचालित कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम सीखने और स्वयं को उन्नत करने का अवसर प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों की विषयवस्तु भविष्योन्मुख बाज़ार रुझानों की एक मजबूत विश्लेषणात्मक और तकनीकी समझ के आधार पर तैयार की गई है। यह कार्यक्रम गतिशील प्रबंधन कौशल प्रवृत्तियाँ प्रदान करता है जो प्रतिभागियों को नेतृत्व करने एवं अपने कार्यस्थल के लिए एक परिसंपत्ति साबित होने का अवसर देता है।

आईआईएम काशीपुर व्यावसायिक चुनौतियों को समझता है एवं कंपनियों और व्यक्तियों को आगे रहने में मदद करने के लिए शिक्षण समाधान प्रदान करता है। आईआईएम काशीपुर के कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम वर्तमान व्यावसायिक गतिशीलता के संयोजन में गठित किए गए हैं तथा उन्हें क्रियाशील शिक्षण सामग्री में अनुवादित करते हैं। केस स्टडीज, रोल-प्ले और सिमुलेशन के आधार पर संवादात्मक पद्धति का उपयोग, मुक्त परिचर्चा और अनुभवात्मक शिक्षण के साथ-साथ प्रत्येक के लिए पृथक अनुशिक्षण प्रतिभागियों के लिए सर्वोत्तम व्यावसायिक शिक्षा प्रदत्त करने में सहायता करता है।

आईआईएम काशीपुर की ताकत इसकी विविध प्राध्यापकीय विलक्षणता एवं सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लगभग एक दशक पुराने अनुभव में निहित है। इन कार्यक्रमों को समसामयिक और अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए एवं आवश्यकता पड़ने पर कॉर्पोरेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी प्राध्यापकीय समूह में शामिल किया गया है। एमडीपी कार्यक्रम या तो किसी संगठन की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप गठित किए गए इन-हाउस/इन-कंपनी कार्यक्रम हैं या ऐसे मुक्त कार्यक्रम हैं, जहाँ विभिन्न संगठनों के प्रतिभागी नामांकन करते हैं। संस्थान पिछले 10 वर्षों से राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों के प्रबंधकों के लिए इन कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

संक्षेप में, संस्थान द्वारा संचालित कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम ज्ञान की खोज के नए दरवाज़े खोलता है, जो पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से आईआईएम काशीपुर के प्राध्यापकों और उद्योग/कॉर्पोरेट जगत को एक साथ जोड़ता है। नतीजतन, आईआईएम काशीपुर नेतृत्वकर्ताओं को न केवल भविष्य को आकार देने के लिए उपकरण प्रदान करता है, बल्कि वर्तमान के ज्ञान से भी समृद्ध करता है, जो प्रभावी ढंग से काम करता है।

अनुकूलित प्रबंधन विकास कार्यक्रम

संस्थान विभिन्न स्तरों पर अपने अधिकारियों के लिए कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संगठनों से अनुरोध स्वीकार करता है एवं ग्राहक संगठनों की व्यावसायिक और विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप अनूठा कार्यक्रम प्रदान करता है। ग्राहक संगठनों की आवश्यकताओं के अनुरूप, जहाँ भी आवश्यक हो, नियमित एमडीपी से मानक मॉड्यूल भी संयुक्त और कस्टमाइज्ड किए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों की अवधि सम्मिलित किए गए विषयों की विविधता, परिमाण और जटिलता के आधार पर तीन से पाँच दिनों तक होती है। आईआईएम काशीपुर ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के तहत तीन नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम आयोजित किए हैं। यह कार्यक्रम केंद्र/राज्य सरकारी/निजी विश्वविद्यालय या संस्थान के शिक्षकों/संकायों के लिए प्रारूपित किया गया है ताकि उनकी क्षमताओं को उन्नत किया जा सके एवं संस्थान को परियोजना के तय लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में ले जाने के लिए नेतृत्व,कौशल और शिक्षण की समझ विकसित की जा सके। वर्ष 2024-25 में, आईआईएम काशीपुर ने निम्नलिखित एमडीपी आयोजित किए:

कार्यक्रम का नाम	ग्राहक संगठन
गेल (इंडिया) लिमिटेड के अधिकारियों के लिए "पारस्परिक संबंधों में दक्षता प्राप्त करना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (2 कार्यक्रम)	गेल इंडिया लिमिटेड
आईओसीएल अधिकारियों के लिए व्यवसाय रणनीति और वित्तीय प्रदर्शन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, (2 कार्यक्रम)	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
आईओसीएल के अधिकारियों के लिए मध्यमा-I, मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, (3 कार्यक्रम)	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
मैक्स लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम, बैच 2	मैक्स हेल्थकेयर

आईओसीएल के अधिकारियों के लिए महिला नेतृत्व पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, बैच 3	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड आईओसीएल)
पेट्रोनेट LNG लिमिटेड के अधिकारियों के लिए प्रभावी संचार, प्रभाव और प्रतिटिकरण कौशल पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	पेट्रोनेट LNG लिमिटेड
तथ्यों से निर्णय तक पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम – रणनीतिक सोच और व्यवहारिक संचार	पेट्रोनेट LNG लिमिटेड
पावर ग्रिड के अधिकारियों के लिए टीमों को प्रबंधित करने पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
एचपीसीएल वितरक विकास कार्यक्रम, एनएसई एकेडमी द्वारा संचालित	एनएसई एकेडमी
नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (NFLP) मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के तहत (3 कार्यक्रम)	शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल
एसडीएल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के आरडब्ल्यूएस समूह के अधिकारियों के लिए रणनीति एवं नेतृत्व पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	आरडब्ल्यूएस ग्रुप ऑफ एसडीएल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम

काम और व्यक्तिगत जीवन के बीच धुँधली होती सीमाओं, हाई-स्पीड इंटरनेट के आगमन और सक्षम प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों की नई सामान्य स्थिति में, प्रतिभागियों को उनके सुविधा-क्षेत्र को छोड़े बिना ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा सकती है। कार्यकारी शिक्षा में अग्रणी होने के नाते, आईआईएम काशीपुर ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया है और 2017 से ऑनलाइन कार्यक्रम की सुविधा प्रदान कर रहा है। आईआईएम काशीपुर ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने और उद्योग में कार्यात्मक क्षेत्रों और विषयों की एक श्रृंखला में गतिशील कैरियर बनाने के लिए प्रतिभागियों को तैयार करने का प्रयास करता है।

ये कार्यक्रम प्रतिभागियों को एकीकृत तरीके से व्यवसायों को प्रबंधित करने के लिए सशक्त वैचारिक और विश्लेषणात्मक कौशल से युक्त करते हैं। इसका उद्देश्य सामाजिक रूप से संवेदनशील तरीके से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने की दृष्टि से एक समग्र प्रबंधक विकसित करने पर बल देना है।

इस प्रकार हमारे ऑनलाइन कार्यक्रम ऐसे पेशेवरों की आवश्यकताओं को पूरा करने का विचार रखते हैं, जिनके पास नए कौशल अर्जित करने, किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता बनाने, कैरियर में उन्नति के लिए अपने पेशेवर प्रोफ़ाइल को अपडेट करने और अपने ज्ञान के आधार को व्यापक बनाने में मदद करने के लिए समय की कमी है। हमारे ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के लिए लॉजिस्टिक्स, प्रौद्योगिकी और वितरण बुनियादी ढाँचे से संबंधित मुद्दों का समाधान, उन अन्य संगठनों के साथ संविदात्मक समझौतों द्वारा किया जाता है जो ये कार्य करने में सक्षम हैं। वर्तमान में, बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड – टाइम्स प्रोफेशनल लर्निंग डिवीजन (टाइम्स टीएसडब्ल्यू), ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न), टीमलीज़ एडटेक लिमिटेड, एनएसई एकेडमी, ज़ेनिथ रेलवे एकेडमी, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड, अपबिल्ड ग्लोबल इंक., फिजिक्सवाला-मेधार्थी बिक्री-विपणन और कार्यक्रम संचालन आदि के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं।

आईआईएम काशीपुर ने नागपुर स्थित पीमैनिफोल्ड ईवी अकैडमी प्राइवेट लिमिटेड (ईवीएसीएडी) के साथ एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) किया है, जिसके तहत स्वच्छ ऊर्जा तकनीकी, कार्बन मार्केट, हरित वित्त, ईएसजी, चक्रीय अर्थव्यवस्था और संधारणीयता के क्षेत्रों में शोध एवं प्रशिक्षण में सहयोग किया जाएगा।

इस सहभागिता के तहत, दोनों संगठन एक अभिनव कार्यक्रम लॉन्च कर रहे हैं - नेट ज़ीरो स्ट्रैटेजी और सस्टेनेबिलिटी लीडरशिप में स्नातकोत्तर कार्यकारी प्रमाण पत्र कार्यक्रम- जिसका उद्देश्य कोर इंजीनियरिंग, ऊर्जा, तेल एवं गैस, पावर, परामर्श, कॉर्पोरेट वित्त, संधारणीयता और संबंधित पृष्ठभूमि के कामगार पेशेवरों के कौशल को उन्नत करना और उद्योग,

सामाजिक क्षेत्र, MSMEs, सरकारी एजेंसियों और आम जनता के लिए संधारणीय विकास एवं स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर होने में नेतृत्व करना है।

इस पाठ्यक्रम में ऐसे आवश्यक विषय सम्मिलित हैं जो पेशेवरों को आज संगठनों के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। जलवायु तंत्र, डीकार्बनाइज़ेशन तकनीक, नेट ज़ीरो पाथवे से लेकर कार्बन मार्केट, जलवायु वित्त और संधारणीय व्यवसाय प्रारूप तक कई तरह के प्रकरणों को समाहित करने वाला यह कार्यक्रम कल के चेंजमेकर्स को विश्लेषणात्मक, क्रॉस-फंक्शनल प्रबंधन और नेतृत्व कौशल से उपकरणीकृत करेगा, जो उनके संगठनों के लिए सही समाधान बनाने के लिए आवश्यक हैं।

यह कार्यक्रम तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है: लोग, ग्रह और लाभ। जुड़ाव की रणनीतियों, व्यष्टि अध्ययन-आधारित शिक्षा और संधारणीयता-केंद्रित समूह कार्य के माध्यम से, प्रतिभागी संधारणीयता पहलों में समावेशी नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन पद्धतियों के बारे में जानेंगे। इसके अलावा, उन्हें जलवायु जोखिम एवं अर्थशास्त्र और पारिस्थितिकी तंत्र सोच के साथ-साथ चक्रीय अर्थव्यवस्था के पहलुओं पर भी अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रतिभागी संधारणीय परियोजनाओं और निवेश मूल्यांकन के लिए नए जमाने के वित्तपोषण तंत्र का भी पता लगाएँगे।

वर्तमान में आईआईएम काशीपुर दो प्रकार के ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम एवं एक डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान करता है।

एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम
(150 घंटे या उससे अधिक अवधि)

कार्यकारी विकास/ प्रमाणपत्र कार्यक्रम
(60 से 140 घंटे की अवधि)

व्यवसाय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
(500 घंटे से अधिक अवधि)

एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तावित एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र / कार्यकारी कार्यक्रम उन कौशलों को प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो आज के कॉर्पोरेट माहौल में पनपने के लिए आवश्यक हैं और इसका उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक उपकरणों जैसे केस स्टडीज, सिमुलेशन और अभ्यास, जो पाठ्यक्रम के ज्ञान को सर्वोत्तम ढंग से प्रकट करे के द्वारा प्रतिभागियों के प्रबंधकीय कौशल को विकसित करना है ताकि वे इसका उपयोग करके आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल से अवगत रहें। ये कार्यक्रम आईआईएम काशीपुर परिसर में प्रोफेसरों के साथ मुखाभिमुख सत्र की संतुलित मात्रा के साथ, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके समकालिक कक्षा शिक्षण की मिश्रित विधि द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों की अवधि 150 से 200 घंटे के बीच होती है।

ये कार्यक्रम डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) मोड में पेश किए जाते हैं, जहाँ कई संगठनों के सक्षम प्रतिभागी एक पाठ्यक्रम में शामिल होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों की अवधि एक वर्ष है और एक प्रतिभागी अपने शहर में स्थित स्टूडियो की सुविधा से या यहाँ तक कि कार्यालय या अपने घर की सुविधा से सत्र में भाग ले सकता है। प्रतिभागियों को व्यावसायिक आवश्यकताओं की माँग और ऐसे विशिष्ट कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की कठोरता के अनुरूप, निर्धारित चयन मानदंडों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

उचित परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद प्रमाणीकरण किया जाता है। शैक्षणिक सामग्री को आधुनिकतम शिक्षणशास्त्र का अनुसरण करते हुए, आईआईएम काशीपुर के संकाय सदस्यों द्वारा एवं बाहरी पेशेवर विशेषज्ञों के सामयिक सहयोग के साथ प्रारूपित और वितरित किया जाता है। इन कार्यक्रमों में छोटी अवधि के कैंपस दौरों का एक अंतर्निहित घटक भी शामिल होता है। इन दौरों का उद्देश्य प्रतिभागियों को हमारे संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने प्रत्येक कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया हो। ये दौरे हमारे प्रतिभागियों के लिए यादगार घटनाएँ बन जाते हैं क्योंकि वे भरपूर वनस्पतियों और जीवों के साथ शांत परिसर जीवन का अनुभव करते हैं। इन कार्यक्रमों में नामांकित प्रतिभागी आईआईएम काशीपुर कार्यकारी भूतपूर्व विद्यार्थी पद के लिए पात्र हैं।

आईआईएम काशीपुर द्वारा 2024-25 में प्रस्तावित एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम -सह प्रायोजक
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 5	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 6	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, बैच 3	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 2	जेनिथ रेलवे अकादमी
अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 2	मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट लिमिटेड

आईआईएम काशीपुर द्वारा 2024-25 में लोकार्पित किए गए एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम निम्नलिखित हैं (कार्यक्रम अभी शुरू होने बाकी हैं) :

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम -सह प्रायोजक
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, बैच 4	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 7	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 3	जेनिथ रेलवे अकादमी

कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तुत कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम, एक मिश्रित कार्यक्रम है जिसमें ऑनलाइन और ऑनकैंपस दोनों मॉड्यूल शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए निर्देश की प्राथमिक विधि लाइव व्याख्यान के माध्यम से होती है, जो प्रतिभागियों के डेस्कटॉप/लैपटॉप या कक्षाओं में इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन वितरित की जाती है। ये व्याख्यान आईआईएम काशीपुर के प्रतिष्ठित संकाय और उद्योग के पेशेवरों/विशेषज्ञों द्वारा दिए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से कक्षा अभ्यास, प्रस्तुति, गृह-अभ्यास, सिमुलेशन और केस स्टडीज के संयोजन के माध्यम से पढ़ाया जाता है। पाठ्यक्रम सामग्री को इस तरह व्यवस्थित किया गया है कि प्रतिभागियों को विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं पर सामग्री के अनुप्रयोग का परिचय मिले। पूरे पाठ्यक्रम में समय-समय पर मूल्यांकन किए जाते हैं। ये एक प्रश्नोत्तरी, प्रदत्त-कार्य, अभ्यास, या वस्तुनिष्ठ/व्यक्तिपरक मूल्यांकन के रूप में हो सकते हैं।

मूल्यांकन को, पाठ्यक्रम के साथ निरंतर विद्यार्थी का जुड़ाव सुनिश्चित करने और सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जो विद्यार्थी आवश्यक उपस्थिति के मानदंडों के साथ इसे सफलतापूर्वक पास कर लेते हैं, वे समापन प्रमाणपत्र के लिए पात्र होते हैं, अन्यथा उस प्रतिभागी को भागीदारी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है जो पाठ्यक्रम के पूरा होने के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है। इन कार्यक्रमों की अवधि 60 से 140 घंटे के बीच होती है।

ऑन-कैंपस मॉड्यूल आईआईएम काशीपुर परिसर की कक्षाओं में वितरित किए जाते हैं। पाठ्यक्रम की माँग के अनुसार ऑन-कैंपस मॉड्यूल की अवधि दो से पाँच दिन हो सकती है।

2024-25 में आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तावित कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम - सह प्रायोजक
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 11	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 3	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 4	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 5	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 6	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
सिक्स सिग्मा के साथ संचालन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 7	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक मानव संसाधन विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 2	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 18	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
अनुप्रयुक्त वित्त एवं निवेश में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	टीमलीज एडटेक लिमिटेड
फिनटेक एवं अनुप्रयुक्त वित्तीय विष्लेषकी में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	एनएसई अकेडमी
रणनीतिक विपणन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	टीमलीज एडटेक लिमिटेड
मानव संसाधन विष्लेषकी एवं प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	टीमलीज एडटेक लिमिटेड
मानव संसाधन विष्लेषकी एवं प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 2	टीमलीज एडटेक लिमिटेड

निम्नलिखित कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम, 2024-25 में आईआईएम काशीपुर द्वारा लॉन्च किए गए हैं

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम - सह प्रायोजक
उन्नत परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 7	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 19	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
सिक्स सिग्मा के साथ संचालन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 8	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 12	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)

व्यवसाय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

संस्थान के मिशन के अनुरूप, यह 14 महीने का पीजीडीबीएम कार्यक्रम विशेष रूप से उन सभी मध्य-करियर पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो प्रबंधन में गहन ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। आईआईएम काशीपुर संकाय द्वारा सोच-समझकर तैयार किए गए इस कार्यक्रम के कैनवास में सभी कार्यात्मक और अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शामिल हैं, जो प्रतिभागियों को उच्च प्रबंधकीय और नेतृत्व संबंधी उत्तरदायित्वों के लिए तैयार कर सकते हैं। व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम को एक मिश्रित कार्यक्रम के रूप में डिज़ाइन किया गया है - विश्व स्तरीय संकाय एवं सीएक्सओ और ई-लर्निंग सामग्री के साथ लाइव सत्र - जो अपेक्षित कार्यक्रम दृढ़ता के साथ-साथ व्यावसायिक उत्तरदायित्वों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

यह कार्यक्रम एक मिश्रित कार्यक्रम है जिसमें ऑनलाइन और ऑन-कैंपस दोनों मॉड्यूल शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए, निर्देश की प्राथमिक विधि लाइव व्याख्यानों के माध्यम से होगी जो प्रतिभागियों के डेस्कटॉप/लैपटॉप पर इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन प्रदत्त किए जाएँगे। ये व्याख्यान आईआईएम काशीपुर के प्रतिष्ठित संकाय और उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा दिए जाएँगे। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से कक्षा अभ्यास, प्रस्तुतियों, टेक-होम अभ्यास, सिमुलेशन और केस स्टडी के संयोजन के माध्यम से पढ़ाया जाएगा। इस कार्यक्रम की अंतर्वस्तु इस तरह से व्यवस्थित की गई है कि प्रतिभागियों को विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं में अंतर्वस्तु के अनुप्रयोग का परिचय मिलता है। ऑन-कैंपस मॉड्यूल आईआईएम काशीपुर की कक्षाओं में दिया जाएगा। यह कार्यक्रम टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई) के सहयोग से पेश किया जाता है। प्रथम बैच में कुल 34 प्रतिभागियों ने नामांकन किया है। प्रत्येक प्रतिभागी के लिए कार्यक्रम शुल्क 4,36,500/- रुपये है। कार्यक्रम का द्वितीय बैच लॉन्च हो गया है और इसका प्रथम सत्र सितंबर 2025 में प्रारंभ होगा।

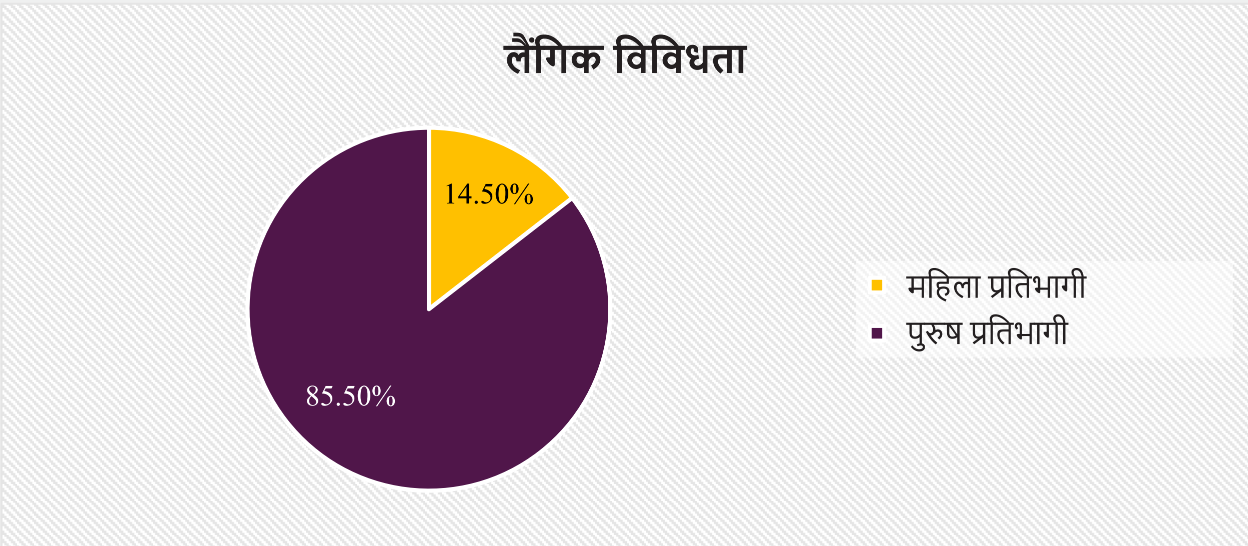

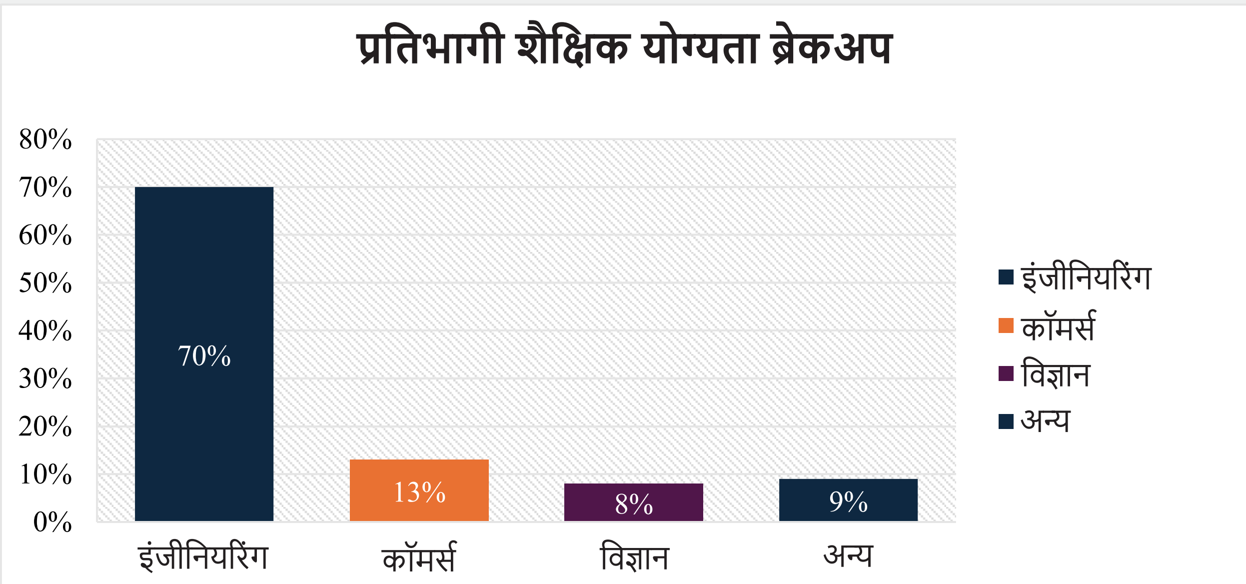

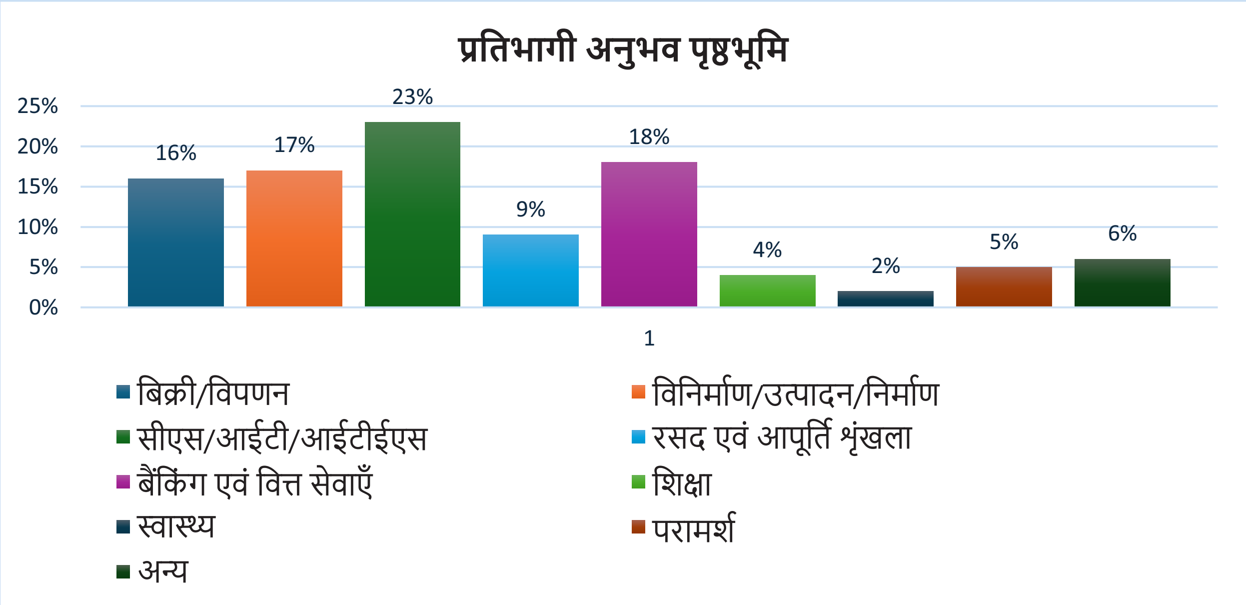

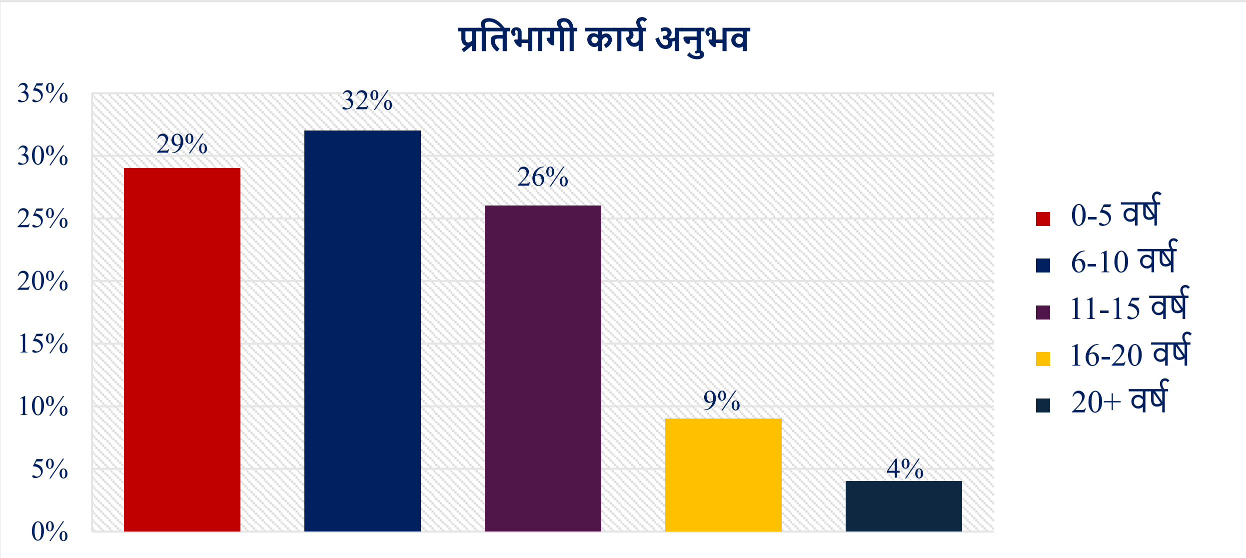

वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, बैच 2

अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 2

पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के नेतृत्वकर्ता अधिकारियों के लिए प्रभावी संचार, प्रभाव और अनुनय कौशल पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के तहत नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (NFLP)।

मैक्स लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम, बैच 2

व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी डिप्लोमा, बैच 1

रेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी प्रमाणपत्र, बैच 1

मानव संसाधन विश्लेषकी एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 1

उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एवं विश्लेषकी में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 3

उन्नत परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 5

अंतर्राष्ट्रीय संबंध और परामर्श

1. अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

मॉडल यूनाइटेड नेशंस (आदर्श संयुक्त राष्ट्र – एमयूएन)

आईआरसी विद्यार्थी निकाय ने 15-16 फरवरी, 2025 को छह वर्षों में पहली बार 'मॉडल यूनाइटेड नेशंस' (एमयूएन) के प्रमुख कार्यक्रम का ऑफलाइन आयोजन किया तथा इस कार्यक्रम में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों समितियों को मिलाकर कुल 90 पंजीकरण प्राप्त हुए।

2. विद्यार्थी विनिमय:

दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम

- आईआरसी ने अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल (ग्रीस), सोलब्रिज इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस (दक्षिण कोरिया), तुरीबा यूनिवर्सिटी (लातविया) और यूनिवर्सिटी ऑफ लिम्बा (पेरू) में 09 विद्यार्थियों के लिए दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सुगम बनाया है। भागीदारी का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस	02
2	सोलब्रिज इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस, दक्षिण कोरिया	02
3	तुरीबा यूनिवर्सिटी, लातविया	04
4	यूनिवर्सिटी ऑफ लिम्बा, पेरू	01

अल्बा (ALBA) के साथ अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम

- अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस के साथ अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम, 1 अप्रैल- 13 अप्रैल 2024 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसमें एमबीए, एमबीए एनालिटिक्स और कार्यकारी एमबीए कार्यक्रमों के कुल 36 विद्यार्थियों ने अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। यह पहली बार था जब किसी विदेशी विनिमय कार्यक्रम में कार्यकारी कार्यक्रम के विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस के सहयोग से अल्पकालिक कार्यक्रम (एसटीईपी) 2025 का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। अल्बा में आयोजित इस अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम (एसटीईपी) में कुल 21 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

3. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

- हमने रबात बिजनेस स्कूल (आरबीएस), मोरक्को के साथ एक और नई विदेशी सहभागिता सफलतापूर्वक स्थापित की है। आरबीएस को एएसीएसबी द्वारा मान्यता प्राप्त है और 'एफटी मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2023' में इसका 54वाँ स्थान है।
- आईआरसी कार्यालय के परामर्श से, आईआरसी विद्यार्थी निकाय ने फ्रांस, पेरू, दक्षिण कोरिया, ग्रीस, इज़राइल, लातविया, मोरक्को आदि में हमारे विदेशी भागीदारों के साथ दीर्घकालिक विनिमय की प्रक्रिया शुरू कर दी है।
- ब्रुनेल यूनिवर्सिटी के साथ नवीनीकरण पर चर्चा चल रही है, जिसमें ऑनलाइन प्रमाणन कार्यक्रम सम्मिलित हैं, इस सहयोग को और सशक्त करने के लिए ब्रुनेल यूनिवर्सिटी के साथ एक ऑफलाइन सम्मेलन की योजना बनाई गई है।
- संभावित साझेदारी के अवसरों को तलाशने के लिए पोर्टो बिजनेस स्कूल और लागोस बिजनेस स्कूल के साथ प्रारंभिक बैठकें और चर्चाएँ आयोजित की गईं।
- कोप्पेयड (COPPEAD) ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, ब्राजील के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) अपने अंतिम चरण में है और शीघ्र ही इस पर हस्ताक्षर होने की आशा है।

- कॉलर यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ लीमा के साथ दीर्घकालिक साझेदारी का सफलतापूर्वक नवीनीकरण किया गया। इसके साथ ही, द्विपक्षीय सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए मई 2025 में ब्रुनेल यूनिवर्सिटी के साथ एक ऑफलाइन सम्मेलन निर्धारित है।

4. परामर्श:

भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग के साथ परामर्श

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग द्वारा "ब्याज समीकरण योजना का मूल्यांकन अध्ययन" नामक परियोजना प्रस्तावित की गई थी। आईआईएम काशीपुर के ४ प्रोफेसरों की एक टीम, जिसमें प्रो. अभ्रदीप मैती, प्रो. कुणाल, प्रो. ग्यासुद्दीन अंसारी और प्रो. जगदीश प्रसाद साहू सम्मिलित हैं, ने इसमें रुचि व्यक्त की है। इस परामर्श की राशि ₹2,45,000/- होगी।

वन संरक्षण विभाग, हल्द्वानी के साथ परामर्श

प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती और प्रो. प्रीति नरवाल को "महत्वपूर्ण इमारती लकड़ी का बाजार सर्वेक्षण" नामक परियोजना सौंपी गई है। एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद यह कार्य परंभ होगा। इस परामर्श की राशि ₹23,40,000/- होगी।

डेयरी फूड कंपनी, सऊदी अरब के साथ परामर्श

प्रो. सुनील जौहर को "परिवहन एवं कर्मचारी परिगणना अनुकूलन" नामक परियोजना सौंपी गई है। इस परामर्श की राशि ₹10,00,000/- होगी।

उत्कृष्टता केंद्र

लोक नीति एवं शासन में उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी)

लोक नीति एवं शासन पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र, लोक नीति एवं प्रशासन में अनुसंधान, प्रशिक्षण और सर्वोत्तम पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ऐसे केंद्रों का उद्देश्य प्रायः सरकारी संस्थानों की क्षमता को बढ़ाना, सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार करना एवं नीति-निर्माण प्रक्रियाओं में नवाचार को प्रोत्साहन देना होता है। संस्थान ने आईआईएम काशीपुर में लोक नीति एवं शासन पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी) की स्थापना की, ताकि नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज, उद्योग एवं शिक्षाविदों को जोड़ने वाला एक मंच बनाया जा सके, जिससे अध्येताओं के शोध, सार्वजनिक नीति अध्ययन और क्षमता निर्माण गतिविधियों को सुगम बनाया जा सके।

2014 में अपनी स्थापना के बाद से, इस केंद्र ने आपदा प्रबंधन, सतत प्रबंधन (ग्रीन एमबीए), न्यायिक सेवा वितरण, स्वतंत्र पहुँच वाली कानूनी शिक्षा, कॉर्पोरेट क्षेत्र में लैंगिक विविधता एवं महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकने जैसे विशेष क्षेत्रों में कई प्रमुख परियोजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं। विषयगत लोक नीति विश्लेषण पर केंद्रित क्रियात्मक अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्शी सेवाओं को एकीकृत कर, इस केंद्र ने विश्व बैंक, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), शास्त्री इंडो-कैनेडियन संस्थान, राष्ट्रीय महिला आयोग, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय एवं केंद्र और राज्य सरकारों के अन्य विभागों द्वारा वित्त पोषित कई परियोजनाएँ पूरी की हैं।

लोक नीति में डॉक्टरेट कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान, हमारे एक शोधार्थी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा वरिष्ठ शोध फेलोशिप में अपग्रेड किया गया। एक अन्य अध्येता ने अपना आंतरिक शोध-प्रबंध प्रत्युत्तर पूर्ण कर लिया है। डॉक्टरेट कार्यक्रम में इस केंद्र की प्राथमिक रुचि स्मार्ट सिटी गवर्नेंस अवधारणा रही है, जो नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने, शहरी सेवाओं में सुधार करने और संधारणीयता को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी, डेटा और नवाचार को समन्वित करने वाले शहरी विकास दृष्टिकोण को संदर्भित करती है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा इस केंद्र को अनुमोदित एक मूल्यांकन अध्ययन भी, भारत में स्मार्ट सिटी मिशन को लागू करने में परामर्श एजेंसियों की भूमिका पर केंद्रित है।

आईसीएसएसआर विशेष कॉल अनुसंधान:

इस अवधि के दौरान इस केंद्र ने "उत्तर भारत में सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से लैंगिक भेदभाव को संबोधित करना: दिल्ली एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड का एक अध्ययन" पर एक प्रमुख शोध परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) को भारत सरकार द्वारा 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में लोकार्पित किया गया था। इस शोध ने सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) को समझने के लिए एक बहुआयामी गवेक्षण किया, भारत के चार राज्यों: दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में इस योजना के कार्यान्वयन की जाँच की। इस अनुभवजन्य लोक नीति मूल्यांकन परियोजना ने सुकन्या समृद्धि योजना के समग्र प्रभाव, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और स्थिरता एवं लाभार्थियों (लड़कियों) और निवेशकों (माता-पिता/अभिभावकों) दोनों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव की जाँच-पड़ताल की। आईआईएम काशीपुर में लोक नीति एवं शासन पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र (COEPPG) ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) से वित्त पोषण प्राप्त कर यह अध्ययन किया। यह तीन साझेदार संस्थानों - दिल्ली विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के साथ एक सहयोगात्मक अध्ययन था।

हमारे अध्ययन में पाया गया कि दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा में सहयोग करने एवं बाल लिंग अनुपात में सुधार लाने में सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) का सकारात्मक सामाजिक प्रभाव पड़ा है। यह लड़कियों की शिक्षा हेतु बचत के लिए बढ़ती हुई रुचि को उजागर करता है, जो उच्च ब्याज दरों के लाभ एवं कर छूट से चालित है, जिससे वित्तीय सुरक्षा मिलती है। डाकघर, सुकन्या समृद्धि योजना खातों के लिए लोकप्रिय स्थान के रूप में उभरे हैं एवं अभी भी हाशिए पर रहने वाली आबादी से और अधिक योगदान की आशा करते हैं। कुल मिलाकर, सुकन्या समृद्धि

योजना ने वंचित समूहों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा और शैक्षिक अवसरों में बढ़ोत्तरी हुई है, हालाँकि कुछ राज्यों को इस कार्यक्रम के परिवीक्षण एवं इसे प्रभावी ढंग से बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

SAAR समीक्षा शृंखला: स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट

इस केंद्र ने आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के लिए एक शोध अध्ययन किया, जिसमें भारत के स्मार्ट सिटीज़ मिशन (SCM) में प्रारूप एवं परियोजना प्रबंधन परामर्श के तौर पर कार्य करने वाली परामर्शी प्रतिष्ठानों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजना के तौर पर लोकार्पित किए गए SCM का उद्देश्य पानी, बिजली, स्वच्छता, गतिशीलता, आवास, डिजिटल संयोजकता, शासन, सुरक्षा एवं सामाजिक सेवाओं सहित मुख्य शहरी आधारभूत संरचना को सशक्त कर भारत के तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण की समस्या का समाधान करना है।

इस अध्ययन में कुछ परामर्शी प्रतिष्ठानों के योगदान का गहराई से आकलन किया गया और परियोजना की गुणवत्ता, प्रबंधन की कुशलता, लागत-प्रभावशीलता एवं कुल परिणामों पर उनके प्रभाव की जाँच की गई। इसमें परियोजना के अनुभवों एवं शोध अध्ययन के आधार पर चुनौतियों और अवसरों की भी पहचान की गई तथा इस बात पर बल दिया गया कि परामर्शदाता स्मार्ट सिटी के विज़न को व्यावहारिक, नागरिक-केंद्रित शहरी विकास में परिवर्तित करने में कितनी अहम भूमिका निभाते हैं।

एफआईईडी

नवाचार एवं उद्यमिता विकास केंद्र (एफआईईडी) आईआईएम काशीपुर का इन्क्यूबेशन सेंटर है, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत 9 मार्च 2018 को एक धारा 8 कंपनी के रूप में स्थापित किया गया था। आईआईएम काशीपुर द्वारा पूर्ण स्वामित्व एवं संरक्षण में संचालित, एफआईईडी भारत के उद्यमिता पारितंत्र को पोषित और सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले छह वर्षों में, एफआईईडी ने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला, हरित ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यटन और आतिथ्य, सामाजिक उद्यमिता और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित विविध क्षेत्रों में 200 से अधिक नवउद्यमों/स्टार्टअप का समर्थन किया है।

व्यवसाय के विचारों को परिष्कृत करने, न्यूनतम व्यवहार्य उत्पादों को विकसित करने, विस्तृत व्यवसाय योजनाओं को तैयार करने, एंजेल निवेशकों और उद्यम पूँजी फर्मों के माध्यम से प्रारंभिक चरण की पूँजी उपलब्ध कराने तथा स्टार्टअप को बीज से विकास चरणों तक बढ़ाने में एफआईईडी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज तक, एफआईईडी ने बीज वित्तपोषण/ सीड फंड के रूप में 15.6 करोड़ रुपये का वितरण किया है और अपने इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स के लिए वेंचर कैपिटल फर्मों से 350 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाने में सहायता की है।

स्टार्टअप समर्थन के अलावा, एफआईईडी उत्तराखण्ड में कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में काम करने वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और महासंघों के सदस्यों सहित 400 से अधिक ग्रामीण उद्यमियों को प्रशिक्षित करके समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देता है। अपने समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से, एफआईईडी ग्रामीण और शहरी भारत में नवाचार, आर्थिक सशक्तिकरण और सतत विकास को आगे बढ़ाता है।

एफआईईडी के प्रमुख स्टार्टअप एवं उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम

आरकेवीवाई रफतार कृषि व्यवसाय इनक्यूबेशन (एबीआई) कार्यक्रम - कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय-आईआईएम काशीपुर एफआईईडी में आरकेवीवाई रफ्तार एबीआई कार्यक्रम प्रारंभिक चरण के कृषि-स्टार्टअप्स को फंडिंग, मेंटरिंग और क्षमता-निर्माण पहलों के माध्यम से सहायता प्रदान करता है। कृषि मंत्रालय द्वारा समर्थित, इसने 182 कृषि-स्टार्टअप को इनक्यूबेट किया है, जिनमें से 75 को कुल 10.2 करोड़ रुपये का अनुदान सहायता मिली और ₹328 करोड़ का बाहरी निवेश जुटाने में मदद मिली। कार्यक्रम में कृषि उद्यमिता प्रशिक्षण, बाजार संपर्क समर्थन और व्यवसाय विकास मार्गदर्शन शामिल हैं। उल्लेखनीय इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स में बीजाक, लूपवर्म, ग्रीनपॉड लैब्स और माई पहाड़ी दुकान शामिल हैं, जिनका भारत भर में 4 लाख से अधिक किसानों पर प्रभाव पड़ रहा है।

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस)- डीपीआईआईटी, वाणिज्य मंत्रालय- स्टार्टअप इंडिया सीड योजना के तहत, एफआईईडी कृषि-तकनीक, क्लीन-टेक, हेल्थ-टेक और एड-टेक जैसे क्षेत्रों में प्रारम्भिक चरण के स्टार्टअप को वित्तीय सहायता और इन्क्यूबेशन प्रदान करता है। स्टार्टअप को सीड अनुदान में 20 लाख रुपये और ऋण या परिवर्तनीय डिबेंचर में 50 लाख रुपये, मार्गदर्शन और बाजार पहुँच के साथ प्राप्त होते हैं। एफआईईडी ने 23 स्टार्टअप्स को सहयोग किया है, 5 करोड़ रुपये वितरित किए हैं और उन्हें 90 करोड़ रुपये से अधिक बाहरी निवेश जुटाने में सक्षम बनाया है। स्टार्टअप जैसे किकायू फूडलैब्स और विटनेस द फिटनेस मजबूत प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरे हैं।

जेनेसिस- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) - जेनेसिस कार्यक्रम, जो MeitY द्वारा समर्थित है, वंचित क्षेत्रों के लिए तकनीक-सक्षम समाधानों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एक कार्यान्वयन भागीदार के रूप में, एफआईईडी निवासी उद्यमी/आंत्रप्रेन्योर-इन-रेसिडेंस (ईआईआर) अनुदान, प्रोटोटाइप समर्थन और मार्गदर्शन के माध्यम से स्टार्टअप को सहयोग करता है। वर्तमान में, डिजिटल पर्यटन और स्कूल परिवहन में काम करने वाले दो स्टार्टअप को कार्यक्रम के तहत चुना गया है। एफआईईडी में जेनेसिस का उद्देश्य टियर २ और टियर ३ भौगोलिक क्षेत्रों में डिजिटल नवाचार और समावेशी विकास को सशक्त करना है।

महिला उद्यमिता कार्यक्रम (डब्ल्यूईपी)-एनएससीईएल, आईआईएम बैंगलोर- एनएससीईएल के साथ साझेदारी में, आईआईएम बैंगलोर ने प्रारम्भिक चरण के महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को सहयोग करने के लिए महिला उद्यमिता कार्यक्रम को लागू किया। कार्यक्रम ने आठ चयनित स्टार्टअप्स के लिए मार्गदर्शन, व्यवसाय योजना और नेटवर्क तक पहुँच प्रदान की। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय और ग्रामीण परिवेश में व्यवहार्य और प्रभावशाली व्यवसाय बनाने की महिलाओं की क्षमताओं को सशक्त कर उद्यमिता में उनकी भागीदारी को बढ़ाना था।

स्टार्टअप बूटकैम्प्स- उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड द्वारा समर्थित- एफआईईडी ने उत्तराखण्ड के सभी 13 जिलों में 33 स्टार्टअप बूटकैम्प आयोजित किए हैं, जिसमें 4,000 से अधिक विद्यार्थियों और 200 उद्यमियों ने भाग लिया। इन बूटकैम्पों ने विचार, नवाचार, निवेशक पिचिंग और सरकारी स्टार्टअप योजनाओं के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया। इस पहल ने राज्य भर के युवाओं और महत्वाकांक्षी उद्यमियों के बीच उद्यमशीलता की मानसिकता को पोषित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

यूजीवीएस के सहयोग से ग्रामीण उद्यम समर्थन-

उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास समिति (यूजीवीएस), एफआईईडी के साथ साझेदारी में एसएचजी, ग्राम संगठनों और महासंघों के माध्यम से ग्रामीण उद्यमिता को सक्रिय रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस सहयोग में व्यवसाय योजना प्रशिक्षण, उद्यमिता विकास और अधिकारियों के लिए प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम सम्मिलित हैं। इन पहलों का उद्देश्य शासन, विपणन और वित्तीय प्रबंधन में क्षमता का निर्माण करना है, जिससे ग्रामीण उद्यमों को स्थायी रूप से बढ़ने में सक्षम बनाया जा सके।

प्रमुख कार्यक्रम भागीदार

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मुख्य बिन्दु

नवाचार में प्राप्त मान्यता – आईआईसी में चार-सितारा रेटिंग प्राप्त:

आईआईएम काशीपुर ने नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के, अपने निरंतर प्रयासों के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) 4.0 के तहत चार-सितारा रेटिंग प्राप्त की है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब संस्थान को यह प्रतिष्ठित उपलब्धि मिली है, जो नवाचार-संचालित पहलों के प्रति उसकी निरंतर वचनबद्धता को दर्शाती है। फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) के नेतृत्व में, आईआईएम काशीपुर ने शैक्षणिक संस्थानों, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालयों तथा स्थानीय उद्योग हितधारकों के सहयोग से नवाचार-केंद्रित गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया है। 4-सितारा रेटिंग स्टार्टअप का संवर्धन करने, डिजाइन थिंकिंग को बढ़ावा देने और अकादमिक एवं उद्यमी क्षेत्रों में नवाचार को एकीकृत करने के लिए संस्थान के सुदृढ़ पारितंत्र को परिलक्षित करती है।

Ministry of Education Government of India

MoE's INNOVATION CELL (GOVERNMENT OF INDIA)

INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL

CERTIFICATE

Institution's Innovation Council (IIC) established at

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT, Udam Singh Nagar

had undertaken various activities prescribed by Innovation Cell, Ministry of Education, Govt. of India to promote Innovation and Start-up in campus during the IIC calendar year 2023-24.

Prof. TG Sitharam, Chairman, Aicte

Dr. Abhay Jere, Chief Innovation Officer, MOE, Innovation Cell

Mr. Dipan Sahu, Assistant Innovation Director, MOE, Innovation Cell

Certificate No : 5405

Issued On : 2025-01-16

एफआईईडी में स्टार्टअप का सहयोग करने के लिए प्रमुख कार्यक्रम

साहस और सक्षम 6.0 (कृषि स्टार्टअप इनक्यूबेशन कार्यक्रम)

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना - कृषि और संबद्ध क्षेत्र कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण (आरकेवीवाई-रफ्तार) कृषि उद्यमिता, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू), भारत सरकार की एक योजना है, जिसका उद्देश्य कृषि और संबद्ध क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना है ताकि कृषि उद्यमिता और कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके तथा इन्क्यूबेशन पारितंत्र को बढ़ावा दिया जा सके। आरकेवीवाई रफ़्तार एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन (आर-एबीआई) कार्यक्रम के तहत, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने कृषि-आधारित स्टार्टअप्स को एक व्यवस्थित सहायता प्रणाली के माध्यम से पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें कृषि उद्यमिता अभिविन्यास, वित्तपोषण और मार्गदर्शन शामिल है। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक कृषि उद्यमिता अभिविन्यास चरण के साथ हुई, जहाँ प्रारम्भिक चरण के नवोन्मेषकों और महत्वाकांक्षी उद्यमियों को कृषि व्यवसाय, बाज़ार की गतिशीलता और व्यवसाय प्रारूप विकास की प्रमुख अवधारणाओं से परिचित कराया जाता है।

इसके पश्चात संभावनाशील विचारों को अवधारणा/प्रारम्भिक चरण वित्तपोषण के लिए चुना जाता है, जिससे वे अपनी अवधारणाओं को मान्य कर सकें और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (एमवीपी) विकसित कर सकें। विस्तार-क्षमता और प्रभाव के लिए सशक्त क्षमता प्रदर्शित करने वाले स्टार्टअप को प्रारम्भिक चरण वित्तपोषण के साथ उत्तरोत्तर सहयोग दिया जाता है, जो उत्पाद व्यावसायीकरण, टीम विस्तार और बाज़ार प्रवेश की सुविधा प्रदान करता है। यह बहु-स्तरीय दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि कृषि उद्यमियों को उचित स्तर पर उचित सहयोग मिले, जिससे कृषि व्यवसाय पारितंत्र में उनकी सफलता और दीर्घकालिक स्थिरता की संभावना में वृद्धि के आसार और अधिक हो जाते हैं।

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने कुल 60 लाख रुपये का अनुदान जुटाने में 7 स्टार्टअप्स की सहायता की। साहस कार्यक्रम के माध्यम से, 5 प्रारम्भिक पूँजी चरण के स्टार्टअप्स को एक कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा और उन्हें कुल 25 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई। सक्षम कार्यक्रम के माध्यम से, 2 स्टार्टअप को कुल 35 लाख रुपये की अनुदान राशि का वितरण किया गया।

आरईएपी के अंतर्गत ग्रामीण उद्यमियों हेतु व्यवसाय योजना निर्माण प्रशिक्षण

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम की श्रृंखला के तहत उद्यम के लिए व्यवसाय योजना विकसित करने पर क्लस्टर स्तर के महासंघों / आजीविका समूहों / स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधियों के लिए 6 मई 2024 से 11 मई 2024 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उत्तरकाशी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, बागेश्वर से कुल 51 प्रतिभागियों ने छह दिवसीय व्यापार योजना अभ्यास में भाग लिया। व्यापार योजना बनाने से व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपने व्यवसाय के विचार की सामूहिक समझ विकसित करने में सहायता मिलती है, कि वे इसे कैसे व्यक्त कर सकते हैं और वे इसे 'लक्षित बाजारों' तक कैसे पहुँचाएँगे। व्यापार योजना प्रशिक्षण ने ग्रामीण उद्यमों के प्रतिभागियों को उद्यम विकास में टीम के सदस्यों के कौशल को उन्नत करने में सहायता की है, ताकि वे बाज़ार-प्रभुत्व वाले वातावरण के अनुकूल हो सकें। व्यापार योजना, विपणन और वित्त जैसे क्षेत्रों में कौशल, ने प्रतिभागियों को बाज़ार संबंधी समस्याओं का समाधान खोजने में सहायता की है; बेहतर ढंग से फार्म या उद्यम संचालन का प्रबंधन करना; अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना; और अन्य बाज़ार अवसरों पर विचार करना।

उद्यमी विकास प्रशिक्षण (विकास)

एफआईडी ने अपने विकास (उद्यम, नवाचार, ज्ञान और कौशल) कार्यक्रम के चौथे समूह का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य काशीपुर और आसपास के क्षेत्रों के उद्योगों के वरिष्ठ और मध्य-स्तरीय अधिकारियों के बीच उद्यमशीलता सोच को निखारना था। वर्ष 2024-25 के लिए नामांकित 20 प्रतिभागियों के साथ, विकास प्रशिक्षण ने आज के गतिशील बाज़ार में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए अभिनव व्यावसायिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।

कार्यशालाओं, संवादात्मक सत्रों और व्यावहारिक गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से, प्रतिभागियों ने पारंपरिक व्यावसायिक रणनीतियों पर पुनर्विचार करने और अपने संगठनों के अंतर्गत उद्यमशीलता तकनीकों को लागू करने के लिए आवश्यक कौशल सीखे। इस प्रशिक्षण ने उनकी समस्या-समाधान क्षमताओं को परिष्कृत किया, उन्हें नई तकनीकों का लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाया और विकास को संचालित करने वाले नवीन समाधानों को प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम ने पारंपरिक प्रबंधन पद्धतियों और दूरदर्शी उद्यमशीलता रणनीतियों के बीच की खाई को भरने में योगदान दिया, प्रतिभागियों को अपने संबंधित उद्योगों में ठोस प्रभाव डाल पाने के लिए तैयार किया।

राउंड टेबल इंडिया के साथ नेतृत्व विकास पर कार्यशाला

एफआईईडी ने राउंड टेबल इंडिया के काशीपुर अध्याय के लिए एक नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया, जो 15 देशों में 300 से अधिक अध्यायों वाला एक वैश्विक संगठन है। इस कार्यशाला में काशीपुर और आसपास के क्षेत्रों के 25 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, इस कार्यशाला में नेतृत्व गुणों को उन्नत करने और आधुनिक उद्योगों में नवीन पद्धतियों को नियोजित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। संवादात्मक चर्चाओं और व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने टीमों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, तकनीकी प्रगति को अपनाने और व्यावसायिक चुनौतियों के प्रति अपने दृष्टिकोण में रचनात्मक रूप से समृद्ध करने की रणनीतियों से साक्षात्कार किया। यह पहल स्थानीय उद्योग के अंतर्गत नवाचार और सहयोग की संस्कृति में योगदान देते हुए, विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमताओं की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए एफआईईडी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

विश्व उद्यमी दिवस का उत्सव:

विश्व उद्यमी दिवस के सम्मान में, एफआईईडी ने काशीपुर और आसपास के क्षेत्रों के 20 से अधिक महिला-नेतृत्व वाले सामुदायिक उद्यमों के लिए व्यापार विकास पर एक सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में बाज़ार विस्तार, ब्रांडिंग और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तारण रणनीतियों के बारे में जानकारियाँ सम्मिलित थीं। एफआईईडी ने एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया, जिसने इन महिला उद्यमियों को आईआईएम काशीपुर के संकाय और विद्यार्थियों के समक्ष अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस प्रदर्शनी में यथोचित रुचि और सहभागिता देखने को मिली, जिसमें विद्यार्थियों ने प्रदर्शित उत्पादों के प्रति उत्साह दिखाया। इस कार्यक्रम ने इन महिलाओं की उद्यमशीलता की भावना का उत्सव मनाया और इन समुदाय-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए भविष्यगत नेटवर्किंग एवं विकास के अवसर सृजित करते हुए मूल्यवान अनुभव प्रदान किया।

आरईएपी के सीएलएफ और एफपीओ के साथ गैप असेसमेंट एक्सरसाइज।

आरईएपी पहल के प्रधान प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंश के रूप में, एफआईईडी ने उत्तराखण्ड के सभी 13 जिलों में 26 क्लस्टर स्तरीय संघों (सीएफएल) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए एक व्यापक अंतर मूल्यांकन किया। इस आकलन का उद्देश्य शासन, नेतृत्व, व्यवसाय योजना, विपणन और वित्तीय प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में समुदाय-आधारित उद्यमों की वर्तमान पद्धतियों का विश्लेषण करना है।

निष्कर्षों ने विकास की आवश्यकता वाले विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान की और इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गठित किए गए लक्षित प्रशिक्षण सत्रों को संबोधित किया। यह मूल्यांकन एफआईईडी को अनुकूलित प्रशिक्षण प्रदान करने की अनुमति देता है, जो संगठनात्मक क्षमता को सुदृढ़ करता है, परिचालन दक्षता में सुधार करता है और इन ग्रामीण उद्यमों के सतत विकास में सहयोग करता है।

आईएआरआई-पूसा कृषि द्वारा समर्थ प्रशिक्षण में भागीदारी।

एफआईईडी में राबी टीम, ने प्रोफ. सफल बत्रा के नेतृत्व में आईएआरआई-पूसा कृषि द्वारा आयोजित समर्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह प्रशिक्षण एक सहयोगी मंच के रूप में कार्य करता है जिसमें पूसा कृषि द्वारा मार्ग-निर्देशित इन्क्यूबेशन केंद्र सम्मिलित हैं, जो कॉर्पोरेट्स और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के साथ साझेदारी में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के अंतर्गत, हाल ही में की गई कृषि-स्टार्टअप पहल पर चर्चा करते हैं। इस कार्यक्रम ने स्टार्टअप सहयोगी अवसंरचनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इन्क्यूबेशन में प्रयुक्त सर्वोत्तम पद्धतियों के आदान-प्रदान की सुविधा भी प्रदान की। इस जुड़ाव के माध्यम से, एफआईईडी को मूल्यवान अंतर्दृष्टि और नवीन रणनीतियों का परिचय मिला, जिससे वह अपने कृषि-स्टार्टअप पारितंत्र में सर्वोत्तम वैश्विक पद्धतियों और सहयोगात्मक दृष्टिकोणों को एकीकृत करके अपनी इन्क्यूबेशन प्रक्रियाओं को सशक्त कर सका।

एनएससीईएल-आईआईएम बैंगलोर की एक्सपोजर विजिट।

एफआईईडी टीम को एनएसआरसीईएल, आईआईएम बैंगलोर में महिला स्टार्टअप कार्यक्रम (डब्ल्यूएसपी) के आधिकारिक लोकार्पण में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में देश भर के १० से अधिक स्टार्टअप और १० इन्क्यूबेशन केंद्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें बिट्स पिलानी, आईआईएम जम्मू, आईआईएम इंदौर और तमिलनाडु स्टार्टअप मिशन जैसे संस्थान सम्मिलित थे। यह यात्रा अत्यधिक ज्ञानवर्धक साबित हुई, जिससे एफआईईडी टीम को कार्यक्रम प्रदात्त और महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप की विकसित हो रही आवश्यकताओं की गहरी समझ प्राप्त हुई। इसने प्रमुख संस्थानों में लागू किए जा रहे प्रभावी इन्क्यूबेशन मॉडल के बारे में भी जानकारी प्रदान की और सहकर्मी इन्क्यूबेटरों एवं स्टार्टअप के साथ मूल्यवान नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए, जिससे भविष्य में सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त हुआ।

उत्तराखण्ड में नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम में भागीदारी

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा देहरादून में आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने आईआईएम काशीपुर को एक स्टॉल लगाने और राज्य में सतत उद्यमों का सहयोग करने में अपने योगदान को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया था। एफआईईडी में इनक्यूबेट किए गए दो स्टार्टअप, जो पशु आहार की गुणवत्ता और पोषण को बढ़ाने पर केंद्रित थे, ने अपने बैनर के तहत इनक्यूबेशन सेंटर का प्रतिनिधित्व किया। इन स्टार्टअप्स ने कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने वाले नवीन और टिकाऊ समाधानों को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में आयोजित हितधारकों की बैठक के दौरान, एफआईईडी ने सतत उद्यमों को पोषित करने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया एवं उत्तराखण्ड के लिए एक बेहतर और हरित भविष्य को आकार देने में अपनी भूमिका पर बल दिया।

जेनिसिस कार्यक्रम के तहत टेक स्टार्टअप का समर्थन करना।

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक पहल, जेनेसिस कार्यक्रम को लागू करने के लिए एक इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में चुना गया है। यह कार्यक्रम टियर-2 और टियर-3 शहरों से उभरने वाले अगली पीढ़ी के प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्टअप्स को धन, मार्गदर्शन और इन्क्यूबेशन सहायता प्रदान करके पोषित करने के लिए गठित किया गया है। इस पहल के तहत, एफआईईडी में विशेषज्ञ निवेश समिति ने प्रत्येक को 10 लाख रुपये की अनुदान सहायता के लिए, दो संभावनापूर्ण स्टार्टअप की अनुशंसा की। पहला, डिजीस्टे, डिजीयात्रा से प्रेरित एक अतिथि अनुभव मंच, जो समग्र अतिथि यात्रा को समृद्ध करते हुए पहचान-पत्र साझाकरण को निर्बाध, सुरक्षित और कुशल बनाकर आतिथ्य उद्योग को रूपांतरित करने पर केंद्रित है। दूसरा, वैनलिंक, एक मोबाइल एप्लिकेशन है जिसका उद्देश्य माता-पिता, ड्राइवरों और स्कूलों को डिजिटल रूप से जोड़कर विद्यालय परिवहन को आधुनिक बनाना है। यह तात्कालिक निगरानी, स्वचालित सूचनाएँ देने और सभी संलग्न हितधारकों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए सुव्यवस्थित संचार प्रदान करता है। ये स्टार्टअप विस्तारित डिजिटल समाधानों के माध्यम से व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करने वाले प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचारों को सशक्त बनाने के जेनेसिस कार्यक्रम के मन्तव्य को प्रतिबिंबित करते हैं।

आईआईएम काशीपुर का उद्यमिता शिखर सम्मेलन

आईआईएम काशीपुर ने 22 और 23 फरवरी, 2025 को अपने प्रमुख उद्यमिता शिखर सम्मेलन, उत्तिष्ठ'25 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम एफआईईडी, आईआईएम काशीपुर के सहयोग से आयोजित किया गया था और इसे भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से सहयोग प्राप्त हुआ। नवाचार, उद्यमिता और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, इस शिखर सम्मेलन ने देश भर के उद्योग जगत के नेतृत्वकर्ताओं, उद्यमियों, निवेशकों और विद्यार्थियों को एक साथ जोड़ा। उत्थिष्ठ'25 एक दो दिवसीय शिखर सम्मेलन था जिसमें रोचक चर्चाएँ, स्टार्टअप प्रदर्शन, व्यावसायिक प्रतियोगिताएँ और नेटवर्किंग के अवसर समायोजित थे। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक कृषि-स्टार्टअप, एमएसएमई और एफपीओ एवं 2,000 से अधिक बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों सहित 10,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिससे यह क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली उद्यमिता शिखर सम्मेलनों में से एक बनकर उभरा।

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आईआईएम काशीपुर के नवाचार एवं उद्यमिता विकास केंद्र (एफआईईडी) ने उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के साथ, देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का प्राथमिक उद्देश्य उत्तराखण्ड के उच्च शिक्षण संस्थानों में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप विकास का एक सुदृढ़ पारितंत्र विकसित करना है। इस सहयोगात्मक प्रयास के माध्यम से, एफआईईडी संरचित उद्यमिता विकास कार्यक्रमों को लागू करने, युवा नवोन्मेषकों को परामर्श देने एवं संकाय और विद्यार्थियों को क्षमता-निर्माण सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शैक्षणिक वातावरण में उद्यमशीलता की सोच को एकीकृत करना और नवउद्यम-तत्पर युवाओं की एक एक सतत श्रृंखला का निर्माण करना है, जो राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान कर सके। यह पहल उत्तराखण्ड को आधारभूत स्तर के नवाचार और युवा नेतृत्व वाले उद्यमों का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आरईएपी के तहत प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण

आईआईएम काशीपुर के नवाचार एवं उद्यमिता विकास केंद्र (एफआईईडी) ने ग्रामीण उद्योग विभाग, उत्तराखण्ड सरकार की एक पहल, ग्रामीण उद्यम त्वरण कार्यक्रम (आरईएपी) के तहत दो व्यापक 6-दिवसीय प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए। ये कार्यक्रम राज्य भर में उद्यम संवर्धन गतिविधियों को लागू करने में सक्रिय रूप से सम्मिलित, कुल 78 जिला और ब्लॉक-स्तरीय अधिकारियों के लिए आयोजित किए गए थे। इस प्रशिक्षण में दो महत्वपूर्ण विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया - सुशासन एवं नेतृत्व तथा व्यवसाय योजना और विपणन प्रबंधन - जो आईआईएम काशीपुर के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा संवादात्मक सत्रों, व्यावहारिक अभ्यास और वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित केस चर्चाओं के माध्यम से दिया गया।

टीओटी कार्यक्रम का उद्देश्य आधारभूत स्तर पर ग्रामीण उद्यमों का समर्थन करने के लिए आवश्यक ज्ञान, उपकरण और सुविधा कौशल से उपकरणीकृत निष्णात प्रशिक्षकों का एक सशक्त संवर्ग बनाना था। ये निष्णात प्रशिक्षक अब विभिन्न जिलों में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और समूह-स्तरीय महासंघ (सीएलएफ) के बोर्ड सदस्यों को प्रशिक्षण देने के लिए उत्तरदायी होंगे। यह पहल आरईएपी के तहत क्षमता-निर्माण रणनीति का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण समूहों की संस्थागत क्षमताओं को परिष्कृत करना और उत्तराखण्ड में सतत उद्यम विकास को बढ़ावा देना है।

डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर – नवाशय

परिचय

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर का डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), जिसे 'नवाशय' के नाम से भी जाना जाता है, ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में डिज़ाइन-आधारित नवाचार, स्थानीय स्तर की रचनात्मकता तथा अनुभवात्मक अधिगम को शैक्षणिक संस्थानों में बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य को निरंतर आगे बढ़ाया है, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र में। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 तथा शिक्षा मंत्रालय के डिज़ाइन इनोवेशन ढांचे के राष्ट्रीय उद्देश्यों से प्रेरित होकर, नवाशय ने संरचित कार्यशालाओं, सम्मेलन (कॉन्क्लेव), अनुभवात्मक भ्रमण और प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यालयी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पेशेवरों के मध्य **डिज़ाइन थिंकिंग** पद्धतियों को परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह प्रतिवेदन **अप्रैल 2024 से मार्च 2025** की अवधि के दौरान डीआईसी द्वारा संचालित प्रमुख गतिविधियों, पहलों, उपलब्धियों तथा प्रतिभागियों की सहभागिता को रेखांकित करता है।

1. हेल्प (HELP) पहल के अंतर्गत डिज़ाइन थिंकिंग कार्यशालाएँ

हेल्प (HELP) पहल के बारे में

हिमालयन एजुकेशनल लर्निंग प्रोग्राम (HELP) भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर के डीआईसी की एक आंतरिक पहल है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों के शैक्षणिक संस्थानों को वास्तविक जीवन के व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) अनुभवों के माध्यम से **डिज़ाइन थिंकिंग शिक्षण पद्धति** अपनाने में सहयोग प्रदान करना है। ये कार्यशालाएँ विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की जाती हैं, जिससे वे जीवन की प्रारंभिक अवस्था में ही रचनात्मकता, सहयोगात्मक समस्या-समाधान कौशल तथा नवाचार दृष्टिकोण विकसित कर सकें।

अप्रैल – जून 2024

डिज़ाइन थिंकिंग आधारित नवाचार पर कार्यशाला

- **सहभागी संस्थान**: द गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल, काशीपुर।
- **प्रतिभागी**: 63 विद्यार्थी, 3 शिक्षक।
- **उद्देश्य**: संरचित कक्षा गतिविधियों के माध्यम से डिज़ाइन थिंकिंग के सिद्धांतों का परिचय कराना।
- **परिणाम**: विद्यार्थियों में सहानुभूतिपूर्ण अवलोकन, समस्या निर्धारण तथा विचार सृजन कौशल का विकास हुआ। शिक्षकों ने विद्यालयी शिक्षा में डिज़ाइन थिंकिंग की प्रासंगिकता का अनुमोदन किया।

गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल, काशीपुर

कार्यशाला – साई पब्लिक स्कूल, काशीपुर

- **तिथि** : 15 अक्टूबर 2024
- **प्रतिभागी** : 47 विद्यार्थी, 2 शिक्षक
- **प्रशिक्षण समय** : 188 घंटे

केंद्रबिंदु : उपयोगकर्ता-केंद्रित डिज़ाइन थिंकिंग चुनौतियाँ, जैसे विद्यालय स्वच्छता, परिवहन तथा सहपाठी कल्याण।

साई पब्लिक स्कूल, काशीपुर, उत्तराखंड

2. आविष्कार 3.0 – रोबोटिक्स इनोवेशन चैलेंज

- **तिथि** : 23 दिसंबर 2024
- **सहयोगी संस्थाएँ** : अटल टिंकरिंग लैब (ATL), द गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल, काशीपुर।
- **कार्यक्रम सार** : राज्य स्तरीय रोबोटिक्स एवं नवाचार प्रतियोगिता।
- **प्रतिभागी** : 15 विद्यालयों से 155 विद्यार्थी (उधम सिंह नगर एवं नैनीताल)
- **परिणाम** :
  - विद्यार्थियों ने सेंसर, ऑटोमेशन और कोडिंग का प्रयोग करते हुए तकनीक-आधारित समाधान प्रस्तुत किए।
  - निर्णायकों ने युवा नवोन्मेषकों की रचनात्मकता एवं विचारों की स्पष्टता की सराहना की।
  - विद्यालय स्तर पर अंतःविषयक चिंतन तथा एसटीईएम (STEM) करियर के प्रति रुचि को प्रोत्साहन मिला।

3. अविन्या – राष्ट्रीय डिज़ाइन थिंकिंग कॉन्क्लेव 2025

- **तिथि** : 01 फरवरी 2025
- **उद्देश्य** : 'अविन्या' का उद्देश्य विचार-नेतृत्वकर्ताओं, शिक्षकों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों एवं डिज़ाइन विशेषज्ञों के लिए एक ज्ञान-साझाकरण मंच तैयार करना था, जहाँ वे वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु **मानव-केंद्रित डिज़ाइन थिंकिंग** की शक्ति का अन्वेषण कर सकें।
- **वक्ता एवं विषय** :
  - **श्री पुलिन राजे** (मैकिंज़ी एंड कंपनी): स्वास्थ्य क्षेत्र में डिज़ाइन परिवर्तन
  - **श्री प्रसन्ना बालासुब्रमणियन** (अकीराह एनालिटिक्स): व्यवसायिक नवाचार में आइडीआईपीई फ्रेमवर्क एवं रणनीति।
  - **सुश्री शुचि अग्रवाल**: फॉर्च्यून 500 परिप्रेक्ष्य में परिवर्तन प्रबंधन।
  - **श्री संजय दफ्लापुरकर** (टाटा मोटर्स): डिज़ाइन थिंकिंग के माध्यम से उत्कृष्टता निष्पादन।
- **परिणाम**:
  - शिक्षकों, उद्योग विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों सहित 100 से अधिक प्रतिनिधियों की सहभागिता।
  - केस-आधारित कार्यशालाओं एवं नेटवर्किंग सत्रों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के बीच नवाचार संबंध स्थापित हुए।

अविन्या – राष्ट्रीय डिज़ाइन थिंकिंग कॉन्क्लेव

4. सीबीएसई प्राचार्यों का आईआईएम काशीपुर में अध्ययन भ्रमण

- **तिथियाँ** : 26 – 27 जून 2024
- **प्रतिभागी** : 9 भारतीय राज्यों से 41 प्राचार्य।
- **कार्यक्रम के उद्देश्य** :
    - विद्यालय प्रशासन में नेतृत्व दक्षताओं का विकास करना।
    - प्रतिभागियों को आईआईएम की शिक्षण रणनीतियों, डिजिटल उपकरणों तथा **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020)** के अनुरूप नीतिगत समन्वय से परिचित कराना।
- **मुख्य सत्र :**
    - परिसर विकास एवं संसाधन योजना।
    - शिक्षण नवाचार एवं छात्र सहभागिता।
    - प्रौद्योगिकी एवं विद्यालय प्रबंधन।
- **परिणाम** : संस्थान की पहुँच सुदृढ़ हुई तथा भविष्य की क्षमता-विकास पहलों में सीबीएसई-डीआईसी सहयोग के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई।

वित्तीय वर्ष 2024–25 में, डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर 'नवाशय' ने विद्यालयी तंत्र, महाविद्यालयों तथा नवाचार कार्यक्रमों में **डिज़ाइन-आधारित चिंतन** को एकीकृत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की। अनुभवात्मक अधिगम और क्षेत्रीय पहुँच पर ध्यान केंद्रित करते हुए, डीआईसी ने विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में **शैक्षणिक सिद्धांत एवं व्यावहारिक समस्या-समाधान** के बीच की खाई को पाटने का कार्य किया।

सभी गतिविधियों ने **डिज़ाइन नवाचार के माध्यम से युवा मस्तिष्कों को प्रेरित, सशक्त और रूपांतरित** करने के डीआईसी के मूल लक्ष्य को सुदृढ़ किया। इस केंद्र का लक्ष्य राष्ट्रीय अभियानों एवं स्थानीय हितधारकों के साथ सहयोग स्थापित कर इन कार्यक्रमों का उत्तरोत्तर विस्तारण करना है।

चैत्य पुस्तकालय

ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के अपने आधुनिक संग्रह के माध्यम से, पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक गतिविधियों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आईआईएम काशीपुर की पुस्तकालय अत्याधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों वाला एक मिश्रित (हाइब्रिड) पुस्तकालय है; इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, यह अपने पाठकों को ई-डेटाबेस जैसी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। ऑनलाइन डेटाबेस संस्थान के नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। उपयोगकर्ता ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुँच सकते हैं और अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगा सकते हैं। पुस्तकालय उच्चतम व्यावसायिक मानकों पर आधारित विभिन्न सूचना सेवाएँ प्रदान करता है।

पुस्तकालय सूचना उत्पन्न करने, भंडारण, प्रसंस्करण और प्रसार के लिए सभी आधुनिक तकनीकों को अपनाता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में, पुस्तकालय अपने पाठकों को आधुनिक पुस्तकालय के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक वेब ओपेक सेवाएँ, अंतरपुस्तकालय संसाधन साझाकरण, स्वचालित परिसंचरण, ईमेल अलर्ट सेवाएँ, साइबर लैब सेवाएँ और अन्य सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

'कोहा (koha) के पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर (नवीनतम संस्करण) का उपयोग करके पुस्तकालय को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत किया गया है। निगरानी परिसंचरण और अन्य कार्यों के लिए आरएफआईडी प्रणाली पहले ही स्थापित की जा चुकी है। पुस्तकालय हाई-स्पीड इंटरनेट और आईआईएम काशीपुर नेटवर्क के इंट्रानेट से जुड़ा है, जो आवंटित पुस्तकालय बजट के भीतर ही शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक पिपासा को शांत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह आईआईएम काशीपुर के सभी अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है और ज्ञान के सृजन और प्रसार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसने संदर्भ, परामर्श, सदस्यता और संचलन, दस्तावेज़ वितरण, संसाधन साझाकरण और सूचना सतर्क सेवाओं सहित विभिन्न सेवाएँ प्रदान की हैं।

संग्रह, विकास और प्रबंधन

संग्रह-निर्माण पुस्तकालय के आवश्यक कार्यों में से एक है जो शैक्षणिक एवं शोध अध्येताओं और विद्यार्थियों का सहयोग करता है। पुस्तकालय संग्रह में किताबें, जर्नल, डेटाबेस, थीसिस, रिपोर्ट, मानक एवं प्रबंधन और उसके संबद्ध विषयों में अन्य पठन सामग्री सम्मिलित हैं - 31 मार्च 2025 तक पुस्तकालय का कुल संग्रह। पुस्तकालय में विभिन्न सूचना संसाधनों की धारित-संख्या सारणीबद्ध प्रपत्र में दी गई है:

तालिका 1: पुस्तकालय में विभिन्न सूचना संसाधनों की धारिता

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान जोड़ी गई सामग्री की संख्या	31 मार्च 2025 तक की सामग्री
मुद्रित पुस्तकें	245	11676
ई पुस्तकें	294	6228
नियतकालिक के साजिल्द खंड	-	799
थीसिस	18	49
परियोजना रिपोर्ट	-	628
सीडी/डीवीडी	-	103
जर्नल प्रिन्ट+ऑनलाइन के लिए वर्तमान सदस्यता	5463 (12 मुद्रित+5451 ऑनलाइन)	16478
पत्रिकाएँ	-	16
समाचारपत्र मुद्रण	-	11

* इसमें निःशुल्क प्राप्त पुस्तकें भी सम्मिलित हैं।

पुस्तकालय सामग्री की खरीद:
वित्तीय वर्ष 2024-25 में, पुस्तकालय ने उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों सहित 35,63,936 रुपये मूल्य की 539 नई पुस्तकों को जोड़कर अपने संग्रह का विस्तार किया।

आईआईएम, काशीपुर व्यवस्था के माध्यम से पूर्ण-पाठ ई-जर्नल एक्सेस:
आईआईएम काशीपुर भी असीमित उपयोग के लिए कई पूर्ण-पाठ ऑनलाइन ई-जर्नल डेटाबेस की सदस्यता ले रहा है, विवरण नीचे दिया गया है

तालिका 2: संसाधनों की सूची: असीमित उपयोग के लिए पूर्ण-पाठ तक पहुँच

प्रकाशक	टाइटल्स की संख्या
एमराल्ड "ऑनलाइन ई-शोध सिंधु ई जर्नल्स कलेक्शन	312
विली ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस ऑफ़ कोर एण्ड कस्टम कलेक्शन	1325
इंफॉर्म्स पब्स सूट	17
साइंस डायरेक्ट एक ऑनलाइन जर्नल्स डेटाबेस (04 सब्जेक्ट कलेक्शन)	2271
ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट एक ऑनलाइन डेटाबेस	4722
हैटेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस	2509
एबीआई इंफॉर्म कम्प्लीट	3529
सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज सब्जेक्ट कलेक्शन	1096
इकॉनलिट	685

ग्रंथ सूची/तथ्यात्मक डेटाबेस:
पुस्तकालय के पास असीमित उपयोग के लिए कई ग्रंथ सूची/तथ्यात्मक डेटाबेस तक पूर्ण पहुँच है।
विवरण नीचे दिया गया है: -

तालिका 3: ग्रंथ-सूची डेटाबेस की सूची

शीर्षक	रुचि का क्षेत्र	संसाधन/शीर्षक सम्मिलित
ईबीएससीओ डेटाबेस	प्रबंधन और संबद्ध क्षेत्र	7938
स्कोपस	सहकर्मी- समीक्षित साहित्य का सबसे बड़ा सार और उद्धरण डेटाबेस	कोर संग्रह में कुल पत्रिकाओं की संख्या: 27,933
वेब ऑफ साइंस	सहकर्मी- समीक्षित साहित्य का सबसे बड़ा सार और उद्धरण डेटाबेस	कुल जर्नल की संख्या: 22,209

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग आँकड़े

फुल-टेक्स्ट/पूर्ण-पाठ संसाधन

एमराल्ड का "ऑनलाइन ई-शोध सिंधु 309 ई जर्नल्स कलेक्शन, विली ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस ऑफ कोर एण्ड कस्टम कलेक्शन, इनफॉर्म्स पब सूट, साइंस डायरेक्ट, ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, प्रेस रीडर, टेलर एण्ड फ्रांसिस ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस, स्कोपस, वार्क, सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज सब्जेक्ट कलेक्शन, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज, इंडियास्टैट.कॉम, ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विसेज, एबीआई इनफॉर्म कम्प्लीट, सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक, प्रोवेस फॉर इंटरएक्टिव क्वेरी, इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई-टीपी सीपीडीएक्स, वेब ऑफ साइंस, वेंचर इंटेलिजेंस पीई-वीसी डील्स, कैबेल जर्नल्स व्हाइटलिस्ट फॉर बिजनेस सेट ऑनलाइन, कम्पुस्टैट डेटाबेस, एमआईएमआई" (मीका इंडियन मार्केट इंटेलिजेंस), सुप्रीम कोर्ट केस, स्टेटिस्टा डेटाबेस, इकोनलिट फुल-टेक्स्ट डेटाबेस, का उपयोग विवरण लघुगणकीय पैमाने पर चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 4: प्रमुख डेटाबेस के लिए उपयोग सांख्यिकी (पूर्ण पाठ)

जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक उपयोग रिपोर्ट	
आइटम का विवरण (जर्नल डेटाबेस)	**कुल उपयोग**
एमराल्ड	**64543**
विली	**13318**
इनफॉर्म्स पब सूट	**2148**
साइंस डायरेक्ट	**47372**
ईबीएससीओ बीएसयू	**1153**
प्रेस रीडर	**110982**
टेलर एंड फ्रांसिस	**16261**
स्कोपस	**14537**
सेज	**5984**
एफएसओडी	**1615**
ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज	**296**
इंडियास्टेट.कॉम	**270**
ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विसेज (ईडीएस)	**1719**
एबीआई इंफॉर्म कम्प्लीट	**11187**
सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक	**2054**
वेब ऑफ साइंस	**216674**
प्रोवेस आईक्यू	**2066**
कैबेल्स	**31438**
कंज़्यूमर पिरामिड्स हाउसहोल्ड सर्वे	**2725**
इकोनॉमिक आउटलुक	**151**
ईबीएससीओ इकॉनलिट	**78**
स्टेटिस्टा	**1474**
सुप्रीम कोर्ट केस	**349**
कुल	**548394**

सतत आधार पर ई-पुस्तक संग्रह

पुस्तकालय ने सेंगेज, ईबीएससीओ, ऑक्सफोर्ड हैंडबुक, पालग्रेव इनसाइक्लोपीडिया, सेज और स्प्रिंगर ई-बुक्स की सदस्यता ली हुई है, जिसमें सभी प्रमुख वैश्विक प्रकाशकों की प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे अर्थशास्त्र, वित्त, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, मानविकी, आदि से संबंधित 6158 (छह हजार एक सौ अट्ठावन) से अधिक दुर्लभ पुस्तकें शामिल हैं। इस संग्रह में परपेचुअल बेसिस ई-पुस्तकों पर दुनिया के प्रसिद्ध लेखकों के मूल कार्यों का डिजीटल संस्करण शामिल है, जो इसके संग्रह में पूर्ण पहुँच और स्थायी एक्सेस के आधार पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय सेवाएँ

वेब ओपेक: पुस्तकों और पत्रिकाओं सहित पुस्तकालय के संपूर्ण संग्रह को वेब सक्षम ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग

(ओपीएसी) के माध्यम से खोजा जा सकता है। उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगाने के लिए ओपेक तक पहुँच सकते हैं।

अंतर पुस्तकालय ऋण/संसाधन साझाकरण: यह पुस्तकालय में डेलनेट के माध्यम से अन्य प्रमुख पुस्तकालयों के साथ एक सहयोगात्मक व्यवस्था है, जो उन दस्तावेज़ को प्राप्त करने के लिए है जो आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। अध्येता और शोधकर्ता इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

सक्रिय सूचना सेवाएँ: पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय को विशिष्ट सूचना सेवाएँ जैसे आगामी सम्मेलनों की जानकारी, सीएएस, एसडीआई आदि प्रदान करता है।

आज की सुर्खियाँ: आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय सभी प्राध्यापक सदस्यों, अनुसंधान अध्येताओं, विद्यार्थियों और कर्मचारी सदस्यों को यूआरएल (लिंक) द्वारा प्रमुख अँग्रेज़ी समाचार पत्रों की सुर्खियाँ प्रदान करता है।

अन्य सेवाएँ :

- दृश्य-श्रव्य सुविधा
- ग्रंथ सूची
- स्वचालित परिसंचरण
- ई-मेल अलर्ट सेवा
- अभिविन्यास कार्यक्रम
- स्वचालित परिसंचरण
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- डेटा सेंटर और एनालिटिक्स लैब
- दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सेवा
- डेटाबेस खोज सेवा
- संदर्भ सेवा
- एसएमएस अलर्ट सेवा

तालिका 5: प्रमुख डेटाबेस के लिए उपयोग सांख्यिकी (पूर्ण पाठ)

पुस्तकालय उपयोगकर्ता रिकॉर्ड अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक	
माह	**उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या**
अप्रैल, 2024	58
मई, 2024	46
जून, 2024	105
जुलाई, 2024	2305
अगस्त, 2024	2066
सितंबर, 2023	1369
अक्टूबर, 2024	973
नवंबर, 2024	1107
दिसंबर, 2024	931
जनवरी, 2025	642
फरवरी, 2025	798
मार्च, 2025	622

पुस्तकालय में बैठने की सुविधा: पुस्तकालय में 100 उपयोगकर्ताओं के बैठने की क्षमता है।

पुस्तकालय का समय: सुबह 9.00 बजे से रात 12.00 बजे तक (सोमवार से शनिवार)। पुस्तकालय रविवार और राजपत्रित अवकाश पर बंद रहता है।

सतत पुस्तकालय प्रथाएँ

1) आईआईएम काशीपुर ने ऐतिहासिक 25वें आईआईएम पुस्तकालय सहायता संघ की मेजबानी की: अध्येता सहभागिता में एक मील का पत्थर

25वां आईआईएम पुस्तकालय सहायता संघ 25 से 27 सितंबर, 2024 तक आईआईएम काशीपुर में आयोजित किया गया, जो सभी 21 भारतीय प्रबंध संस्थानों (आईआईएम्स) के बीच अध्येताओं के संसाधनों को साझा करने एवं अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए किए जा रहे सहयोगी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कार्यक्रम में सभी आईआइएम्स के पुस्तकालय प्रमुख और 45 से अधिक डेटाबेस कंपनियाँ एक साथ आईं, जिनका साझा उद्देश्य सहायता संघ में संसाधनों की खरीद, अन्तःपुस्तकालय ऋण एवं वितरित उपयोग को सशक्त करना था।

तीन दिन का यह कार्यक्रम एक औपचारिक उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ, जिसमें स्वागत भाषण एवं अनुष्ठानिक दीप प्रज्वलन सम्मिलित था, जो बौद्धिक विकास की दिशा में एक यात्रा के आरंभ का प्रतीक था। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ज्ञान वृक्ष रोपण समारोह था, जिसने आईआईएम काशीपुर की स्थिरता और बौद्धिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

इस कार्यक्रम में जाने-माने प्रकाशक और डेटाबेस प्रदत्तकर्ता, जिनमें प्रोक्वेस्ट, भारत बुक ब्यूरो, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस और सेज पब्लिकेशंस सम्मिलित थे, ने ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियाँ दीं। इन सत्रों ने अध्येताओं के प्रकाशन, संसाधन प्रबंध एवं मूल्य निर्धारण रणनीति में उभरते रुझानों पर मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किए, जिससे सभी आईआईएम पुस्तकालयों को लाभ हो।

आयोजक के तौर पर, आईआईएम काशीपुर ने कंसोर्टियम सदस्यों के बीच वार्ता एवं सहयोग को बढ़ावा दिया। कंसोर्टियम के दौरान लिए गए सामूहिक निर्णयों का उद्देश्य सभी भाग लेने वाले संस्थानों में संसाधनों की उपलब्धता और शैक्षणिक सहयोग को बेहतर बनाना है।

25वें आईआईएम पुस्तकालय कंसोर्टियम ने आईआईएम पुस्तकालयों के मिलकर कार्य करने की भावना को सशक्त किया एवं शैक्षणिक संसाधन प्रबंधन में स्थायित्व एवं नवाचार के महत्व पर बल दिया। इस ऐतिहासिक आयोजन ने पुस्तकालय संसाधनों को बेहतर बनाने एवं सभी आईआइएम्स में शोध उत्कृष्टता को सहयोग करने में दीर्घकालिक उन्नति और सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

यह पहल आईआईएम काशीपुर के शैक्षणिक संसाधनों को उन्नत करने एवं आईआईएम पारिस्थितिकी तंत्र में अन्तःसहभागिता की संस्कृति के विकास के प्रति प्रतिबद्धतता को दर्शाती है।

2) बाल दिवस कार्यक्रम

परिवर्तन प्रकोष्ठ और संस्थान के पुस्तकालय के सहयोग से 25.11.2024 को हुई पुस्तकालय समिति की बैठक में किए गए अनुमोदन के अनुसार 14 नवंबर 2024 को सफलतापूर्वक बाल दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस आयोजन में स्वागत सत्र, कलरिंग और चित्रकला प्रतियोगिता, कहानी वाचन सत्र, एक कलरिंग और चित्रकला प्रतियोगिता, एक कहानी वाचन सत्र एवं जलपान सम्मिलित थे। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पूरे उत्साह से भाग लिया और सकारात्मक प्रतिपुष्टि दी, जिससे बच्चों में सृजनात्मकता और जुड़ाव की भावना को बल मिला।

3) वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) का कार्यान्वयन:

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों (D.O. No. 8-16/2024-TEL दिनांक 5 नवंबर 2024) के अनुपालन में, भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर ने 2025-2027 की अवधि के लिए वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) (चरण-I) पहल के साथ अपने ई-संसाधन सदस्यता को सफलतापूर्वक संरेखित किया है। इस पहल के तहत, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 30 प्रकाशकों के लिए ई-जर्नल सदस्यता को स्वीकृति दी है, जिससे विविध शैक्षणिक संसाधनों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित हो सके।

इस पहल के माध्यम से, आईआईएम काशीपुर ने शैक्षणिक एवं अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए महत्वपूर्ण ई-संसाधनों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित की है।

ओएनओएस (ONOS)-सक्षम एक्सेस:

ओएनओएस (ONOS) के तहत, आईआईएम काशीपुर इस पहल में सम्मिलित 30 प्रकाशकों से सब्सक्राइब किए गए ई-रिसोर्स तक अपने सतत अभिगम की पुष्टि करता है। इस प्रयास से उच्च-गुणवत्ता वाली शैक्षणिक पाठ्यसामग्री तक व्यापक पहुँच आसान हुई है, जो संस्थान के भीतर शोध,शिक्षण एवं सीखने की गतिविधियों को सहयोग करता है।

अपने संसाधनों को उन्नत करने एवं राष्ट्रीय पहलों के साथ तालमेल बिठाने के लिए पुस्तकालय की प्रतिबद्धता, शैक्षणिक विकास को सहयोग करने और नवाचार को बढ़ावा देने के प्रति उसके सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाती है।

4) आउटरीच और संस्थागत प्रतिनिधित्व:

पुस्तकालय के तत्वाधान में, निम्नलिखित शैक्षणिक दौरे सफलतापूर्वक आयोजित और समन्वित किए गए, जिससे आईआईएम काशीपुर की संस्थागत पहचान सुदृढ़ हुई:

तिथि	संस्थान	प्रतिभागियों की संख्या
29 नवंबर 2024	जवाहर नवोदय विद्यालय,कलेवाला ठाकुरद्वारा,मुरादाबाद	78 विद्यार्थी, 5 प्राध्यापक
5 अक्टूबर 2024	रेनबो पब्लिक स्कूल,रुद्रपुर	58 विद्यार्थी+ प्राध्यापक
24 अक्टूबर 2024	गवर्नमेंट इन्टर कॉलेज,मोहन,रामनगर (नैनीताल)	57 विद्यार्थी+ प्राध्यापक
16 जनवरी 2025	विवेक ग्रुप ऑफ कॉलेज,बिजनौर	44 विद्यार्थी, 7 प्राध्यापक
14 फरवरी 2025	सेंट फ्रांसिस इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च, मुंबई	140 विद्यार्थी, 6 प्राध्यापक
25 फरवरी 2025	होली ऐन्जल पब्लिक स्कूल,खरमस, काशीपुर	55 विद्यार्थी+ प्राध्यापक

आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर

इंटरनेट

आईआईएम काशीपुर का सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग (IT Department) डेटा सेंटर, नेटवर्क, दृश्य-श्रव्य उपकरण, टेलीफोनी और एंडपॉइंट डिवाइस के सभी अवसंरचना (Infrastructure) और सुविधाओं का प्रबंधन करता है। यह, आईटी सलाहकार समिति जो समय-समय पर आईटी संबंधी नीतियाँ और प्रक्रियाएँ तैयार करती है, के मार्गदर्शन के अंतर्गत कार्य करती है। योग्य आईटी पेशेवर और तकनीकी कर्मचारियों की एक टीम कैंपस के आईटी अवसंरचना का प्रबंधन करते हैं।

इस नेटवर्क बैकबोन को सिंगल मोड फाइबर ऑप्टिक केबल पर संयोजित किया गया है, जो पूरे परिसर में हाई-स्पीड और भरोसेमंद कनेक्टिविटी प्रदान करता है। यह आंतरिक नेटवर्क, फोर्टिगेट फ़ायरवॉल और राउटर के माध्यम से सुरक्षित एवं प्रबंधित किया जाता है। शैक्षणिक खंड पूर्ण रूप से वाई-फाई और वायर्ड लैन कनेक्टिविटी दोनों के माध्यम से उपकरणीकृत है। निर्बाध, 24×7 इंटरनेट कनेक्टिविटी को पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया (पावरटेल) से प्राप्त समर्पित 1.5 जीबीपीएस की प्राथमिक लाइन तथा नेशनल नॉलेज नेटवर्क (NKN) से प्राप्त 1 जीबीपीएस की बैकअप लाइन के माध्यम से सुनिश्चित किया गया है।

परिसर की सभी इमारतें- शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खंड, संकाय, कर्मचारी आवास और विद्यार्थी छात्रावास (खंड ए से एच) कैंपस लैन (LAN) से जुड़े हुए हैं एवं आवश्यक आईटी अवसंरचना से उपकरणीकृत हैं। इन सुविधाओं में चौबीसों घंटे इंटरनेट एवं इंट्रानेट कनेक्टिविटी उपलब्ध है। वाई-फाई कवरेज के अतिरिक्त, यह वायर्ड कनेक्टिविटी नेटवर्क में पुनरावृत्ति (रेडंडेंसी) सुनिश्चित करती है और उसकी विश्वसनीयता को बढ़ाती है। इसके अलावा, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवनों में अवाया (Avaya) द्वारा संचालित आईपीबीएक्स टेलीफोनी प्रणालियाँ स्थापित हैं, जो आंतरिक तथा बाह्य संचार को संभव बनाती हैं।

कैंपस लाइसेंसिंग:

आईआईएम काशीपुर ने लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर के उपयोग को सरल बनाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक कैंपस समझौता किया है। प्रबंधकीय निर्णय लेने और विश्लेषण के साथ-साथ सांख्यिकीय तथा अर्थमितीय विश्लेषण जैसे अन्य पैकेजों के लिए भी ऐसा ही किया गया है। ईमेल सेवाओं के लिए गूगल वर्कस्पेस फॉर एजुकेशन प्लस का उपयोग किया जा रहा है।

सर्वर:

दो टावर सर्वर और पाँच रैक सर्वर आवश्यक सहायक उपकरणों के साथ विभिन्न सर्वर आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। सभी सर्वर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज़ सर्वर 2012 और उबन्टू सर्वर्स (Ubuntu Servers) ऑपरेटिंग सिस्टम स्थापित हैं। कोहा, जो कि पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली है, लिनक्स सर्वर पर स्थापित है। स्टेटा सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध है जिसका उपयोग अर्थमिति मॉडल का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है।

उपयोगकर्ता वीपीएन (VPN) के माध्यम से कैंपस के बाहर से भी पुस्तकालय डेटाबेस तक पहुँच सकता है। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया से प्रदत्त एसएपी-ईआरपी (SAP-ERP) लाइसेंस विद्यार्थियों को ईआरपी (ERP) का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग: ज़ूम और आईपी नेटवर्क का उपयोग करके उच्च-रिज़ॉल्यूशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, प्लेसमेंट से संबंधित गतिविधि, साक्षात्कार और दूरस्थ स्थानों पर व्यक्तियों/कंपनियों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान की जाती है।

डिजिटल क्लासरूम:

क्लासरूम को खूबसूरती से डिज़ाइन किया गया है एवं बेहतर कक्षा अनुभव के लिए हाई-स्पीड वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी और हाई-डेफ़िनेशन प्रोजेक्टर से उपकरणीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त, वाई-फाई और दृश्य-श्रव्य (AV) प्रणाली की सुविधाएँ A1, A2, B1, B2, B3, C1, C2, C3, D1, D2, E1, E2, F1, F2, G1, H1, H2, IGL-01 तथा IGL-02 कक्षाओं तक विस्तारित की जा चुकी हैं।

वित्त और विश्लेषण प्रयोगशाला:

आईआईएम काशीपुर ने एक अत्याधुनिक वित्त एवं विश्लेषण प्रयोगशाला स्थापित की है। यह प्रयोगशाला वित्तीय बाजारों में उन्नत अनुप्रयुक्त अनुसंधान का समर्थन करती है तथा विद्यार्थियों को डेटा एनालिटिक्स अवधारणाओं में गणितीय और वैचारिक सिद्धांतों एवं सर्वोत्तम पद्धतियों से लाभान्वित करती है। आईआईएम काशीपुर के परिसर में ब्लूमबर्ग एल.पी. के सहयोग से ब्लूमबर्ग सुविधा उपलब्ध है, जो विद्यार्थियों को वास्तविक समय के वित्तीय बाजार डेटा संचार की निगरानी और विश्लेषण करने तथा विश्व भर के उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

सॉफ्टवेयर:

एसएपी, एसपीएसएस, टर्निटिन, एनवीवो, माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस, स्टेटा, मैक्सक्यूडीए, ई-व्यूज़, लिंगो सुपर, एनलॉगिट, मिनिटैब, सीईएसआईएम, क्वाल्ट्रिक्स, स्मार्टपीएलएस अकादमिक और शोध उद्देश्यों के लिए सब्सक्राइब/खरीदे गए हैं।

रोबस्ट आईटी हेल्प डेस्क

आईटी विभाग एक केंद्रीकृत हेल्पडेस्क का संचालन करता है, जो अंतिम उपयोगकर्ताओं को समयबद्ध समाधान के लिए पोर्टल के माध्यम से आईटी तथा गैर-आईटी से संबंधित घटनाओं या सेवा अनुरोधों को दर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है।

सॉफ्टवेयर और सुरक्षा:

आईटी टीम ने संस्थान परिसर में लगभग 1,200 संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों की आवश्यकताओं का प्रबंधन एवं समाधान किया।

संकाय सदस्य

1	संचार	प्रो. बहारूल इस्लाम
2	संचार	प्रो.स्मारक समरजीत
3	संचार	प्रो. अनिरुद्ध जेना
4	अर्थशास्त्र	प्रो. थास्नी टी
5	अर्थशास्त्र	प्रो. अतुलन गुहा
6	अर्थशास्त्र	प्रो. अभ्रदीप मैती
7	अर्थशास्त्र	प्रो. वैभव भमोरिया
8	अर्थशास्त्र	प्रो. जगदीश प्रसाद साहू
9	अर्थशास्त्र	प्रो. ग्यासुद्दीन अंसारी
10	वित्त एवं लेखांकन	प्रो. के. एन. बधानी
11	वित्त एवं लेखांकन	प्रो. कुणाल
12	वित्त एवं लेखांकन	प्रो. आशीष कुमार
13	वित्त एवं लेखांकन	प्रो. दिलीप कुमार
14	वित्त एवं लेखांकन	प्रो. रतिकान्त भास्कर
15	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. मयंक शर्मा
16	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. के वेंकटराघवन
17	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. हरीश कुमार
18	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. राजीव कुमार
19	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. शौकत अली शाही
20	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. गौतम पाल
21	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. बेन कृष्णा एम.यू
22	विपणन	प्रो. सोमनाथ चक्रबर्ती
23	विपणन	प्रो. मधुरिमा देब
24	विपणन	प्रो. कुमकुम भारती
25	विपणन	प्रो. उत्कर्ष
26	विपणन	प्रो. प्रीति नरवाल
27	विपणन	प्रो. दीपक वर्मा

34	संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. प्रोफेसर शुभम शर्मा
35	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. कुणाल के गांगुली
36	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. सब्यसाची पात्र
37	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. अलका आर्य
38	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. सुनील कुमार जौहर
39	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. देवेन्द्र कुमार पाठक
40	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. विवेक रॉय
41	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव
42	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. धीरज चंद्र
43	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. रचिता गुप्ता
44	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. जिमुत बाहन चक्रवर्ती
45	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. मोहित रे
46	रणनीति	प्रो. सफल बत्रा
47	रणनीति	प्रो. विवेक कुमार
48	रणनीति	प्रो. शोभा तिवारी
49	रणनीति	प्रो. अबु रेहान अब्बासी

अतिथि संकाय: एमबीए (2024-25)

क्र.सं.	संकाय	शैक्षणिक योग्यता	नवीनतम संबद्धता
1	**प्रो. जयराम सुब्रमण्यन**	पीएचडी	ओ.पी. जिंदल वैश्विक विश्वविद्यालय
2	**प्रो. मृणालिनी शाह**	पीएचडी, EU पोस्टडॉक, CSCP फेलो	आईएमटी, गाजियाबाद
3	**प्रो. रोमा मित्रा देबनाथ**	पीएचडी	आईआईपीए, दिल्ली
4	**प्रो. मो. नासिर**	एलएलएम	एएमयू, अलीगढ़
5	**डॉ. पूजा पटनायक**	पीएचडी	ओ.पी. जिंदल वैश्विक विश्वविद्यालय
6	**प्रो. विनय गोयल**	पीएचडी	एस.पी. जैन प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, मुंबई {प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (वित्त और अर्थशास्त्र), निदेशक शैक्षणिक संचालन }
7	**प्रो. गौरव गोपाल बैरी**	पीएचडी	मास्टर्स यूनियन, गुड़गांव
8	**प्रो. हर्ष वर्धन समालिया**	पीएचडी (आईआईआईटीएम ग्वालियर)	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़
9	**डॉ. शीतल जैन**	पीएचडी (एएमयू)	लक्स एनालिटिक्स (संस्थापक और सीईओ)
10	**प्रो. असित बर्मा**	पीएचडी	भारतीदासन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, त्रिची (निदेशक एवं संकाय सदस्य)
11	**श्री पी. चंद्रमौलि**	आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए	स्व-रोजगार (प्रबंधन कोच और सलाहकार)
12	**श्री रिजुल अरोड़ा**	एमएससी (ऑनर्स). अर्थशास्त्र	अर्नस्ट एंड यंग (ईवाई), मैनेजर, ईवाई ग्लोबल इनोवेशन (जेन एआई और मेटावर्स)
13	**श्री ध्रुव बजाजसु**	सिम्बायोसिस, पुणे से एमबीए	TASSETS (संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी)
14	**श्री संगीता गणेशन**	एमबीए	एचसीएल टेक्नोलॉजीज
15	**डॉ. चिरंजीब भट्टाचार्य**	पीएचडी	वाइजरटेक इन्फॉर्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक)
16	**श्री ध्रुव बजाज**	एमबीए (वित्त), सिम्बायोसिस व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, पुणे	सह-संस्थापक और सीईओ, टी-एसेट्स
17	**श्री समीप जैन**	मैनेजमेंट में पीजीपी	ब्लैक ब्रिक्स एडवाइजर्स (एमडी और सीईओ)
18	**श्री अल्तमश असलम**	पीजीडीएम (आईआईएम इंदौर)	द इनोवेशन स्टोरी (प्रधान विपणन अधिकारी)

19	**प्रो. हृषिकेश भंड**	पीजीडीएम (आईआईएम इंदौर)	स्वरोजगार (व्यवसाय रणनीति एवं विपणन परामर्श)
20	**श्री प्रसेनजीत रॉय**	एमबीए (आईआईएफटी)	एनटीटी लिमिटेड (प्रधान विपणन अधिकारी)
21	**सुश्री राम्या पट्टाबिरमन**	सीए	स्वतंत्र पेशेवर (फ्रीलांसर)
22	**श्री वेंकटेश कृष्णमूर्ति**	पीजीडी (आईआईएम बैंगलोर)	फी प्लाज़ा एलएलपी
23	**श्री अजीत मिश्रा**	एमबीए (एस.पी. जैन प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान)	एक्सेंचर (वरिष्ठ निदेशक -व्यवसाय और तकनीकी नवाचार)
24	**श्री राहुल अल्टेकर**	पीएचडी	एसएपी (निदेशक)
25	**प्रो. नितिन वर्मा**	पीएचडी (आईआईएम राँची)	स्वतंत्र पेशेवर (फ्रीलांसर)
26	**प्रो. दीप्तिमान बनर्जी**	पीएचडी	आईआईएम रायपुर में सहायक प्राध्यापक (विपणन)
27	**प्रो. आशीष कुमार गुप्ता**	पीएचडी	ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय (सहायक प्राध्यापक)
28	**श्री तीर्थंकर चौधरी**	इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान से एमफिल (अर्थशास्त्र)	अमेरिकन एक्सप्रेस (उपाध्यक्ष, डिजिटल डेटा साइंस)
29	**श्री विकास पांडे**	बी.ई. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग)	मैकिंज़ी एंड कंपनी (प्रबंधक)

अतिथि संकाय: एमबीएए (2024-25)

क्र.सं.	संकाय	शैक्षणिक योग्यता	नवीनतम संबद्धता
1	**श्री अभिनय गुप्ता**	बी.ई. एनआईटी सूरत	कार्यकारी निदेशक, एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस
2	**श्री कौशिक स्वरूप**	पी.जी.डी.एम. (बिजनेस एनालिटिक्स), आईएफआईएम बिजनेस स्कूल	केपीएमजी इंडिया में कंसल्टेंट
3	**प्रो. हर्ष वर्धन समालिया**	पीएचडी (आईआईआईटीएम ग्वालियर)	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़
4	**श्री देबराज बनर्जी**	एमबीए (आईआईएम बैंगलोर)	सिडबी वेंचर्स इंडिया (मुख्य निवेश अधिकारी)
5	**प्रो. बिपुल कुमार**	पीएचडी, पीएचडी, आईआईएम राँची	कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रमुख, कैलिबर लैब्स
6	**प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव**	पीएचडी, आईआईटी-बीएचयू, वाराणसी	स्वतंत्र पेशेवर (फ्रीलांसर)
7	**श्री राहुल अल्टेकर**	पीएचडी	एसएपी (निदेशक)
8	**श्री आदित्य पुजारी**	मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.), के. जे. सोमैया प्रबंधन संस्थान	प्रधान परामर्शदाता, मैनहैटन एसोसिएट्स

9	**प्रो. हनीश राजपाल**	पीएचडी (प्रबंधन), राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर, भारत	एसोसिएट प्रोफेसर, गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, गोवा
10	**प्रो. गुनिंदर पाल सिंह**	पीएचडी, भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ	सहायक प्रोफेसर, जिंदल ग्लोबल बिज़नेस स्कूल
11	**डॉ. साई सिद्धार्थ वी. के.**	पीएचडी, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद	नेतृत्व प्रशिक्षु, अध्यक्ष कार्यालय, मैडिसन वर्ल्ड
12	**प्रो. नितिन वर्मा**	पीएचडी, पीएचडी, आईआईएम राँची	स्वतंत्र पेशेवर (फ्रीलांसर)
13	**श्री सैमुअल देवैराक्कम आर**	मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), सिस्टम्स, थियागराजर स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, मदुरै, भारत	निदेशक (डिलीवरी), जोकाटा

Research Publications

Ali Shahee, S., & Patel, R. (2025). An Explainable ADASYN Based Focal Loss Approach for Credit Assessment. *Journal of Forecasting*.

Ansari, M. G., &Sensarma, R. (2025). Monetary Policy, Interbank Liquidity, and Lending Behavior of Banks in India. *Journal of Emerging Market Finance*, *24*(2), 194-217.

Baharul, I. K., Archan, M., & Asif, K. (2024). Assessing The Impact of Environmental Barriers on Sustainable Development: A Confirmatory Factor Analysis Approach in Rural Communities. In *2024 ITU Kaleidoscope: Innovation and Digital Transformation for a Sustainable World (ITU K)* (pp. 1-8). IEEE.

Bansal, M., & Sarath, S. (2025). Corporate social responsibility–marketing nexus: evidence from India's Companies Act of 2013. *Management Research Review*, *48*(5), 808-824.

Bapat, S. R., & Joshi, N. (2024). Optimal estimation of the length-biased inverse Gaussian mean with a case study on Eastern Tropical Pacific dolphins. *Environmental and Ecological Statistics*, *31*(3), 675-689.

Batra, S. (2025). It takes a village: entrepreneurial bricolage in rural cooperative enterprise development. *Management Decision*.

Behera, R. R., Jena, A., & Rath, C. S. (2024) ByaaseSunucha- A Cinematic Lament amid the Decline of Odia Language. *Economic and Political Weekly*, *59*(22).

Bhaskar, R., Bansal, S., & Pandey, D. K. (2024). CEO duality and corporate social responsibility: A moderation effect of founder CEO. *Research in International Business and Finance*, *71*, 102410.

Bhuyan, A., & Roy, V. (2024). Paratransit services and socio-economic planning: A review uncovering critical insights and developmental pathways. *Socio-Economic Planning Sciences*, *94*, 101960.

Chicker, S., & Sahu, J. P. (2025). The heterogeneous effects of infrastructure on farm and non-farm sector output: evidence from Indian states. *International Journal of Social Economics*, *52*(9), 1322-1336.

Das, D., & Chandra, D. (2024). Costly matching problem and revenue-maximizing strategy in the platform economy. *Journal of Revenue and Pricing Management*, 1-17.

Das, S., Kumar, A., & Mishra, T. (2025). How do institutional investors dictate corporate cash holdings in a financially constrained environment?. *The European Journal of Finance*, 1-17.

Deb, M., Ghosh, A., & Shukla, Y. (2025). Storytelling ads, Narrative Transportation, Retrospective Reflexivity, and Attitude Towards Brands: Role of Independent Versus Interdependence Self Construal. *Psychology & Marketing*, *42*(7), 1795-1810.

Devi, Y., Koshta, N., & Pendyala, S. S. (2025). Digital transformation and rural healthcare disparities: A mixed-methods approach in India. *Technovation*, *140*, 103165.

Dutta, S. (2025). Examining the Diffusion of Software as a Service (SaaS) Based Cloud Model Among Indian Firms: A Risk Based Perspective. *The Electronic Journal of Information Systems in Developing Countries*, *91*(2).

Dutta, S., Jain, S., & Mukhopadhyay, A. (2025). a comprehensive risk based IT governance framework for saas adoption in capital market. *Journal of Organizational Computing and Electronic Commerce*, *35*(2), 115-135.

Gangopadhyay, K., & Mondal, D. (2024). Structural transformation of the Indian states: heterogeneity among them in a ten-sector economy. *Indian Growth and Development Review*, *17*(2), 232-259.

Gaur, J., Bharti, K., & Bajaj, R. (2024). Maximizing marketing impact: heuristic vs ensemble models for attribution modeling. *Global Knowledge, Memory and Communication*.

Ghosh, A., Deb, M., &Ermmann, A. (2025). Are there universal themes in story advertisements? a cross-country study on identification, usage, and attitudes towards story ad themes. *Marketing Letters*, *36*(2), 259-272.

Gorgievski, M. J., Schmitt, A., Costa, S. F., & Batra, S. (2024). How do entrepreneurs influence their social environment? A bibliometric analysis and editorial. *Applied Psychology*, *73*(4), 1419-1443.

Gupta, M., Jauhar, S. K., Paul, S. K., & Pratap, S. (2024). Relation between digital innovation and industry 4.0: existing themes and emerging research trends. *OPSEARCH*, 1-44.

Gupta, R. M., Painuly, A., Zainith, P., Mishra, N. K., & Yadav, V. S. (2025). Thermal performance of radiator tubes for multiple orientations for engine cooling. *Journal of Mechanical Science and Technology*, 1-11.

Gupta, R., & Anand, A. (2024). Are we measuring the SDGs progress right? Evidence and insights from a review of India's SDG index. *Indian Growth and Development Review*.+

Gupta, R., & Anand, A. (2025). Is mobility transition driven by wealth inequality? Evidence from analysis of the electric two-wheelers adoption in India. *Transportation Research Part A: Policy and Practice*, *193*, 104407.

Gupta, R., & Dharap, O. (2024). How is India skilling its youth? A comprehensive study. *Journal of Vocational Education & Training*, *76*(4), 818-844.

Gupta, R., & Negi, S. (2024, August). Do Firm Profits Adversely Impact Wage Growth and Employment Generation: Evidence from Firm-Level Data in India. In *Forum for Social Economics* (pp. 1-18). Routledge.

Iqbal, N., Bouri, E., Liu, G., & Kumar, A. (2024). Volatility spillovers during normal and high volatility states and their driving factors: A cross country and cross asset analysis. *International Journal of Finance & Economics*, *29*(1), 975-995.

Iqbal, N., Bouri, E., Liu, G., & Kumar, A. (2024). Volatility spillovers during normal and high volatility states and their driving factors: A cross country and cross asset analysis. *International Journal of Finance & Economics*, *29*(1), 975-995.

Jain, D., Kumar, A., & Jindal, K. (2025). Investor reactions to sustainability index dynamics: asymmetries from the Asian market perspectives. *Journal of Economic Studies*.

Jain, S., & Sahu, J. P. (2025). Banking the unbanked: exploring the impact of internet penetration on accessibility to banking services in developed and developing economies. *Digital Policy, Regulation and Governance*, *27*(1), 94-115.

Jasrotia, S. S., Rai, S. S., Rai, S., & Giri, S. (2024). Stage-wise green supply chain management and environmental performance: Impact of blockchain technology. *International Journal of Information Management Data Insights*, *4*(2), 100241.

Jauhar, S. K., Harinath, S., Krishnaswamy, V., & Paul, S. K. (2024). Explainable artificial intelligence to improve the resilience of perishable product supply chains by leveraging customer characteristics. *Annals of Operations Research*, 1-40.

Jauhar, S. K., Sethi, S., Kamble, S. S., Mathew, S., & Belhadi, A. (2024). Artificial intelligence and machine learning-based decision support system for forecasting electric vehicles' power requirement. *Technological Forecasting and Social Change*, *204*, 123396.

Jauhar, S. K., Singh, A., Kamble, S., Tiwari, S., & Belhadi, A. (2024). Reverse logistics for electric vehicles under uncertainty: An intelligent emergency management approach. *Transportation Research Part E: Logistics and Transportation Review*, *192*, 103806.

Jha, D., Sahu, J. P., & Singh, P. (2024). A Political Economy Analysis of Recent Growth Slowdown in West Bengal. *Economic and Political Weekly*, *59*(49).

Kanyal, R., & Patra, S. (2025). Promised hassle time management in online retailing with fraudulent and regretful customers. *Journal of Retailing and Consumer Services*, *82*, 104100.

Kukreti, K., & Ganguly, K. K. (2024). Development of a composite index to measure environmental sustainability in the telecom sector: A comprehensive approach towards carbon emission reduction. *IIMB Management Review*, *36*(3), 239-255.

Kumar, D., & Bouri, E. (2024). Consumer Confidence, Uncertainties, and Risk of the UK Travel and Leisure Industry. *Tourism Analysis*, *29*(2), 205-220.

Kumar, G., Padhy, R., Das, D., & Narayana, S. A. (2024). Ethanol Fuel Blending Program in India: Analysis of Environmental, Economic, and Policy Aspects Using System Dynamics Approach. *Journal of Advanced Transportation*, 2024(1), 2002187.

Kumar, H. (2024). Enablers for digital transformation of services to harness new business opportunities. *IEEE Transactions on Engineering Management*.

Kumar, H. (2025). Intelligent Detection of Potholes Using SSD Algorithm and Auto-Alert Notification System for User. In *Data, Information and Computing Science* (pp. 41-50). IOS Press.

Kumar, H., & Sharma, V. K. (2024). Creating an immersive environment of Metaverse for businesses. *Australasian Journal of Information Systems*, *28*.

Mishra, A. A., & Pathak, D. K. (2024). Industry 4.0 technologies adoption and sustainability integration in human resource management: An analysis using extended TOE framework and TISM. *IEEE Transactions on Engineering Management*.

Mishra, A. A., Maheshwari, M., & Donald, W. E. (2024). Career sustainability of digital micro-entrepreneurs: strategic insights from YouTubers in India. *Career Development International*, *29*(4), 434-451.

Mishra, C., Manjari, Singh, S., Jauhar, S. K., Pratap, S., & Pandey, A. K. (2023, August). Literature Review of Vehicles Routing Problems Using Metaheuristics: Prospects and Trends. In *International conference on soft computing for problem-solving* (pp. 803-813). Singapore: Springer Nature Singapore.

Mishra, V., Sharma, V., & Verma, D. (2025). Unethical Pro-Organizational Behavior Across the Cultures: A Meta-Analysis of Antecedents From 16 Countries. *Journal of Cross-Cultural Psychology*, *56*(3), 259-280.

Narayan, S., & Kumar, D. (2024). Macroprudential policy and systemic risk in G20 nations. *Journal of Financial Stability*, *75*, 101340.

Narayan, S., & Kumar, D. (2024). Unveiling interconnectedness and risk spillover among cryptocurrencies and other asset classes. *Global Finance Journal*, *62*, 101018.

Pal Singh, G., Choudhary, V., & Rawat, G. (2024). Leveraging content economy for growth-external influencers or internal creators?. *Journal of Information Technology Teaching Cases*, 20438869251317549.

Pal, T., Ganguly, K., & Chaudhuri, A. (2024). Digitalisation in food supply chains to build resilience from disruptive events: a combined dynamic capabilities and knowledge-based view. *Supply Chain Management: An International Journal*, *29*(6), 1042-1062.

Pant, N., Hagare, D., Maheshwari, B., Rai, S. P., Sharma, M., Dollin, J., ... & Prasad, J. (2024). Rejuvenation of the Springs in the Hindu Kush Himalayas Through Transdisciplinary Approaches—A Review. *Water*, *16*(24), 3675.

Pathak, S., Krishnaswamy, V., & Sharma, M. (2024). Unveiling the Evolution of Big Data Analytics Capability: A Comprehensive Analysis. *Journal of Scientometric Research*, *13*(3), 791-805.

Pathak, S., Krishnaswamy, V., & Sharma, M. (2025). A dynamic capability perspective on the impact of big data analytics and enterprise architecture on innovation: an empirical study. *Journal of Enterprise Information Management*, *38*(2), 532-563.

Patre, S., & Khan, A. A. (2025). Anthropomorphism and Technology Adoption: Integrating ISS Model and SQB Theory in HR-IVAs Adoption. *International Journal of Human–Computer Interaction*, *41*(11), 6893-6907.

Posti, L., & Maiti, A. (2025). Firm level evidence on diffusion and returns on ICT: a study on Indian informal MSMEs. *Information Technology for Development*, *31*(3), 509-539.

Qiu, X., Gajpal, Y., Roy, V., & Appadoo, S. (2024). Migratory beekeeping routing: a combinatorial

optimization problem in apiculture. *Annals of Operations Research*, 1-23.

Rai, S., & Narwal, P. (2024). Fairness perceptions, happiness, and behavioral intentions in trade fairs: An investigation from the relational model of justice. Journal of Business-to-Business Marketing, 31(2), 243-259.

Rai, S., & Narwal, P. (2025). Behavioral insights into sustainable food consumption: A perspective from self-determination theory, theory of reasoned action, and environmental engagement. *Journal of Environmental Management*, *380*, 125077.

Rangaswamy, U. S., & Batra, S. (2025). "Can't direct the wind? Adjust the sails": a mediation model of intellectual capital, adaptive capability and project performance. *Journal of Intellectual Capital*, *26*(2), 362-379.

Rao, A. C., & Gaur, J. (2025). Comparative assessment of green growth indicators for China and India. *World Review of Entrepreneurship, Management and Sustainable Development*, *21*(1), 75-102.

Roopak, R., & Chakrabarti, S. (2024). Framing knowledge structure of customer engagement: a multimethod review. *VINE Journal of Information and Knowledge Management Systems*.

Sachdeva, L., Jena, L. K., Badhotiya, G. K., Baharul Islam, K. M., Mujtaba, B. G., & Pal, S. (2024). COVID-19 and human resource management: status, trends and research directions. *Employee Relations: The International Journal*, *46*(4), 871-894.

Sengupta, R. N., Bapat, S. R., & Joshi, N. (2024). Sequential estimation for the multiple linear regression models with balanced loss functions. *Sequential Analysis*, *43*(2), 211-232.

Shiljas, K., & Kumar, D. (2024). The interplay of cash flow uncertainty and firm life cycle on sustainability disclosure. *Business Strategy and the Environment*, *33*(8), 8471-8492.

Sindhu, P., & Bharti, K. (2025). What motivates customers to purchase from social commerce pages? A means-end chain approach. *Information Technology & People*.

Sindhwani, R., Arya, A., & Jayaram, J. (2024). Greener healthcare operations during COVID-19 pandemic: A data envelopment analysis approach. Journal of Cleaner Production, 452, 142043.

Singh, S., Lakshay, Pratap, S., & Jauhar, S. K. (2024). Unveiling barriers to IoT adoption in the maritime freight industry. *International Journal of System Assurance Engineering and Management*, 1-11.

Singh, V. P., Ganguly, K. K., & Hussain, S. M. F. (2024). Understanding no fault found event risk in military aircraft MRO planning: A step towards robust bidding and contract finalization. *International Journal of Production Economics*, *275*, 109344.

Srivastava, A., Mateen, A., Narayanamurthy, G., Niranjan, S., & Sarkar, A. (2024). Impact of gray markets on strategic channel choice and social welfare. *Annals of Operations Research*, *340*(2), 1035-1062.

Tewari, S., Karthika, S., Bhattacharya, B., & Singal, M. (2025). The Impact of Board Characteristics on the Financial Slack–CSR Relationship: Evidence From the Indian Hospitality and Tourism Industry. *Journal of Hospitality & Tourism Research*, *49*(5), 982-996.

Thoyyib, V. M., Islam, K. B., & Guha, A. (2024). Exploring sustainable urban governance: Evolving dynamics, transitions, and ambiguities. *Journal of Urban Affairs*, 1-23.

Wales, W. J., Batra, S., & Rangaswamy, U. S. (2024). Quit the Politicking? How Factors Within Strategic Business Unit Teams Shape Returns from Entrepreneurial Orientation. *Group & Organization Management*, 10596011241254894.

विद्यार्थी निकाय का शैक्षणिक प्रतिवेदन
2024-25

द्वारा तैयार :
विभू गर्ग — अध्यक्ष
हर्ष शाह — महासचिव, विद्यार्थी परिषद (2025-26)

विद्यार्थी परिषद

विद्यार्थी परिषद आईआईएम काशीपुर का सर्वोच्च शासी विद्यार्थी निकाय है, जो समस्त गतिविधियों और विद्यार्थी निकायों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हुए संस्थान में विद्यार्थियों के कल्याण के लिए उत्तरदायी है एवं यह विद्यार्थी समुदाय और संस्थान के प्रशासन के मध्य एक सेतु के रूप में कार्य करती है। "विद्यार्थियों द्वारा, विद्यार्थियों के लिए" की भावना के अनुरूप यह परिषद, शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम और व्यक्तिगत विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के लिए उत्तरदायी है, जो कक्षा के बाहर के अनुभव को संस्थान के शैक्षणिक ध्येय से समन्वित करते हुए विद्यार्थियों की बौद्धिक, नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा रुचियों को उनकी भविष्यगत आकांक्षाओं के साथ समाहित करते हुए, संस्थान में एक समग्र विद्यार्थी अनुभव सुनिश्चित करता है। यह विद्यार्थियों, संकाय, प्रशासकों और आईआईएम काशीपुर समुदाय के अंदर और बाहर के अन्य भागीदारों के साथ सहयोग करता है, ताकि विद्यार्थियों के जीवन और अधिगम की गुणवत्ता को सुगम बनाया जा सके एवं उसे उन्नत किया जा सके। विद्यार्थी परिषद सभी विद्यार्थी -नेतृत्व वाली गतिविधियों का समन्वय और देखरेख करती है, जिसमें समितियों, क्लबों, प्रकोष्ठों, कोर और आईआईएम काशीपुर के नाम से सम्बद्ध कोई भी संस्थान-व्यापी कार्यक्रम सम्मिलित हैं।

विद्यार्थी परिषद की परिकल्पना

विद्यार्थियों की आवाज़ बनना और ऐसी संस्कृति को पोषित करना, जो एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन दे, जहाँ विद्यार्थी कल्याण, नेतृत्व और संस्थागत मूल्य साथ-साथ विकसित हों।

विद्यार्थी परिषद का लक्ष्य

- सभी आंतरिक एवं बाह्य मामलों में विद्यार्थी समुदाय के प्राथमिक प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना।
- सभी विद्यार्थी निकायों के सुचारु एवं उपयुक्त संचालन को सुनिश्चित करना, जिससे सीखने, विविधता, व्यावसायिकता और नैतिक आचरण को बढ़ावा मिले।
- संस्थान में एक समावेशी, पारदर्शी और सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करना।
- उन विद्यार्थी पहलों की समीक्षा और पुनर्संरेखण करना जो संस्थागत मूल्यों के अनुरूप हों और भविष्य के लिए तैयार हों।

विद्यार्थी परिषद की संरचना

विद्यार्थी परिषद में सम्मिलित हैं:

- **अध्यक्ष (President) –** अध्यक्ष, विद्यार्थी परिषद का नेतृत्व करता है और सभी संस्थागत मामलों में विद्यार्थियों के प्राथमिक प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है। अध्यक्ष, विद्यार्थी शासन व्यवस्था, नीतियों के निर्माण एवं क्रियान्वयन की निगरानी करता है, विद्यार्थी निकायों और संस्थान के ध्येय के मध्य सामंजस्य सुनिश्चित करता है तथा सभी विद्यार्थी -संबंधित पहलों के लिए प्रशासन के साथ समन्वय करता है।
- **महासचिव (General Secretary)** – महासचिव सभी विद्यार्थी -संचालित निकायों के संचालन प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होता है तथा विद्यार्थी कल्याण से संबंधित मामलों में निर्णय-निर्माण हेतु अध्यक्ष को सहयोग करता है। इस दायित्व का निर्वहन, नीतियों का प्रारूप तैयार करने, विभिन्न विद्यार्थी निकायों के बीच समन्वय स्थापित करने तथा परिषद द्वारा संचालित गतिविधियों के सुचारु क्रियान्वयन और उचित दस्तावेज़ीकरण को सुनिश्चित करने के माध्यम से किया जाता है।
- **छात्रा प्रतिनिधि (Girls' Representative) –** छात्रा प्रतिनिधि संस्थान की महिला विद्यार्थियों की आवाज़ होती है, जो उनकी समस्याओं, चिंताओं एवं शिकायतों को परिषद के समक्ष प्रस्तुत करती है, ताकि उनकी सुरक्षा, न्यायसंगत प्रतिनिधित्व और सहयोग को सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही, वह सभी विद्यार्थी गतिविधियों में महिला प्रतिभागियों की समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए भी उत्तरदायी होती है।
- **आठ कार्यात्मक समितियों के सचिव (Secretaries of 8 Functional Committees)** – ये सचिव विद्यार्थी परिषद में अपनी-अपनी समितियों के आधिकारिक प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं एवं संस्थागत सुविधाओं के दैनिक संचालन के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे विभिन्न पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतर-निकाय समन्वय, विद्यार्थी जीवन को प्रभावित करने वाले विषयों पर कार्य करने तथा संस्थान के समस्त विद्यार्थियों के लिए एक सुगम एवं सुव्यवस्थित परिसर अनुभव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परिषद का प्रत्येक सदस्य विशिष्ट नेतृत्व क्षमता और प्रतिनिधिक दायित्व का निर्वहन करता है, जो आईआईएम काशीपुर के उस ध्येय के अनुरूप संरेखित है जिसका उद्देश्य उत्तरदायी एवं आत्ममंथनशील पेशेवरों का संवर्धन करना है।

विद्यार्थी परिषद के दायित्व एवं कार्यक्षेत्र:

- विद्यार्थियों के प्रथम प्रतिनिधि के रूप में संस्थान के भीतर और बाहर कार्य करती है तथा सभी विद्यार्थी गतिविधियों को संस्थान के ध्येय के अनुरूप सुनिश्चित करती है।
- शिक्षाविदों, अवसंरचना, सुविधाओं, छात्रावास, भोजनगृह, सुरक्षा तथा बाह्य सहभागिता से संबंधित समस्त मामलों में अध्यक्षों, प्रशासनिक प्रमुखों एवं संबंधित प्राधिकरणों के साथ समन्वय करती है।
- आईआईएम काशीपुर के नाम से आयोजित होने वाली सभी विद्यार्थी-नेतृत्वित गतिविधियों, जिनमें समितियाँ, क्लब, प्रकोष्ठ, कोर समूह तथा संस्थान-स्तरीय कार्यक्रम सम्मिलित हैं, का समन्वय, पर्यवेक्षण एवं निगरानी करती है, ताकि संस्थान की छवि अक्षुण्ण बनी रहे एवं विद्यार्थियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।
- प्रस्तावित कार्य योजनाओं एवं गतिविधि पूर्वानुमानों के आधार पर वार्षिक विद्यार्थी निकाय बजट की समीक्षा, परीक्षण एवं मूल्यांकन करती है तथा उसे आगे के क्रियान्वयन हेतु अनुशंसित करती है।
- विद्यार्थी निकायों एवं विभिन्न बैचों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करती है, उनकी समस्याओं एवं चिंताओं का समाधान करती है, साथ ही उपस्थिति अभिलेखों का संधारण एवं भागीदारी संबंधी मानकों के पालन को सुनिश्चित करती है।
- सभी विद्यार्थी निकायों की संरचना एवं गठन की वार्षिक समीक्षा करती है तथा संबंधित अध्यक्ष एवं संकाय मार्गदर्शकों के साथ समन्वय में आवश्यक परिवर्तन की पहल करती है।
- विद्यार्थी निकायों के मध्य या उनके भीतर तथा एकल विद्यार्थियों के मध्य उत्पन्न विवादों का समाधान करती है एवं उन मामलों का उत्तरदायित्व लेती है जो किसी अन्य विद्यार्थी निकाय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत नहीं आते।
- परिसर के भीतर एवं बाहर आयोजित होने वाली सभी विद्यार्थी गतिविधियों के बारे में जागरूकता बनाए रखती है तथा पारदर्शिता एवं समन्वय सुनिश्चित करने हेतु आयोजन करने वाली टीमों द्वारा कार्यक्रमों की पूर्व सूचना/रिपोर्टिंग सुनिश्चित करती है।
- संस्थान, विद्यार्थी योगदान अथवा बाह्य प्रायोजन से प्राप्त धनराशि से संबंधित वित्तीय अभिलेखों का पर्यवेक्षण करती है तथा उनके निष्पक्ष उपयोग को सुनिश्चित करते हुए ऑडिट हेतु अभिलेखों का संधारण करती है।
- व्हाट्सऐप कम्युनिटी सहित आधिकारिक विद्यार्थी संचार प्लेटफ़ॉर्मों का संचालन करती है तथा सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों या सामूहिक संचार माध्यमों के दुरुपयोग से संबंधित मामलों का निराकरण करती है।
- संचार एवं सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों पर होने वाले अनुशासनहीन आचरण (misconduct) के मामलों का प्रबंधन करती है तथा मर्यादा एवं विद्यार्थी समुदाय के मानकों को बनाए रखने हेतु उपयुक्त कदम उठाती है।
- प्रशासन और विद्यार्थियों के मध्य प्रमुख संचार सेतु के रूप में कार्य करती है, महत्वपूर्ण सूचनाएँ साझा करती है तथा निर्णय-निर्माण में विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को यथोचित स्थान देती है।
- विद्यार्थी परिषद, विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच प्रथम संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करती है तथा शैक्षणिक, अवसंरचनात्मक एवं नीतिगत मामलों में विद्यार्थियों के हितों का प्रतिनिधित्व करती है।
- सभी विद्यार्थी -संबंधित सहभागिताओं, ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन में अनुशासन, पारदर्शिता और गरिमा को बनाए रखने का उत्तरदायित्व निभाती है।
- विद्यार्थी कल्याण के अंतर्गत शैक्षणिक दबाव, परिसर सुविधाएँ, मानसिक स्वास्थ्य, विद्यार्थी सुरक्षा एवं समावेशिता से संबंधित मुद्दों का समाधान करती है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में विद्यार्थी निकाय की संरचना इस प्रकार थी:

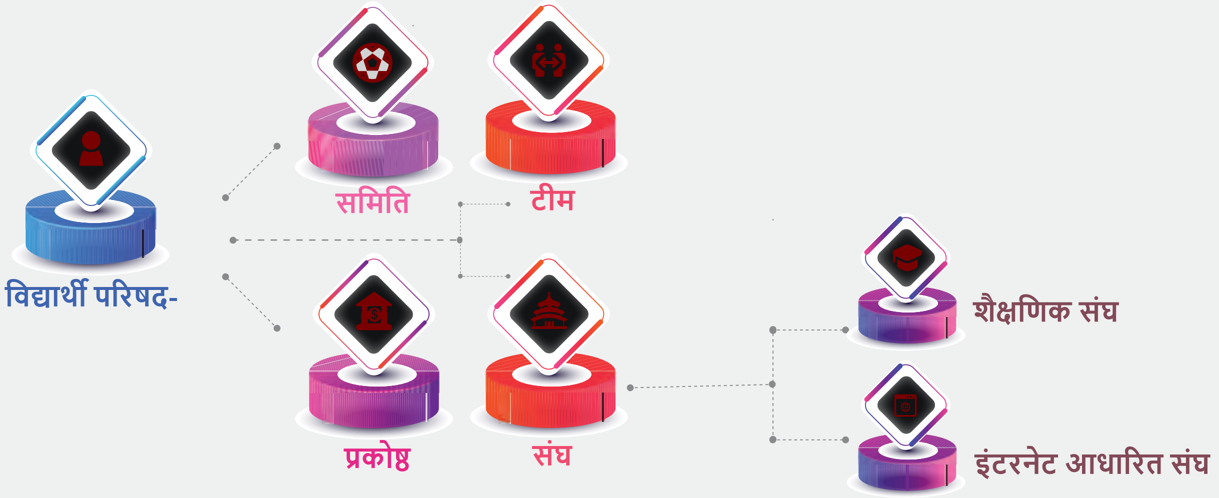

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

परिचय

भारतीय प्रबंधन संस्थान आईआईएम काशीपुर ने ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2025 को सफलतापूर्वक मनाने के लिए विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन और संचालन किया। शिक्षा मंत्रालय एवं आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप, संस्थान ने 100-दिनों की समयगणना (काउंटडाउन) पहल के तहत कई गतिविधियाँ आयोजित कीं, जो 21जून 2025 को मुख्य कार्यक्रम तक सम्पन्न हुईं।

"एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" विषय के मार्गदर्शन में हमारा उद्देश्य आईआईएम काशीपुर समुदाय में जागरूकता, भागीदारी और स्थायी स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। विद्यार्थियों, कर्मचारियों, प्राध्यापकों और प्रशासनिक नेतृत्व की सहभागिता ने इस उत्सव को सार्थक बनाया, जिसमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर बल दिया गया।

गतिविधियों का अवलोकन

शिक्षा मंत्रालय के मार्गदर्शन में, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोहों के तहत मार्च से जून 2025 के बीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इसके अंतर्गत जागरूकता अभियान, योग कार्यशालाएँ, शैक्षणिक गतिविधियाँ और सामुदायिक सहभागिता सम्मिलित थीं। एक संरचित गतिविधि कार्यक्रम का पालन किया गया, जो 21 जून 2025 को आयोजित सामूहिक योग प्रदर्शन के साथ अपने शिखर पर प्रदर्शित हुआ।

आयोजित गतिविधियों का सारणीबद्ध विवरण:

क्र.सं.	गतिविधि	तिथि	प्रतिभागी	प्रकार	स्थल
1	लेख लेखन प्रतियोगिता	1 जून – 18 जून	135+	साहित्यिक कार्यक्रम	ऑनलाइन
2	सामूहिक योग प्रदर्शन	21 जून	500+	प्रमुख कार्यक्रम	एम्फीथिएटर
3	योग पर विशेषज्ञों की आभासी वार्ता	21 जून	400+	ऑनलाइन	ज़ूम

निष्कर्ष

आईआईएम काशीपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के समारोहों ने योग की वास्तविक भावना — एकता, स्वास्थ्य और जागरूकता को प्रदर्शित किया। सशक्त भागीदारी, शैक्षणिक समन्वय और प्रशासनिक समन्वय के साथ, इस अभियान ने एक दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ा।

हमारे विद्यार्थी स्वास्थ्य और कल्याण को मूल आधार मानते हुए अपनी यात्रा का शुभारंभ करते हैं — यह वह दर्शन है जिसे हम उनके परिसर और उसके बाहर के समय में निरंतर बनाए रखने का लक्ष्य रखते हैं।

विद्यार्थी निकाय विद्यार्थी परिषद के अधीन

1. शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समिति ने आईआईएम काशीपुर में शैक्षणिक अनुभव को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में कार्य किया। इस वर्ष की शुरुआत 29 अगस्त को आयोजित एक ऑनलाइन कार्यशाला से हुई, जिसमें श्री अश्विन शेट्टी (संस्थापक, एमबीबी प्रेप) ने केस-आधारित साक्षात्कारों में सफलता प्राप्त करना (Cracking Case-Based Interviews), विषय पर परामर्श क्षेत्र की तैयारी पर केंद्रित, सत्र लिया। इसके पश्चात 13 अक्टूबर को संकाय वार्ता शृंखला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो. अनिरुद्ध जेना ने दैनिक जीवन में आत्म-अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण कौशल पर अपने विचार साझा किए।

नवंबर माह में, हमने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया: 12 नवंबर को श्री अभितंजय चौधरी के सत्र से एमबीए शृंखला की शुरुआत हुई, जिसमें उन्होंने एमबीए में प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक प्रभाव में रूपांतरित करने पर अपने विचार साझा किए तथा 23 नवंबर को मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें भूतपूर्व विद्यार्थी श्री मयूर चौधरी ने कॉलेज जीवन और करियर विकल्पों को समझने से संबंधित अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए।

यह श्रृंखला जनवरी 2025 में भी जारी रही, जहाँ ३ जनवरी को श्री अरुण मैरा ने समावेशी आर्थिक विकास पर चर्चा की एवं 10 जनवरी को श्री प्रशांत आनंद ने भारतीय इतिहास, आधुनिक रणनीति के साथ संबंधों को रेखांकित किया। 29 जनवरी को गुरु निष्ठा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. वायरल आचार्य ने 1927 से 2023 तक प्रणालीगत जोखिम मापन पर व्याख्यान दिया, इसके पश्चात 15 फरवरी को प्रो. सुमित सरकार ने खेल सिद्धांत और रणनीतिक चिंतन विषय पर अपने विचार साझा किए।

एक फरवरी को हमने डिज़ाइन नवाचार केंद्र के सहयोग से अविन्या – द डिज़ाइन थिंकिंग कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस पैनल में मैकिन्से, एक्सेंचर, टाटा मोटर्स और अकीरा एनालिटिक्स के विशेषज्ञ सम्मिलित हुए, जिन्होंने व्यवसाय में नवाचार तथा उपयोगकर्ता-केंद्रित समस्या-समाधान पर विचार-विमर्श किया।

इसके अतिरिक्त, समिति ने वर्ष भर में 20 से अधिक सहपाठी अधिगम (पीयर लर्निंग) सत्रों का नेतृत्व किया, जिनका उद्देश्य शैक्षणिक अवधारणाओं को सुदृढ़ करना और कक्षा में सहभागिता को बढ़ावा देना था। अन्य प्रमुख पहलों में एनएडी पोर्टल पर आईआईएम काशीपुर के पंजीकरण को सुगम बनाना, आगामी नए ईआरपी लॉन्च का समन्वय तथा श्री अरुण मैरा एवं अन्य विशेषज्ञों के साथ 3 जनवरी को आयोजित एक वेबिनार सम्मिलित था, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नेतृत्व एवं नीतिगत चुनौतियों से अवगत कराना था।

2. भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति

भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति ने 14 जुलाई 2024 को सफ़रनामा: द एलुमनी कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया, जिसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं प्रतिष्ठित भूतपूर्व विद्यार्थियों को एक पैनल चर्चा के लिए एक साथ लाया गया, जिसमें उनकी करियर यात्राओं और उनमें आईआईएम काशीपुर की भूमिका को रेखांकित किया गया। अगस्त माह में ईएमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2022–24 के लिए एक आभासी पुनर्मिलन (वर्चुअल रीयूनियन) का आयोजन किया गया, इसके अंतर्गत 24–25 अगस्त, 31 अगस्त एवं 1 सितंबर को भूतपूर्व विद्यार्थी मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें 120 से अधिक भूतपूर्व विद्यार्थियों ने 320 से अधिक विद्यार्थियों को व्यक्तिगत पारस्परिक सत्रों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया। शिक्षक दिवस के अवसर पर, भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति ने 'पेन-ए-नोट: प्रोफेसरों के प्रति कृतज्ञता का भावपूर्ण संदेश' पहल की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा भेजे गए हृदयस्पर्शी संदेशों के माध्यम से प्राध्यापक सदस्यों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया।

14 सितंबर को दिल्ली सिटी मीट का आयोजन किया गया, जिससे भूतपूर्व विद्यार्थियों के साथ प्रत्यक्ष सहभागिता को बढ़ावा मिला। इसके पश्चात भूतपूर्व विद्यार्थी वार्ता शृंखला का आयोजन हुआ, जिसके अंतर्गत 6 अक्टूबर को श्री रोशन कुमार बिस्वाल (मैकिंज़ी) तथा 23 नवंबर को श्री सुमंथ एस (हीरो मोटोकॉर्प) ने अपने सत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), केस प्रतियोगिताएँ तथा कॉर्पोरेट तैयारी से संबंधित करियर अंतर्दृष्टियाँ साझा कीं। भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति ने इसके अतिरिक्त 26 अक्टूबर को पीजीपी 2015–17 एवं 2016–18 बैच, 9 नवंबर को ईपीजीपी 2017–19 एवं 2018–20 बैच तथा 30 नवंबर को पीजीपी 2017–19 बैच के लिए आभासी पुनर्मिलन (वर्चुअल रीयूनियन) का भी आयोजन किया।

एलुमनी अनप्लग्ड (भूतपूर्व विद्यार्थी संवाद श्रृंखला) नामक एक पॉडकास्ट (श्रव्य संवाद) श्रृंखला के अंतर्गत श्री रंजीत मुंडूर (पीजीपी 2017–19) को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने ईवी (EVs) और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में अपनी पेशेवर यात्रा के अनुभव साझा किए एवं तथ्य-आधारित सोच के महत्व पर बल दिया। भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति ने सारथी 17, नामक एक अर्धवार्षिक समाचार पत्रिका का प्रकाशन भी किया, जिसमें दीक्षांत समारोह की प्रमुख झलकियों, भूतपूर्व विद्यार्थियों की अंतर्दृष्टियों तथा संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का समावेशन था, जिससे भूतपूर्व विद्यार्थी–संस्थान संबंध और अधिक सुदृढ़ हुए।

एक अनोखी पहल के अंतर्गत भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति ने स्विगी के साथ साझेदारी कर भूतपूर्व विद्यार्थियों को एक वर्ष की निःशुल्क 'स्विगी वन' सदस्यता प्रदान की, ताकि व्यावहारिक मूल्य के माध्यम से सहभागिता को सशक्त किया जा सके। 2025 में प्रवेश करते हुए, 11 जनवरी को एमबीए 2019–21 एवं पीएचडी 2019 बैच, 1 फरवरी को एमबीए / एमबीएए 2020–22 बैच तथा 22 फरवरी को एमबीए / एमबीएए 2021–23 बैच के लिए आभासी पुनर्मिलन (वर्चुअल रीयूनियन) आयोजित किए गए।

फ्लैगशिप होमकमिंग 2025 (प्रमुख घरवापसी कार्यक्रम) का आयोजन 17–18 जनवरी को किया गया था, जिसमें परिसर भ्रमण, क्रिकेट मैच, वृक्षारोपण अभियान तथा गाला लंच जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई थीं। इस कार्यक्रम में 11 से अधिक स्नातक बैचों की भागीदारी रही और इसने भूतपूर्व विद्यार्थी–संस्थान के संबंधों को और अधिक सशक्त किया। अंततः, 31 मार्च को आयोजित मुंबई सिटी मीट के साथ वर्ष का समापन हुआ, जिसमें भूतपूर्व विद्यार्थियों को पुनः जोड़ने, नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करने तथा आईआईएम काशीपुर की निरंतर प्रगति में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

3. कॉन्सिलियम -परामर्श और योजना समिति

वर्ष की शुरुआत 13 जुलाई 2024 को कौंसिलियम बूटकैंप 1 से हुई, जिसमें श्री शुभम गोयल (मैनेजर, एल्वारेज़ एंड मार्शल) ने "रणनीतिक कीमिया: परामर्श, अनुमान और व्यापार रणनीति को डिकोड करना" विषय पर एक ज्ञानवर्धक सत्र दिया। इसके बाद, 11 सितंबर को श्री इंदर एन दुआ (इन्फ़ोसिस ग्लोबल कंसल्टिंग) के संचालन में, 'परामर्श में करियर पथों को दिशानिर्देशित करना' विषय पर बूटकैंप 2 का आयोजन हुआ। तदुपरांत, 14 सितंबर को दूरदर्शिता 8.1 आयोजित किया गया, जो कि प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के माध्यम से प्रतिभागियों की अनुमान एवं परामर्शी कौशल क्षमताओं को निखारने पर केंद्रित था।

6 से 20 अक्टूबर के बीच 'विमर्श / शोध-चर्चा 7.0' आयोजित किया गया—यह राष्ट्रीय स्तर की लेख-लेखन प्रतियोगिता थी, जिसका विषय था "भारत 2030: सतत विकास और वैश्विक नेतृत्व के लिए रणनीतिक रास्ते"। उसके पश्चात 24–25 अक्टूबर को हमने एक गतिशील अंतर-महाविद्यालयीन केसलेट चुनौती 'कौन बनेगा परामर्शदाता' का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य रणनीतिक सोच का परीक्षण करना था।

29 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित एंडगेम × सेसिम एलीट 2024, एक राष्ट्रीय स्तर की बिज़नेस सिमुलेशन प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें शीर्ष टीमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिला। इसी दौरान 23 नवंबर को श्री रजत मेहरोत्रा (डायरेक्टर, केपीएमजी ग्लोबल सर्विसेज) के साथ बूटकैंप 3 आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने "एक सलाहकार के रूप में व्यक्तिगत ब्रांड का निर्माण" विषय पर मार्गदर्शन दिया।

नए वर्ष की शुरुआत 20 जनवरी 2025 को परामर्श योद्धा (कंसल्टिंग नाइट्स) से हुई, यह एक प्रमुख अखिल-भारतीय व्यष्टि अध्ययन प्रतियोगिता थी, जो आईआईएम काशीपुर के अग्नित्रय उत्सव के दौरान आयोजित की गई थी। 31 जनवरी से 12 फरवरी तक हमने आईआईएम नागपुर के साथ मिलकर बैटल ऑफ विटिएस्ट प्रायोजित किया, जो कि एक इन्फोग्राफिक केस प्रतियोगिता थी, जिसमें रचनात्मकता और रणनीति का संयोजन था। 1 फरवरी को हमने कॉन्सिलियम केसबुक का लोकार्पण किया, यह आकांक्षी परामर्शदाताओं हेतु एक समग्र संसाधन, जिसमें उद्योग प्रवृत्तियाँ, अनुमान अभ्यास तथा केस साक्षात्कार प्रतिलेख सम्मिलित हैं।

मार्च का प्रारंभ रणभूमि (1–9 मार्च) से हुआ, यह उद्योग विशेषज्ञों के सुझावों के साथ गठित की गई हमारी राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख व्यष्टि अध्ययन प्रतियोगिता थी, जो विद्यार्थियों को व्यावसायिक समस्याओं को हल करने की चुनौती देती है। इसके बाद 4 मार्च को स्ट्रेटेजीएक्स आयोजित किया गया, जो एक संवादात्मक कनिष्ठ पहल थी, जिसमें प्रतिभागियों की महत्वपूर्ण समस्या-समाधान क्षमता को विकसित करने के लिए उन्हें रणनीतिक खेल, प्रश्नोत्तरी और पिच राउंड के माध्यम से परखा गया।

4. क्रिएटिव स्टूडियोज़

1. मर्चेंडाइज़ डिज़ाइन एवं सहायता

क्रिएटिव स्टूडियोज़ ने कई विद्यार्थी निकायों को उनके मर्चेंडाइज़ के डिज़ाइन और क्यूरेशन में सक्रिय सहयोग दिया, जिससे गुणवत्ता और ब्रांड की एकरूपता सुनिश्चित हो सके, इनमें एक्सटैटिक, कंसिलियम, लिट क्लब, एफएलसीसी, क्रेस्ट, प्रयोजन प्रकोष्ठ, गैम्बिट, तैयारी प्रकोष्ठ, एचआरिथ्म, परिवर्तन प्रकोष्ठ, भोजनगृह समिति और पीएचडी समुदाय आदि सम्मिलित हैं।

2. आधिकारिक मर्चेंडाइज़ लॉन्च

इस वर्ष हमने बैच के लिए कई मर्चेंडाइज़ संग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च किए, जिनमें सम्मिलित हैं:

- आवश्यक सामग्री – एक डायरी, पेन, कीचेन और टम्बलर सहित।
- कैजुअल टी-शर्ट – आरामदायक और स्टाइलिश बैच परिधान।
- आधिकारिक बैच हुडीज़ – बैच एकता का प्रतिनिधित्व करने वाली उच्च गुणवत्ता वाली हुडीज़।
- कैंपस संग्रह – स्टिकर्स, बैज और बैग टैग्स का संग्रह।
- आधिकारिक बैच पोलो टी-शर्ट - एक पेशेवर और आकर्षक क्लासिक पोलो डिज़ाइन।

3. आयोजित कार्यक्रम

- इंकटोबर 2024 – एक ऑनलाइन कला प्रतियोगिता, जिसमें 2500+ इम्प्रेशंस और 20+ पंजीकरण प्राप्त हुए, जिससे परिसर में कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा मिला।
- क्लेडेट – एक रोचक एवं संवादमूलक ऑफलाइन कार्यक्रम, जिसमें 3100+ इम्प्रेशंस और 55+ पंजीकरण हुए, जिसने रचनात्मकता और विश्राम को प्रोत्साहित किया।

4. परिसर अवसंरचना में योगदान

हमने संस्थान का परिसर मानचित्र डिज़ाइन और विकसित किया, जिससे विद्यार्थियों और आगंतुकों को दिशानिर्देशन में सहायता मिली।

5. सहयोग एवं सहभागिता

- परिवर्तन प्रकोष्ठ के साथ करियर परामर्श कार्यक्रम - प्रतिभागियों के लिए मिट्टी-आधारित एक रोचक गतिविधि आयोजित की गई।
- परिवर्तन प्रकोष्ठ के साथ बाल दिवस कार्यक्रम - बच्चों के लिए हैंड पेंटिंग के माध्यम से एक मजेदार कला गतिविधि का आयोजन किया गया।

क्रिएटिव स्टूडियो रचनात्मकता और आकर्षक पहलों के माध्यम से, परिसर जीवन को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

5. सांस्कृतिक समिति

वर्ष की शुरुआत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के साथ हुई, जिसमें ध्वजारोहण, भाषण और परवाज़ द्वारा एक भावपूर्ण प्रस्तुति सहित देशभक्तिपूर्ण प्रदर्शन सम्मिलित थे। 25 अगस्त को ए-बी छात्रावास ब्लॉक के बीच जीवंत सजावट, रासलीला और दही हांडी के साथ जन्माष्टमी मनाई गई। सितंबर में, हमने 5 तारीख़ को भोजनगृह/मेस में केक काटने और भाषणों के साथ शिक्षक दिवस मनाया, इसके बाद 7–14 सितंबर तक गणेश उत्सव और 14 सितंबर को ओणम मनाया गया, जिसमें अनुष्ठान, खेल और सामुदायिक उत्साह देखने को मिला।

अक्टूबर त्योहारों से भरपूर रहा—7 अक्टूबर को गरबा नाइट, 8–12 अक्टूबर तक दुर्गा पूजा, 12 अक्टूबर को दशहरा और 18–19 अक्टूबर को 'प्रारंभ' आयोजित हुआ—जो कनिष्ठों और वरिष्ठों के बीच उत्साहपूर्ण सांस्कृतिक मुकाबला था। 31 अक्टूबर को दिवाली पर फर्श सजावट प्रतियोगिता, पूजा, पटाखे और उपहार वितरण आयोजित किए गए।

नवंबर में, हमने 15 तारीख़ को पंजाबी समुदाय के साथ गुरुपुरब मनाया, 26 नवंबर को मिनी एम्फीथिएटर में जन जातीय गौरव दिवस आयोजित हुआ और अपने प्रमुख कार्यक्रम काकोफोनिया (29 नवंबर - 8 दिसंबर) का शुभारंभ किया, जो सजावट, रैलियों, प्रदर्शनों और खजाने की खोज के साथ एक उत्साही सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा है।

19 दिसंबर को क्रिसमस ने सजावट, केक-कटिंग और सीक्रेट सांता के साथ परिसर को रोशन कर दिया। जनवरी में 11 तारीख़ को, संगीत और बोनफायर (अलाव) के साथ काशीपुर नाइट आयोजित हुई, जबकि 11–12 जनवरी को फसल उत्सवों—लोहड़ी, पोंगल, मकर संक्रांति और बिहू को भोजन, नृत्य और पतंगों के साथ मनाया गया। 17–19 जनवरी को अग्नित्रय में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ जैसे बैटल ऑफ बैंड्स और फैशन शो आयोजित हुए। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और भाषणों ने समुदाय में देशभक्ति की भावना का संचार किया।

फरवरी में, 13 तारीख़ को हमने बॉलीवुड एवं मास्करेड नाइट का आयोजन किया, ग्लैमर और नृत्य से भरपूर खेल, रैंप वॉक और डीजे नाइट जैसे कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ सम्मिलित थीं। मार्च में वर्ष का समापन 8 मार्च को आयोजित मंची मार्च (कुकिंग प्रतियोगिता), 14 मार्च को रंगों और संगीत के साथ होली और 15 मार्च को हस्ताक्षर दिवस/सिग्नेचर डे के साथ हुआ, जो हमारे स्नातक हो रहे वरिष्ठों को हस्तलिखित संदेशों, भाषणों और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ भावपूर्ण विदाई देने का अवसर था।

#उत्सवों से परे

6. इकोन्स - आईआईएम काशीपुर का इकोनॉमिक्स क्लब।

दैनिक जीवन में अर्थशास्त्र को बढ़ावा देने के लिए, क्लब ने सोशल मीडिया अभियानों की एक श्रृंखला चलाई, जिनका उद्देश्य व्यापक दर्शकों के लिए आर्थिक अवधारणाओं को सरल बनाना था। हमने सहभागिता और रुचि बढ़ाने के लिए रोचक क्विज़ भी शुरू किए। तीन नई पहलें प्रस्तुत की गईं: पॉलिसी वॉच, हाल की सरकारी नीतियों को समझाने वाली एक फोटो श्रृंखला; सस्टेनेबिलिटी स्पॉटलाइट, उद्योग स्थिरता मुद्दों पर एक इन्फोग्राफिक श्रृंखला; और इकोनॉमिक इक्वेशन, एक वीडियो रील श्रृंखला जिसमें बताया गया कि बड़े व्यवसाय पर्दे के पीछे आर्थिक सिद्धांतों का उपयोग कैसे करते हैं।

शैक्षणिक समिति के सहयोग से, हमने सूक्ष्म अर्थशास्त्र पर एक सहकर्मी शिक्षण सत्र आयोजित किया, ताकि विद्यार्थियों को अंतिम परीक्षा से पहले प्रमुख अवधारणाओं की पुनरावृत्ति करने में सहायता मिल सके।

ऑफलाइन मोर्चे पर, हमने कई संवादमूलक कार्यक्रमों का आयोजन किया। फिल्मोनॉमिक्स 5.0 ने प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षण अनुभव के माध्यम से सिनेमा और अर्थशास्त्र का रचनात्मक समन्वय किया। इकोपोली, एक बोर्ड-गेम-शैली की गतिविधि, ने एक रोचक वातावरण में विद्यार्थियों की आर्थिक शब्दावली और अवधारणाओं का परीक्षण किया। गेम ऑफ इकोन्स ने एक सिमुलेशन के माध्यम से रणनीतिक सोच को प्रोत्साहित किया, जिसमें वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में अभिसंधि जैसे विचारों को लागू किया गया।

क्लब ने प्रभावशाली ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम भी आयोजित किए। अनस्टॉप पर, हमारी अखिल भारतीय पोस्टर प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रतिभागियों को रचनात्मकता के साथ आर्थिक अंतर्दृष्टि के साथ जोड़ने के लिए प्रेरित किया। इन्फोग्राफिक्स ने विद्यार्थियों को अपने शोध को एक डिजिटल शीट पर दृश्यात्मक रूप से सारांशित करने की चुनौती दी। अर्थात 4.0 में, प्रतिभागियों ने कार्बन कराधान से संबंधित समाधान प्रस्तुत किए, जिसका समापन अंतिम प्रस्तुति चरण के साथ हुआ। अर्थशास्त्र 6.0, क्लब का प्रमुख अग्नित्रय कार्यक्रम, में एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, नीति-डिज़ाइन चुनौती और विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकित अंतिम प्रस्तुतियाँ सम्मिलित थीं, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया की नीति-निर्माण प्रक्रिया में आर्थिक सिद्धांतों को लागू करने में सहायता मिली।

हमने बजट-केंद्रित प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी विद्यार्थियों को जोड़ा। केंद्रीय बजट पूर्वानुमान चुनौती में प्रतिभागियों को 2025-26 के केंद्रीय बजट के प्रमुख तत्वों का पूर्वानुमान लगाने का कार्य सौंपा गया, जबकि बजट विश्लेषण प्रतियोगिता ने उन्हें अनदेखी लेकिन संभावित रूप से प्रभावशाली प्रावधानों की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे विश्लेषणात्मक सोच और आर्थिक व्याख्या कौशल को बढ़ावा मिला।

7. अभियान समिति

शैक्षणिक वर्ष रोमांच, अन्वेषण और कहानी-साझाकरण से भरपूर रहा। हमने उत्तराखण्ड के चकराता की दो-दिवसीय रोमांचक यात्रा से शुरुआत की, जहाँ विद्यार्थियों ने सुंदर ट्रेक, आपसी जुड़ाव के अनुभव और प्रकृति का भरपूर आनंद लिया। इसके बाद आयोजित हुई द स्लो क्लैन, एक अनोखी साइकिल दौड़, जिसमें प्रतिभागी संतुलन खोए बिना यथासंभव धीरे-धीरे साइकिल चलाकर अपने धैर्य और नियंत्रण का परीक्षण करते हैं, जिसमें कौशल के साथ-साथ मनोरंजन का भी सम्मिश्रण है।

समुदाय भावना और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए हमने एक ओपन माइक प्रतियोगिता आयोजित की, जिसने विद्यार्थियों को अपनी यात्रा-कहानियाँ साझा करने का मंच दिया, जिससे हँसी, पुरानी यादें और प्रेरणा की भावनाएँ जागृत हुईं। हमारी "गो नोमैड" व्लॉग प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को वीडियो के माध्यम से अपनी यात्रा-कथाओं को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे रचनात्मक कहानी-कथन के जरिए यात्रा के अनुभवों का उत्सव मनाया गया।

हमने 'वॉयजर ऑफ द ईयर' के साथ अपने उत्साह को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया, जो 'अनस्टॉप' पर आयोजित एक लेख-लेखन प्रतियोगिता थी, जिसने भारत भर के यात्रा उत्साही लोगों को आकर्षित किया और संस्कृति व रोमांच से जुड़ी व्यक्तिगत कहानियों को प्रस्तुत करने का मंच दिया।। एक अन्य प्रमुख आकर्षण जिभी–जालोरी पास–कसोल यात्रा रही, जो 3-दिवसीय ट्रेक था, जिसमें बर्फीले रास्ते, मनमोहक प्राकृतिक दृश्य और मणिकरण साहिब जैसे आध्यात्मिक स्थल सम्मिलित थे।

द ऑब्स्टेकल कोर्स के लिए आर्मी कैंटोनमेंट की हमारी यात्रा ने विद्यार्थियों को सैन्य जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव दिया, जिसमें सेना के अभ्यासों के प्रदर्शन और हेलीकॉप्टरों को समीप से देखने का दुर्लभ अवसर मिला। वर्ष का समापन हमने एरीज़, नैनीताल में सेलेस्टियल ओडिसी के साथ किया, तारों भरी एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली रात, जहाँ प्रतिभागियों ने चंद्रमा, बृहस्पति और गहरे अंतरिक्ष के अद्भुत दृश्यों का अवलोकन किया, जिससे जिज्ञासा और आश्चर्य की भावना जागृत हुई।

8. अनुभवजन्य शिक्षण प्रकोष्ठ

बैच 2023-25 के लिए साक्षात्कार और प्लेसमेंट प्रक्रिया सफलतापूर्वक 82 एमएसएमई, ईएसबीपी और यूआरपी डोमेन में भाग लेने वाली फर्मों के साथ सम्पन्न की गई। आगामी बैच 2024-26 के लिए, 33 नई कंपनियों को ऑनबोर्ड किया गया और 55 को यथास्थिति रखा गया, इन फर्मों से नौकरी विवरण (जेडी) विद्यार्थियों को साप्ताहिक रूप से प्रसारित किए गए।

इस चक्र की शुरुआत में, आभासी बैच बैठकें आयोजित की गईं - पहले बैच 2023-25 के लिए साथी फर्मों के साथ जुड़ने के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए और बाद में बैच 2024-26 के लिए अनुभवात्मक शिक्षण (ईएल) कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए। विद्यार्थी समूहों, भागीदार फर्मों, संपर्क विवरण और टीम नेतृत्वकर्ताओं को ट्रैक करने के लिए एक एकीकृत मास्टर डेटा शीट भी बनाई गई थी।

कनिष्ठ ईएल सदस्य चयन का पहला चरण मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित किया गया था, जिसके बाद ईएल अध्यक्ष, वरिष्ठ सदस्यों, नव-चयनित कनिष्ठों और ईएल कार्यालय के प्रतिनिधियों के साथ एक हितधारक बैठक आयोजित की गई थी। इस बीच, पार्टनर आउटरीच ने 80 संगठनों तक पहुँच बनाई, जिसमें 33 कंपनियां सभी तीन डोमेन में सम्मिलित थीं। संरचित संचार ने सुचारू एकीकरण सुनिश्चित किया।

सितंबर 2024 के अंत में, 65 से अधिक विद्यार्थी समूहों ने उत्तराखंड में क्षेत्रीय दौरे किए, कुछ टीमों ने कई क्षेत्रों को कवर किया। नेचर विद्या, केवीके, सफारी सिस्टर्स, नेहिर फाउंडेशन और टेरा पिज्जेरिया जैसे संगठनों के साथ भी ग्राहक बैठकें आयोजित की गईं।

वरिष्ठ बैचों के लिए मध्य-प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं और संकाय द्वारा मूल्यांकन किया गया, जिसमें 27 ईएसबीपी, 27 यूपीआर और 28 एमएसएमई फर्मों से संरचित प्रतिक्रिया एकत्र की गई। समूह के नेतृत्वकर्ताओं ने परियोजना की प्रगति पर भी अपडेट साझा किए। बैच 2024-26 के लिए अंतिम डोमेन का आवंटन विद्यार्थी प्राथमिकताओं के आधार पर किया गया था, जिसमें पुनर्गठित विद्यार्थियों का संतुलित वितरण और समावेश सुनिश्चित किया गया; इसे औपचारिक रूप से एमबीए कार्यालय को सूचित किया गया था।

1–7 जनवरी 2025 के दौरान, 15 से अधिक समूहों ने अपनी अंतिम फील्ड विज़िट्स पूरी कीं, जिसके बाद विस्तृत प्रतिपुष्टि संग्रह किया गया। एंड-प्रेज़ेंटेशन के साथ वरिष्ठ बैच की परियोजनाएँ पूर्ण हुईं, जहाँ अंतिम प्रस्तुतियों/डिलिवरेबल्स के आधार पर संकाय और ग्राहक प्रतिनिधियों ने मूल्यांकन किया।

एमपीआरसी के सहयोग से, एक सोशल मीडिया अभियान में फील्ड विज़िट की कहानियाँ, विद्यार्थी अनुभव और सहयोगी फर्मों के लिए प्रशंसा पोस्ट प्रदर्शित की गईं। प्रो. वैभव भामोरिया के साथ एक पॉडकास्ट भी लॉन्च किया गया। वर्ष का समापन 22 फरवरी 2025 को एक अभिनंदन समारोह के साथ हुआ, जिसमें निदेशक (कार्यवाहक) श्री सोमनाथ चक्रवर्ती की उपस्थिति में प्रत्येक क्षेत्र-विशेष से शीर्ष तीन परियोजनाओं को सम्मानित किया गया और 90 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समूहों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

9. विदेशी भाषा और संस्कृति क्लब (एफएलसीसी)

एफएलसीसी ने 24 अक्टूबर 2024 को अपने प्रमुख हैलोवीन उत्सव की शुरुआत की, जिसमें फेस पेंटिंग, एक वेशभूषा प्रतियोगिता और एक रैंप वॉक सम्मिलित थे, इसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का उत्सव मनाया गया। 28 नवंबर को, हमने एक इंस्टाग्राम अभियान के माध्यम से थैंक्सगिविंग/धन्यवाद ज्ञापन मनाया, जहाँ विद्यार्थियों ने प्रियजनों के साथ कृतज्ञता और जुड़ाव के क्षण साझा किए।

दिसंबर में, हमने 6 दिसंबर को कुइज़ू का आयोजन किया, जो अनस्टॉप पर एक अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी थी, जिसने प्रतिभागियों के विश्व इतिहास, मिथकों और संस्कृतियों के ज्ञान का परीक्षण किया। 12 दिसंबर को, "एक दिन में विश्व भ्रमण" कार्यक्रम में एक संस्कृति-आधारित ट्रेज़र हंट आयोजित किया गया, जिसमें 15 से अधिक टीमों ने वैश्विक विविधता का अन्वेषण किया। 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने खुशी भरे व्यक्तिगत क्षण पुनः साझा किए, जिन्हें हमारे इंस्टाग्राम पेज पर प्रदर्शित किया गया।

जनवरी 2025 की शुरुआत 9 जनवरी को वर्ड वर्कआउट और 22 जनवरी को एफएलसीसी नोट के साथ हुई, जहाँ हमने व्यावसायिक संदर्भों में विदेशी शब्दों की उत्पत्ति का अध्ययन किया और दिखाया कि सांस्कृतिक जागरूकता किस प्रकार संगठनात्मक सफलता को बढ़ा सकती है। 18 जनवरी को, हमने अग्नित्रय 2025 के दौरान द अल्टीमेट प्रोडक्ट पिच का आयोजन किया, जहाँ टीमों ने अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के लिए भारतीय बाजार रणनीतियों का निर्माण किया, अंतर-सांस्कृतिक विपणन कौशल को बढ़ावा दिया। 26 जनवरी को, हमने 'ख़्वाहिश' एनजीओ के लिए एक वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया, जिसमें बच्चों को खेल, भाषा पाठ, व्यंजन और शिष्टाचार के माध्यम से इतालवी संस्कृति परिचित कराया गया।

फरवरी में, एफएलसीसी ने 17 फरवरी को प्रोडलॉंच लॉन्च किया, जहाँ विद्यार्थियों ने भारतीय ब्रांडों के लिए वैश्विक विस्तार योजनाओं को तैयार किया। इसके बाद 18 फरवरी को एक फ्रांसीसी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका संचालन एक डीएएलएफ सी१-प्रमाणित प्रशिक्षक ने किया, जिसमें व्यावहारिक कॉर्पोरेट फ्रांसीसी कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया। 14 से 22 फरवरी तक चलने वाली डुओलिंगो चुनौती ने विद्यार्थियों को भाषा-सीखने की प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे सांस्कृतिक साक्षरता और वैश्विक संचार कौशल में वृद्धि हुई।

10. गैम्बिट - द गेमिंग क्लब

हमने 20 जुलाई 2024 को एक अनौपचारिक गेमिंग नाइट के साथ वर्ष की शुरुआत की, जिसमें विद्यार्थियों को पोकर, यूएनओ, फीफा, टेकेन और एनएफएस जैसे खेलों के माध्यम से एक मनोरंजक विराम मिला। अक्टूबर में, हमने कई रोमांचक कार्यक्रम आयोजित किए: प्रारंभ 8.0 (15-16 अक्टूबर), एक प्रतिस्पर्धी गेमिंग फेस्ट जिसमें बीजीएमआई, फीफा, एनएफएस और सुडोकू सम्मिलित हैं; एजेंट असाल्ट (26 अक्टूबर), रणनीति और त्वरित प्रतिक्रिया का परीक्षण करने वाला एक ऑनलाइन वैलोरेंट टूर्नामेंट; और पोकर लाइट्स (27 अक्टूबर), उत्साही लोगों के लिए एक दिवाली-थीम वाला अनौपचारिक पोकर कार्यक्रम।

22 नवंबर को ड्रिबल ड्यूएल हुआ, जो 1 बनाम 1 फीफा चुनौती थी जिसमें फुटबॉल के उत्साह के साथ सामरिक गेमप्ले का मेल हुआ। दिसंबर में, हमने संग्राम 8.0 (5 दिसंबर) का आयोजन किया, जिसमें टेकेन, कॉल ऑफ ड्यूटी और चेकर्स सम्मिलित थे; एक दूसरी गेमिंग नाइट (8 दिसंबर) जिसमें डार्ट्स और यूनो जैसे हल्के-फुल्के खेल खेले गए; और ब्रॉल ग्राउंड: बीजीएमआई (21 दिसंबर), एक उच्च-स्तरीय बैटलग्राउंड प्रतियोगिता जो टीम समन्वय और उत्तरजीविता कौशल का प्रदर्शन करती है।

जनवरी 2025 में, हमने टर्बो थ्रस्ट (12 जनवरी) के साथ शुरुआत की, जो एक तेज गति वाली एनएफएस रेसिंग टूर्नामेंट है। अग्नित्रय (17-19 जनवरी) के दौरान, गैम्बिट ने तीन प्रमुख आकर्षणों की मेजबानी की: एक बीजीएमआई ऑनलाइन टूर्नामेंट, एक इंटरकॉलेज बैटल रोयाल; एक लाइव सेटअप में आयोजित फीफा टूर्नामेंट; और एक अभिनव एयरसॉफ्ट गन शूटिंग कार्यक्रम जिसने परिसर में वास्तविक दुनिया जैसा रोमांच प्रदान किया। हमने किंग ऑफ द रिंग (31 जनवरी) के साथ महीने का समापन किया, जिसमें मॉर्टल कोम्बैट का रोमांचक एक-पर-एक मुकाबलाथा।

फरवरी में स्ट्राइकर्स एलीट (5 फरवरी), रणनीति और सटीकता पर केंद्रित काउंटर-स्ट्राइक 2 टीम टूर्नामेंट आयोजित किया गया। 25 फरवरी को, हमने एक विशेष गर्ल्स गेमिंग नाइट आयोजित की, जिसका उद्देश्य समावेशिता को बढ़ावा देना और महिला गेमर्स को अनौपचारिक और प्रतिस्पर्धी दोनों प्रारूपों में सम्मिलित होने के लिए एक स्वागत योग्य मंच प्रदान करना था।

11. एच-रिदम HRHYTHM (एचआरएचवाईटीएचएम) - द एचआर क्लब

हमने 15 जून को हॉलिडे इन, बैंगलोर में सिद्धि - द एचआर एनालिटिक्स केस स्टडी प्रतियोगिता के साथ शुरुआत की, जो प्लेसमेंट कमेटी के सहयोग से पेरेनिअल 2024 के तहत आयोजित की गई थी, इसमें 1700+ पंजीकरण हुए, जिसमें 100+ ऑफ़लाइन प्रतिभागियों और शीर्ष 5 टीमों ने जूरी के सामने प्रस्तुति दी।

जून में ही दूसरे वर्ष के विद्यार्थियों के नेतृत्व में एक ऐच्छिक सत्र, ऐच्छिक मार्गदर्शन के लिए एक संकाय बैठक, फीनिक्स के साथ एक पेशेवर प्रमाणन टाई-अप चर्चा, आगामी बैच के लिए डोजियर तैयारी और बाहरी मानव संसाधन कार्यक्रमों का प्रचार भी शामिल था।

संवाद – द एचआर टॉक सीरीज़ की शुरुआत 9 जुलाई को प्रभावी सीवी पर एक सत्र के साथ हुई, जिसके बाद 24 अगस्त को परामर्श समस्या समाधान पर एक अतिथि व्याख्यान हुआ। अगस्त में स्क्रिबल ड्रिबल 8.0, एचआर की रणनीतिक भूमिका पर एक प्रश्नोत्तरी और लेख लेखन प्रतियोगिता भी शामिल थी।

अक्टूबर में, हमने डेसिपएचआर 5.0 (ओबी-एचआर प्रश्नोत्तरी) आयोजित किया और नेतृत्व 3.0 लॉन्च किया, यह एक अखिल भारतीय नेतृत्व प्रतियोगिता है, जिसके विभिन्न चरण अक्टूबर-नवंबर में आयोजित हुए और जिनका मूल्यांकन श्री एनएन विभाकर (क्लिकटेक रिटेल)द्वारा किया गया।

संवाद के अंतर्गत नवंबर में दो प्रमुख सत्र हुए:

- नवाचार और डिजिटलीकरण — श्री वैभव गोयल (रिलायंस) द्वारा - 16 नवंबर
- लचीली संस्कृति — श्री मुकुंद एम.ए. (बगवर्क्स) द्वारा - 26 नवंबर

दिसंबर में, हमने क्विज़, बोली और प्रस्तुति राउंड के साथ एक राष्ट्रीय भर्ती बोली चुनौती इग्नाइट 6.0 का आयोजन किया। साथ ही हमने मासिक समाचार पत्र और सोशल मीडिया सामग्री जैसे अनुभव और सिनेएचआर भी शुरू किए।

जनवरी में अग्नित्रय XI के अंतर्गत हमारा प्रमुख कार्यक्रम प्रज्ञान 9.0 आयोजित हुआ, जिसमें एक क्विज़, केस राउंड और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा आँका गया ऑफलाइन फिनाले शामिल था।

फरवरी में, "एक दिन एक मानव संसाधन के जीवन में" गतिविधि ने परिदृश्य-आधारित भूमिका-प्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को ओबी-एचआर अवधारणाओं को कार्यस्थल की वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराया।

अंततः मार्च में उद्योग नेतृत्वकर्ताओं के दौरे आयोजित हुए, जिससे संकाय, विद्यार्थियों और कॉर्पोरेट पेशेवरों के बीच संवाद को बढ़ावा मिला।

निरंतर गतिविधियाँ: मासिक समाचार पत्र और सोशल मीडिया पहल (अनुभव, सिनेएचआर, कार्यक्रम प्रचार)।

12. बुनियादी ढाँचा और आईटी समिति

पूरे वर्ष समिति ने विद्यार्थी जीवन, परिसर अवसंरचना, डिजिटल उपकरणों और सेवा प्रबंधन को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। छात्रावास कक्ष की योजना और आवंटन इस प्रकार किया गया कि एक आरामदायक और समावेशी वातावरण सुनिश्चित हो सके। परिसर में नियमित रखरखाव और उन्नयन किए गए, जिनमें जिम का विस्तार, दर्पण की स्थापना, ट्रेडमिल की मरम्मत और जिम का समय रात 2:00 बजे तक बढ़ाना सम्मिलित है। 700 से अधिक घटना रिपोर्टों का समाधान किया गया तथा कक्षाओं का कुशल प्रबंधन और 150 से अधिक कर्मचारियों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया गया।

आतिथ्य के मोर्चे पर, किओस्क एंड गेट 1 कैफे फीडबैक फॉर्म से खाद्य सेवा में सुधार हुआ, जैसे कि नेस्केफे में पास्ता और गेट 1 में स्वच्छता कैप। साइकिल उपयोगिता में सुधार के लिए पाँच स्थानों पर साइकिल पंप और स्टैंड लगाए गए। साँप दिखने के बाद जी और एच ब्लॉक में नए डोर सील लगाए गए तथा प्रभावित छात्रावास के कमरों में खटमल-नियंत्रण उपचार किया गया। प्रत्येक तल (फ्लोर) पर एक नए ताला तंत्र (लॉक मैकेनिज़्म) के माध्यम से कूड़ेदान के फैलाव जैसी समस्याओं को हल किया गया। इसके अतिरिक्त, 21 बेंचें लगाई गईं, आवाजाही सुगम बनाने हेतु छात्रावास के पास एक पक्के पैदल-पथ का निर्माण किया गया तथा अमूल और नेस्केफे कियोस्क में मौसम से बचाव के लिए एक छतरी-कैनोपी जोड़ी गई।

पुस्तकालय संबंधी आँकड़े विभिन्न आईआईएम से एकत्र कर विश्लेषित किए गए तथा आईआईएम कंसोर्टियम मीट के बाद पुस्तकालय समीक्षा फॉर्म द्वारा समीक्षा की गई। प्लेसमेंट और प्रतियोगिता तैयारी में सहायता हेतु पुस्तकालय में मूल्यांकन कक्ष (असेसमेंट रूम) शुरू किए गए। शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए टर्निटिन सदस्यता को 900 से 1300 उपयोगकर्ताओं तक बढ़ा दिया गया और ज़ूम योजना को अपग्रेड कर सत्र क्षमता 300 से 500 प्रतिभागियों तक बढ़ाई गई।

डिजिटल उन्नयन में आईआईएमइनसिंक ऐप का व्यापक नवीनीकरण किया गया, जिसमें ताजे फल वितरण, दर्जी सेवाएँ तथा प्रारंभ और संग्राम से खेल अपडेट जैसी सुविधाएँ जोड़ी गईं, जिससे सक्रिय उपयोगकर्ताओं में वृद्धि हुई। गेट 1 पर बायोमेट्रिक मशीनों की स्थापना से सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर हुई। समिति ने मधुमक्खी के छत्ते और ततैया के घोंसलों को हटाने की भी निगरानी की, जिससे परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

विद्यार्थी सहभागिता और आभार व्यक्त करने के मन्तव्य से इमैकुलेट 3.0 आयोजित किया गया, जिसमें छात्रावास, रखरखाव और प्रशासनिक कर्मचारियों को उनकी निरंतर सेवा के लिए धन्यवाद दिया गया। स्वच्छता पहलों के तहत हाउसकीपिंग फीडबैक फॉर्म शुरू किए गए, जिससे गुणवत्ता का आकलन और सुधार संभव हुआ।

अंत में, कनिष्ठ छात्रावास खंडों में 40 नई वॉशिंग मशीनें स्थापित की गईं, जिनमें आगे विस्तार के लिए अतिरिक्त पुर्ज़े खरीदे गए तथा गलत स्थापना से क्षतिग्रस्त जिम दर्पणों को फिर से लगाया गया—इस प्रकार वर्ष का समापन आराम, सुरक्षा, पहुँच-सुविधा और सेवा गुणवत्ता पर केंद्रित सफल प्रयासों के साथ हुआ।

13. अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

पिछले वर्ष के दौरान, आईआरसी ने आईआईएम काशीपुर में अंतर्राष्ट्रीय अवसरों और शैक्षणिक साझेदारियों को सशक्त करने के लिए विभिन्न वैश्विक पहलें सफलतापूर्वक संचालित कीं। दीर्घकालिक विनिमय (एलटीई) 2024 से शुरुआत करते हुए, नौ विद्यार्थियों ने चार वैश्विक विश्वविद्यालयों—अल्बा (ग्रीस), सोलब्रिज (दक्षिण कोरिया), तुरीबा (लातविया) और यूनिवर्सिटी ऑफ लीमा (पेरू) के अंतर्गत विनिमय कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके साथ ही 250+ विश्वविद्यालयों का एक समर्पित डेटाबेस तैयार किया गया, जिसमें संपर्क विवरण, पात्रता और साझेदारी संभावनाएँ आदि विवरण सम्मिलित थे। हमने एक मानकीकृत आईआरसी लेटरहेड शुरू किया, 2024–25 के लिए आईआरसी ब्रोशर को पुनः डिज़ाइन किया और सोशल मीडिया उपस्थिति को भी नया रूप दिया, जिसमें विनिमय अपडेट और टीम परिचय साझा किए गए। नए सहयोग शुरू करने के उद्देश्य से 450+ विश्वविद्यालयों को लक्षित ईमेल भेजकर संपर्क-पहुँच प्रयासों को और विस्तारित किया गया।

समानांतर रूप से, अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम (एसटीईपी) 2025 पर एक बैच सत्र आयोजित किया गया, जिसके बाद अल्बा, ग्रीस के साथ एसटीईपी का सफल संचालन हुआ, जहाँ 21 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसी दौरान ब्रुनेल यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी का नवीनीकरण किया गया, ऑनलाइन प्रमाणन सहयोग शुरू किए गए और मई 2025 में एक ऑफलाइन सम्मेलन निर्धारित किया गया। पोर्टो बिजनेस स्कूल और लागोस बिजनेस स्कूल के साथ प्रारंभिक चर्चाएँ भी हुईं, तथा कोप्पेड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस (ब्राज़ील) के साथ हम एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतिम चरण में है।

आगामी एलटीई 2025 के लिए, कार्यक्रम की संरचना और लाभ प्रस्तुत करने हेतु एक बैच मीट सत्र आयोजित किया गया, जिससे साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ सहभागिता को बढ़ावा मिला। आईआरसी ने 15–16 फरवरी को मॉडल यूनाइटेड नेशन्स (एमयूएन) 2025 की भी मेजबानी की, जो छह वर्षों में इस आयोजन का पहला ऑफलाइन संस्करण था। इसमें दो समितियाँ—यूएनएससी (ऑनलाइन) और यूएनएचआरसी (ऑफलाइन)—शामिल थीं और कुल जिसमें कुल 90 पंजीकरण प्राप्त हुए।

14. कैप्चर्ड - द फोटोग्राफी क्लब ऑफ आईआईएम काशीपुर।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 कैप्चर्ड के लिए एक प्रभावशाली वर्ष था, क्योंकि हमने सफलतापूर्वक आईआईएम काशीपुर के जीवंत जीवन का दस्तावेजीकरण और संरक्षण किया। हमने संविधान दिवस, गणतंत्र दिवस तथा प्रो. अल्तमश असलम क्लास फोटोशूट जैसे संस्थागत आयोजनों की पूर्ण कवरेज सुनिश्चित की, साथ ही बैच फोटो, सिग्नेचर डे और पीएचडी फोटोशूट जैसे विद्यार्थी-केंद्रित महत्वपूर्ण क्षणों को भी कैद किया। सीसीसी, संकाय और टीम-विशेष सत्रों सहित प्रमुख समिति फोटोशूट भी पूरे किए गए और आईआईएमसिंक पर सुरक्षित रूप से संग्रहीत किए गए।

हमारी दृष्टि सभी प्रमुख क्लबों, समितियों और प्रकोष्ठों तक फैली हुई थी। शैक्षणिक समिति की एमबीए और संकाय वार्ता श्रृंखला से लेकर भूतपूर्व विद्यार्थी समिति की सारथी शूट और होमकमिंग'25 तक और अग्नित्रय के पूर्ण कार्यक्रम कवरेज से लेकर सांस्कृतिक समिति के उत्सव कार्यक्रमों जैसे दिवाली, दशहरा, काशीपुर नाइट्स और मास्केरेड नाइट तक - हमने हर पल को कैमरे में कैद किया। कॉन्सिलियम, ई-सेल, एक्सपेडिशन क्लब, फाइनेंस क्लब, एफएलसीसी, गैम्बिट, एचरिदम, इंफ्रा एंड आईटी, आईआईसी, आईआरसी, लिटरेरी क्लब, मार्केटिंग, ऑपरेशंस, प्लेसमेंट कमेटी, परिवर्तन सेल, परवाज, क्रेस्ट, रीवरब, स्पेक्ट्रम, टेडएक्स, टीएमपीसी, वेलनेस कोऑर्डिनेटर, एक्सटैटिक और टाइटन के तहत होने वाले कार्यक्रमों को व्यापक रूप से कवर किया गया, जिससे कोई भी महत्वपूर्ण क्षण छूट न जाए।

कवरेज के अलावा, हमने टीम फोटोवाक, पिक्सेलर, वेकेशन फ्रेम्स, कैंपस सेलिब्रेशन (नवंबर) और अनफॉरगेटेबल '25 (मार्च) जैसे हस्ताक्षर कार्यक्रमों का आयोजन किया। रिपोर्ट के भीतर लिंक की गई, हमारी व्यापक संग्रहिका आईआईएम काशीपुर के गतिशील विद्यार्थी जीवन की एक दृश्यात्मक कहानी प्रस्तुत करता है।

समर्पण, निरंतरता और रचनात्मकता के साथ, कैपचर्ड ने 2024–25 बैच की यादों को अमर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उत्सव, चिंतन तथा संस्थान के प्रचार के लिए एक स्थायी दृश्य-संग्रह तैयार किया है।

15. ऑन योर मार्क - आईआईएम काशीपुर का मार्केटिंग क्लब

जुलाई 204 से मार्च 2025 तक, ऑन योर मार्क ने विद्यार्थियों के बीच विपणन कौशल, रचनात्मकता और व्यावहारिक प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कई कार्यक्रमों और पहलों का आयोजन किया है।

हमारा वर्ष मीम-ओमेंटो के साथ शुरू हुआ, जो एक प्रश्नोत्तरी और मीम-मेकिंग कार्यक्रम था, जो मोमेंट मार्केटिंग पर केंद्रित था, जिसमें 75 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। डम्ब शेराड्स, एक ऑफ़लाइन ब्रांड-अभिनय कार्यक्रम जिसमें कई उन्मूलन चरण थे, ने 150+ विद्यार्थियों को आकर्षित कर टैगलाइन और प्रदर्शन के माध्यम से अपनी रचनात्मक फ्लेयर का प्रदर्शन करने का अवसर दिया। अनस्टॉप पर आयोजित ओडब्ल्यूएसएम ने लगभग 200 टीमों को एक दिए गए विषय के आधार पर वायरल वीडियो विज्ञापन बनाने की चुनौती पेश की। उत्पाद पुनरुत्थान ने प्रतिभागियों को अभिनव स्थिति रणनीतियों, रचनात्मकता और बाजार अंतर्दृष्टि के साथ विच्छिन्न उत्पादों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया।

पिच प्लीज़, अनस्टॉप पर आयोजित एक उच्च प्रभाव वाली अंतर-महाविद्यालय बिक्री पिच प्रतियोगिता ने राष्ट्रव्यापी 500+ टीमों को संयोजित किया। प्रतिभागियों का मूल्यांकन रचनात्मकता, विषय-वस्तु और संचार के आधार पर किया गया। गुरिल्ला मार्फेयर ने 65 से अधिक विद्यार्थियों को एक हैंड्स-ऑन ऑफ़लाइन गुरिल्ला मार्केटिंग प्रतियोगिता में सम्मिलित किया, जहाँ टीमों ने ब्रांड प्रदर्शन और अभियान प्रारूपित किए।

हमारा प्रमुख कार्यक्रम, मार्कोहोलिक '25, जो अग्नित्रय के दौरान आयोजित किया गया था, में 1800+ पंजीकरण के साथ आईआईएम लखनऊ, आईआईएम कोझीकोड और आईआईएफटी सहित शीर्ष बी-स्कूलों से भारी भागीदारी देखी गई। हमने फीनिक्स ग्लोबल के सहयोग से ब्रांड ब्लिट्ज, एक व्यावहारिक केस प्रतियोगिता भी आयोजित की, जिसमें 800 से अधिक टीमों ने भाग लिया, जिसने विद्यार्थियों को व्यावहारिक विपणन चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रेरित किया।

काशीपुर प्रीमियर लीग के साथ एक अनोखे संगम में, हमने एम्बुश मार्केटिंग की मेजबानी की, एक ऑफ़लाइन कार्यक्रम जहाँ विद्यार्थियों ने सहज छद्म रणनीति के साथ प्रतिद्वंदी टीमों के अभियानों को रचनात्मक रूप से अधिग्रहण किया।

कार्यक्रमों से परे, हमने कॉफी रीड्स लॉन्च किया, यह एक साप्ताहिक ईमेल श्रृंखला है जो विपणन रुझानों, अभियान केस स्टडी और डिजिटल उपकरणों पर अंतर्दृष्टि साझा करती है। हमारे लगातार इंस्टाग्राम और लिंक्डइन सामग्री ने सूचनात्मक और प्रासंगिक पोस्ट के साथ समुदाय को और अधिक बाँध कर रखा, जिससे हमारी डिजिटल उपस्थिति और विचार नेतृत्व को मजबूती मिली।

16. ओएसएम क्लब

ओएसएम क्लब ने अपनी औद्योगिक सहभागिता की शुरुआत 6 जुलाई 2024 को बजाज ऑटो लिमिटेड की यात्रा से की, इसके बाद 17 अगस्त को इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड और 28 अगस्त को टाटा मोटर्स के दौरे आयोजित किए गए, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक संचालन, हरित विनिर्माण और रणनीतिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। जुलाई और मार्च में, ग्रांट थॉर्नटन द्वारा आयोजित ग्रीन बेल्ट सिक्स सिग्मा प्रोग्राम में 173 विद्यार्थियों को प्रमाणित किया गया।

हमारा प्रमुख प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम ऑसमोसिस 6.0, 27-28 सितंबर को अनस्टॉप के माध्यम से आयोजित किया गया था, जिसमें दो प्रतिस्पर्धी चरण और 13,500 रुपये के नकद पुरस्कार शामिल थे। अक्टूबर में, हमने ओपीएस-हन्ट 5.0 (21-22 अक्टूबर) का आयोजन किया, जिसमें क्विज़ और स्कैवेंजर चुनौतियों का संयोजन कर रणनीतिक सोच का परीक्षण किया गया, तथा ₹4,000 का पुरस्कार रखा गया।

नवंबर में, क्लब ने तीन प्रमुख कार्यक्रमों की मेजबानी की। 24 नवंबर को ऑप्स-कैसकेड 3.0 ने संरचना-निर्माण प्रतियोगिता के माध्यम से रचनात्मकता को बढ़ावा दिया। अमेज़ॅन फ्रेश के श्री प्रतीक श्रीवास्तव के साथ एक अतिथि सत्र ऑप्स -एनलाइट, 22 नवंबर को आयोजित किया गया था, जिसने उद्योग प्रथाओं प्रकाश डाला। इसके बाद 28 नवंबर को आईएससीईए एससीनेक्स्ट इंडिया स्किलप्रो के सहयोग से ऑपरेकल 6.0 का संचालन किया गया। 1.85 लाख रुपये की पुरस्कार राशि के साथ, इसने क्विज़, केस सबमिशन और प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों के समक्ष चुनौती पेश की।

4 दिसंबर को हमने श्री अंजनी वर्मा, मिंत्रा में ओमनीचैनल आपूर्ति श्रृंखला के प्रमुख, के तत्वाधान में ओमनीचैनल संचालन में नवाचार पर एक अन्य ऑप्स-एनलाइट सत्र की मेजबानी की।

जनवरी 2025 में, हमने सीईएसआईएम के साथ साझेदारी में ऑप्स-ब्लेज़ 4.0 (10-12 जनवरी) का आयोजन किया, जहाँ विद्यार्थियों ने ₹27,000 की राशि वाले पुरस्कारों के लिए छद्म व्यावसायिक चुनौतियों के लिए संचालन और आपूर्ति श्रृंखला अवधारणाओं का परीक्षण किया। इसके बाद 17 जनवरी को ऑपेरेटियस '25 हुआ, जो अग्नित्रय के तहत ₹36,000 की पुरस्कार वाली एक अखिल भारतीय केस प्रतियोगिता थी, जिसका मूल्यांकन प्रो. बेन कृष्णा द्वारा किया गया।

फरवरी में, कनिष्ठ टीम ने 25 फरवरी को ऑप्स-एनालिसिस 1.0 का नेतृत्व किया, जहाँ प्रतिभागियों ने एक विश्लेषणात्मक प्रतियोगिता में रणनीतिक संचालन सोच के साथ अनुसंधान संबंध को परखा।

17. परिवर्तन प्रकोष्ठ

परिवर्तन प्रकोष्ठ को अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए गर्व का अनुभव है, जो इस वर्ष की प्रभावपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक पहलों को रेखांकित करता है एवं जिसने आईआईएम काशीपुर में सामुदायिक भावना को समृद्ध किया है।

इस यात्रा की शुरुआत 31 अगस्त 2024 को 'परिवर्तन द चेंज' एनजीओ और एलडी भट्ट सरकारी अस्पताल के सहयोग से आयोजित हुए रक्तदान शिविर के साथ हुई, जिसमें 75 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। सितंबर में, हमने मोटेश्वर महादेव मंदिर में एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया, जहाँ 25 स्वयंसेवकों ने 150 किलोग्राम कचरा एकत्र किया और नियमित शिक्षण सत्रों (सितंबर-मार्च) के माध्यम से स्थानीय स्कूली बच्चों और निर्माण स्थल के बच्चों को लाभान्वित करने वाली दो दीर्घकालिक शिक्षा पहल, काइट्स और उड़ान की शुरूआत की।

अक्टूबर सक्रियता से भरा हुआ माह था। हमने स्कूल-स्तरीय प्रश्नोत्तरी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गाँधी जयंती (2 अक्टूबर) मनाई और निर्माण श्रमिकों के लिए दान उत्सव (2-8 अक्टूबर) आयोजित किया। वित्तीय समावेशन पर लेख लेखन (13-20 अक्टूबर) ने 40+ प्रविष्टियाँ प्राप्त कीं और 20 अक्टूबर को विद्यार्थियों ने वंचितों को आवश्यक दान देने के उद्देश्य से, एनजीओ ख्वाहिश के माध्यम से स्किप ए मील (एक समय का भोजन त्याग) अभियान में भाग लिया। दिवाली प्रदर्शनी (24 अक्टूबर) ने एनजीओ पहलों के लिए धन जुटाया और रन फॉर यूनिटी (25 अक्टूबर) के द्वारा सरदार पटेल की जयंती को मनाया।

नवंबर में, हमने स्कूल कार्यक्रमों के साथ बाल दिवस (14 नवंबर) को मनाया, एनईपी पर एक सार्वजनिक नीति चर्चा (1 दिसंबर) आयोजित की और दो कंबल वितरण अभियान (8 और 10 दिसंबर) को आयोजित किए, जिसमें एनजीओ और स्थानीय समुदायों को 220+ किटों का वितरण किया गया। क्रिसमस (20 दिसंबर) सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से स्कूली बच्चों के साथ मनाया गया।

जनवरी 2025 में पिच कारो (12 फरवरी) का आयोजन हुआ, जो स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा को कवर करने वाला एक सामाजिक उद्यमिता पिच कार्यक्रम था। मार्च में, हमने भीमनगर और ख्वाहिश एनजीओ में, विद्यार्थियों के लिए एक करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम मैं बड़ा होकर क्या बनना चाहता हूँ (6 मार्च) की मेजबानी की। 8 मार्च को, परिवर्तन कप ने 100 से अधिक बच्चों को लाभान्वित करने वाले स्टेशनरी ड्राइव के साथ युवाओं के बीच खेल और जीवन शक्ति को प्रोत्साहित किया। अतिरिक्त स्टेशनरी किट 20 मार्च को (निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए 25 किट) और 22 मार्च को (रामनगर में जेएसआर स्कूल को 40+ किट) वितरित की गईं।

पूरे वर्ष, हमने स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण विषयों पर राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय दिवसों को देखते हुए 53 पोस्ट के साथ एक सशक्त सोशल मीडिया उपस्थिति बनाए रखी। हमारी विषय-वस्तु की सहभागिता 40% बढ़ी, जिसमें 150+ नए अनुयायी शामिल हुए। हमने जल शक्ति मंत्रालय और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत, स्वच्छता अभियान का आयोजन करते हुए आईआईएमके प्रशासन (2 अक्टूबर) के साथ साझेदारी में स्वच्छता पखवाड़ा में भी भाग लिया।

हम प्रशासन, संकाय, विद्यार्थी स्वयंसेवकों और हमारी समर्पित टीम को हार्दिक धन्यवाद देते हैं। परिवर्तन प्रकोष्ठ स्थायी परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है और सार्थक प्रभाव वाले एक और वर्ष की आशा करता है।

18. परवाज़ - द ड्रामैटिक्स क्लब ऑफ आईआईएम काशीपुर

परवाज़, आईआईएम काशीपुर का ड्रामैटिक्स क्लब, भावनाओं, सामाजिक विषयों और नाट्य कला के संयोजन से कहानियों को जीवंत करता है। नुक्कड़ नाटकों, मंच नाटकों और सहयोग के माध्यम से, क्लब ने लगातार आईआईएम समुदाय और उससे इतर लोगों को मोहित किया है।

वर्ष की शुरुआत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक सशक्त नुक्कड़ नाटक जिसका शीर्षक था "स्वराज प्राइवेट लिमिटेड - एक केस स्टडी" के साथ हुई, जिसने स्वतंत्रता के संघर्ष की यात्रा का चित्रण प्रस्तुत किया। इसके बाद एक हास्यपूर्ण मंच नाटक, "यहाँ के हम सिकंदर" का प्रदर्शन हुआ, जो 8 अक्टूबर को प्रारंभ 8.0 उद्घाटन समारोह के दौरान किया गया था, इसमें वरिष्ठ-कनिष्ठ गतिशीलता को मजाकिया और आकर्षक ढंग से दर्शाया गया।

24 अक्टूबर को क्लब ने "जीना यहाँ, मरना यहाँ", भय और हास्य से संयोजित एक विद्वतापूर्ण नुक्कड़ नाटक, हैलोवीन के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया। 23 नवंबर को तमाशा के साथ ये सिलसिला जारी रहा, जो कनिष्ठों के नेतृत्व में एक जीवंत मंच था, जिसमें रचनात्मक अभिनय और क़िस्सागोई का प्रदर्शन किया गया था, प्रतिष्ठित अतिथियों द्वारा इसको परखा गया। लगभग उसी अवधि में, परवाज़ ने द बोर्डरूम ड्रामा की भी मेजबानी की, जो एक अनूठी अखिल भारतीय नाट्य प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रतिभागियों को व्यावसायिक परिदृश्यों के आधार पर अभिनय करने की चुनौती दी गई थी।

जनवरी 2025 में, परवाज़ ने दो प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए: 13 जनवरी को सीन क्या है, एक मजेदार डबिंग प्रतियोगिता, जहाँ प्रतिभागियों ने मूल आवाज के साथ प्रतिष्ठित दृश्यों की पुनर्कल्पना की; और 15 जनवरी को लेखनी, एक राष्ट्रीय पटकथा लेखन प्रतियोगिता हुई, जिसमें शक्तिशाली, कल्पनाशील आख्यान शामिल हैं। 26 जनवरी को, गणतंत्र दिवस पर, क्लब ने "संविधान के स्तंभ" प्रस्तुत किया, जो लोकतंत्र के चार स्तंभों और उनके दुरुपयोग के परिणामों पर प्रकाश डालने वाला एक रोमांचक स्ट्रीट प्ले था - एक साहसिक, चिंतनशील कृति जिसने विचार और चर्चा को हवा दी।

फरवरी में, परवाज़ ने 16 तारीख़ को प्रसिद्ध थिएटर कलाकार श्री प्रशांत तरुण जाधव, रंगम थिएटर के संस्थापक के साथ एक अभिनय कार्यशाला की मेजबानी की। इस तन्मयकारी सत्र ने गहन चरित्र कार्य और अभिव्यंजक तकनीकों के माध्यम से प्रतिभागियों के अभिनय कौशल को समृद्ध किया। अंत में, 23 फरवरी को, परवाज़ ने स्टार्टअप एक्सपो के दौरान उत्तिष्ठ '25 में एक सामाजिक रूप से संचालित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया, जिसमें सक्रियता और प्रदर्शन को एक साथ मिलाकर दबाव वाले मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।

परवाज़ लगातार पहुँच और प्रभाव में विकसित हुआ है, 2024 में 110 पंजीकरण हुए, जो 2023 में 61 और 2022 में हुए 95 पंजीकरण से अधिक है – यह परिसर में इसकी बढ़ती लोकप्रियता और प्रभाव का प्रमाण है।

19. तैयारी प्रकोष्ठ / प्रेप सेल

हमने विद्यार्थियों को रिज्यूमे बनाने संबंधी मार्गदर्शन एवं उनकी शंकाओं का समाधान करने के लिए 1 जुलाई 2024 को एक बैच मीट के साथ शुरुआत की। इसके बाद 6 जुलाई को पीआई प्रश्नावली जारी की गई तथा 14 जुलाई को एक विस्तृत संदेह-समायोजन सत्र आयोजित किया गया।

5 जुलाई से 10 अगस्त तक, हमने हाइब्रिड मोड में कई वन-ऑन-वन रेज़्यूमे समीक्षा सत्र आयोजित किए, जिनमें व्यक्तिगत प्रतिपुष्टि प्रदान की गई। विद्यार्थियों को एसआईपी प्रक्रिया के लिए तैयार करने हेतु, हमने मॉक जीडी (12-14 जुलाई) और मॉक पीआई (17-20 जुलाई) का आयोजन किया।

नए तैयारी प्रकोष्ठ / प्रेप सेल सदस्यों के लिए चयन प्रक्रिया 4–6 सितंबर 2024 के बीच आयोजित की गई।

हमने करियर और उद्योग अपेक्षाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए डोमेन चर्चा (डीडी) कार्यशालाएँ आयोजित कीं:

- विपणन - 29 अगस्त
- आईटी और एनालिटिक्स - 25 अक्टूबर
- वित्त - 9 दिसंबर
- संचालन - 10 जनवरी

पीआई की तैयारी में सहायता के लिए, हमने 10+ कंपनियों के लिए फ़्लायर्स डिज़ाइन किए तथा एसआईपी और फाइनल प्लेसमेंट प्रश्न बैंक दोनों बनाए, जिनमें पूर्व प्रक्रियाओं से जीडी विषयों, तकनीकी चरणों और एचआर साक्षात्कार के प्रश्न संकलित किए गए।

हमने कंपनी-विशिष्ट साक्षात्कार तैयारी सत्र भी आयोजित किए, जिनमें सम्मिलित हैं:

· बीएनपी परिबास (20 फरवरी और 9 मार्च 2025) - समर और फाइनल प्लेसमेंट दोनों के लिए।

दृश्यता और जागरूकता बढ़ाने के लिए, हमने आधिकारिक तैयारी प्रकोष्ठ लिंक्डइन पेज शुरू किया, जहाँ रिज़्यूमे, इंटरव्यू और प्लेसमेंट तैयारी से संबंधित सामग्री साझा की गई।

20. क्वेस्ट - क्विज़ क्लब

पूरे वर्ष, हमने सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टाग्राम पर अपनी लोकप्रिय "दिन का प्रश्न" श्रृंखला का संचालन किया। प्रत्येक सप्ताह में विषय-आधारित प्रश्नोत्तरी प्रश्न के साथ-साथ, पिछले सप्ताह की चुनौती के परिणाम भी सम्मिलित थे। आकर्षक दृश्यों और संवादमूलक प्रकाशनों ने एक जीवंत ऑनलाइन उपस्थिति बनाने एवं समिति समुदाय को जोड़े रखने में सहयोग दिया।

2 अक्टूबर 2024 को, हमने परिवर्तन प्रकोष्ठ के सहयोग से भीमनगर माध्यमिक विद्यालय में एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन कर गाँधी जयंती मनाई, जिसमें स्थानीय विद्यार्थियों को एक सार्थक श्रद्धांजलि में सहभागी बनाया गया। इसके बाद 15 अक्टूबर को नवागंतुक प्रश्नोत्तरी (फ्रेशर्स क्विज़) का आयोजन किया गया, जिसमें तीन एमएडी थीम (संगीत, कला, नृत्य) चरण में 45 से अधिक टीमों को आयोजित किया गया, जिससे नए विद्यार्थियों को प्रश्नोत्तरी की दुनिया से सफलतापूर्वक परिचित कराया गया।

काशीपुर क्विज़ लीग (केक्यूएल) श्रृंखला 12 नवंबर को केक्यूएल-1 के साथ शुरू हुई, जिसका विषय रीवाइंड और रीप्ले था एवं इसमें 12+ टीमें सम्मिलित थीं। 27 नवंबर को, हमने जनजातीय गौरव दिवस के लिए, आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों, संस्कृति और विरासत पर केंद्रित एक विशेष प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया, जिसमें 14 से अधिक टीमों ने भाग लिया।

केक्यूएल-2 और केक्यूएल-3 का आयोजन क्रमशः 14 जनवरी और 26 जनवरी को किया गया, जिसमें 20+ टीमों ने ब्रांड मैट्रिक्स और लाइट्स, कैमरा, संगीत विषयों पर प्रतिस्पर्धा की। अंतिम चरण, केक्यूएल-4, 1 मार्च को 15+ टीमों के साथ आयोजित किया गया, जिसका विषय विज्ञान और समाज था, यह लीग लीडरबोर्ड का समापन था।

मार्च में, हमने अनस्टॉप पर दो प्रमुख अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरियों/क्विज़ का आयोजन किया। 6 मार्च को आयोजित प्रश्नमंच में 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें शीर्ष 10 प्रश्नकर्ताओं की रोमांचक ऑनलाइन प्रतियोगिता थी। 13 मार्च को, क्वेस्टोपिया ने भारत भर से 600+ प्रतिभागियों को आकर्षित किया, जिसमें दो कठिन चरणों में उनकी गति और सटीकता का परीक्षण किया गया।

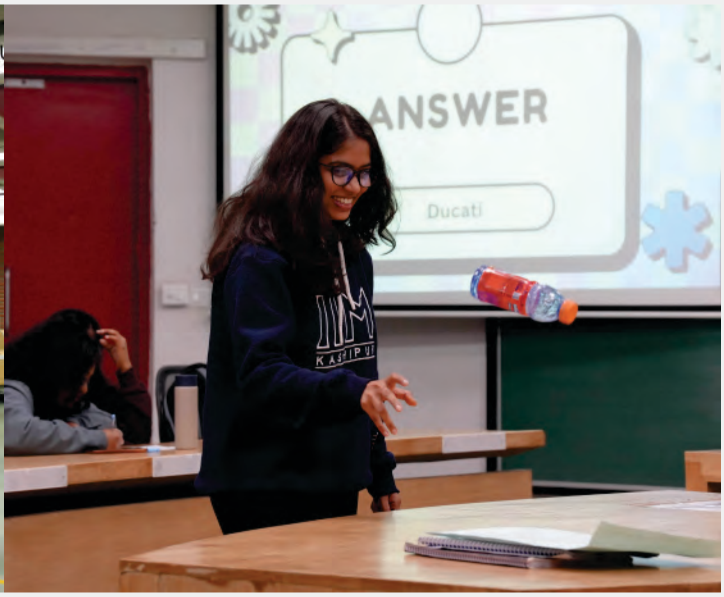

21. रिवर्ब – द म्यूज़िक क्लब

हमने 31 अगस्त 2024 को एक जैमिंग सेशन से शुरुआत की, जिसने विद्यार्थियों को आराम करने और भाग लेने के लिए एक आरामदायक संगीतमय मंच प्रदान किया।

अक्टूबर में रिवर्ब ने परिसर के प्रमुख आयोजनों में सक्रिय योगदान दिया:

- 5 अक्टूबर: प्रारंभ 8.0 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति।
- 7 अक्टूबर: माननीय राज्यपाल की उपस्थिति में आयोजित उत्तराखंड प्रकोष्ठ के उद्घाटन समारोह में विशेष प्रस्तुति।
- 21 अक्टूबर: प्रारंभ के समापन समारोह में ऊर्जावान प्रस्तुति।
- 26 अक्टूबर: दीवाली उत्सव में जीवंत संगीत प्रस्तुति से परिवेश को और विशिष्ट बनाया।

नवंबर में लगातार ऊर्जावान प्रस्तुतियाँ रहीं:

- 24 नवंबर: टेडएक्स आईआईएम काशीपुर, चैप्टर एक्स में प्रस्तुति।
- 25 नवंबर: संग्राम 8.0 का उद्घाटन एक दमदार प्रस्तुति के साथ किया।

दिसंबर में दो विशेष योगदान रहे:

- 6 दिसंबर: ई-सेल के साथ एक जैमिंग सत्र का सह-आयोजन किया गया।
- 9 दिसंबर: स्पेक्ट्रम की पहल पखवाड़ा के दौरान घरेलू हिंसा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम में प्रस्तुति दी।

17 जनवरी 2025 को अग्नित्रय 11.0 की शुरुआत एक उच्च-ऊर्जा उद्घाटन प्रदर्शन के साथ हुई, जिसके बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में भागीदारी की गई।

फरवरी में, हमने 12 फरवरी को ट्वाइलाइट ट्यून्स की मेजबानी की, जिसमें शैली-आधारित चरण और नकद पुरस्कारों के साथ एक प्रतिस्पर्धी संगीत प्रश्नोत्तरी थी।

हमने 9 मार्च 2025 को अंतिम जैमिंग सत्र के साथ वर्ष का समापन किया, जो विद्यार्थी समुदाय के लिए समावेशी एवं संगीतपूर्ण वातावरण बनाने की हमारी परंपरा को गतिशील रखता है।

22. स्पेक्ट्रम

हमने 25 जून 2024 को प्रोफेसर शोभा तिवारी और आईसीसी के मार्गदर्शन में, प्रमाणित प्रशिक्षकों सुश्री करुणा एस.जी. और सुश्री रुचिरा के नेतृत्व में एक पोश (पीओएसएच) कार्यशाला के साथ वर्ष की शुरुआत की। इस सत्र में कार्यस्थल सुरक्षा, कानूनी जागरूकता एवं शैक्षणिक और पेशेवर स्थलों में सम्मानजनक आचरण पर बल दिया गया।

1 जुलाई को, हमने 2024 के आगामी एमबीए बैच के लिए बडी कार्यक्रम का संचालन किया। प्रत्येक नए विद्यार्थी को एमबीए जीवन में सहज रूप से ढलने में सहायता करने हेतु एक वरिष्ठ बडी के साथ जोड़ा गया, जिसमें सत्र 1 के दौरान गोपनीयता, पेशेवर आचरण और निरंतर सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया।

रैगिंग विरोधी सप्ताह के भाग के रूप में, 16 अगस्त को एक रैगिंग विरोधी कार्यशाला आयोजित की गई, जो आईआईएम काशीपुर की, सुरक्षित और समावेशी परिसर वातावरण उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है।

14 अक्टूबर को, हमने एक्सिस बैंक के एसवीपी हरीश अय्यर के नेतृत्व में एक 'डीई एंड आई' कार्यशाला का आयोजन किया, जिन्होंने समावेशी नेतृत्व और समानता पर एक संवादात्मक सत्र को संबोधित किया। इसके बाद 24 अक्टूबर को "दिल से दिल तक (हार्ट टू हार्ट)" कार्यक्रम हुआ, जिसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हस्तलिखित पत्रों का आदान-प्रदान किया और पुरानी यादों से भरे संचार के माध्यम से सार्थक व्यक्तिगत संबंधों को फिर से जीवंत किया।

नवंबर में, हमने 15-26 तारीख तक जनजातीय दिवस मनाया, जिसमें एक सोशल मीडिया अभियान के तहत, आदिवासी उपलब्धि प्राप्तकर्ताओं को रेखांकित किया गया एवं क्रेस्ट के सहयोग से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके बाद 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक पखवाड़ा का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन हेतु एक अभियान चलाया गया। इस पहल में एक्सटैटिक और रीवर्ब द्वारा नृत्य और संगीत प्रदर्शन सम्मिलित थे और इसका समापन लैंगिक समानता को प्रोत्साहन देने वाले शपथ समारोह के साथ हुआ।

जनवरी 2025 में, आईआईएम काशीपुर ने 17-19 से विभिन्न (आईआईटी दिल्ली) में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, जिसमें समावेश, पहुँच और अंतर्संबंध पर महत्वपूर्ण चर्चाएँ हुई। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों की प्रणालीगत चुनौतियों की समझ को गहरा किया तथा संरचनात्मक परिवर्तन और समावेशी नीति सुधारों की निरंतर आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया।

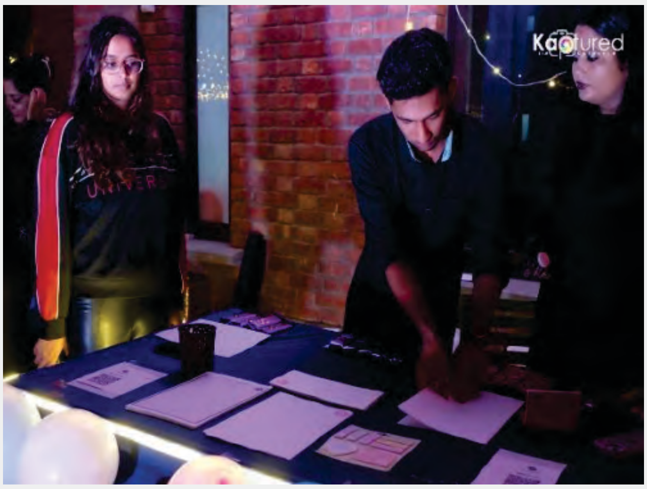

23. प्रायोजन प्रकोष्ठ

आईआईएम काशीपुर में प्रायोजन प्रकोष्ठ ने भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक और इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड जैसे अग्रणी वित्तीय संस्थानों से लेकर रेमंड, डेनवर, तनिष्क और यंग स्किल्ड इंडिया जैसे उच्च-स्तरीय उपभोक्ता ब्रांडों तक, प्रायोजकों के एक विस्तृत तंत्र को सफलतापूर्वक अपने साथ जोड़ा है। उनके सहयोग ने विद्यार्थी अनुभव को समृद्ध किया और संस्थान के कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण मूल्य जोड़ा।

हमारी साझेदारियाँ लोकप्रिय स्थानीय व्यवसायों जैसे पापा बेकर्स, एससी गुड़िया कॉलेज, फैट टाइगर, द विलेज, कॉर्बेट हवेली, मैनर, द्रोणा प्लेस और कैम्पस एक्सप्रेस तक विस्तारित रहीं, जिन्होंने परिसर जीवन को और अधिक जीवंत बनाने में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त हमने, जियो सावन, ब्रो कोड, हेल एनर्जी, डाबर और टाइम्स प्राइम जैसे प्रसिद्ध लाइफस्टाइल और एफएमसीजी ब्रांड्स से वस्तुगत प्रायोजन (इन-काइंड स्पॉन्सरशिप) भी प्राप्त हुई, जिनसे विद्यार्थियों की सहभागिता और कल्याण में वृद्धि हुई।

प्रमुख पहलों में अग्नित्रय 11.0, आईआईएम काशीपुर के वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंधन उत्सव के लिए प्रायोजन सुनिश्चित करना सम्मिलित था। आगामी एमबीए 2024-26 बैच के लिए, हमने रेमंड के साथ मिलकर नेकटाई और सूट वितरित किए, जिससे उनका परिचय-सत्र अनुभव बेहतर हुआ। पापा बेकर्स के साथ एक प्रचारात्मक सहयोग के तहत समारोह के बाद विशेष स्नैक्स उपलब्ध कराए गए, जिससे विद्यार्थी संतुष्टि और ब्रांड दृश्यता दोनों बढ़ीं।

हमने बैंकिंग भागीदारों के साथ परिसर में प्रचार अभियानों के माध्यम से शिक्षा ऋण प्रचार को सुगम बनाया, जिससे नए विद्यार्थियों के लिए वित्तीय पहुँच बेहतर हुई। अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस 2025 में, ब्रो कोड ने एनर्जी ड्रिंक्स को प्रायोजित किया, जबकि डाबर ने ब्रो कोड के साथ काशीपुर प्रीमियर लीग (केपीएल) को ऊर्जावान बनाया - जिससे स्वास्थ्य और प्रदर्शन दोनों को समर्थन मिला।

कैंपस एक्सप्रेस द्वारा संचालित, परिसर से घर (कैंपस टू होम) पहल, ने विद्यार्थियों को भारत भर में अपने सामान को किफायती रूप से ले जाने में सहायता की, जिससे लॉजिस्टिक चुनौतियों को कम किया गया। कॉन्फैब सिटी मीट 2025 में, डाबर और फर्न्स एन पेटल्स ने जलपान और विशेष ऑफ़र प्रायोजित किए। डाबर ने स्थानीय स्कूली विद्यार्थियों के लिए परिवर्तन प्रकोष्ठ के करियर परामर्श सत्र में भी सहयोग दिया, ताकि प्रतिभागियों के लिए उचित जल-आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

अंततः, आईसीआईसीआई बैंक के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग के माध्यम से लाइफटाइम-फ्री क्रेडिट कार्ड और प्रीमियम खाते वितरित किए गए, जिससे विद्यार्थियों को वित्तीय साधनों से सशक्त बनाया गया और उत्तरदायी बैंकिंग आदतों को बढ़ावा मिला।

24. खेल समिति

खेल समिति ने 29 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के साथ वर्ष की शुरुआत की, जिसमें टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, 3 किमी मिनी-मैराथन और रस्साकशी सहित कई ऊर्जावान कार्यक्रमों के माध्यम से मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी गई। 8 सितंबर को, हमने चेस-ए-थॉन 5.0 का आयोजन किया, जो लीचेस के माध्यम से आयोजित एक ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट था, जिसमें एमबीए-1 और एमबीए-2 दोनों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इसके बाद हमारे प्रमुख अंतर-महाविद्यालय टूर्नामेंट हुए। प्रारंभ 8.0, एमबीए-1 और एमबीए-2 के बीच 15-दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं में 12 खेल सम्मिलित थे और जिसमें एथलेटिक्स, टीम वर्क और परिसर भावना परिलक्षित हुई – इसका समापन एमबीए-2 की जीत के साथ हुआ। इसके तुरंत बाद, संग्राम 8.0 ने चार टीमों- ऐरावत, गरुड़, रुद्र और वासुकी ने नौ खेलों की प्रतिस्पर्धी स्पर्धा में भाग लिया। इस आयोजन ने रणनीतिक खेल और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें टीम ऐरावत विजयी होकर उभरी।

यह गतिशीलता 17 से 19 जनवरी 2025 तक आयोजित अग्नित्रय ग्यारह के साथ चलायमान रही, जिसमें आईआईएम अमृतसर और एमडीआई गुड़गाँव जैसे प्रमुख संस्थानों के एथलीटों ने भाग लिया। फुटसल, बैडमिंटन, शतरंज और वॉलीबॉल सहित 11 कार्यक्रमों में विस्तारित एवं ₹2,00,000 से अधिक की पुरस्कार राशि द्वारा समर्थित यह टूर्नामेंट, प्रतिस्पर्धी भावना और एथलेटिक उत्कृष्टता को दर्शाता है।

सीज़न का समापन काशीपुर प्रीमियर लीग (केपीएल) 11.0 के साथ हुआ, जो एक आईपीएल-शैली का क्रिकेट टूर्नामेंट था, जिसमें रणनीति, नेतृत्व और निष्पक्ष खेल पर बल दिया गया। नीलामी-संचालित टीम गठन प्रक्रिया और 180 से अधिक विद्यार्थी प्रतिभागियों के साथ, केपीएल ने हमारे आदर्श वाक्य को चरितार्थ किया: " जी-जान से खेलो, ईमानदारी से खेलो ।"

25. टीम अग्नित्रय

अग्नित्रय आईआईएम काशीपुर का वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंधन उत्सव है। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रमुख प्रबंधन संस्थानों और अन्य प्रमुख कॉलेजों से विविध प्रतिभाओं की भागीदारी देखी जाती है। "अग्नित्रय" का अर्थ है देवताओं को प्रसन्न करने के लिए प्रज्वलित की गईं तीन पवित्र अग्नियाँ, जो सफलता के तीन अवयवों: 'विनम्रता, धीरज और समर्पण' का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये अवयव अग्नित्रय के तीन पहलुओं में सन्निहित हैं:

- संस्कृति में विनम्रता
- खेल में सहनशक्ति
- व्यवसाय में समर्पण की आवश्यकता।

इस उत्सव में भारी भीड़ देखी जाती है, जिसमें प्रतिवर्ष भारत भर के 50 से अधिक शीर्ष कॉलेजों से 500 से अधिक प्रतिभागी भाग लेते हैं। अग्नित्रय XI ने ऐश किंग (गायक), निशांत तँवर (हास्य कलाकार), इग्निया (बैंड) और डीजे रेवोइक की मेजबानी की।

आयोजन विवरण:

अग्नित्रय इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रकार के आयोजन करता है:

प्रबंधन एवं गैर-प्रबंधन कार्यक्रम: इस उत्सव में प्रबंधन कार्यक्रमों के तहत संचालन, विपणन, वित्त और मानव संसाधन आदि जैसे प्रबंधन विषयों से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। साथ ही विभिन्न गैर-प्रबंधन कार्यक्रम जैसे खेल प्रतियोगिताएँ, कविता पाठ एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। ये कार्यक्रम विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक संघों द्वारा तीन दिनों की अवधि में आयोजित किए जाते हैं।

खेल आयोजन: अग्नित्रय के ग्यारहवें संस्करण में, आईआईएम काशीपुर की खेल समिति ने तेरह विधाओं में अंतर-कॉलेज खेल आयोजनों की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इस आयोजन में आईआईएम अमृतसर, एमडीआई गुड़गांव फोर आदि जैसे प्रतिष्ठित कॉलेजों ने भाग लिया, सभी ने कुल 2,20,000 रुपये के पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा की। प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बास्केटबॉल, शतरंज, क्रिकेट, फ्रिसबी, फुटसल, थ्रोबॉल, वॉलीबॉल और टेबल टेनिस सहित खेल की कई विधाएँ शामिल थीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम: सात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिनमें नृत्य प्रदर्शन, गायन प्रतियोगिताएँ, बैंड प्रदर्शन, फैशन-वॉक, रैप बैटल आदि शामिल थे। इन कार्यक्रमों में जेआईआईटी नोएडा, आईएमआई दिल्ली, टीएमयू, आईआईएम उदयपुर, आईआईएम अमृतसर, दीन दयाल उपाध्याय, एमडीआई गुड़गाँव, जेपी इंस्टीट्यूट नोएडा, ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज जैसे कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य प्रदर्शन, गायन प्रतियोगिताएँ, बैंड प्रदर्शन, फैशन-वॉक, रैप बैटल आदि शामिल हैं।

स्टार परफॉरमेंस : स्टार परफॉरमेंस में जाने-माने संगीतकार, हास्य कलाकार, अभिनेता या अन्य हस्तियाँ शामिल होती हैं।

अग्नित्रय XI ने ऐश किंग (गायक), निशांत तँवर (हास्य कलाकार), इग्निया (बैंड) और डीजे रेवोइक की मेजबानी की।

कार्यक्रम की तस्वीरें

26. टीम कॉर्प्स

विद्यार्थियों में विचार नेतृत्व और स्व-अधिगम को प्रोत्साहित करने के लिए, हमने दिसंबर 2024 में कॉर्पलेंस पहल शुरू की, जिसके तहत हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू जैसे प्रतिष्ठित स्रोतों से 50 से अधिक उपयोगी लेख साझा किए गए, ताकि विद्यार्थियों की वैचारिक स्पष्टता बढ़े। इसके साथ-साथ, हमने केस प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए नियमित रूप से लिंक्डइन पोस्ट प्रकाशित करना शुरू किया, जिससे मान्यता और सहकर्मी प्रेरणा की संस्कृति को बढ़ावा मिले। अब तक ऐसी 6 पोस्ट साझा की जा चुकी हैं।

पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान, विद्यार्थी क्षमता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के लिए केस प्रतियोगिताओं पर कई कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें सम्मिलित हैं:

- तुणीर साहू द्वारा रिलायंस टीयूपी 9.0
- सक्षम बिड़ला और साक्षी शर्मा द्वारा एबी इनबेव 100+ चैलेंज में महारत हासिल करना
- प्राची बिष्ट द्वारा सैमसंग एज 8.0
- किंशुल सिंघल द्वारा प्रभावी प्रस्तुतियाँ बनाना और सूचित निर्णय लेना (सर्वश्रेष्ठ से सीखें)
- रियो द्वारा केस प्रतियोगिताओं में महारत हासिल करना।

इन सत्रों ने विद्यार्थियों को विजेता प्रस्तुतियाँ तैयार करने से लेकर जटिल केस समस्याओं को हल करने तक की व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रदान कीं, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मजबूत हुई।

31 जनवरी 2025 को, हमने माइंडस्केप मैनिया आयोजित किया — एक गतिशील बिज़नेस क्विज़, जिसने प्रबंधन के प्रमुख क्षेत्रों में ज्ञान की परीक्षा ली। इस कार्यक्रम में दो रोचक चरण थे — प्रारंभिक क्विज़ राउंड और उसके बाद रणनीतिक "विलेन" राउंड, जिसमें टीमों को वास्तविक कंपनियों को चुनौती देने और उनके मॉडल को बाधित करने की रणनीति बनानी थी। 15 से अधिक टीमों की भागीदारी के साथ, इस कार्यक्रम ने आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक समस्या-समाधान को

27. टीम इम्पैक्ट

इस वर्ष, टीम इम्पैक्ट ने नागरिक भागीदारी, जनसंपर्क और सामाजिक जागरूकता पर केंद्रित कई प्रभावशाली पहलें संचालित कीं। हमने 2024 के चुनावों में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए एक सामान्य चुनाव अभियान शुरू किया। सरकारी अधिकारियों के साथ सहयोग करते हुए, हमने जागरूकता पोस्टर और रील्स तैयार किए तथा उन्हें उनके सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से साझा किया, ताकि अधिकतम दृश्यता सुनिश्चित हो सके।

प्रो. शोभा मैम के मार्गदर्शन में, हमने स्थानीय विकास निकायों के साथ सहयोग की पहल भी शुरू की, जिनमें काशीपुर विकास मंच और रोटरी क्लब काशीपुर शामिल हैं, इन संगठनों के साथ औपचारिक चर्चा अगले महीने के लिए नियोजित है।

प्राधिकरणों के साथ संचार को सुव्यवस्थित करने के लिए, हमने उत्तराखंड के छह ज़ोन—देहरादून, नैनीताल, काशीपुर, हरिद्वार, रुद्रपुर और रुड़की—में कार्यरत वर्ग 1 एवं 2 सरकारी कर्मचारियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया, जिसमें उनके पद और संपर्क विवरण शामिल हैं। साथ ही, हमने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर केंद्रित सरकारी योजनाओं का भी एक डेटाबेस विकसित किया, ताकि काशीपुर के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के अभिभावकों को लाभ मिल सके और समग्र सामाजिक विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

स्वच्छता पहल के अंतर्गत, हमने काशीपुर के प्रमुख क्षेत्रों (रेलवे स्टेशन, जेल रोड और चीमा चौराहा) में जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण किया, जिसमें अस्पतालों, स्थानीय निवासियों, विक्रेताओं और दुकानदारों से संवाद किया गया। इन निष्कर्षों के आधार पर, स्थानीय नगर पालिका के सहयोग से स्वच्छता मानकों को सुधारने हेतु लागत प्रभावी समाधान प्रस्तावित किए गए।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर, हमने जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप सभी विद्यार्थी निकायों की गतिविधियों को संकलित करते हुए एक समेकित रिपोर्ट तैयार की। इसके अतिरिक्त, हमने अपना नया लोगो भी लॉन्च किया: जिसमें सेतु, संस्थान को समाज से जोड़ने की हमारी भूमिका को दर्शाता है, पक्षी- दूरदृष्टि और नवाचार का प्रतीक हैं तथा हाथ सामुदायिक सहयोग और योगदान को दर्शाते हैं।

पूरे वर्ष हमने कई सोशल मीडिया अभियान चलाए, जिसने सड़क सुरक्षा, विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस और शून्य भेदभाव दिवस जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाकर, विद्यार्थी समुदाय को उत्तरदायित्व और सार्थकता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

28. टीम इनसाइट

हमने 2 जुलाई 2024 को इनसाइट इम्पैक्ट्स से शुरुआत की, जिसमें कैट तैयारी से लेकर आईआईएम काशीपुर में भर्ती होने तक के विद्यार्थी अनुभव (टेस्टिमोनियल) प्रस्तुत किए गए। 8 अगस्त को एमबीए इनसाइट्स ने 2023–25 बैच की एमबीए यात्रा की झलक प्रदान की। अगस्त के अंत में, हमने विभिन्न प्लेटफॉर्म पर एक कैट'24 पंजीकरण गाइड वीडियो साझा किया, जिसके बाद क्यूए, डीआईएलआर और वीएआरसी के लिए तैयारी रणनीतियों को कवर करने वाली कैट टिप्स एंड ट्रिक्स वीडियो श्रृंखला जारी की गई।

सितंबर में, हमने एक सोशल मीडिया रील (26 सितंबर) के माध्यम से क्रैककैट 2.0 लॉन्च किया, जो कैट की तैयारी में सहायता के लिए अनुभाग-वार पुस्तिकाएँ प्रदान करता है। अक्टूबर से शुरू हुए, वर्डस्मिथ अभियान ने साप्ताहिक इंस्टाग्राम कहानियों (कुल 7) के माध्यम से शब्दावली को बढ़ावा दिया। इसी अवधि में, हमने स्ट्रैट-ओ-स्फेयर को भी शुरू किया, जिसमें मॉक टेस्ट रणनीतियाँ साझा की गईं और क्विज़लेट्स नाम से 8 इंटरैक्टिव इंस्टाग्राम स्टोरीज़ जारी की गईं, जिनमें , कैट-शैली के प्रश्न और उत्तर शामिल थे।

जैसे-जैसे कैट परीक्षा नज़दीक आई, हमने इन योर साइट के माध्यम से अंतिम समय की तैयारी सुझाव दिए; एक विस्तृत 'कैट, क्या करें और क्या न करें' वीडियो जारी किया; प्रवेश पत्र घोषणाएँ साझा कीं; और परीक्षा के दिन "शुभकामनाएँ" रील पोस्ट की। कैट के बाद, हमने कैट परिणाम घोषणा भी साझा की।

जनवरी 2025 में, हमने कॉन्फैब - सिटी मीट्स का विस्तार करते हुए इसे 16 शहरों तक पहुँचाया। इसके लिए टीज़र, वेन्यू रिवील और ट्रेलर जारी किए गए, तथा 25–26 जनवरी को कॉन्फैब डेज़ 1 & 2 के साथ इसका समापन हुआ। इसी दौरान हमने एमबीए पीआई किट भी लॉन्च की और एमबीए मेंटरशिप प्रोग्राम शुरू किया, जिसके माध्यम से शैक्षणिक प्रोफाइल के आधार पर व्हाट्सऐप समूहों के जरिए 4000 से अधिक विद्यार्थियों को मेंटर्स से जोड़ा गया।

प्रवेश प्रक्रिया को और समर्थन देने हेतु, हमने पीएचडी, कार्यकारी पीएचडी और कार्यकारी एमबीए के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम पोस्टर जारी किए एवं अध्येताओं की शोध यात्राओं को प्रदर्शित करने के लिए पीएचडी स्पॉटलाइट अभियान चलाया। ईज़ी एज़ पीआई अभियान में एमबीए 1 ने साक्षात्कार के सुझाव साझा किए, जबकि काशीपुर फ्रेम्स ने बुनियादी ढाँचे से लेकर जीवनशैली तक, कैंपस विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला।

फरवरी-मार्च में, हमने पीएचडी स्पॉटलाइट, ईज़ी एज़ पीआई और नई सामग्री के साथ काशीपुर फ्रेम्स जारी रखा। हमने एमबीएए पीआई किट भी लॉन्च की और एमबीए एनालिटिक्स मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया, जिसमें पीआई शॉर्टलिस्ट के बाद 1600 से अधिक उम्मीदवारों को समर्पित मेंटरों के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया।

29. टीम टेडएक्स आईआईएम काशीपुर

टेडएक्स आईआईएम काशीपुर टीम का वर्ष जीवंत और प्रभावशाली रहा, 25 स्वयंसेवकों और 9 कोर टीम सदस्यों का उत्साही समूह इसकी मुख्य-शक्ति था। हमारी यात्रा की शुरुआत B4 ग्राउंड में आयोजित एक जोशीले थीम रिवील इवेंट से हुई, जिसने पूरे परिसर को उत्साह से भर दिया और आने वाले कार्यक्रमों के लिए मंच तैयार किया।

रुचि बनाए रखने और उत्सुकता बढ़ाने के लिए, हमने टेड-थीम आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें विद्यार्थियों को टेड की क़िस्सागोई और नवाचार की विरासत को समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विजेताओं को अमेज़न वाउचर प्राप्त हुए, जिससे इस प्रतियोगिता में और भी रोमांच आ गया।

“परिवर्तन की निरंतरता” थीम के अंतर्गत आयोजित टेडएक्स आईआईएम काशीपुर का कार्यक्रम रहा। इस प्रमुख आयोजन में नौ प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी प्रेरक कहानियाँ, अनूठे दृष्टिकोण और विचार साझा कर, विद्यार्थियों और संकाय दोनों को प्रेरित किया। वक्ताओं में सम्मिलित थे: जितेंद्र पनिहार, अमल वर्गीज़, सुमिता गोयल, अंकिता श्री, रामसिवा लिंगा, डॉ. वेंकट सुब्रमण्यम, डॉ. रक्षित सिंह, ज्योति ममगैन और सुमिता घोष। उनके विचारों ने व्यक्तिगत विकास से लेकर व्यापक प्रणालीगत परिवर्तन तक विभिन्न विषयों को स्पर्श किया, जिसने श्रोताओं पर गहरा प्रभाव छोड़ा।

रचनात्मकता, प्रतिबद्धता और साझा दृष्टि के साथ, टेडएक्स आईआईएम काशीपुर ने परिसर में “प्रसारित करने योग्य विचारों” की संस्कृति को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।

30. वित्त क्लब

इस क्लब ने पूरे वर्ष प्रगति निवेश कोष का सक्रिय रूप से प्रबंधन किया, जिसमें अनुसंधान, तथ्य-पत्रक निर्माण और व्यापारिक गतिविधियाँ सम्मिलित थीं। जून 2024 में, हमने प्रगति के लिए एक फंडरेज़िंग अभियान सफलतापूर्वक चलाया, जिसमें वर्तमान विद्यार्थियों और भूतपूर्व विद्यार्थियों दोनों की भागीदारी रही। प्रेरण प्रक्रिया के भाग के रूप में, हमने आने वाले सदस्यों के लिए एक प्रेरण कार्य का भी आयोजन किया।

जुलाई में, हमने पीयूष चिटलांगिया, सीएफए और फिनशिक्षा के संस्थापक द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया, जिन्होंने निवेश बैंकिंग, इक्विटी और क्रेडिट रिसर्च, पीई / वीसी में करियर और वित्त में आवश्यक कौशल जैसे मूल्यांकन, वित्तीय और उद्योग विश्लेषण पर प्रकाश डाला।

सितंबर में कई महत्वपूर्ण आयोजन हुए। हमने विवेक रामजी अय्यर के साथ जोखिम प्रबंधन में करियर पर एक सत्र आयोजित किया, अनस्टॉप पर 1200+ पंजीकरणों के साथ अखिल भारतीय इक्विटी अनुसंधान चुनौती आयोजित की तथा सीएफए इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर सीएफए एथिक्स चैलेंज आयोजित किया, जिसमें विद्यार्थियों ने सीएफए की आचार संहिता पर आधारित व्यावहारिक नैतिक दुविधाओं के समाधान प्रस्तुत किए।

अक्टूबर में हमने ब्रेकिंग बॉन्ड नामक दो-चरणों का अंतर-महाविद्यालय कार्यक्रम शुरू किया, जिसे कनिष्ठ टीम ने गेमिफाइड लर्निंग के माध्यम से वित्त को रोचक बनाने के लिए तैयार किया।

नवंबर में, हमने परिसर में दीर्घकालिक निवेश की आदतों को बढ़ावा देने और रिडेम्पशन की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रगति निवेश विंडो को फिर से खोला। हमने सीएफए संस्थान के निकित त्यागी द्वारा नैतिक निर्णय-निर्माण ढाँचों और पेशेवर सहयोग पर एक ज्ञान साझाकरण कार्यशाला का भी आयोजन किया।

दिसंबर में स्टॉकग्रो के सहयोग से आयोजित एक राष्ट्रीय आभासी स्टॉक ट्रेडिंग प्रतियोगिता, द सिमुलेशन चैलेंज और हेलिओस कैपिटल के संस्थापक श्री समीर अरोड़ा द्वारा एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए, जिसमें उन्होंने शेयर बाज़ार से जुड़े कालातीत सबक साझा किए।

जनवरी 2025 में हमने जीजीडीएसडी कॉलेज के लिए इक्विटी रिसर्च रिपोर्ट लेखन पर वेबिनार आयोजित कर अपनी पहुँच का विस्तार किया। अग्नित्रय XI के दौरान हमारे प्रमुख कार्यक्रम— एस्टिमेटस (केस प्रतियोगिता) और ओपन आउटक्राय (पारंपरिक बाज़ार प्रथाओं की नकल करने वाला ऑन-फ्लोर ट्रेडिंग सिमुलेशन)—सफलतापूर्वक आयोजित हुए।

फरवरी में हमने खेल समिति के साथ मिलकर हाई स्टेक्स (12 फरवरी–4 मार्च) आयोजित किया, जो काशीपुर प्रीमियर लीग पर आधारित एक पूर्वानुमानित विश्लेषण खेल था, जिसमें संभाव्यता-आधारित निर्णयों के माध्यम से खेल और वित्त का समन्वय किया गया।

मार्च में वित्त इलेक्टिव्स कार्यशाला के साथ वर्ष का समापन हुआ, जिसने विद्यार्थियों को वित्त क्षेत्र में दीर्घकालिक करियर लक्ष्यों के अनुरूप अपने ऐच्छिक विषय चुनने में मार्गदर्शन दिया।

31. साहित्यिक क्लब

साहित्यिक क्लब ने 3 जुलाई 2024 को टीएमपीसी के सहयोग से एक सोशल मीडिया अभियान के साथ अपनी पहल शुरू की, जिसमें पुस्तकों से हुए सर्वश्रेष्ठ फिल्म रूपांतरणों पर प्रकाश डाला गया। 13 अगस्त को, हमने "वॉइसेस फॉर चेंज: यूनाइटेड अगेंस्ट रैगिंग" का आयोजन किया, जो राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग सप्ताह के साथ संरेखित एक ऑफ़लाइन लेख और नारा लेखन प्रतियोगिता थी।

25 से 27 सितंबर तक, हमने आईआईएम काशीपुर में आयोजित 25वें वार्षिक आईआईएम पुस्तकालय संघ की बैठक के लिए 3-दिवसीय कार्यक्रम की होस्टिंग स्क्रिप्ट तैयार कर सहयोग प्रदान किया। इसके बाद 23 अक्टूबर को एमबीए (प्रथम वर्ष) और एमबीए (द्वितीय वर्ष) के 42 विद्यार्थियों ने संरचित वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपनी तार्किक क्षमता और संचार कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

5 नवंबर को हमने डु कोइर'24 नामक अखिल भारतीय कविता प्रतियोगिता "अनस्टॉप" पर आयोजित की, जिसमें 174 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। शीर्ष 3 कविताओं का चयन प्रो. वैभव भामोरिया द्वारा किया गया। इसके बाद 9 नवंबर को फ्रांज़ काफ्का की द मेटामोर्फोसिस पर पुस्तक समीक्षा सत्र आयोजित किया गया, जिससे आलोचनात्मक सोच और पठन संस्कृति को बढ़ावा मिला। इस साहित्यिक उत्सव को आगे बढ़ाते हुए, 10 नवंबर को बिहार के लेखकों को प्रदर्शित करते हुए, क्षेत्रीय साहित्य पर एक सोशल मीडिया अभियान चलाया गया।

हमारा लोकप्रिय ऑफ़लाइन शब्द-खेल, शब्दकोश- गेस द वर्ड चैलेंज, 21 नवंबर को आयोजित किया गया था, जिसमें 92 उत्साही प्रतिभागियों ने शब्दावली और गैर-मौखिक संचार कार्यों में भाग लिया। 25 नवंबर को, हमने जनजातीय गौरव दिवस पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों को भारत की जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

दिसंबर की शुरुआत 1 दिसंबर को हमारे ब्लॉग के लॉन्च से हुई, जिसमें एमबीए अभ्यर्थी के दृष्टिकोण से लिखा गया चिंतनात्मक लेख "हार क्या है?" प्रकाशित हुआ। 11 दिसंबर को भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया, जिसमें भाषाई विविधता पर आधारित वर्गपहेली/क्रॉसवर्ड और स्लाइडशो शामिल थे। इसके बाद वॉर ऑफ वर्ड्स नामक शब्दावली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को विकसित करना था।

हमारा प्रमुख चर्चा कार्यक्रम, परिप्रेक्ष्य, 5 जनवरी 2025 को ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जिसमें 237 पंजीकरण हुए और भू-राजनीतिक मुद्दों पर एक प्रश्नोत्तरी और जीडी आयोजित किए गए, जिसका मूल्यांकन प्रो. जगदीश साहू द्वारा किया गया था। 18 जनवरी को अभिव्यक्ति नामक राष्ट्रीय स्तर की स्पोकन वर्ड प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 600K+ संयुक्त पहुँच वाले प्रभावक शामिल हुए, जिससे संस्थान की साहित्यिक पहचान को बल मिला।

महीने का समापन करते हुए, हमने 31 जनवरी को स्पेललिट - द स्पेलिंग बी चैलेंज का आयोजन किया, जिसमें सार्वजनिक बोलने के आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हुए, दबाव में शब्दावली का परीक्षण किया गया। इस बीच, हमारी ईयरबुक 2024 परियोजना जारी है - फोटोशूट, प्रशंसापत्र और संकाय योगदान के माध्यम से बैच यादों का दस्तावेजीकरण करना ताकि एक स्थायी दीक्षांत समारोह यादगार बनाया जा सके।

32. भोजनगृह (मेस) समिति

नए बैच का स्वागत

31 जुलाई को 2024–26 बैच के लिए एक विशेष नवागंतुक रात्रि-भोज (फ्रेशर डिनर) आयोजित किया गया।

एक नई शुरुआत

जुलाई में, भोजनगृह समिति को आधिकारिक रूप से "आहार स्टूडेंट्स फाउंडेशन" नामक ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया गया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए एक विशेष पूजा और उत्सव मध्याह्न भोजन का आयोजन किया गया।

विशेष अवसर और उत्सव रात्रिभोज

पूरे वर्ष भोजनगृह समिति ने त्योहारों और समारोहों के लिए विशेष भोजन-सूची/मेनू तैयार किए:

- स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस – ठंडाई और स्नैक्स के साथ विशेष मध्याह्न भोजन।
- जन्माष्टमी और ओणम – श्रीखंड और उत्सव रात्रिभोज।
- शिक्षक दिवस – संकाय और उनके परिवारों के लिए विशेष स्नैक्स और कोल्ड कॉफी।
- ईद-ए-मिलाद-उन-नबी – क्षेत्रीय भावनाओं का सम्मान करते हुए मटन करी और अचारी पनीर।
- नवरात्रि, महाशिवरात्रि और जैन पर्युषण – व्रत-अनुकूल आहार।
- दीवाली, दशहरा, होली, हैलोवीन और क्रिसमस – थीम आधारित भोजन और उत्सवी सजावट।
- बाल दिवस – परिसर में कार्यरत निर्माण मजदूरों के बच्चों के लिए, परिवर्तन प्रकोष्ठ के सहयोग से विशेष स्नैक्स।

विशेष व्यवस्थाएँ

भोजन-सूची को रोचक बनाए रखने के लिए भोजनगृह समिति ने शुरू किए:

- थीम नाइट्स और रीजनल नाइट्स – इटालियन और इंडो-चाइनीज़ मेनू।
- एग्ज़ाम सीज़न नाइट मेस – परीक्षा की रातों में मध्य-रात्रि के स्नैक्स और चाय।
- उत्तिष्ठ'25 – कार्यक्रम के दौरान विशेष आहार/डाइनिंग अनुभव हेतु ई-सेल के साथ सहयोग।

- पोंगल और मकर संक्रांति - परंपराओं का उत्सव मनाने के लिए विशेष क्षेत्रीय मेनू।

अग्नित्रय विशेष भोजन

अग्नित्रय के दौरान भोजनगृह समिति ने, तीन दिनों तक विशेष भोजन अनुभव आयोजित किए, जिसमें एक सुंदर सजावट वाले भोजनगृह में विद्यार्थियों, संकाय और कर्मचारियों को एक साथ लाकर यह आयोजन यादगार बना।

कर्मचारी प्रशंसा दिवस

हमारे भोजनगृह कर्मचारियों की समर्पित सेवा और मेहनत का सम्मान करने के लिए समिति ने एक विशेष प्रशंसा दिवस आयोजित किया, जिसमें होटल आउटिंग रखी गई और पूरे वर्ष ताज़ा व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उनके अथक प्रयासों का उत्सव मनाया गया।

नेसकैफ़े बेवरेज वेंडिंग मशीन

एक नेस्केफे वेंडिंग मशीन स्थापित की गई, जिससे विद्यार्थियों को किफायती कीमतों पर गर्म कॉफी और लेमन टी आसानी से उपलब्ध हो सके, जिससे ताज़ा पेय पदार्थों तक आसान पहुँच सुनिश्चित हो।

विदाई रात्रिभोज

2023–25 बैच के लिए एक विशेष विदाई रात्रिभोज आयोजित किया गया, जिसमें आकर्षक सजावट, संगीत और सजगतापूर्वक तैयार की गई भोजन-सूची के साथ उन्हें यादगार विदाई दी गई।

33. द मोशन पिक्चर क्लब

मोशन पिक्चर क्लब का वर्ष अत्यंत जीवंत और सहभागितापूर्ण रहा, जिसमें विभिन्न स्क्रीनिंग, प्रतियोगिताएँ और कार्यक्रम शामिल रहे, जिन्होंने परिसर जीवन में मनोरंजन और सांस्कृतिक समृद्धि जोड़ी। अगस्त 2024 में, हमने एंटी-रैगिंग वीक और राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के भाग के रूप में दो विशेष स्क्रीनिंग आयोजित कीं। हमारी प्रमुख प्रतियोगिताओं में, प्रबन्ध (अक्टूबर) "अनस्टॉप" पर एक ऑनलाइन लेख लेखन प्रतियोगिता थी, जिसे 17,000+ इम्प्रेशन्स तथा 300+ पंजीकरण प्राप्त हुए। जनवरी में 1,645+ इंप्रेशन और 70+ प्रतिभागियों के साथ एक पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, अदला-बदली; अग्नित्रय के दौरान 837+ इंप्रेशन के साथ एक मूवी क्विज़, सिनेफाइल कोनुंड्रम्स; और 920+ इंप्रेशन के साथ एक लघु फिल्म प्रतियोगिता, फिल्म फोरिया आयोजित किए गए। फरवरी में, हमने सिस्टम हैंग, क्विज़ और क्रॉसवर्ड के साथ एक मजेदार मूवी-आधारित कार्यक्रम और सरकार द्वारा अनिवार्य एक शैक्षिक स्क्रीनिंग-"परीक्षा पे चर्चा" आयोजित की।

हमारी फिल्म और मैच स्क्रीनिंग में लगातार विद्यार्थियों की भागीदारी रही। हमने 29 जून को विश्व कप टी 20 फाइनल के साथ शुरुआत की (90+ उपस्थित लोग), इसके बाद यूरो 2024 मैच, डेडपूल और वूल्वरिन (जुलाई), ड्यून 2 और आवेशम (अगस्त), भूल भुलैया, रेडी ऑर नॉट और हैलोवीन और सहयोग स्क्रीनिंग अक्टूबर में। नवंबर के मुख्य आकर्षण में लैला मजनू, एफ 1 लास वेगास जीपी और परिवर्तन सेल के साथ बाल दिवस स्क्रीनिंग (80+ उपस्थिति) शामिल रहे। दिसंबर में इंटरस्टेलर की 10वीं वर्षगांठ और क्रिसमस पर द पोलर एक्सप्रेस प्रदर्शित की गई। 2025 की शुरुआत में, हमने तीस मार खान, ऑल वी इमेजिन एज़ लाइट, गॉडज़िल्ला एक्स काँग और भारत बनाम पाकिस्तान तथा भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मैचों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें सामान्यतः 50–70 दर्शक उपस्थित रहे।

सिनेमा क्लासिक्स से लेकर खेल प्रसारण और राष्ट्रीय उत्सवों तक, क्लब यादगार अनुभव बनाने में पूरे वर्ष सक्रिय रहा। इन प्रयासों ने परिसर में एक मजबूत सांस्कृतिक उपस्थिति को बढ़ावा दिया है, जिसने विद्यार्थियों को अकादमिक जीवन से परे एक रोचक मंच प्रदान किया और फिल्मों व कहानी-कथन के साझा प्रेम के माध्यम से समुदाय को एकजुट किया।

34. टाइटन - आईटी और एनालिटिक्स क्लब

टाइटन ने वर्ष की शुरुआत 2 जुलाई 2024 से तकनीक-केन्द्रित जागरूकता पोस्टों के साथ की, जिनमें सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी एवं एआई, एक्सेल, ओलंपिक्स में एनालिटिक्स तथा बायोटेक्नोलॉजी एवं एआई जैसे विषय शामिल थे। 8 अगस्त को हमने फैक्ट-ओ-रियल नामक अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें 1,165 टीमों ने भाग लिया, इसके बाद 1 सितंबर को हमारा पहला न्यूज़लेटर जारी किया गया। 8 सितंबर को हमने टेक जार्गन्स तथा 25 सितंबर को माइक्रोसॉफ्ट फैब्रिक पर पोस्ट के साथ विचार नेतृत्व जारी रखा। 14 सितंबर को व्यापार सांख्यिकी पर एक ज्ञान साझाकरण सत्र (केएसएस) आयोजित किया गया।

क्विज़नालिटिक्स 4.0, एक इंट्रा-कॉलेज एनालिटिक्स क्विज़, 7 अक्टूबर को आयोजित हुई, जिसमें विद्यार्थियों के आईटी और एनालिटिक्स के बारे में जानकारी का परीक्षण किया गया, इसके बाद 27 अक्टूबर को ब्रेनडेयर 6.0 आयोजित किया गया, जिसने प्रतिभागियों के एक्सेल और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन कौशल को सुदृढ़ किया। हमने अनपैकिंग डुओलिंगो (18 अक्टूबर), सस्टेनेबल दिवाली (31 अक्टूबर) और प्रोजेक्ट कुइपर (1 नवंबर) पर भी पोस्ट साझा किए।

सर्वाइवल रूम 2.0, एक रणनीति-आधारित समस्या-समाधान कार्यक्रम, 23 नवंबर को आयोजित किया गया और दूसरा केएसएस - बिजनेस एनालिटिक्स का परिचय - 14 दिसंबर को हुआ। हमने प्रॉड एण्ड सीक, एक प्रोडक्ट स्ट्रैटेजी ट्रेज़र हंट (8-9 दिसंबर) और 15 दिसंबर को केओईडी के सहयोग से अखिल भारतीय केस प्रतियोगिता डेटाज़ोइड्स 3.0 की मेज़बानी की। हमारे दिसंबर के न्यूज़लेटर में फास्ट फैशन के पीछे का रहस्य और एसएपी बिजनेस ऑब्जेक्ट्स पर लेख शामिल थे।

जनवरी में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुए: डैशबोर्ड वॉर्स 4.0 (9 जनवरी) में प्रतिभागियों का डेटा विज़ुअलाइज़ेशन पर परीक्षण किया गया, इसके बाद 806 प्रतिभागियों के साथ एक एसक्यूएल कार्यशाला (11 जनवरी) और कोहेरेंस 6.0 (19 जनवरी) आयोजित की गई, जो अग्नित्रय के अंतर्गत हमारा प्रमुख कार्यक्रम था, जिसमें 576 पंजीकरण प्राप्त हुए। हमने 2025 कंटेंट की शुरुआत जेनरेटिव एआई (1 जनवरी) और फिनैकल के माध्यम से डिजिटल बैंकिंग (1 फरवरी) पर एक न्यूज़लेटर के साथ की।

डेटासाइट्स 6.0, एक और प्रमुख अखिल भारतीय विश्लेषण प्रतियोगिता, 23 फरवरी को आयोजित की गई, जिसमें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने में 610 प्रतिभागियों ने भाग लिया। हमने एनएलपी में ट्रांसफॉर्मर मॉडल को कवर करने वाले मार्च न्यूज़लेटर के साथ शैक्षणिक वर्ष का समापन किया।

आयोजन के अलावा, विद्यार्थियों को उद्योग-तत्पर कौशल प्रदान करने के लिए, केओईडी के साथ साझेदारी के माध्यम से आईटी और उत्पाद प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किए गए। मासिक न्यूज़लेटर और नियमित ज्ञानवर्धक पोस्ट पूरे वर्ष तकनीकी रुझानों और विश्लेषण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख चैनल बने रहे।

35. कल्याण समन्वयक।

हमने 29-30 जून 2024 को टीम इनसाइट के सहयोग से आयोजित 'आपका दोस्त अभिविन्यास सत्र' के साथ शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत की। सुश्री यशिका, योर-दोस्त (YourDOST) में ग्राहक सफलता प्रबंधक, ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों से परिचित कराया और एक आकर्षक 'व्हील ऑफ हैप्पीनेस (खुशी का पहिया)' गतिविधि का आयोजन किया।

31 अगस्त को, हमने कल्याण केंद्र (वेलनेस सेंटर) में परिवर्तन प्रकोष्ठ और भारत विकास परिषद के सहयोग से एक रक्तदान अभियान का आयोजन किया, जिसमें सामुदायिक उत्तरदायित्व और सामाजिक कारकों में विद्यार्थी भागीदारी को बढ़ावा दिया गया।

तनाव-मुक्ति पहलों के भाग के रूप में, हमने 11 नवंबर को इन्क्विजिशन 3.0 – काबूम (KABOOM) का आयोजन किया, जिसमें 39 टीमों की भागीदारी एवं 4500 रुपये की पुरस्कार राशि के साथ खेल और पहेलियाँ संयोजित थीं। फिटनेस क्षेत्र में, 'मिस्टर एवं मिस' फिटनेस 2024 का आयोजन 4 दिसंबर को किया गया था, जहाँ 40 विद्यार्थियों ने उच्च तीव्रता वाली चुनौतियों में प्रतिस्पर्धा की एवं अपनी शारीरिक शक्ति और सहनशक्ति का प्रदर्शन किया, इसमें पुरस्कार राशि ₹5000 थी।

निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति अपनी वचनबद्धता में, हमने महिला विद्यार्थियों के लिए सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान चलाया, इसकी पहली खुराक जनवरी 2025 में और दूसरी खुराक मार्च में दी गई एवं एचपीवी की रोकथाम के बारे में पूर्ण सुरक्षा और जागरूकता सुनिश्चित की।

सुलभ स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता को चिन्हित करते हुए, हमने 1 फरवरी से फार्मेसी विक्रेता में बदलाव की सुविधा प्रदान की, जिससे दवाओं पर विद्यार्थियों को दी जाने वाली छूट 12% से बढ़ाकर 18% हो गई। इस कदम ने आवश्यक दवाओं की प्राप्यता और उस तक पहुँच को सुगम बनाया।

23 फरवरी को उत्तिष्ठ 2025 के दौरान, हमने किसी भी तात्कालिक स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने के लिए एक चिकित्सा सहायता स्टॉल स्थापित किया। एक पूर्ण रूप से उपकरणीकृत टीम, प्राथमिक चिकित्सा संसाधन और एक एम्बुलेंस की हर समय उपलब्धता ने सभी जरूरतमंदों/उपस्थित लोगों के लिए त्वरित और प्रभावी देखभाल सुनिश्चित की।

जून 2024 से मार्च 2025 तक, हमारी टीम ने परिसर में कई आपातकालीन चिकित्सा मामलों को प्रभावी ढँग से संभाला है - गंभीर बीमारियों से लेकर दुर्घटनाओं तक - समय पर प्रतिक्रिया और देखभाल सुनिश्चित की है। हमारे समर्पित प्रयासों ने आईआईएम काशीपुर में एक सुरक्षित, सहायक और स्वास्थ्य-प्राथमिक वातावरण को सुदृढ़ किया है।

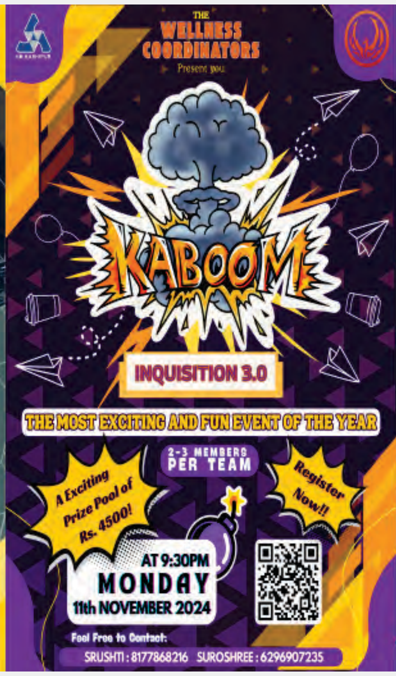

36. एक्सटैटिक - द डांस क्लब

"जब आप नृत्य करते हैं, तो आप आप होने के विलासिता का आनंद ले सकते हैं।" – पाउलो कोएल्हो। एक्सटैटिक में, हम मानते हैं कि नृत्य केवल गतिशीलता नहीं बल्कि इससे कुछ अधिक है - यह स्वतंत्रता, आनंद और अभिव्यक्ति है। एमबीए के कठिन जीवन के बीच, एक्सटैटिक एक रचनात्मक पलायन प्रदान करता है जहाँ लय और भावनाओं का संगम होता है। हम केवल एक नृत्य समिति नहीं हैं; हम उत्साही कलाकारों का एक समुदाय हैं जो हर धड़कन में जीवन भर देते हैं।

हमारा प्रमुख कार्यक्रम, छोटे मियाँ बड़े मियाँ, प्रति टीम एक कनिष्ठ और एक वरिष्ठ के नृत्य युगल के माध्यम से बैचों के बीच सौहार्द को बढ़ावा देता है। डांज़ा डे पेपेल, एक रोचक पेपर डांस चुनौती, ने हल्के-फुल्के माहौल में दबाव के बीच टीम वर्क को सामने लाया। प्रोक्स में, नर्तकों ने कहानी कहने और कोरियोग्राफी की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए टोपी, रिबन और कुर्सियों जैसे प्रॉप्स का नवीन रूप से उपयोग किया। सभी के लिए नृत्य को सुलभ बनाने के लिए, हमने गरबा, साल्सा और भाँगड़ा कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसने विद्यार्थियों को कुछ नया करने और मंच पर आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अग्नित्रय XI के भाग के रूप में, हमने अनस्टॉप पर आयोजित इग्नाइट द रिदम, एक अंतर-महाविद्यालय एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसने कलाकारों को अपनी गतिशीलता के माध्यम से व्यक्तित्व और रचनात्मकता का प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया।

एक्सटैटिक ने विभिन्न आयोजनों में अपनी ऊर्जावान प्रस्तुतियों से रंग भरा। हमने ओणम उत्सव के दौरान और खेल समिति के सहयोग से प्रारंभ 8.0 और संग्राम 8.0 के उद्घाटन और समापन समारोहों में प्रदर्शन किया। अग्नित्रय में, हमने उद्घाटन समारोह को रोशन किया और समूह नृत्य प्रतियोगिता सिनर्जी में भी भाग लिया।

उत्तिष्ठ'25 में ई-सेल के सहयोग से किया गया हमारा फ्लैश मॉब दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा, जिसने नृत्य को उद्यमिता की ऊर्जा के साथ जोड़ा। हमें इमैकुलेट 3.0 में आईआईएम काशीपुर के कर्मचारियों का सम्मान एक जीवंत प्रस्तुति के माध्यम से करने पर गर्व हुआ और स्पेक्ट्रम द्वारा आयोजित पखवाड़ा में हमने अपने प्रभावशाली अभिनय से लैंगिक हिंसा के विरुद्ध सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया। हमने गणतंत्र दिवस पर एकता और सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मनाते हुए एक उत्साही प्रदर्शन के साथ समापन किया।

बी एक्सटैटिक. स्टे एक्सटैटिक. (उत्साही हो। उत्साही रहो।) नृत्य हमारी भाषा है-और हम इसे जुनून के साथ बोलते हैं।

कॉर्पोरेट केस प्रतियोगिताएँ

प्रतियोगिता का नाम	संगठन का नाम	टीम का नाम	टीम नेतृत्वकर्ता का नाम	वर्तमान स्थिति
एबी इनबेव 100+ चैलेंज 2024	एबी इनबेव	द फास्ट लेन	वैभव मिश्रा	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
एबी इनबेव 100+ चैलेंज 2024	एबी इनबेव	स्किपर्सटीम	संजना सिन्हा	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
ब्लिंक्सब्रेनथॉन: द प्रोडक्ट इनोवेशन चैलेंज	ब्लिंक्स	कॉस्मिक पेगासस	मेघा सिंह पँवार	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
बोल्डफिट एक्स पिकल बॉल मार्केट डिस्ट्रप्शन चैलेंज 2024	बोल्डफिट	पिकलैफ्ट	मैरी एस मेलना	राष्ट्रीय विजेता
केओटिक्स केस काम्पिटिशन	केओटिक्स.एआई	नमन परीक	नमन परीक	राष्ट्रीय उपविजेता
कोलगेट ट्रैन्सेन्ड: सप्लाई चेन ट्रैक	कोलगेट पॉमोलिव	चेनब्रेकर्स	गर्वित गुप्ता	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
डेटा डीएनए चैलेंज	ओनिक्स डेटा (यू के)	अजय कंबोज	अजय कंबोज	अंतर्राष्ट्रीय विजेता
फ्लिपकार्ट वायर्ड 8.0	फ्लिपकार्ट	टीम अनिंद्य.एमबीए23154	अनिंद्य सरकार	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
फ्लिपकार्ट वायर्ड 8.0	फ्लिपकार्ट	आशुतोष.एमबीए24011	आशुतोष साहू	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
ग्रैड – गैल्डेरमा राईज़िंग अचीवर्स इन डर्मेटोलॉजी	गैल्डेरमा	टीम सी वुल्व्स	नग़मा फ़िरदौस	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
हाइवमाईन्ड्स: द स्ट्रैटिजी कान्क्वेस्ट एस 1	हाइवमाईन्ड्स:द स्ट्रैटिजी कान्क्वेस्ट एस 2	जय.एमबीए24191	जय मेहता	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फेम 4.0	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	कॉर्पोरेट चाणक्य	अथर्व अतुल ढोकटे	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फेम 4.0	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	प्रॉफ़िट मेवरिक्स	याशिका बाली	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फेम 4.0	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	टीम वेन्जन्स	अवनी सिंह	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फेम 4.0	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	द फाल्कन्स	सीरत सैनी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
मेक योर ओन मार्स, अ रीटेल स्ट्रैटिजी काम्पिटिशन	आईआईएम बैंगलोर	अनूप.एमबीए24008	अनूप मंगवानी	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट

नेशन बिल्डिंग केस स्टडी प्रतियोगिता	नेशन विद नमो	टीम मिरेकल	प्रज्ञा अग्रवाल	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
पेप्सिको | लर्न टुडे गिव टुमारो चैलेंज	पेप्सिको	सटीम आईडी:26435767	एस निवेधा	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
पीडब्ल्यूसी चैलेंज 6.0	पीडब्ल्यूसी	ट्रायपॉड	वैभव जयपुरकर	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
स्टील-ए-थॉन सीज़न 11	टाटा स्टील	आयरन इंटेलेक्ट	निसचिथ बेतागेरी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
स्टील-ए-थॉन सीज़न 11	टाटा स्टील	रोलर	मेहुल गज्जर	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सुन त्ज़ू	एवलॉन कंसल्टिंग	मास्टर सुन	ऋतुपर्णा साहा	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सुन त्ज़ू	एवलॉन कंसल्टिंग	टीम कॉस्मिक पेगासस	मेघा सिंह पँवार	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सुन त्ज़ू	एवलॉन कंसल्टिंग	टीम बिजनेस वॉरियर्स	काव्या विजय कनन	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सुन त्ज़ू	एवलॉन कंसल्टिंग	ट्रायपॉड	मानस बी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सस्टैन-ए-थॉन 2024: सस्टैनबिलिटी हैकथॉन	आईओसीएल	सवाना	गगन अग्रवाल	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सस्टैन-ए-थॉन 2024: सस्टैनबिलिटी हैकथॉन	आईओसीएल	सस्टैनर्स	तमिलरसी एस	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सस्टैन-ए-थॉन 2024: सस्टैनबिलिटी हैकथॉन	आईओसीएल	टीम स्ट्रैटिजी	लीना रोज़ राजू	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टैलन्टिड सारेगामा	सारेगामा	संग्राम	नग़मा फ़िरदौस	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
द सोशल समुराई: मार्केटिंग केस काम्पिटिशन	रेज़ो.एआई	जी टाउन मेट्स	नमन परीक	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
टीवीएस क्रेडिट ई.पी.आई. 6.0 (आईटी चैलेंज)	टीवीएस क्रेडिट	कोड टाइटन्स	एस निवेधा	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
वी गार्ड बिग डेटा बिज़नेस प्लान कॉन्टेस्ट 2024	वी-गार्ड	ईको विजनरीज़	याशी गुप्ता	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
वी गार्ड बिग डेटा बिज़नेस प्लान कॉन्टेस्ट 2024	वी-गार्ड	टीम वीएनए	आरज़ू कश्यप	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट

एडीशाओमी 2.0	शाओमी	इलेक्ट्रिफायर्स	उमा यशस्विनी	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
वी गार्ड बिग आईडिया बिज़नेस प्लान कॉन्टेस्ट 2024	वी गार्ड	छपान	अनंत राज	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
वी गार्ड बिग आईडिया' 2024	वी गार्ड	धोत्रे.एमबीए24020	विनायक धोत्रे	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
टीवीएस क्रेडिट ई.पी.आई.सी. 6.0 एनालिटिक्स ट्रैक	टीवीएस क्रेडिट	हिट स्क्वाड	दीपेश सिंघल	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
द गवर्नेंस चैलेंज 2024	समग्र	टीम प्रभाव	आशीष फिनने जककुल	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
रिलायंस रीटेल- द आईडिया बज़	रिलायंस रीटेल	द हाइजेनबर्ग इनोवेटर्स	उत्कर्ष ओझा	राष्ट्रीय विजेता
रेबेल फूड्स' ईटश्योर क्लाउड 2024	रेबेल फूड्स	मेवरिक्स	ऋद्धि म्हात्रे	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सैमसंग ई.डी.जी.ई. 9.0	सैमसंग इंडिया	क्यूबिकल स्फियर	निमित्या फाल्के	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सैमसंग ई.डी.जी.ई. 9.0	सैमसंग इंडिया	टेक विजार्ड्स	निश्चित बेतागेरी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
सैमसंग ई.डी.जी.ई. 9.0	सैमसंग इंडिया	अचीवर्स	पल्लवी राठी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
रेबेल फूड्स' ईटश्योर क्लाउड 2024	रेबेल फूड्स	टीम एवी	विनायक धोत्रे	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
जीएसके ई-क्यूब 2024	जीएसके	मेराकी	अक्षर ठक्कर	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज	टाटा	यश कुलकर्णी	यश कुलकर्णी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
ट्रेंडसेटर 3.0	डी एस ग्रुप	एरीज	सुशील वैद्य	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
अर्थभेदम 4.0	लीवरेज्ड ग्रोथ	टीम नोटबुक	अजय कंबोज	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
अर्थभेदम 4.0	लीवरेज्ड ग्रोथ	कॉस्मिक पेगासस	मेघा सिंह पँवार	राष्ट्रीय विजेता
हाइवमाईन्ड्स: द स्ट्रैटिजी कान्क्वेस्ट एस 1	हाइवमाईन्ड्स: द स्ट्रैटिजी कान्क्वेस्ट एस 1	रूपाली.एमबीए24119	रूपाली रौत	राष्ट्रीय विजेता
एक्सेंचर इनोवेशन चैलेंज 2024	एक्सेंचर	टीम प्लानेट	आकाश गौतम	राष्ट्रीय द्वितीय उप-विजेता
रिलायंस टीयूपी, सीज़न X	रिलायंस	टीम वी	सोनी बेनी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)

एडीशाओमी 2.0	शाओमी	-	शुभोजित रे	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	-	सिमरन	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	-	श्रेय गुप्ता	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	-	हसन रुस्तमरेयन	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	-	रजत सैनी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	-	नितिन बाबू के	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	-	लविष सैनी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	-	अनीश चैटर्जी	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
श्नाइडर इलेक्ट्रिक वॉल्ट सीज़न 1	श्नाइडर इलेक्ट्रिक	-	बोगा वामशी कृष्णा	राष्ट्रीय विजेता
श्नाइडर इलेक्ट्रिक वॉल्ट सीज़न 1	श्नाइडर इलेक्ट्रिक	इलेक्ट्रॉन	ऋतुपर्णा साहा	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
टाटा इमैजिनेशन चैलेंज 2024	टाटा	ऑल स्टार्स	विनायक धोत्रे	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
नेस्ट	नोवर्टिस	टीम अलकेमिस्ट्स – केएसपी	काव्या विजय कनन	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
नेस्ट	नोवर्टिस	टीम सी वुल्व्स	नग़मा फ़िरदौस	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
नेस्ट- नरचरिंग एक्सीलेंस, स्ट्रेंथनिंग टैलेंट	नोवर्टिस	नेस्टफ़िट	निखिल कुमार	राष्ट्रीय उप-विजेता
मोंडेलेज़ मेस्टरोस 2024- कमर्शियल ट्रैक	मोंडेलेज	आईआईएम केएसपी_प्लानेट	आकाश गौतम	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)
एचपीसीएल-एचपी पावरलैब: आइडियाज़ फॉर विकसित भारत	एचपीसीएल	पेट्रोल पायरेट्स	अफ़शाँ अली	राष्ट्रीय (सेमी फाइनलिस्ट)

बी-स्कूल केस प्रतियोगिताएँ

प्रतियोगिता का नाम	संगठन का नाम	टीम का नाम	टीम नेतृत्वकर्ता का नाम	वर्तमान स्थिति
हेडहंटर्स	आईआईएम इंदौर	नेक्सस	पूर्वा सिंह	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
टैक्ट-4-ऑप्स	एससीएचएमआरडी	टीम सी वुल्व्स	नग़मा फ़िरदौस	राष्ट्रीय उप-विजेता
एपिस्टेम 2024	श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स	टीम इन्फर्नो	नग़मा फ़िरदौस	राष्ट्रीय उप-विजेता
स्ट्रैटिजी एक्स 2024	एनआईटी, सूरत	टीम सी वुल्व्स	नग़मा फ़िरदौस	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
द सोशिओ समर ॥ वॉयस फॉर चेंज ॥ आर्टिकल राइटिंग	आईआईटी भुबनेश्वर		कृतिका वाघ	राष्ट्रीय उप-विजेता
ऑप्स-वाइज़ 12.0	आईआईएम त्रिची	डबल इम्पैक्ट	ऋद्धि म्हात्रे	राष्ट्रीय विजेता
कैश कनन्ड्रम	आईआईएम बैंगलोर	टीएफएफ	एसके आरिफ़ अहमद	राष्ट्रीय उप-विजेता
फार्मिनोवेट	आईआईटी भुबनेश्वर	टीम एआई	शुभोजित रे	राष्ट्रीय विजेता
कान्सेप्ट-ओ-मेनिया	आईआईएम रायपुर	टीम काशीपुर	सुशांतो बोस	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
फैक्ट-ओ-रियल	आईआईएम काशीपुर	टॉरस	अजय प्रथप	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
सिद्धि एच आर केस काम्पिटिशन	आईआईएम काशीपुर	जी टाउन मेट्स	अनुषी जैन	राष्ट्रीय विजेता
प्रभाव 5.0	आईआईएम नागपूर	एच आर मेवरिक्स	याशिका बाली	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
इंफोग्राफिक्स काम्पिटिशन	आईआईएम काशीपुर	इन्फो मेवरिक्स	याशिका बाली	राष्ट्रीय विजेता
बिऑन्ड द ग्लास सीलिंग: एडवानसिंग वुमन इंटू सी-सुइट रोल्स	आईआईएम कलकत्ता	टीम वेलोसिटी	आयुष जायसवाल	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
कुरुक्षेत्र '24	एफओआरई स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	द थर्ड फ्लोर	सोनिया चौहान	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट

कॉनसिलियम- द कॅन्सलटिंग केस काम्पिटिशन	आईआईएम इंदौर	रिज़िल्यन्ट बिगनर्स	सौम्या कंसल	राष्ट्रीय विजेता
लेज़रफोकस	मास्टर्स यूनियन	कॉस्मिक पेगासए	मेघा सिंह	राष्ट्रीय उप-विजेता

आंतरिक शिकायत समिति

आईआईएम काशीपुर सहभागी और अनुकूल कार्यस्थल बनाने के अपने संकल्प के तहत यौन एवं कार्यस्थल पर उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता नीति का पालन करता है। आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), 'महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013' के दिशानिर्देशों के अनुसार, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसी भी कर्मचारी को जाति, धर्म, लिंग, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता आदि के कारण समान अवसर से वंचित न किया जाए। इस नीति के अंतर्गत आईआईएम काशीपुर के सभी पुरुष और महिला सदस्यों (स्थायी, अस्थायी, संविदा आधारित एवं प्रशिक्षु), साथ ही संस्थान के कार्यालय परिसर में आने वाले सभी बाहरी व्यक्तियों/सेवा प्रदाताओं को सम्मिलित किया गया है। सभी कर्मचारियों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता है ताकि शारीरिक, मौखिक या मानसिक यौन उत्पीड़न से मुक्त कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। इस प्रयास के तहत, संस्थान ने नवागंतुक स्वागत एवं परिचय कार्यक्रम (इंडक्शन एवं ओरिएंटेशन प्रोग्राम) 2024 में अपने नए समुदाय सदस्यों—एमबीए,एमबीएए (एनालिटिक्स) और पीएचडी विद्यार्थियों के लिए यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH) जागरूकता और संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका संचालन 'लॉ क्यूबेटर' के सहयोग से किया गया। इसके साथ ही आईसीसी, आईआईएम काशीपुर ने जुलाई 2025 में अपने सभी कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों के लिए यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH) जागरूकता एवं संवेदनशीलता प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना बनाई है, जिसे प्रशिक्षित POSH प्रशिक्षकों द्वारा संचालित किया जाएगा। शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में, आईसीसी ने POSH अधिनियम, 2013 के दिशानिर्देशों के अनुसार पूर्ण ईमानदारी एवं गोपनीयता के साथ, सभी प्राप्त ईमेल और शिकायतों का निराकरण एवं आवश्यक जाँच-पड़ताल की।

निर्माण विभाग

वित्तीय वर्ष 2023–2024 में, हमारे प्रतिष्ठित संस्थान ने कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए रहने एवं कार्य करने की सुविधाओं को उन्नत बनाने के उद्देश्य से कई अवसंरचना परियोजनाएँ प्रारंभ कीं। इनमें एक नई संकाय आवासीय इमारत का निर्माण सम्मिलित है, जिसमें कुल 24 फ्लैटों की क्षमता होगी। यह परियोजना अपने अंतिम चरण में है और जुलाई 2025 के अंत तक आवंटन के लिए तैयार होने की संभावना है।

वित्तीय वर्ष 2024–2025 में, संस्थान ने प्लॉट-2 के लिए बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) के निर्माण कार्य की भी शुरुआत की, जो अब सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है।

संकाय निवास

भर्तियाँ

क. नवनियुक्त संकाय सदस्य :

नाम	पद वित्त	वर्ष
प्रो. बेन कृष्णा एम यू	सहायक प्राध्यापक (ग्रेड II)	2024-25
प्रो. थसनी टी	सहायक प्राध्यापक (ग्रेड II)	2024-25

ख. नवनियुक्त कर्मचारी :

नाम	पद वित्त	वर्ष
कर्नल अजय कुमार उपाध्याय	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	2024-25
श्री मनीष कुमार शर्मा	प्रशासनिक अधिकारी	2024-25
श्री रवि किरण कुने	प्रशासनिक सहायक	2024-25
श्री मनीष कुमार शर्मा	प्रशासनिक सहायक	2024-25
श्री जीतपाल सिंह	प्रशासनिक सहायक	2024-25
श्री मयंक कुमार	प्रशासनिक सहायक	2024-25
श्री रंजन पांडे	प्रशासनिक सहायक	2024-25
श्री दीपक घिल्डियाल	प्रशासनिक सहायक	2024-25

मीडिया एवं जनसंपर्क समिति (MPRC)

मीडिया एवं जनसंपर्क समिति (MPRC) आईआईएम काशीपुर की रणनीतिक संचार एवं ब्रांडिंग टीम के रूप में कार्य करती है। इसे सभी हितधारक समूहों, संभावित विद्यार्थियों, कॉर्पोरेट साझेदारों, मीडिया, भूतपूर्व विद्यार्थियों और आम जनता के बीच संस्थान की सामाजिक छवि को आकार देने एवं प्रबंधन करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। मूल रूप से, एमपीआरसी (MPRC) टीम प्रभावशाली कहानी कहने और लक्षित आउटरीच के माध्यम से संस्थान की उपलब्धियों, पहलों और विचार नेतृत्व को बढ़ावा देकर आईआईएम काशीपुर की ब्रांड इक्विटी को सशक्त और उन्नत करने के लिए कार्य करती है।

मुख्य उत्तरदायित्व:

1- **सोशल मीडिया मैनेजमेंट**:- यह समिति आईआईएम काशीपुर के सभी आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की देखरेख करती है। यह सार्वजनिक भावनाओं की निगरानी करते हुए रोचक सामग्री प्रबंधित करती है, बनाती है और साझा करती है एवं समुदाय की सहभागिता को सशक्त बनाती है। वास्तविक समय अद्यतन (रीयल टाइम अपडेट), रणनीतिक अभियान और प्रभावक (इन्फ्लुएंस) सहयोग के माध्यम से, समिति यह सुनिश्चित करती है कि संस्थान की डिजिटल उपस्थिति गतिशील, प्रासंगिक और उसके ब्रांड मूल्यों के अनुरूप हो।

2- **मीडिया संबंध और रणनीतिक आउटरीच**:- एमपीआरसी (MPRC) संस्थान की प्रमुख पहलों और कार्यक्रमों के लिए सभी संचार प्रयासों का नेतृत्व करता है। प्रेस विज्ञप्तियों के मसौदे तैयार करने और उनके प्रसार से लेकर इकनॉमिक टाइम्स, टाइम्स ऑफ़ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, द इंडियन एक्सप्रेस, दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण और अमर उजाला आदि जैसे राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मीडिया हाउसों के साथ समन्वय करने तक, यह समिति डिजिटल और प्रिंट दोनों माध्यमों में समय पर तथा प्रभावशाली कवरेज सुनिश्चित करती है। यह उच्च-स्तरीय कैंपस आयोजनों के दौरान मीडिया उपस्थिति और टीवी कवरेज का भी प्रबंधन करती है।

3- **कंटेंट क्रिएशन और डिजिटल स्टोरीटेलिंग**:- आकर्षक कथानकों का निर्माण, समिति के लक्ष्यों का एक केंद्रीय हिस्सा है। इसके अंतर्गत फीचर लेखन, चलचित्रों की पटकथा लेखन एवं संपादन, शॉर्ट फ़िल्मों का निर्माण तथा ऐसे मल्टीमीडिया अभियानों की शुरुआत सम्मिलित है, जो आईआईएम काशीपुर की जीवंत संस्कृति और शैक्षणिक भावना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हैं। विचार-निर्माण से लेकर अंतिम प्रारूप तक सभी रचनात्मक प्रक्रियाएँ निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आंतरिक रूप से निष्पादित की जाती हैं।

4- **वेबसाइट और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर**:- यह समिति आईआईएम काशीपुर की आधिकारिक वेबसाइट के अपडेट्स के प्रबंधन और पठन सामग्री के संवर्धन में भी सहयोग करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वेबसाइट उपयोगकर्ता-अनुकूल और दृश्यात्मक रूप से सुसंगत प्रारूप में संस्थान की उपलब्धियों, आगामी आयोजनों तथा विकसित होते शैक्षणिक परिवेश को प्रतिबिंबित करे।

5- **संकट संचार और प्रतिष्ठा प्रबंधन**: विकट स्थितियों में, एमपीआरसी एकीकृत, पारदर्शी और मूल्य-आधारित संचार स्थापित करने में सहायता करती है। यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी बाह्य संदेश यथासमय, संवेदनात्मक और रणनीतिक रूप से संरेखित हों, यह समिति संस्थान की प्रतिष्ठा का संरक्षण करती है।

गतिविधियाँ/कार्यक्रम:-

1- शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान आईआईएम काशीपुर में आयोजित सभी प्रमुख कार्यक्रमों की कवरेज।

2- 'समन्वय', 'एमईआरसी (MERC) 2024', 'मंथन' एवं अन्य जैसे विभिन्न कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों तथा व्याख्यानों का स्वाभाविक प्रचार।

3- आईआईएम काशीपुर वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पठन सामग्री का नियमित प्रबंधन एवं अद्यतन करना।

4- उत्तिष्ठ, अग्नित्रय और टेडएक्स (TEDx) आदि जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के लिए डिजिटल अभियान चलाना और कंटेंट बनाना।

मीडिया प्रमुख झलकियाँ

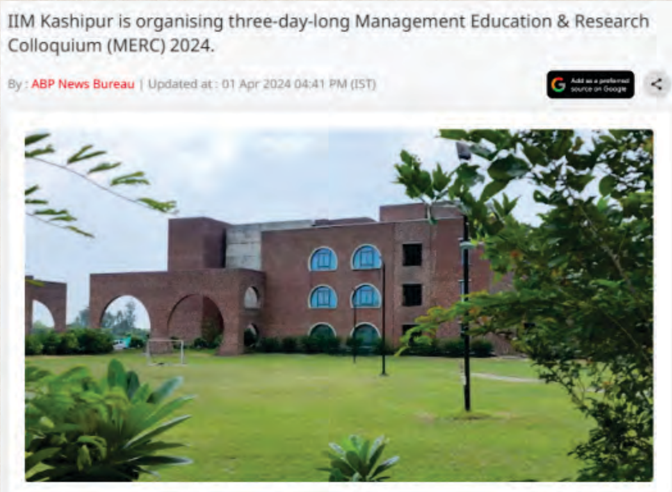

IIM Kashipur is organising three-day-long Management Education & Research Colloquium (MERC) 2024.

By : ABP News Bureau | Updated at : 01 Apr 2024 04:41 PM (IST)

आईआईएम काशीपुर आयोजित करेगा प्रबंधन शिक्षा एवं अनुसंधान पर कोलॉक्वियम।

abp

आईआईएम काशीपुर ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रम शुरू किया।

The Indian EXPRESS

IIM Kashipur introduces PG in Hospital Management for doctors, healthcare professionals

The PG Executive Program in Hospital Management will provide professionals with the specialized knowledge required to excel in hospital management.

By: Education Desk
New Delhi | Updated: April 7, 2024 10:00 AM IST
2 min read

The new program has been designed to address the increasing demand for skilled professionals in the

EXPRESS Shorts

Axed from job, doctor claims warnings about 'current leakage' were ignored

India 2 hr ago

A hospital official has alleged that repeated warnings about safety lapses and poor maintenance at Jaipur's SMS Hospital were ignored by higher authorities. The

The event also featured a Knowledge Tree plantation ceremony, where consortium members and dignitaries participated.

Published on: Sep 27, 2024 2:46 PM IST

By HT Education Desk | Edited by Tisha Jacob , New Delhi

The event saw the participation of library heads from all 21 Indian Institutes of Management (IIMs).

आईआईएम काशीपुर ने 25वें आईआईएम पुस्तकालय संघ की मेजबानी की।

HT Hindustan Times

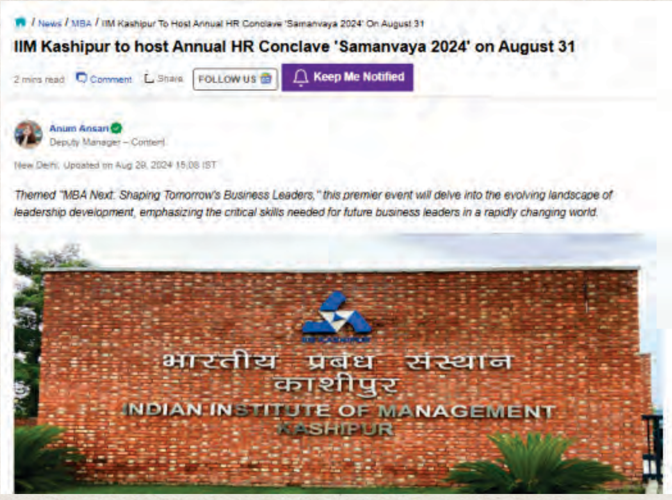

/ News / MBA / IIM Kashipur To Host Annual HR Conclave 'Samanvaya 2024' On August 31

IIM Kashipur to host Annual HR Conclave 'Samanvaya 2024' on August 31

2 mins read Comment Share FOLLOW US Keep Me Notified

Anum Ansari
Deputy Manager – Content

New Delhi, Updated on Aug 29, 2024 15:08 IST

Themed "MBA Next: Shaping Tomorrow's Business Leaders," this premier event will delve into the evolving landscape of leadership development, emphasizing the critical skills needed for future business leaders in a rapidly changing world.

आईआईएम काशीपुर 31 अगस्त को वार्षिक एचआर कॉन्क्लेव 'समन्वय 2024' की मेजबानी करेगा।

shiksha.com

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु आईआईएम काशीपुर ने उत्तराखंड प्रकोष्ठ की शुरुआत की।

ET THE ECONOMIC TIMES

IIM Kashipur launches Uttarakhand Cell, to promote local products

The Uttarakhand Cell at IIM Kashipur focuses on regional development, promoting local products like Badri cow ghee, and establishing "Uttarakhand as a Brand".

Online Bureau • ETGovernment
Updated On Oct 8, 2024 at 01:45 PM IST

KASHIPUR: Governor of Uttarakhand Lt Gen Gurmit Singh (Retd) on Tuesday inaugurated the Uttarakhand Cell on the campus of the Indian Institute of Management (IIM) Kashipur. Addressing the gathering on the

Governor of Uttarakhand Lt Gen Gurmit Singh (Retd) speaks after inaugurating the Uttarakhand Cell on the

Governor inaugurates Uttarakhand Cell on IIM, Kashipur campus

DEHRADUN: (Oct 8) Governor Gurmit Singh on Tuesday inaugurated the 'Uttarakhand Cell' at IIM, Kashipur, an initiative to ensure regional development, promote local products like Badri cow ghee, and establish Uttarakhand as a brand.

In collaboration with state-based universities, the Uttarakhand Cell aims to boost sectors such as agriculture, wellness, honey production and spiritual tourism with emphasis on empowering farmers and women, IIM said in a release.

The cell will address logistical challenges and enhance education through collaborations with local universities, while a state government nominee will ensure alignment with Uttarakhand's development goals.

राज्यपाल ने आईआईएम काशीपुर परिसर में उत्तराखंड प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया।

PTI

अतिरिक्त विवरण

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF)

एनआईआरएफ प्रबंधन रैंकिंग में आईआईएम काशीपुर की यात्रा प्रगति, दृढ़ता, चुनौतियों और निरंतर सुधार के सम्मिश्रण को प्रतिबिंबित करती है। संस्थान ने वर्ष 2016 में 21वें स्थान के साथ एक सशक्त शुरुआत की और 2017 में मामूली सुधार करते हुए 20वां स्थान प्राप्त किया, जो 2018 में भी बनाए रखा गया। इसके बाद संस्थान को गिरावट के दौर का सामना करना पड़ा, जहाँ 2019 में इसे 25वां स्थान और 2020 में 33वां स्थान प्राप्त हुआ, जो 2021 तक बना रहा। हालाँकि, 2022 में आईआईएम काशीपुर प्रभावशाली वापसी करते हुए 10 स्थान की उछाल के साथ 23वें स्थान पर पहुँचा एवं 2023 में उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ 19वाँ स्थान प्राप्त किया। 2024 में आईआईएम काशीपुर 23वें स्थान पर रहा एवं अपने विगत वर्ष के स्कोर 60.82 की तुलना में 61.74 के कुल स्कोर के साथ वृद्धि करते हुए वर्ष 2025 में संस्थान ने अपनी यथास्थिति को बनाए रखा।

एक स्कोर अंतर का विश्लेषण उत्तरोत्तर वृद्धि की क्षमता को रेखांकित करता है। शीर्ष 10 संस्थानों के मध्य कुल स्कोर अंतर 12.66 अंकों का है, जबकि 11–20 रैंक वाले संस्थानों के मध्य यह अंतर केवल 5.84 अंक का है। यह अंतर 21–30 रैंक वाले संस्थानों के लिए और भी सीमित होकर मात्र 1.94 अंक रहा। यह दर्शाता है कि वर्तमान में लगातार 23वें स्थान पर स्थित आईआईएम काशीपुर न केवल स्थिरता को प्रदर्शित कर रहा है, बल्कि अपने रैंकिंग वर्ग में अपेक्षाकृत कम स्कोर अंतर के कारण, आगामी वर्षों में और बेहतर स्थान प्राप्त करने की दृढ़ क्षमता भी रखता है।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान वित्तीय गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2019–20 से संस्थान को प्रदान की जाने वाली पूँजीगत एवं राजस्व अनुदान सहायता बंद कर दी गई है। इसके परिणामस्वरूप, संस्थान अपनी राजस्व एवं पूँजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूर्णतया आंतरिक रूप से उत्पन्न आय पर निर्भर होकर कार्य कर रहा है।

इन सीमाओं के बावजूद, संस्थान ने एक बार पुनः सशक्त वित्तीय प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, संस्थान की समेकित सकल आय ₹118.75 करोड़ रही, जो कि वित्तीय वर्ष 2023–24 की ₹96.47 करोड़ की आय की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। इस वृद्धि में आंतरिक राजस्व सृजन (IRG) की प्रमुख भूमिका रही, जो विगत वर्ष ₹89 करोड़ से बढ़कर ₹109.51 करोड़ तक पहुँच गया—यह 23.06% की वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है।

वर्ष के दौरान सकल राजस्व व्यय ₹82.99 करोड़ रहा, जिसमें ₹14.15 करोड़ का मूल्यह्रास सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने पूँजीगत परिसंपत्तियों के सृजन पर ₹23.14 करोड़ का व्यय किया, जिसमें परिसर निर्माण एवं अवसंरचना विकास से संबंधित कार्य सम्मिलित हैं।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के अंत तक, संस्थान का कुल कोष ₹120.51 करोड़ रहा, जिसमें से ₹112.31 करोड़ राशि सावधि जमा रसीदों (FDRs) में निवेशित है।

आय एवं व्यय के बीच अधिशेष का मुख्य कारण, विद्यार्थी नामांकन में वृद्धि के परिणामस्वरूप शैक्षणिक प्राप्तियों में वृद्धि रहा है। संस्थान ऋण-मुक्त बना हुआ है और अपनी परिचालन एवं पूँजीगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नकदी प्रवाह सृजित कर रहा है।

यह सुदृढ़ वित्तीय स्थिति संस्थान के विकास और प्रगति में संलग्न सभी हितधारकों के सामूहिक एवं सतत प्रयासों का परिणाम है।

विद्यार्थियों के संबंध में जानकारी						
श्रेणी	एमबीए 2024-26	एमबीए 2023-25	एमबीए 2024-26	एमबीए 2023-25	पीएचडी 2023-24	पीएचडी 2024-25
महिला (%)	26.33	19.80	73.13	69	37.74	34.61
एससी (%)	8.54	9.09	14.38	14.2	8	3.84
एसटी (%)	2.84	1.62	10	15.4	0	0
ओबीसी (%)	23.48	25.97	23.75	18.4	19	11.53
इडब्ल्यूएस (%)	6.76	8.76	15	10.7	15	15.38
पीडब्ल्यूडी (%)	4.27	3.24	0.63	7.7	0	0

प्राध्यापकों के संबंध में जानकारी		
श्रेणी	प्राध्यापक 2024-25	प्राध्यापक 2023-24
महिला (%)	20.4	22.64
एससी (%)	6.12	9.43
एसटी (%)	0	0
ओबीसी (%)	12.25	13
इडब्ल्यूएस (%)	0	0
पीडब्ल्यूडी (%)	0	0

आईआईएम काशीपुर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का कार्यान्वयन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२०, भारत के शैक्षिक परिदृश्य में एक रूपांतरणकारी परिवर्तन की परिकल्पना करती है, जिसमें लचीलापन, अंतर्विषयक दृष्टिकोण, कौशल विकास, नवाचार और समावेशन पर विशेष बल दिया गया है। आईआईएम काशीपुर संस्थागत शासन, शिक्षण-पद्धति, कार्यक्रम संरचना, अनुसंधान तथा सामुदायिक सहभागिता में एनईपी के सिद्धांतों को समाहित करते हुए, अपनी रणनीतिक पहलों और शैक्षणिक कार्यक्रमों को इस ध्येय के अनुरूप निरंतर संरेखित कर रहा है।

संस्थान न केवल एनईपी के मूल तत्वों का अनुपालन करता है, बल्कि उद्यमिता, नवाचार तथा अभिकल्पना-आधारित विस्तृत गतिविधियों के माध्यम से हिमालयी क्षेत्र और उससे आगे इसके तीव्र क्रियान्वयन में उत्प्रेरक की भूमिका भी निभा रहा है।

1. पाठ्यक्रम नवाचार और शैक्षणिक लचीलापन

- एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों में क्रेडिट का एक महत्वपूर्ण भाग (50% तक) ऐच्छिक विषयों के रूप में उपलब्ध है, जो वैयक्तिकरण एवं विविध क्षेत्रों के बीच अधिगम को प्रोत्साहित करता है। विद्यार्थी परामर्श एवं शैक्षणिक सलाहकार नीति विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के दौरान आने वाली चुनौतियों के बावजूद सफतापूर्वक कार्यक्रम पूर्ण करने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करती है।
- एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में एक **शोध प्रबंध घटक** सम्मिलित है, जो मात्रात्मक अथवा मिश्रित विधियों पर आधारित कठोर अनुभवजन्य शोध को सुनिश्चित करता है, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोचनात्मक चिंतन और शोध-आधारित अनुप्रयोग पर दिए गए बल के अनुरूप है। द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को द्वितीय वर्ष के कार्यक्रम में एक शोध प्रबंध पूर्ण करना अनिवार्य है। यह एक वर्ष की अवधि का भाग है, जिसमें कुल चार क्रेडिट निर्धारित हैं। एमबीए (एनालिटिक्स) शोध प्रबंध का उद्देश्य प्रतिभागियों में व्यवसायिक ज्ञान और विश्लेषणात्मक कौशल का उपयोग करते हुए व्यावसायिक समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना है। प्रतिभागी को पूरे वर्ष पर्यवेक्षण के अंतर्गत स्वतंत्र रूप से शोध कार्य करना होता है, जिसमें उन्हें सत्र IV और सत्र V के अंत में एक-एक क्रेडिट तथा सत्र VI में शोध प्रबंध पूर्ण होने पर दो क्रेडिट प्रदान किए जाते हैं। यह शोध प्रबंध मात्रात्मक या मिश्रित विधि-आधारित, अनुभवजन्य प्रकृति का होता है, जो प्राथमिक या द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित होता है, जिसका उद्देश्य या तो विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग कर प्रबंधकीय समस्याओं का समाधान करना है अथवा नई विश्लेषणात्मक तकनीकों में योगदान देना है। विद्यार्थियों को कथात्मक, प्रणालीगत या बिब्लियोमेट्रिक साहित्य समीक्षा जैसे विषयों से बचने की अपेक्षा की जाती है। उनसे पूर्णतः गुणात्मक शोध तथा गैर-अनुभवजन्य व्यष्टि अध्ययन को भी नकारने की अपेक्षा की जाती है।
- शैक्षणिक परिषद भी अंतर्विषयक कार्यक्रमों, जैसे कि अर्थशास्त्र, वित्त एवं डेटा साइंस में परास्नातक (MSEFDS) तथा स्वास्थ्य सेवा, आपूर्ति श्रृंखला और रेल प्रबंधन जैसे क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रमों की संकल्पना कर रही है, यह समेकित और अनुप्रयोग-आधारित शिक्षा की दिशा में परिवर्तन का संकेत देता है।

2. क्षेत्रीय एवं ऑनलाइन कार्यकारी शिक्षा

- एनईपी 2020 के आजीवन अधिगम, व्यावसायिक एकीकरण और प्रौद्योगिकी-सक्षम मॉड्यूलर शिक्षा पर दिए गए बल के अनुरूप, आईआईएम काशीपुर ने कार्यकारी स्नातकोत्तर एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के पोर्टफोलियो (कार्यक्रम-संग्रह) का उल्लेखनीय विस्तार किया है। ये कार्यक्रम उभरते और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्यरत मध्य-कैरियर पेशेवरों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं, जिससे वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों के अनुरूप विशिष्ट प्रबंधकीय दक्षताओं से उपकरणीकृत हो सकें।

वित्तीय वर्ष 2024–25 में संस्थान ने निम्नलिखित क्षेत्रों में नए कार्यक्रम प्रारंभ एवं विस्तारित किए:

- अस्पताल प्रबंधन, मैक्स हेल्थकेयर के सहयोग से, भारत के विकसित होते स्वास्थ्य सेवा पारितंत्र में प्रबंधकीय प्रतिभा की बढ़ती माँग का समाधान कर रहा है।
- रेल प्रबंधन कार्यक्रम उन पेशेवरों के लिए गठित किया गया है, जो बड़े पैमाने की अवसंरचना और सार्वजनिक परिवहन संचालन में क्षेत्र-विशेषज्ञता प्राप्त करना चाह रहे हैं।
- आपूर्ति श्रृंखला एवं संचालन प्रबंधन, टाइम्स एडुटेक के सहयोग से अनेक बैचों में संचालित किया गया है, जो तेजी से डिजिटलीकृत हो रहे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला परिदृश्य में उन्नत क्षमताओं का विकास करता है।
- एचआर एनालिटिक्स, रणनीतिक विपणन, वित्त एवं फिनटेक, टीमलीज़ एडटेक, एनएसई अकादेमी तथा न्यूलर्न के सहयोग एवं ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं, जो डेटा-आधारित निर्णय-निर्माण भूमिकाओं हेतु कौशल उन्नयन में सहयोग करते हैं।
- नव प्रारंभित नेट ज़ीरो रणनीति एवं सतत नेतृत्व में स्नातकोत्तर कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सतत विकास-उन्मुख व्यावसायिक शिक्षा के ध्येय को सुदृढ़ करता है। यह “लोक, गृह, लाभ” दृष्टिकोण के माध्यम से डीकार्बोनाइजेशन प्रौद्योगिकियों, ईएसजी ढाँचे तथा जलवायु जोखिम प्रबंधन जैसे उभरते क्षेत्रों को संबोधित करता है।

ये कार्यकारी कार्यक्रम सम्मिश्रित या डायरेक्ट-टू-डिवाइस (प्रत्यक्ष-उपकरण) (D2D) प्रारूप में संचालित किए जाते हैं, जिनमें समकालिक ऑनलाइन व्याख्यान, परिसर में प्रत्यक्ष सहभागिता सत्र तथा अनुकरण, व्यष्टि-आधारित शिक्षण और समापन परियोजनाओं जैसी संवादात्मक शिक्षण-पद्धतियाँ समावेशित हैं। इन्हें कार्यरत पेशेवरों की समय-संबंधी बाधाओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार प्रारूपित किया गया है कि शैक्षणिक दृढ़ता और अधिगम परिणामों से कोई समझौता न हो।

विभिन्न उद्योगों में पेशेवरों की कौशल उन्नयन आवश्यकताओं को और सुदृढ़ करने के लिए संस्थान ने 14 माह की अवधि का व्यवसाय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा (इपीजीडीबीएम) भी प्रारंभ किया है। यह कार्यक्रम मूलभूत कार्यात्मक ज्ञान को अत्याधुनिक प्रबंधन उपकरणों और नेतृत्व विकास के साथ समेकित करता है, जिसे संकाय सदस्यों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ लाइव सत्रों तथा स्व-गति डिजिटल सामग्री के माध्यम से संचालित किया जाता है। ईपीजीडीबीएम नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कैरियर प्रगति का समर्थन करता है तथा एनईपी द्वारा प्रतिपादित लचीली, बहुविषयक और उद्योग-संलग्न शिक्षा की अवधारणा के अनुरूप है।

इन पहलों के माध्यम से आईआईएम काशीपुर भविष्य-उन्मुख, मॉड्यूलर कार्यकारी शिक्षा के एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करता रहा है, जो पेशेवरों को तीव्र गति से बदलते और जटिल कार्य परिवेश में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु तैयार करता है, साथ ही एनईपी 2020 द्वारा प्रतिपादित समानता, उत्कृष्टता और नवाचार के मूल्यों से जुड़ा रहता है।

3. अनुभवात्मक अधिगम

एनईपी 2020 द्वारा समग्र, अनुभवात्मक और बहुविषयक शिक्षा पर दिए गए बल के अनुरूप, आईआईएम काशीपुर ने अपने एमबीए शिक्षण-पद्धति में अनुभवात्मक अधिगम (ईएक्स-एल) को एक प्रमुख आधार स्तंभ के रूप में समाहित किया है। यह अनुभवात्मक अधिगम घटक विद्यार्थियों को अनुप्रयुक्त क्षेत्रीय कार्य, संदर्भात्मक अध्ययन और समस्या-समाधान के माध्यम से वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है—जिससे कक्षा-आधारित सिद्धांतों और जमीनी वास्तविकताओं के बीच तादात्म्य स्थापित होता है।

विद्यार्थी तीन उच्च-प्रभावी आयामों में गहन परियोजनाएँ करते हैं:

- **एमएसएमई एवं सामाजिक उद्यमिता**: जमीनी स्तर के उद्यमों और मिशन-उन्मुख संगठनों के साथ सहयोग करते हुए विद्यार्थी परिचालन अक्षमताओं, बाज़ार अंतराल और रणनीति विकास के अवसरों की पहचान करते हैं।
- **ग्रामीण क्षमता संवर्धन (यूआरपी)**: इस आयाम के अंतर्गत विद्यार्थी ग्रामीण समुदायों और संस्थानों के साथ मिलकर आर्थिक विकास, उद्यम प्रोत्साहन और समावेशी वृद्धि के लिए समाधान सह-निर्मित करते हैं।
- **पर्यावरण एवं सतत व्यावसायिक प्रथाएँ (ईएसबीपी)**: विद्यार्थी कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और ईएसजी रिपोर्टिंग जैसे क्षेत्रों में स्थिरता-उन्मुख नवाचारों का अध्ययन करते हैं—जिससे व्यावसायिक निर्णय-निर्माण में पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को एकीकृत किया जा सके।

अनुभवात्मक अधिगम मॉड्यूल से परे, उद्योग कार्यशालाएँ, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता तथा समापन परियोजनाएँ एमबीए और कार्यकारी कार्यक्रमों में गहनता से समावेशित हैं। ये सुविचारित अनुभव न केवल क्रेडिट-वहित हैं, बल्कि अत्यंत लचीले भी हैं, जो विद्यार्थी को अपनी व्यावसायिक आकांक्षाओं और क्षेत्रीय रुचियों के अनुसार अपने अनुप्रयुक्त अधिगम पथ का मार्ग प्रशस्त ने योग्य बनाते हैं।

4. संकाय विकास एवं शिक्षण-पद्धति सुधार

साथ ही, यह संस्थान एनईपी की संकाय विकास और शिक्षण-पद्धति सुधार संबंधी ध्येय को सुदृढ़ प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (MDPs) के संग्रह तथा लक्षित पहलों के माध्यम से आगे विस्तारित करता रहा है:

- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के अंतर्गत, आईआईएम काशीपुर ने भावी नेतृत्व संवर्धन कार्यक्रम (NFLP) के तीन संस्करण आयोजित किए हैं। ये आवासीय कार्यक्रम भारत के विविध उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किए जाते हैं और नेतृत्व विकास, पाठ्यक्रम निर्माण तथा एनईपी के अनुरूप संस्थागत रूपांतरण पर केंद्रित होते हैं।
- क्षेत्र-विशिष्ट एमडीपी—गेल, आईओसीएल, पेट्रोनेट एलएनजी एवं पावर ग्रिड जैसी संस्थाओं के लिए—उभरती कौशल आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं, जिनमें रणनीतिक चिंतन, व्यवहारिक संप्रेषण, टीम प्रबंधन और महिला नेतृत्व विकास सम्मिलित हैं। ये पहलें अभ्यास-आधारित और उद्योग-संलग्न अधिगम पारितंत्र को सुदृढ़ करती हैं तथा कक्षा से परे एनईपी के अधिगम परिणामों का विस्तार करती हैं।

इन पहलों के माध्यम से आईआईएम काशीपुर, अभ्यास-उन्मुख, सामाजिक रूप से उत्तरदायी और नवाचार-प्रेरित शैक्षणिक अनुभव को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो उच्च शिक्षा को एक गतिशील, अनुप्रयुक्त और प्रभावशाली क्षेत्र के रूप में पुनर्परिभाषित करने की एनईपी की अवधारणा के के साथ गहनता से संरेखित है।

5. संस्थागत शासन एवं नीतिगत संरचना

- संकाय उन्नयन, विद्यार्थी परामर्श, भूतपूर्व विद्यार्थी सहभागिता और क्रेडिट लचीलेपन से संबंधित संस्थागत नीतियों को एनईपी के लक्ष्यों के अनुरूप संरेखित किया गया है, जिन्हें आगामी तीन वर्षों में एकीकृत नीतिगत ढाँचे में समेकित करने के प्रयास चलायमान हैं।

6. एफआईईडी एवं डीआईसी के माध्यम से क्षेत्रीय एवं सामाजिक पहुँच

आईआईएम काशीपुर ने अपनी क्षेत्रीय विस्तार इकाइयों— नवाचार एवं उद्यमिता विकास प्रतिष्ठान (एफआईईडी) एवं डिज़ाइन नवाचार केंद्र (डीआईसी)—के माध्यम से नवाचार, समावेशन और संदर्भ-सापेक्ष शिक्षा को बढ़ावा देते हुए एनईपी 2020 के क्रियान्वयन को उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ाया है। एफआईईडी द्वारा 200 से अधिक नव उद्यमों का इन्क्यूबेशन, ₹15.6 करोड़ की सीड फंडिंग का वितरण तथा उपक्रम पूँजी फर्मों से ₹350 करोड़ का निधि-संग्रहण, उसकी सशक्त उद्यमिता पारितंत्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, विशेषकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में। आरकेवीवाई रफ़्तार, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, जेनेसिस और देवभूमि उद्यमिता योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रम कृषि-प्रौद्योगिकी, डिजिटल नवाचार और जमीनी उद्यमों के क्षेत्र में वित्त पोषण, मार्गदर्शन और उद्यमिता अनुभव प्रदान करते हैं। नसरसेल (NSRCEL)–भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलौर के सहयोग से संचालित महिला उद्यमिता कार्यक्रम (WEP) तथा ग्रामीण उद्यम त्वरण कार्यक्रम (REAP) जैसी पहलें, 13 जिलों में स्वयं सहायता समूहों (SHGs), किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और स्थानीय समूहों के बीच लैंगिक समानता एवं क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करती हैं।

इसी के साथ, डीआईसी ने अपने हिमालयन शिक्षण अधिगम कार्यक्रम (HELP) के माध्यम से अनुभवात्मक एवं डिज़ाइन-आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया है, जिसके अंतर्गत उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश में 500 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिज़ाइन थिंकिंग कार्यशालाओं से लाभान्वित किया गया है। सिनेमैटिक डिज़ाइन थिंकिंग जैसे प्रारूपों और अविन्या (AVINYA) तथा आविष्कार(AVISHKAR) जैसे राष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से डीआईसी सृजनात्मकता, बहुविषयक चिंतन और प्रारंभिक स्तर के नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

ये पहलें एनईपी के मूल स्तंभों—जैसे समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा, व्यावसायिक एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, बहुविषयक एवं अनुभवात्मक अधिगम तथा क्षेत्रीय भाषाओं और संस्कृतियों के संवर्धन—के साथ प्रत्यक्ष रूप से संरेखित हैं, जो विविध शिक्षार्थी समूहों, विशेषकर टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए उच्च-गुणवत्ता अधिगम अवसरों तक पहुँच सुनिश्चित करते हुए, उन्हें 21वीं सदी के कौशलों से सँवारती हैं। सामूहिक रूप से, एफआईईडी और डीआईसी स्थानीय प्रासंगिकता, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और सामाजिक प्रभाव पर आधारित शिक्षा की, एनईपी की परिवर्तनकारी अवधारणा को क्रियान्वित करते हैं।

7. एनईपी निगरानी एवं कल्याण पहलों में संस्थागत सहभागिता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में, संस्थागत रूपांतरण और समग्र कल्याण पर दिए गए बल के अनुरूप, आईआईएम काशीपुर ने कार्यान्वयन और नीतिगत निगरानी को समर्थन देने हेतु कई सक्रिय कदम उठाए हैं। शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार, जिसमें केंद्रीय वित्तपोषित संस्थानों (CFIs) से एनईपी समन्वय और रिपोर्टिंग हेतु उत्तरदायी कार्मिक नामित करने का आह्वान किया गया था, संस्थान में एक समर्पित एनईपी नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। इस अधिकारी ने बहुविषयक शिक्षा, उद्योग एकीकरण, अनुसंधान एवं नवाचार, डिजिटल संरचना अपनाने और समावेशी प्रथाओं जैसे आयामों में संस्थागत प्रतिक्रियाओं को समेकित करने तथा एनईपी कार्यान्वयन संबंधी आँकड़ों को समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यापक वेबफॉर्म प्रारूप के माध्यम से एनईपी निगरानी के दो पूर्ण चक्रों का डेटा शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया जा चुका है, जिसमें पाठ्यक्रम संशोधन, संकाय क्षमता-विकास, एपार (APAAR) एकीकरण तथा अवसंरचना सुदृढ़ीकरण जैसे प्रमुख मानकों पर संस्थान की प्रगति को दर्शाया गया है।

इसके अतिरिक्त, आईआईएम काशीपुर ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा आईआईटी हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय कल्याण सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, एनईपी के कल्याण एजेंडा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। इस सम्मेलन की संकल्पना विद्यार्थियों और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक दृढ़ता तथा संस्थागत कल्याण अवसंरचना जैसे विषयों पर संवाद को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से की गई थी—जो एनईपी की "समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा" की अवधारणा के मूल तत्व हैं। इस सम्मेलन में आईआईएम काशीपुर की सहभागिता ने, संस्थागत अनुभवों को साझा करने तथा अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ निवारक मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, सहपाठी परामर्श और प्रौद्योगिकी-सक्षम कल्याण समाधानों के प्रारूपों पर ज्ञान-विनिमय का अवसर प्रदान किया।

ये सभी कदम एनईपी के कार्यान्वयन की निगरानी एवं विकासात्मक दोनों आयामों में आईआईएम काशीपुर की रणनीतिक और व्यवस्थित संलग्नता को दर्शाते हैं, जो सशक्त संस्थागत शासन, डेटा-आधारित निर्णय-निर्माण और समग्र व्यक्तित्व विकास पर आधारित शिक्षा की नीति-संहिता के अनुरूप है।

अंततः, एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की दिशा में आईआईएम काशीपुर के सतत और बहुआयामी प्रयास, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रबंधन शिक्षा को पुनर्परिभाषित करने की गहन संस्थागत प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करते हैं। कार्यक्रमों में लचीलापन, बहुविषयक दृष्टिकोण, प्रौद्योगिकी एकीकरण और अनुभवात्मक अधिगम को समाहित कर, लक्षित विकास पहलों के माध्यम से संकाय को सशक्त बनाते हुए, उद्यमिता और डिज़ाइन नवाचार के द्वारा क्षेत्रीय रूपांतरण को उत्प्रेरित करते हुए तथा कल्याण और नीतिगत निगरानी के सुदृढ़ तंत्र विकसित कर—संस्थान अपने दृष्टिकोण को एनईपी के मूल उद्देश्यों के साथ क्रमिक रूप से पुनर्संरेखित कर रहा है। ये पहलें नीति के उस व्यापक लक्ष्य को प्रतिध्वनित करती हैं, जिसमें "भारतीय संस्कृति में निहित एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था का निर्माण करने की बात कही गई है, जो भारत को सतत रूप से एक समतामूलक और जीवंत ज्ञान-समाज में रूपांतरित करने में प्रत्यक्ष योगदान दे"। भारत के वैश्विक ज्ञान-केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर होने के साथ आईआईएम काशीपुर शिक्षण, अनुसंधान, शासन और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता, समावेशन, नवाचार और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देते हुए इस परिवर्तन को अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संस्थान के उन पाँच अधिकारियों/कर्मचारियों (संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित) के नाम, जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को किए गए भत्तों और अन्य भुगतानों सहित) प्राप्त किया, धारा 26 (2)

संस्थान के उन अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम, जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्त किया निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	आय
1	प्रो. दिलीप कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर	62,07,618
2	प्रो. कुणाल कान्ति गांगुली	प्रोफेसर	60,36,963
3	प्रो. सफल बत्रा	एसोसिएट प्रोफेसर	50,49,618
4	प्रो. के. एन. बधानी	प्रोफेसर	49,65,051
5	प्रो.सोमनाथ चक्रबर्ती	प्रोफेसर	49,55,825

इस वर्ष के दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम में, कर्मचारी वर्ग और संकाय के कुछ दोषी कर्मचारियों ने विभागीय जाँच के प्रशासनिक निर्णयों के विरुद्ध, शिकायत निवारण के स्थापित माध्यमों की अनदेखी एवं प्रशासनिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर, माननीय उच्च न्यायालय में बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण याचिकाएँ दायर कीं। इससे संस्थान की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची है। जहाँ ऐसी कई याचिकाओं को खारिज़ कर दिया गया है, वहीं विभागीय जाँच में उनके विरुद्ध आरोप सिद्ध हो चुके हैं तथा उन्हें दंड दिया जा चुका है या दंड देने की प्रक्रिया चलायमान है।

लेखापरीक्षा रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण

CAG Audit Report

सत्यमेव जयते

शाखा: महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्र),
लखनऊ, प्रयागराज

पत्र संख्या: केंद्रीय व्यय/2025-2026/डीआईएस-3231458
दिनांक: 12 दिसंबर 2025

प्रति,

निदेशक,
भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

विषय: भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर के खातों पर वर्ष 2024-25 के लिए पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट: पीआर-196648 जारी करना।

महोदय/महोदया,

वर्ष 2024-25 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर, उत्तराखण्ड को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे, तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए:

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।" हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,
राज कुमार
डीवाई निदेशक

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर के खातों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की लेखापरीक्षा रिपोर्ट

राय (Opinion)

हमने भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड (संस्थान) के वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण किया है, जिनमें 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार वित्तीय स्थिति विवरण, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियाँ सम्मिलित हैं, साथ ही लेखा-परीक्षण नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23(3) के प्रावधानों के अंतर्गत निहित महत्वपूर्ण लेखा नीतियों की सार संक्षिप्तिका भी सम्मिलित है।

इस ऑडिट रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन पद्धतियों के अनुरूप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन विवेचन पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ सम्मिलित हैं। वित्तीय लेनदेन पर ऑडिट टिप्पणियाँ कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्ट / सीएजी की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।

हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर, उत्तराखण्ड के साथ संलग्न वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों, उन पर दी गई टिप्पणियों तथा पृथक लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित विषयों के साथ पढ़े जाने पर, 31 मार्च 2025 को स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति तथा संस्थान पर लागू प्रारूप एवं भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा मानकों के अनुरूप, उस वर्ष के लिए उसके वित्तीय कार्य-प्रदर्शन एवं नकदी प्रवाह का एक सत्य एवं निष्पक्ष चित्र प्रस्तुत करते हैं।

मत का आधार

हमने अपना ऑडिट भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के ऑडिटिंग विनियमों/मानकों/ मैनुअल/ दिशानिर्देशों/मार्गदर्शक टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुरूप किया है। वित्तीय विवरणों के ऑडिट से संबंधित हमारे उत्तरदायित्वों का विस्तृत वर्णन हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों के ऑडिट हेतु ऑडिटर के उत्तरदायित्व' अनुभाग में किया गया है। हम वित्तीय विवरणों के अपने ऑडिट से संबंधित प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं तथा इन आवश्यकताओं के अनुसार हमने अपने अन्य सभी नैतिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त ऑडिट साक्ष्य हमारे मत के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त आधार प्रदान करते हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन के उत्तरदायित्व

भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड का शासी निकाय (Board of Governors – BOG) मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखा प्रारूप (पूर्व में एमएचआरडी, वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय), भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा मानकों के अनुसार भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर पर लागू लेखा के वित्तीय विवरणों की तैयारी तथा उनका निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण करने के लिए उत्तरदायी है तथा प्रबंधन ऐसे आंतरिक नियंत्रणों की स्थापना और अनुरक्षण के लिए भी उत्तरदायी है, जिन्हें वह आवश्यक समझता है, ताकि वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण उत्पन्न किसी भी महत्वपूर्ण गलत विवरण से मुक्त तैयार किए जा सकें।

वित्तीय विवरणों के ऑडिट के संबंध में लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करने हेतु उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि समग्र रूप से वित्तीय विवरण किसी भी महत्वपूर्ण त्रुटि से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के लेखा-परीक्षण विनियमों/मानकों/मैनुअल/ दिशानिर्देशों/मार्गदर्शन-टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार अपना मत सम्मिलित करते हुए लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है।

For and on behalf of the CAG of India

स्थान: लखनऊ
तिथि:

Digitally signed by Sanjay Kumar
Date: 10.12.2025 17:27:31

Principal Director of Audit (Central)
Lucknow

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, उत्तराखण्ड के खातों पर 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

क. आय एवं व्यय खाता

शैक्षणिक व्यय (अनुसूची-16) ₹34.79 करोड़

उपरोक्त में ₹3.39 करोड़ की व्यय राशि सम्मिलित है, जो किराया, संविदा कर्मियों के वेतन, सुरक्षा व्यय तथा कार्यालय व्यय के रूप में भुगतान की गई है, शिक्षा मंत्रालय के प्रारूप के अनुसार इन्हें प्रशासनिक व्यय (अनुसूची–17) के अंतर्गत दर्शाया जाना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप शैक्षणिक व्यय ₹3.39 करोड़ से अधिक दर्शाया गया है तथा प्रशासनिक व्यय उतनी ही राशि से कम दर्शाया गया है।

ख. सामान्य

संस्थान एनपीएस (NPS) के खाते पृथक रूप से तैयार नहीं कर रहा है, जो शिक्षा मंत्रालय के प्रारूप के अनुरूप नहीं है।

ग. प्रबंधन पत्र

वे कमियाँ, जिन्हें इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में सम्मिलित नहीं किया गया है, उन्हें सुधारात्मक/संशोधनात्मक कार्रवाई के लिए पृथक रूप से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से प्रबंधन के संज्ञान में लाया गया है।

घ. आंतरिक नियंत्रणों का मूल्यांकन

(i) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:

संस्थान के आंतरिक नियंत्रण की अपर्याप्तता 140 स्वीकृत पदों में से 34 रिक्त पदों को न भरे जाने से परिलक्षित होती है।

(ii) आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

संस्थान का आंतरिक ऑडिट एक फर्म द्वारा त्रैमासिक आधार पर किया जाता है। संस्थान का आंतरिक ऑडिट, वर्ष 2024-25 के लिए एक फर्म द्वारा किया गया।

(iii) अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था:

वर्ष 2024-25 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

(iv) इन्वेंटरी के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:

वर्ष 2024-25 के लिए इन्वेंटरी का भौतिक सत्यापन किया गया है।

(v) वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता:

संस्थान वैधानिक बकाया भुगतान में नियमित है।

(ङ.) सहायता अनुदान

संस्थान को वर्ष 2024-25 के दौरान कोई अनुदान सहायता प्राप्त नहीं हुई है।

Digitally signed by
Sanjay Kumar
Date: 10-12-2025
17:30:31
Principal Director of Audit (Central) Lucknow

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

कुंडेश्वरी, काशीपुर, उत्तराखण्ड-244713

31 मार्च 2025 बैलेंस शीट (तुलन – पत्र)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2025	विगत वर्ष समाप्त 31.03.2024
निधियों का स्रोत			
कॉर्पस/पूँजीगत निधि	1		
कॉर्पस निधि		1,205,102,493	1,077,571,258
पूँजीगत निधि		4,077,200,814	3,981,849,274
		5,282,303,307	**5,059,420,532**
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	2	**711,325,976**	**535,736,166**
चालू देयताएँ एवं प्रावधान	3	**207,202,968**	**202,898,908**
कुल		**6,200,832,251**	**5,798,055,606**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियाँ	4		
मूर्त संपत्ति		3,738,446,913	3,296,800,504
पूँजीगत कार्य प्रगति पर		321,230,289	665,149,890
अमूर्त संपत्ति		16,210,925	19,898,879
अचल संपत्तियाँ (शुद्ध खंड)		**4,075,888,127**	**3,981,849,273**
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि का निवेश	5	**548,635,434**	**383,579,028**
निवेश - अन्य	6	-	-
वर्तमान संपत्ति	7	**1,310,463,216**	**1,206,341,571**
ऋण, अग्रिम और जमा	8	**265,845,474**	**226,285,734**
कुल		**6,200,832,251**	**5,798,055,606**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ 23

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा पर टिप्पणियाँ 24

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

स्थानः काशीपुर
दिनांक: 09.05.2025

सनदी लेखाकार
(डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

(प्रो. सोमनाथ चक्रबर्ती)
निदेशक (कार्यवाहक)

(सनदी लेखाकार दीपांशु अग्रवाल)
भागीदार
एम. नं. 410844

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

कुंडेश्वरी, काशीपुर, उत्तराखण्ड-244713

31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2025		विगत वर्ष समाप्त 31.03.2024	
1. आय					
1.1 शैक्षणिक प्राप्तियाँ	9		**1,095,130,471**		**889,974,815**
एमबीए आय	9.1	887,974,594		705,802,678	
ईएमबीए आय	9.2	46,095,851		34,137,020	
ईएफपीएम जाय	9.3	777,500		1,946,000	
एमडीपी-आय	9.4	59,570,629		63,439,452	
परामर्श आय	9.5	6,064,439		1,956,166	
पीएचडी प्राप्तियाँ	9.6	252,000		427,500	
ईएमबीएए आय	9.7	94,395,459		82,265,999	
1.2 अन्य आय			**92,321,589**		**74,739,937**
अनुदान एवं दान	10	-		-	
निवेश से आय	11	79,573,311		63,923,682	
अर्जित ब्याज	12	5,015,879		4,454,733	
अन्य आय एवं वसूली	13	3,994,799		3,570,327	
पूर्वावधि आय	14	3,737,599		2,791,195	
कुल आय (क)			**1,187,452,060**		**964,714,753**
2. व्यय					
2.1 कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	15		**230,162,442**		**210,187,386**
2.2 शैक्षणिक व्यय	16		**347,861,026**		**324,212,052**
एमबीए व्यय	16.1	179,028,018		156,404,683	
ईएमबीए व्यय	16.2	13,801,260		12,051,034	
ईएफपीएम व्यय	16.3	259,135		223,808	
एमडीपी-व्यय	16.4	27,990,275		34,507,503	
परामर्श व्यय	16.5	4,047,062		1,197,333	
पीएचडी व्यय	16.6	35,238,279		29,930,389	
शोध एवं विकास	16.7	42,878,956		38,630,560	
ईएमबीएए व्यय	16.8	44,618,041		51,266,743	
2.3 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17		**79,409,088**		**56,313,945**
2.4 परिवहन व्यय	18		**2,569,104**		**2,538,292**
2.5 मरम्मत एवं रखरखाव	19		**23,914,976**		**25,650,824**
2.6 वित्त लागत	20		**19,617**		**22,305**
2.7 मूल्यह्रास	4		**141,527,810**		**133,678,288**
2.8 अन्य व्यय	21		-		-
2.9 पूर्वावधि व्यय	22		**4,443,569**		**8,539,057**
कुल व्यय (ख)			**829,907,632**		**761,142,150**
व्यय से अधिक आय		-	**357,544,429**	-	**203,572,602**
कुल		-	**1,187,452,061**	-	**964,714,753**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23				
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा पर टिप्पणियाँ	24				

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थानः काशीपुर

दिनांक: 09.05.2025

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

सनदी लेखाकार
(डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

(प्रो. सोमनाथ चक्रबर्ती)
निदेशक (कार्यवाहक)

(सनदी लेखाकार दीपांशु अग्रवाल)
भागीदार
एम. नं. 410844

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

एस्कॉर्ट फार्म, कुंडेश्वरी, काशीपुर, उत्तराखण्ड- 244713

31 मार्च 2025 समाप्ति वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाते

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1 प्रारम्भिक शेष			1 व्यय		
क)नकद शेष			क)स्थापना व्यय	230,162,442	210,187,386
ख)बैंक शेष			ख)शैक्षणिक व्यय	328,153,334	315,767,053
1 चालू खाते में			ग)प्रशासनिक व्यय	80,331,071	56,313,945
2 जमा खाते में			घ)परिवहन व्यय	2,569,104	2,538,292
3 बचत खाते	163,752,621	31,838,502	ङ)मरम्मत और रखरखाव	23,914,976	25,650,824
			च)वित्त लागत	19,617	22,305
			छ)पूर्व अवधि व्यय	4,443,569	8,539,057
2 प्राप्त अनुदान			2 निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के विरुद्ध भुगतान	14,545,307	6,545,131
क) भारत सरकार से	-	-			
ख) राज्य सरकार से	-	-			
ग) अन्य साधनों से (विवरण)	-	-			
(पूँजी एवं राजस्व के लिए अनुदान					
को पृथक दर्शाया जाना चाहिए, यदि उपलब्ध है)					
3 शैक्षणिक प्राप्तियाँ	1,076,344,762	881,529,815	3 प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के विरुद्ध भुगतान	117,120,891	98,074,857
4 निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के विरुद्ध प्राप्तियाँ	190,135,117	170,893,412	4 प्रायोजित फेलोशिप/छात्रवृत्ति के विरुद्ध	18,785,710	8,445,000
5 प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं/कार्यक्रमों के विरुद्ध प्राप्तियाँ	125,235,726	95,903,637	5 किए गए निवेश एवं भुगतान		
			क)निर्धारित/बन्दोबस्ती निधि में से	165,056,406	85,296,615
			ख)स्वयं की निधि में से (निवेश-अन्य)	655,749,199	575,103,462
6 प्रायोजित फेलोशिप/छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ	18,785,710	8,445,00	6 अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	-	
7 निवेश से आय	-	-	7 अचल संपत्तियों पर व्यय एवं पूँजीगत कार्य प्रगति पर		
क)निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	-	-	क)अचल संपत्तियाँ		
ख)अन्य निवेश	79,573,311	63,923,682	ख)पूँजीगत कार्य प्रगति पर	97,185,832	297,227,178
				132,827,362	298,369,838
8 ब्याज प्राप्ति			8 वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
क) बैंक जमा	-	-			
ख) ऋण और अग्रिम	-	-			
ग) बचत बैंक खाते एवं अन्य	5,015,879	4,454,733			
9 निवेश नकदीकरण	555,897,020	739,944,450	9 अनुदान प्रतिदाय	-	-
10 अनुसूचित बैंकों में जमा सावधि जमा को भुनाया गया	-	-	10 जमा एवं अग्रिम	199,346,642	136,528,019
11 अन्य आय (पूर्व अवधि की आय सहित)	7,732,399	6,361,522	11 अन्य भुगतान	-	-
12 जमा एवं अग्रिम	3,144,990	285,066,829	12 समापन शेष		
			क)नगद शेष	-	-
			ख)बैंक शेष		
			चालू खाते में	-	-
			बचत खाते में	155,406,072	163,752,621
			जमा खाते में	-	-
कुल	**2,225,617,533**	**2,288,361,582**	**कुल**	**2,225,617,533**	**2,288,361,582**

स्थानः काशीपुर
दिनांक: 09.05.2025

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

(प्रो. सोमनाथ चक्रबर्ती)
निदेशक (कार्यवाहक)

(सनदी लेखाकार दीपांशु अग्रवाल)
भागीदार
एम. नं. 410844

अनुसूची-1 कॉर्पस / पूँजी निधि

विवरण	2024-25	2023-24
1 कॉर्पस निधि		
प्रारंभिक शेष	1,077,571,258	1,469,595,671
जोड़ें: आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित	357,544,429	203,572,602
घटाएँ: पूँजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया	230,013,194	595,597,016
कुल (1)	**1,205,102,493**	**1,077,571,258**
2 पूँजी निधि		
2.1 भवन निधि		
प्रारंभिक शेष	3,345,602,853	3,377,336,055
जोड़ें: पूँजीगत व्यय के लिए कोष से आवंटन	173,341,420	529,692,590
घटाएँ: सामान्य परिसंपत्ति निधि में स्थानांतरित	-	506,296,223
घटाएँ: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	65,474,790	55,129,569
उप कुल (2.1)	**3,453,469,483**	**3,345,602,853**
2.2 सामान्य परिसंपत्तियाँ निधि		
प्रारंभिक शेष	636,246,421	142,594,492
जोड़े: पूँजीगत व्यय के लिए कोष से आवंटन	56,671,774	65,904,426
जोड़े: आईजीएल से प्रायोजन	1,312,686	-
जोड़े: भवन निधि से स्थानांतरित	-	506,296,223
घटाएँ: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	70,499,550	78,548,719
उप कुल (2.2)	**623,731,330**	**636,246,421**
कुल (2)	**4,077,200,814**	**3,981,849,274**
कुल योग (1+2)	**5,282,303,307**	**5,059,420,532**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-2 नामित / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

(राशि रु. में)

	निधिनुसार विवरण					कुल	
विवरण	कर्मचारी कल्याण निधि	मूल्यह्रास निधि	अवकाश नकदीकरण निधि	ग्रुप ग्रेच्यूटी निधि	एमडीपी विकास निधि	चालू वर्ष	विगत वर्ष
क.							
क) प्रारम्भिक शेष	**5,012,721**	**429,084,936**	**54,109,593**	**36,448,877**	**11,080,038**	**535,736,166**	**371,387,885**
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन	2,375,929	141,527,810	8,936,177	2,850,701	2,019,041	157,709,658	148,489,700
ग) निधियों के निवेश से आय	-	4,850,290	4,342,763	2,866,130	179,638	12,238,821	10,053,016
घ) निवेश/अग्रिम पर संचित ब्याज	226,368	18,278,160	-		191,773	18,696,301	12,350,696
ड़) बचत बैंक खातों पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-
च) अन्य परिवर्धन (प्रकृति निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-
कुल (क)	**7,615,018**	**593,741,196**	**67,388,533**	**42,165,708**	**13,470,490**	**724,380,946**	**542,281,297**
ख							
निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोग/व्यय							
1 . पूँजी व्यय (समायोजन)	-	5,553,470	-	-	-	5,553,470	777,543
2 . राजस्व व्यय (समायोजन)	1,915,142	-	1,740,167	2,000,000	1,846,192	5,586,359	4,075,717
कुल (ख)	**1,915,142**	**5,553,470**	**1,740,167**	**2,000,000**	**1,846,192**	**11,139,829**	**4,853,260**
वर्ष के अंत में शेष (क-ख)	**5,699,876**	**588,187,726**	**65,648,366**	**40,165,708**	**11,624,298**	**711,325,975**	**535,736,166**
निम्न द्वारा प्रतिनिधित्व							
नकद एवं बैंक शेष	-	-	-	-	1,194,678	1,194,678	5,873,351
निवेश	**3,549,565**	**429,033,947**	**65,648,367**	**40,165,708**	**10,237,847**	548,635,434	**383,579,028**
ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं	226,368	18,278,160	-	-	191,773	18,696,301	12,350,696

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-2क:
बंदोबस्ती निधि

1. सं.क्र.	2. बंदोबस्ती का नाम	प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान परिवर्धन		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	जमा शेष		कुल (10+11)
		3. बंदोबस्ती	4. संचित ब्याज	5. बंदोबस्ती	6. ब्याज	7. बंदोबस्ती (3+5)	8. संचित ब्याज (4+6)	9	10. बंदोबस्ती	11. संचित ब्याज	
1	कर्मचारी कल्याण निधि	4,614,400	398,321	2,375,929	226,368	6,990,329	624,689	1,915,142	5,075,187	624,689	5,699,876
2	मूल्यह्रास निधि	399,547,088	29,537,848	141,527,810	23,128,450	541,074,898	52,666,298	5,553,470	535,521,428	52,666,298	588,187,726
3	अवकाश नकदीकरण निधि	47,889,972	6,219,621	8,936,177	4,342,763	56,826,149	10,562,384	1,740,167	55,085,982	10,562,384	65,648,366
4	ग्रुप ग्रेच्युटी फंड	31,818,932	4,629,945	2,850,701	2,866,130	34,669,633	7,496,075	2,000,000	32,669,633	7,496,075	40,165,708
5	एमडीपी विकास निधि	10,290,987	789,051	2,019,041	371,411	12,310,028	1,160,462	1,846,192	10,463,836	1,160,462	11,624,298
कुल		**494,161,379**	**41,574,786**	**157,709,658**	**30,935,122**	**651,871,037**	**72,509,908**	**13,054,971**	**638,816,066**	**72,509,908**	**711,325,974**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-3 चालू देयताएँ एवं प्रावधान

विवरण	2024-25	2023-24
क. चालू देयताएँ		
1. कर्मचारियों से जमा	61,860	444,387
2. विद्यार्थियों से जमा	21,904,654	25,192,654
3. विविध लेनदार		
क) माल एवं सेवाओं के लिए	21,148,594	32,522,794
4. अन्य से जमाराशियाँ		
क) प्रतिभूतियाँ एवं ईएमडी	9,476,514	9,188,269
5. सांविधिक देयताएँ		
क) सांविधिक देयताएँ (टीडीएस, जीएसटी, श्रम उपकर, एनपीएस)	4,557,432	5,435,913
6. अन्य चालू देयताएँ		
क) परामर्शी परियोजनाएँ	3,559,707	3,830,709
ख) प्रबंधन विकास कार्यक्रम	32,432,370	24,052,558
ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियाँ (अनुसूची- 3 ख)	-	-
घ) अप्रयुक्त अनुदान (अनुसूची- 3 ग)	-	-
ङ) अनुसंधान परियोजनाएँ	1,288,662	1,282,638
च) अन्य पार्टी की रसीदें	-	-
छ) अन्य देयताएँ	10,364,354	4,549,364
ज) परियोजना के प्रति	-	-
झ) एसजीएस बीजी नकदीकरण एवं अन्य	8,500,000	8,500,000
ञ) एसपीसीपीएल	-	-
ट) ईएमबीए एनालिटिक्स के प्रति	5,690,000	6,550,000
ठ) ईएमबीए शुल्क के प्रति	2,470,000	4,280,000
कुल (क)	**121,454,146**	**125,829,286**
ख. प्रावधान		
क) वेतन के लिए	1,931,709	1,594,948
ख) वर्ष के लिए प्रावधान	83,817,113	75,474,674
कुल (ख)	**85,748,822**	**77,069,622**
कुल (क+ख)	**207,202,968**	**202,898,908**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-3(क) प्रायोजित परियोजनाएँ एवं अन्य कार्यक्रम

1. क्र.सं.	2. परियोजना का नाम	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष		5. वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/ वसूली	6. कुल	7.वर्ष के दौरान व्यय	31.3.2025 को अंतिम शेष	
		3.क्रेडिट	4.डेबिट				8.क्रेडिट	9.डेबिट
क्र. सं.	**परामर्शी परियोजनाएँ**							
1	सिविल सेवाओं हेतु 15वाँ आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिनांक 40 दिसम्बर 2024।			4000	4,000		4,000	
2	सिविल सेवाओं हेतु 15वाँ आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिनांक 11 दिसम्बर 2024।			4000	4,000		4,000	
3	परामर्शी परियोजना आईआईएम अहमदाबाद	40,000			40,000		40,000	
4	नाबार्ड	565,504		675,000	1,240,504		1,240,504	
5	मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (MDDA)	200,000			200,000		200,000	
6	CGFEL पर प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन			700,000	700,000		700,000	
7	CGSSI पर प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन			700,000	700,000		700,000	
8	व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सफलता हेतु प्रबंधन कौशल			10,000	10,000		10,000	
9	मध्यावधि पुनश्चर्या पाठ्यक्रम			10,000	10,000		10,000	
10	आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय: अनुसंधान परियोजना शुल्क	300,000		300,000	600,000	243,297	356,703	
11	नवउद्यम पारिस्थितिकी तंत्र एवं स्व-उद्यमिता			10,000	10,000		10,000	
12	वन विभाग के अधीन लकड़ी/काष्ठ आधारित मसाले			284500	284500		284500	
13	अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के साथ परामर्श सेवा			497964	497964	497964		
14	पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण प्रशिक्षण कार्यक्रम			200000	200000	20000		
15	ई-4 विषय – डेटा साइंस: वैचारिक रूपरेखा, उपकरण एवं तकनीक के लिए पाठ्य सामग्री विकसित की	2,560,000	2,560,000	3,200,000	3,200,000	3,200,000		
16	ब्याज समानीकरण योजना का मूल्यांकन अध्ययन			2076270	2,076,270	2,076,270		
17	एफआरसी के साथ परामर्श सेवा	100,000			100,000	100,000		
18	परामर्शी परियोजना आईआईएम अहमदाबाद (संधारणीयता प्रबंधन)	40,000			40,000	40,000		
19	20603K यूपीएचएसएसपी – परामर्श आय	65,205			65,205	65,205		
	वित्तपोषित शोध परियोजनाएँ							
20	20603-E विश्व बैंक फेज 1 – ईएआई	38,496	1,830,635		-1,792,139		38,496	1,830,635
21	2018-19-P 11 डीआईसी, आईआईटी रुड़की	2,226,531		1,045,467	3,271,998	3,346,644		74,646
22	20602-B मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय समावेशन (एनआईआरडी)	543,033			543,033		543,033	
23	20603-C जल संरक्षण तथा पुनरुद्धार (एनआईआरडी)	246,789			246,789		246,789	
24	केंद्र विकास निधि (डीआईसी)	122,980		191,445	314,425		314,425	
25	अभिकल्पना चिंतन आधारित नवाचार			95,254	95,254		95,254	
26	आईसीएसएसआर – एसएसवाई	10,887			10,887	385,887		375,000
27	आईसीएसएसआर – (वाईओएम23)	16,603		127,422	144,025	72,344	71,681	
28	राष्ट्रीय महिला आयोग – डीएडब्ल्यू		109,526	109,526		588,500		588,500
29	COVID-19 के उत्तराखंड पर्यटन पर प्रभाव एवं समाधान पर शोध अध्ययन	17,480			17,480		17,480	
	कुल	**7,093,508**	**4,500,161**	**10,240,848**	**12,834,195**	**10,636,111**	**4,886,865**	**2,868,781**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-3 (ख): प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियाँ

क्र. स.	2. प्रायोजक का नाम	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान लेन-देन		31.03.2025 को अंतिम शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	-	-	16,467,000	16,467,000	-	-
2	राजश्री शाहू महाराज	-	-	818,710	818,710	-	-
3	आईडीएफसी बैंक छात्रवृत्ति	-	-	1,200,000	600,000	600,000	
4	आर के पाटनी प्रतिष्ठान छात्रवृत्ति	-	-	100,000	-	100,000	-
5	जना देवी मॉल छात्रवृत्ति	-	-	200,000	-	200,000	
	कुल	**-**	**-**	**18,785,710**	**17,885,710**	**900,000**	**-**

अनुसूची-3 (ग): भारत सरकार से अप्रयुक्त अनुदान

विवरण	2024-25	2023-24
भारत सरकार से योजना अनुदान		
शेष अग्रणीत	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ		
जीआईए - पूँजी सृजन	-	-
जीआईए - वेतन	-	-
जीआईए - सामान्य	-	-
कुल (क)	**-**	**-**
घटाएँ: प्रतिदाय	-	-
घटाएँ: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
क) वेतन	-	-
ख) सामान्य	-	-
घटाएँ: पूँजीगत व्यय के लिए प्रयुक्तः	-	-
क) अचल परिसंपत्ति	-	-
ख) डब्ल्यूआईपी	-	-
कुल (ख)	**-**	**-**
अप्रयुक्त अनुदान (क) - (ख)	**-**	**-**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-4

2024-25 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	मूर्त संपत्ति		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1	भूमि (पूर्ण स्वामित्व)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	भवन	2.00%	2,487,115,527	517,261,021	-	3,004,376,548	62,294,372	61,359,848	-	123,654,220	2,880,722,328	2,424,821,155
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ	2.00%	242,292,189	-	-	242,292,189	17,361,703	4,114,942	-	21,476,645	220,815,544	224,930,486
4	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8.00%	411,200	268,408	-	679,608	32,896	54,369		87,265	592,343	378,304
5	संयंत्र और मशीनरी	5.00%	296,045,764	-	-	296,045,764	16,448,353	13,402,621	-	29,850,975	266,194,789	279,597,411
6	दृश्य-श्रव्य उपकरण	7.50%	6,199,556	12,206,320	-	18,405,876	464,967	1,380,441	-	1,845,407	16,560,469	5,734,589
7	इलेक्ट्रिकल इन्स्टलैशन और उपकरण	5.00%	228,065,942	4,320,320	-	232,386,262	11,445,729	11,548,593	-	22,994,322	209,391,940	216,620,213
8	कार्यालय उपकरण	7.50%	63,903,640	826,567	3,706,426	61,023,781	32,504,155	4,958,029	3,386,665	34,075,519	26,948,262	31,399,485
9	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%	60,991,305	8,094,778	470,950	68,615,133	42,163,409	8,363,378	470,950	50,055,837	18,559,296	18,827,896
10	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग वाहन	7.50%	125,773,431	13,179,433	1,826,106	137,126,758	43,619,058	10,177,023	1,695,856	52,100,225	85,026,533	82,154,373
11	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ	10.00%	35,758,646	3,547,744	-	39,306,390	28,820,237	1,961,534	-	30,781,771	8,524,619	6,938,409
12	वाहन	10.00%	7,978,428	566,500	-	8,544,928	2,580,246	853,893	-	3,434,139	5,110,789	5,398,182
13	छोटे मूल्य की संपत्ति	100.00%	1,135,694	335,709	-	1,471,403	1,135,694	335,709	-	1,471,403	-	-
	कुल (क)		**3,555,671,323**	**560,606,800**	**6,003,482**	**4,110,274,641**	**258,870,819**	**118,510,379**	**5,553,471**	**371,827,728**	**3,738,446,913**	**3,296,800,504**
ख.	पूँजीगत कार्य प्रगति पर											
11	भवन का निर्माण	0%	665,149,890	156,145,000	500,064,601	321,230,289	-	-	-	-	321,230,289	665,149,890
	कुल (ख)		**665,149,890**	**156,145,000**	**500,064,601**	**321,230,289**	**-**	**-**	**-**	**-**	**321,230,289**	**665,149,890**
ग.	मूर्त संपत्ति	दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	6,581,555	-	-	6,581,555	5,156,873	592,575	-	5,749,448	832,107	1,424,682
13	ई-जर्नल्स/वेब विकास	40%	129,764,272	19,329,477	-	149,093,749	111,290,075	22,424,856	-	133,714,931	15,378,818	18,474,197
	कुल (ग)		**136,345,827**	**19,329,477**	**-**	**155,675,304**	**116,446,948**	**23,017,431**	**-**	**139,464,379**	**16,210,925**	**19,898,879**
कुल योग (क+ख+ग)			**4,357,167,040**	**736,081,277**	**506,068,083**	**4,587,180,234**	**375,317,767**	**141,527,810**	**5,553,471**	**511,292,106**	**4,075,888,127**	**3,981,849,273**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 4 क

2024-25 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	मूर्त संपत्ति		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1	भूमि (पूर्ण स्वामित्व)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	भवन	2.00%	2,487,115,527	517,261,021	-	3,004,376,548	62,294,372	61,359,848	-	123,654,220	2,880,722,328	2,424,821,155
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ	2.00%	242,292,189	-	-	242,292,189	17,361,703	4,114,942	-	21,476,645	220,815,544	224,930,486
4	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8.00%	411,200	268,408	-	679,608	32,896	54,369		87,265	592,343	378,304
5	संयंत्र और मशीनरी	5.00%	296,045,764	-	-	296,045,764	16,448,353	13,402,621	-	29,850,975	266,194,789	279,597,411
6	दृश्य-श्रव्य उपकरण	7.50%	6,199,556	12,206,320	-	18,405,876	464,967	1,380,441	-	1,845,407	16,560,469	5,734,589
7	इलेक्ट्रिकल इन्स्टलैशन और उपकरण	5.00%	228,065,942	4,320,320	-	232,386,262	11,445,729	11,548,593	-	22,994,322	209,391,940	216,620,213
8	कार्यालय उपकरण	7.50%	63,903,640	826,567	3,706,426	61,023,781	32,504,155	4,958,029	3,386,665	34,075,519	26,948,262	31,399,485
9	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%	60,991,305	8,094,778	470,950	68,615,133	42,163,409	8,363,378	470,950	50,055,837	18,559,296	18,827,896
10	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग वाहन	7.50%	125,773,431	13,179,433	1,826,106	137,126,758	43,619,058	10,177,023	1,695,856	52,100,225	85,026,533	82,154,373
11	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ	10.00%	35,758,646	3,547,744	-	39,306,390	28,820,237	1,961,534	-	30,781,771	8,524,619	6,938,409
12	वाहन	10.00%	7,978,428	566,500	-	8,544,928	2,580,246	853,893	-	3,434,139	5,110,789	5,398,182
13	छोटे मूल्य की संपत्ति	100.00%	1,135,694	335,709	-	1,471,403	1,135,694	335,709	-	1,471,403	-	-
	कुल (क)		**3,555,671,323**	**560,606,800**	**6,003,482**	**4,110,274,641**	**258,870,819**	**118,510,379**	**5,553,471**	**371,827,728**	**3,738,446,913**	**3,296,800,504**
ख.	**पूँजीगत कार्य प्रगति पर**											
11		0%	665,149,890	156,145,000	500,064,601	321,230,289	-	-	-	-	321,230,289	665,149,890
	भवन का[illegible] **कुल (ख)**		**665,149,890**	**156,145,000**	**500,064,601**	**321,230,289**	-	-	-	-	**321,230,289**	**665,149,890**
ग.	**मूर्त संपत्ति**	दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	6,581,555	-	-	6,581,555	5,156,873	592,575	-	5,749,448	832,107	1,424,682
13	ई-जर्नल्स/वेब विकास	40%	129,764,272	19,329,477	-	149,093,749	111,290,075	22,424,856	-	133,714,931	15,378,818	18,474,197
	कुल (ग)		**136,345,827**	**19,329,477**	-	**155,675,304**	**116,446,948**	**23,017,431**	-	**139,464,379**	**16,210,925**	**19,898,879**
कुल योग (क+ख+ग)			**4,357,167,040**	**736,081,277**	**506,068,083**	**4,587,180,234**	**375,317,767**	**141,527,810**	**5,553,471**	**511,292,106**	**4,075,888,127**	**3,981,849,273**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 4 ख- गैर योजना

2024-25 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	मूर्त संपत्ति											
1	भूमि (पूर्ण स्वामित्व)											
2	भवन											
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ											
4	कार्यालय उपकरण											
5	कंप्युटर एवं सहायक उपकरण											
6	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग वाहन											
7	वाहन											
8	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ											
9	छोटे मूल्य की संपत्ति											
	कुल (क)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख.	पूँजीगत कार्य प्रगति पर		-									-
10	भवन का निर्माण		NOT APPLICABLE									
	कुल (ख)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग.	मूर्त संपत्ति	दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
11	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर		NOT APPLICABLE									
12	ई-जर्नल्स/वेब विकास											
	कुल (ग)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल योग (क+ख+ग)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची- 4 ग

2024-25 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
ग.	मूर्त संपत्ति	दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2024 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	6,581,555	-	-	6,581,555	5,156,873	592,575	-	5,749,448	832,107	1,424,682
2	ई-जर्नल्स/वेब विकास	40%	129,764,272	19,329,477	-	149,093,749	111,290,075	22,424,856	-	133,714,931	15,378,818	18,474,197
	कुल (ग)		**136,345,827**	**19,329,477**	**-**	**155,675,304**	**116,446,948**	**23,017,431**	**-**	**139,464,379**	**16,210,925**	**19,898,879**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-4 (ग) (i) प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियाँ

	विवरण	प्रारम्भिक शेष	परिवर्धन	कुल	ऋणमुक्ति	निवल खंड 2024-25	निवल खंड 2023-24
क.	**पेटेंट प्रदान किये गये**						
1	2020-21 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.25 तक शेष	**लागू नहीं**					
2	2021-22 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.25 तक शेष						
3	2022-23 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.25 तक शेष						
4	चालू वर्ष के दौरान पेटेंट						
	कुल (क)						

	विवरण	प्रारम्भिक शेष	परिवर्धन	कुल	ऋणमुक्ति	निवल खंड 2024-25	निवल खंड 2023-24
ख.	**आवेदन किए गए पेटेंट के संबंध में पेटेंट लंबित हैं**	**लागू नहीं**					
1	2019-20 और 2020-21 के दौरान किया गया व्यय						
2	2021-22 के दौरान किया गया व्यय						
3	2022-23 के दौरान किया गया व्यय						
	कुल (ख)						
	कुल योग (क+ख)						

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 4 (घ) – अन्य

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	सकल खंड						मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (डब्ल्यू डीवी)	01.4.2024 को प्रारंभिक शेष	180 दिनों से अधिक के लिए अतिरिक्त	180 दिनों से कम के लिए अतिरिक्त	मायोजन/ बट्टे खाते में	31.03.2025 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	कटौतियाँ / समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.3.2025 को	31.03.24 को
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	**मूर्त संपत्ति**												
2	भूमि (पूर्ण स्वामित्व)												
3	भवन												
4	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ आदि												
5	कार्यालय उपकरण						लागू नहीं						
6	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण												
7	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग वाहन												
8	वाहन												
9	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ												
10	छोटे मूल्य की संपत्ति												
	कुल (क)												
17	**पूँजीगत कार्य प्रगति पर (ख)**						लागू नहीं						
	कुल योग (क+ख)												

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-5 - चिन्हित / बंदोबस्ती निधियों से निवेश

निधियाँ	2024-25	2023-24
1. निवेश मूल्यह्रास निधि	429,033,947	283,570,558
2. निवेश एमडीपी विकास निधि	10,237,847	5,000,000
3. निवेश कर्मचारी कल्याण निधि	3,549,565	4,450,000
4. एलआईसी के साथ निवेश (एलआईसी के साथ) (समूह ग्रेच्युटी फंड)	40,165,708	36,448,877
5. एलआईसी के साथ निवेश (एलआईसी के साथ) (अवकाश नकदीकरण)	65,648,367	54,109,593
कुल	**548,635,434**	**383,579,028**

अनुसूची-5 (क) - चिन्हित / बंदोबस्ती निधियों से निवेश (निधि के अनुसार)

निधियाँ	2024-25	2023-24
1. निवेश मूल्यह्रास निधि - बैंकों के पास सावधि जमा	429,033,947	283,570,558
2. निवेश एमडीपी विकास निधि - बैंकों के पास सावधि जमा	10,237,847	5,000,000
3. निवेश कर्मचारी कल्याण निधि - बैंकों के पास सावधि जमा	3,549,565	4,450,000
4. समूह ग्रेच्युटी फंड - एलआईसी के साथ निवेश	40,165,708	36,448,877
5. अवकाश नकदीकरण - एलआईसी के साथ निवेश	65,648,367	54,109,593
कुल	**548,635,434**	**383,579,028**

अनुसूची-6- अन्य निवेश

	2024-25	2023-24
1. बैंकों में सावधि जमा	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 7 - वर्तमान संपत्ति

निधियाँ	2024-25	2023-24
1. मौजूदा स्टॉक (स्टेशनरी एवं विद्युत)		
स्टेशनरी, एमडीपी एवं विद्युत सामग्री	2,307,544	2,307,135
2. विविध देनदार	-	-
6 महीने से अधिक	-	4,210,868
6 महीने से कम	20,323,250	4,405,057
3. नकद एवं बैंक शेषः	-	
क) वर्तमान नकद	-	-
ख) अनुसूचित्त बैंकों में	-	-
पीएनबी खाता (4534000100028306)	914,601	4,069,248
पीएनबी खात्ता (4534000100085897)	362	496
पीएनबी 4534000100092491 (आईसीएसएसआर इम्प्रेस 3615)	-	-
पीएनबी 4534000100093027 (आईसीएसएसआर इम्प्रेस 0877)	227,459	1,922,055
आरबीएल बैंक (309006195247)	24,520,036	104,196
एसबीआई (फ्लेक्सी खातों में निधियों सहित)	18,609,912	38,097,165
एसबीआई (विश्व बैंक परियोजना)	867,027	844,055
एचडीएफसी बैंक (50100481655862) (फ्लेक्सी खातों में निधियों सहित)	109,832,104	118,590,253
एचडीएफसी बैंक (50100493650634) डीआईसी	434,571	125,153
4. प्राप्य		
शुल्क प्राप्य	9,258,495	7,836,098
अन्य प्राप्य (शोध परियोजनाएँ)	-	87,475
सबसीडरी में निवेश (एफआईईडी)	99,990	263,315
अन्य निवेश-बैंक में सावधि जमा	1,123,067,866	1,023,479,002
कुल	**1,310,463,216**	**1,206,341,571**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम एवं जमा

विवरण	2024-25	2023-24
1. कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज रहित)		
क) वेतन/त्योहार / चिकित्सा अग्रिम	-	-
ख) अन्य (कर्मचारियों के लिए)	1,037,723	593,433
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम (ब्याजवाला)		
क) गृह/वाहन/अन्य ऋण	-	-
3. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए:		
क) पूँजी खाते पर	74,195,075	45,474,484
ख) ठेकेदारों को (मोबिलाइजेशन एवं अन्य)	-	-
ग) विद्यार्थियों के लिए	-	-
घ) अन्य	424,800	-
ड़) अग्रदाय	-	-
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) बीमा एवं अन्य	30,186,529	14,172,669
ख) अन्य	-	-
5. जमा		
क) टेलीफोन	16,999	16,999
ख) लीज किराया	261,179	233,439
ग) बिजली	3,954,778	3,954,778
घ) अन्य (गैस)	49,550	49,550
6. उपार्जित आयः		
क) निवेश पर - (ब्याज)	100,076,593	107,808,234
ख) स्वीप ब्याज - उपार्जित	3,347,982	8,328,312
7. अन्य प्राप्यः		
क) वसूली योग्य अनुदान (एमएचआरडी से)	-	-
8. प्राप्य दावा		
क) टीडीएस प्राप्य	52,294,266	45,584,442
ख) अन्य	-	69,395
कुल	**265,845,474**	**226,285,734**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 09 - शैक्षणिक प्राप्तियाँ

विवरण	2024-25	2023-24
अनुसूची 9.1 एमबीए कार्यक्रम शुल्क		
प्रवेश शुल्क	7,550,000	7,775,000
पाठ्यक्रम शुल्क	474,678,714	441,281,774
कैट/कैप शेयर प्राप्ति (पूर्व अवधि सहित)	18,614,275	11,766,004
एमबीए एनैलिटिक्स	368,345,895	236,534,900
कुल शुल्क	**869,188,884**	**697,357,678**
अन्य से छात्रवृत्तियाँ		
अन्य से छात्रवृत्तियाँ (प्राप्त)	9,040,710	8,445,000
जनजातीय मामलों के मंत्रालय से प्राप्त छात्रवृत्ति	8,545,000	-
आईडीएफसी बैंक से प्राप्त छात्रवृत्ति	1,200,000	-
कुल (9.1)	**887,974,594**	**705,802,678**
अनुसूची 9.2 एग्जीक्यूटिव एमबीए (ईएमबीए)		
आवेदन शुल्क	176,000	296,000
पाठ्यक्रम शुल्क	45,919,851	33,841,020
कुल (9.2)	**46,095,851**	**34,137,020**
अनुसूची 9.3 एग्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
आवेदन शुल्क	-	-
अध्यापन शुल्क	725,000	1,756,000
अन्य शुल्क	52,500	190,000
कुल (9.3)	**777,500**	**1,946,000**
अनुसूची 9.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमडीपी)		
स्वतंत्र कार्यक्रम शुल्क	-	-
प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क	59,570,629	63,439,452
कुल (9.4)	**59,570,629**	**63,439,452**
अनुसूची 9.5 परामर्श आय		
परामर्श आय	6,064,439	1,956,166
कुल (9.5)	**6,064,439**	**1,956,166**
अनुसूची 9.6 पीएचडी प्राप्तियाँ		
आवेदन/अन्य शुल्क	252,000	427,500
कुल (9.6)	**252,000**	**427,500**
अनुसूची 9.7 ईएमबीए एनैलिटिक्स (ईएमबीएए)		
पाठ्यक्रम शुल्क	94,395,459	82,265,999
कुल (9.7)	**94,395,459**	**82,265,999**
कुल योग (9.1 to 9.7)	**1,095,130,472**	**889,974,815**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 10 - अनुदान एवं सब्सिडी (अप्राप्य अनुदान प्राप्त)

(राशि रु. में)

विवरण	भारत सरकार	चालू वर्ष का योग	विगत वर्ष का योग
शेष अग्रेसित	-	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान स्वीकृत/प्राप्त	-	-	-
कुल	-	-	-
घटाएँ: पूँजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	-	-	-
शेष	-	-	-
घटाएँ: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	-	-	-
कॉर्पस में अंतरण			
शेष अग्रणीत (ग)	-	-	-

अनुसूची 11 - निवेश से आय

(राशि रु. में)

विवरण	चिन्हित/बंदोबस्ती निधियाँ		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष	चालू वर्ष	विगत वर्ष
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश				
1) निधियों की सावधि जमा पर ब्याज	12,238,821	10,053,016	79,573,311	63,923,682
2) बचत बैंक खातों पर ब्याज	-	-	-	-
कुल	**12,238,821**	**10,053,016**	**79,573,311**	**63,923,682**
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में अंतरण/आई/ई ए/सी	12,238,821	10,053,016	79,573,311	63,923,682
शेष	-	-	-	-

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज

(राशि रु. में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खाते पर	5,015,879	4,454,733
2. देनदार एवं अन्य प्राप्तियाँ	-	-
कुल	**5,015,879**	**4,454,733**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 13 - अन्य आय एवं वसूलियाँ

विवरण	2024-25	2023-24
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. किराया	1,349,202	1,294,182
2. लाइसेंस शुल्क	858,009	769,200
3. कर्मचारी कार वसूली	-	52,100
4. सभागार /खेल का मैदान /कॉनवेंशन सेंटर आदि का किराया प्रभार	-	-
कुल	**2,207,211**	**2,115,482**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
ग. आयोजनों से आय	-	-
कुल	-	-
घ. अन्य		
1. आरटीआई फीस	-	150
2. (भर्ती) से आवेदन प्रपत्र की बिक्री	-	-
3. विविध प्राप्तियाँ (निविदा प्रसंस्करण शुल्क एवं निस्तारण मद आदि)	-	39,188
4. पुस्तकालय की पुस्तकों को देर से जमा करने पर जुर्माना	-	15,890
5. विविध आय	936,569	892,487
6. आईटी पर ब्याज पैसे वापस करना	449,668	507,130
7. अतिथि गृह की आय	401,351	-
कुल	**1,787,588**	**1,454,845**
कुल योग (क+ख+ग+प)	**3,994,799**	**3,570,327**

अनुसूची-14 पूर्वावधि आय

विवरण	2024-25	2023-24
1. कैट शेयर	-	826,900
2. अन्य	3,737,599	1,964,295
कुल	**3,737,599**	**2,791,195**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

विवरण	2024-25	2023-24
क) वेतन एवं भत्ते		
मूल वेतन	103,315,649	101,473,121
डी.ए.	51,444,610	42,846,444
एच.आर.ए.	3,201,724	2,565,354
परिवहन भत्ता	4,636,823	4,187,849
ख) अन्य लाभ		
मेडिकल	14,621,302	12,621,380
एल.टी.ए.	14,234,959	10,899,547
एक्स-ग्रेशिया	2,972,418	2,606,944
मनोरंजन	20,100	108,000
टेलीफोन	889,482	750,660
संकाय अन्य प्रतिपूर्ति	-	226,193
अध्यापन शुल्क की प्रतिपूर्ति (बाल शिक्षा भत्ता)	2,161,919	1,711,002
ग) टर्मिनल लाभ		
एनपीएस में योगदान	21,193,325	19,270,973
ग्रेच्युटी योगदान	2,679,111	2,675,227
अवकाश नकदीकरण योगदान	8,704,395	7,847,792
पीएफ में योगदान	86,625	396,900
कुल	**230,162,442**	**210,187,386**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची-15क - कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ

	पेंशन	ग्रेच्यूटी	अवकाश	नकदीकरण	कुल
01.04.2023 को प्रारम्भिक शेष	-	-	-	-	-
अतिरिक्तः अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-	-	
कुल (क)	-	-	-	-	-
घटाएँ: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	-	-	-	-	-
31.03.25 को उपलब्ध शेष ग= (क-ख)	-	-	-	-	-
वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.25 को प्रावधान आवश्यक (घ)	-	-	-	-	-
क. चालू वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान (घ-ग)	-	-	2,679,111	8,704,395	11,383,506
ख. नई पेंशन योजना में योगदान	86,625	21,193,325	-	-	21,279,950
ग. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-	-
घ. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	-	-	-	-	-
ङ जमा से जुड़े बीमा भुगतान	-	-	-	-	-
कुल (क+ख+ग+घ+ङ)	86,625	21,193,325	2,679,111	8,704,395	32,663,456

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय

विवरण	2024-25	2023-24
अनुसूची-16.1 एमबीए कार्यक्रम व्यय		
प्रवेश व्यय	12,864,935	4,043,723
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	9,163,376	5,302,666
विजिटिंग फैकल्टी टीए	2,151,467	1,485,916
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	39,129,918	31,390,843
इंडक्शन व्यय	1,117,871	1,692,920
परीक्षा व्यय	1,229,206	1,335,262
दीक्षांत व्यय	6,297,486	6,213,350
चिकित्सा व्यय	5,641,961	5,513,624
छात्रावास व्यय	11,650,600	5,817,989
शिक्षण सहयोग कर्मचारी वेतन	7,810,529	7,797,165
आकस्मिकता एवं अन्य व्यय	596,166	1,190,510
प्लेसमेंट व्यय	11,072,594	9,341,580
विद्यार्थी गतिविधि	5,817,097	3,832,287
फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट	20,439,892	29,145,437
एमबीए एनैलिटिक्स प्रवेश / विविध व्यय	3,331,981	5,553,309
कैप (CAP) 2024 (प्रवेश व्यय)	392,230	2,888,102
कुल (क)	**138,707,308**	**122,544,683**
एमबीए छात्रवृत्ति		
आवश्यकता-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	21,535,000	**25,415,000**
अन्य से छात्रवृत्ति (भुगतान किया गया)	18,785,710	8,445,000
कुल (ख)	**40,320,710**	**33,860,000**
कुल क+ख	**179,028,018**	**156,404,683**
अनुसूची 16.2 ईएमबीए व्यय		
प्रवेश विज्ञापन एवं प्रचार एवं प्रेरण	366,844	763,335
पुस्तकें एवं सीखने के संसाधन	2,428,178	2,236,314
आतिथ्य भोजन एवं आवास	213,550	152,135
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	1,990,200	909,375
कार्यालय व्यय पी एंड एस और आकस्मिकता	841,453	685,337
परीक्षा व्यय	85,250	-
किराया	2,074,610	2,279,000
विजिटिंग फैकल्टी टीए / डीए व्यय	935,183	814,177
परिवहन व्यय	200,169	179,068
वेतन व्यय	3,524,869	2,937,857
सुरक्षा व्यय	1,140,954	1,094,436
कुल	**13,801,260**	**12,051,034**
अनुसूची 16.3 इग्जेक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
पुस्तकें एवं शिक्षण संसाधन	167,560	187
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	90,975	213,100
विजिटिंग फैकल्टी यातायात व्यय	-	10,521
आकस्मिक व्यय एवं अन्य	600	-
कुल	**259,135**	**223,808**

अनुसूची 16.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (एमडीपी)		
प्रचार व्यय	587,392	1,496,809
राजस्व व्यय	27,402,883	33,010,694
कुल	**27,990,275**	**34,507,503**
अनुसूची-16.5 परामर्श व्यय		
परामर्श व्यय	4,047,062	1,197,333
कुल	**4,047,062**	**1,197,333**
अनुसूची-16.6: पीएचडी व्यय		
पुस्तकें और शिक्षण संसाधन	357,009	292,627
प्रवेश व्यय	1,620,851	917,656
आकस्मिकता / कर्मचारी वेतन व्यय	3,727,118	4,119,909
छात्रवृत्ति / वजीफा व्यय	21,949,449	17,599,014
आकस्मिक अनुदान	1,019,472	959,555
विजिटिंग फैकल्टी व्यय	828,805	852,394
किराया व्यय	2,433,077	2,765,157
उपकरण अनुदान	799,468	747,653
शैक्षणिक व्यय (सम्मेलन अनुदान)	2,503,030	1,676,424
कुल	**35,238,279**	**29,930,389**
अनुसूची 16.7 अनुसंधान एवं विकास व्यय		
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	1,346,660	1,071,118
राष्ट्रीय सम्मेलन	183,152	108,771
संकाय विकास कार्यक्रम	1,608,233	1,387,165
एएसीएसबी मान्यता	1,028,463	1,045,490
आईआरसी	102,668	148,372
एमपीआरसी	4,809,477	4,952,472
अन्य पुस्तकालय संसाधन	18,439,726	18,099,714
अनुसंधान एवं विकास व्यय	672,276	792,953
सॉफ्टवेयर लाइसेंस	2,712,392	1,655,835
वेब रखरखाव	2,773,480	2,726,828
संस्थागत सदस्यता शुल्क	87,760	87,760
भूतपूर्व विद्यार्थी व्यय	1,723,750	1,764,882
सीपीडीए	3,120,886	2,411,336
कर्मचारी प्रशिक्षण सहित कर्मचारी क्षमता निर्माण	376,991	562,840
एसडीए	1,810,728	1,815,025
संस्थागत समीक्षा व्यय	1,908,000	-
अधिगम का आश्वासन	174,314	-
कुल	**42,878,956**	**38,630,560**
अनुसूची 16.8 ईएमबीए एनैलिटिक्स व्यय		
प्रवेश व्यय	3,445,050	3,420,571
पुस्तकें और शिक्षण संसाधन	47,803	315,310
आकस्मिकता / कर्मचारी वेतन व्यय	404,672	250,491
उद्घाटन व्यय	53,725	106,621
विजिटिंग फैकल्टी व्यय	1,651,875	656,250
वेतन व्यय	259,916	119,000
शुल्क साझाकरण (टीईएल)	38,755,000	46,398,500
कुल	**44,618,041**	**51,266,743**
कुल योग (16.1 से 16.8)	**347,861,026**	**324,212,052**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

विवरण	2024-25	2023-24
क. आधारभूत संरचना		
विद्युत एवं बिजली और ईंधन	25,269,906	5,882,386
ख. संचार		
डाक और स्टेशनरी व्यय	34,669	31,203
टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क	28,467	29,698
ग. अन्य		
मुद्रण एवं स्टेशनरी	600,141	208,981
यात्रा एवं वाहन व्यय	-	-
आतिथ्य (अतिथ्य और अतिथि गृह व्यय)	3,022,165	1,375,899
लेखा परीक्षा शुल्क एवं व्यय	355,004	525,751
सुरक्षा व्यय	9,539,221	8,421,768
कार्यभार ग्रहण एवं अन्य टीए / डीए	1,501,694	881,175
बीओजी व्यय	2,666,745	1,871,098
सफाई एवं रखरखाव कार्यालय/कार्यालय रखरखाव	16,103,763	22,568,204
कानूनी व्यय	5,704,389	1,319,334
आधिकारिक कार्य	619,380	630,594
भर्ती व्यय	3,955,373	4,877,445
अन्य व्यय (पेशेवर एवं विविध व्यय)	2,059,135	666,674
कर्मचारी कल्याण	75,098	50,000
बागवानी - श्रम शुल्क	7,103,724	6,472,644
बागवानी - अन्य व्यय	556,558	501,091
भविष्य निधि में योगदान	-	-
हिन्दी विभाग व्यय	85,171	-
इंटरनेट कानेक्टिविटी	119,459	-
सतर्कता व्यय	9,027	-
कुल	**79,409,088**	**56,313,945**

अनुसूची 18 परिवहन व्यय

विवरण	2024-25	2023-24
1 वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		-
क) संचालन व्यय	2,164,283	2,216,203
ख) मरम्मत और रख रखाव	323,500	234,298
ग) बीमा व्यय	81,321	87,791
2 किराये / पट्टे पर लिया गया वाहन	-	-
क) किराया/पट्टा व्यय	-	-
वाहन (टैक्सी) किराए पर लेने का खर्च	-	-
कुल	**2,569,104**	**2,538,292**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

अनुसूची 19 - गरम्मत एवं रखरखाव

विवरण	2024-25	2023-24
क) भवन	15,034,595	16,338,386
ख) कार्यालय उपकरण	6,434,120	8,221,562
ग) फर्नीचर एवं अन्य	116,153	208,455
घ) आईटी रखरखाव (एएमसी)	2,330,108	882,421
कुल	**23,914,976**	**25,650,824**

अनुसूची 20 - वित्त लागत

विवरण	2024-25	2023-24
क) बैंक प्रभार	6,229	6,858
ख) अन्य (एनपीएस रखरखाव व्यय)	13,388	15,447
कुल	**19,617**	**22,305**

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

विवरण	2024-25	2023-24
क) अशोध्य और संदिग्ध ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
कुल		-

अनुसूची 22 - पूर्वावधि व्यय

विवरण	2024-25	2023-24
क) शैक्षणिक व्यय	1,888,274	-
ख) प्रशासनिक व्यय	2,515,295	8,439,057
ग) अन्य व्यय	40,000	100,000
कुल	**4,443,569**	**8,539,057**

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

वर्ष 2024-25 के लिए आईआईएम काशीपुर के वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

<u>अनुसूची: 23 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ</u>

1. खातों को तैयार करने का आधार

लेखा को परंपरागत लागत परिपाटी के तहत तैयार किया जाता है, जब तक कि इसका उल्लेख न किया गया हो तथा आम तौर पर लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति पर।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों से शुल्क, एमडीपी शुल्क, बचत बैंक खातों पर ब्याज सहित अन्य आय एवं प्रपत्रों की बिक्री आदि को प्रोद्भवन के आधार पर लेखा किया जाता है, सिवाय कैट शेयर से आय को छोड़कर जो वास्तविक प्राप्ति के आधार पर दिखाया जाता है।

2.2 निवेश पर ब्याज (एफडी) का हिसाब भी केवल प्रोद्भवन के आधार पर होता है।

3. स्थिर परिसंपत्तियाँ एवं मूल्यह्रास

3.1 स्थिर परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर उल्लेख किया जाता है, जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क, कर, आकस्मिक, स्थापना और प्रारंभ से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल है।

3.2 स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन लागत से संचित मूल्यह्रास को घटाकर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास **सीधी रेखा पद्धति** पर निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

मूर्त परिसंपत्तियाँ

1.	भवन/इमारतें	**2%**
2.	कार्यालय उपकरण	**7.5%**
3.	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	**8%**
4.	कम्प्यूटर एवं सहायक सामग्री	**20%**
5.	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	**7.5%**
6.	वाहन	**10%**
7.	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	**10%**
8.	दृश्य-श्रव्य उपकरण	**7.50%**
9.	संयंत्र एवं मशीनरी	**5.00%**
10.	इलेक्ट्रिकल इन्स्टलैशन और उपकरण	**5.00%**
11.	कम मूल्य की परिसंपत्ति	**100%**

अमूर्त संपत्ति (परिशोधन):

1. वेब डेवलपमेंट/ई-जर्नल/कंप्यूटर सॉफ्टवेयर40%

3.3 वर्ष के दौरान प्रारंभिक मूल्य के साथ-साथ परिवर्धन पर, पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.4 परिसंपत्ति, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य रु. 2,000/- या उससे कम (पुस्तकालय पुस्तकों को छोड़कर) को लघु मूल्य की संपत्ति के रूप में माना जाता है, उनके अधिग्रहण के समय ऐसी संपत्ति के संबंध में 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालाँकि भौतिक लेखांकन और नियंत्रण ऐसी संपत्ति के धारकों द्वारा जारी रखा जाता है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (वेब डेवलपमेंट सहित) और ई-पत्रिकाओं को अर्मूत संपत्ति के अंतर्गत समूहीकृत किया जाता है।

5. स्टॉक्स

स्टेशनरी/ मुद्रण सामग्री की खरीद और कुछ विद्युत रखरखाव मदों पर व्यय को राजस्व व्यय के रूप में हिसाब में लिया गया है एवं 31 मार्च तक स्टॉक में इन मदों के शेष को क्रय मूल्य पर मूल्यांकित स्टॉक के रूप में माना गया है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

सेवानिवृत्ति लाभ यानी ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण एलआईसी (निधि प्रबंधक के रूप में) के माध्यम से स्थापित, समूह ग्रेच्युटी योजना और अवकाश नकदीकरण योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष योगदान के आधार पर प्रदान किए जाते हैं, जो स्वतंत्र निधियों का गठन करते हैं एवं जो संस्थान के सभी नियमित कर्मचारियों की ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण की इन देनदारियों का प्रबंधन करते हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ जैसे नई पेंशन योजना में योगदान का लेखा-जोखा प्रोद्भवन आधार पर किया जाता है।

7. निवेश

दीर्घकालिक निवेश उनके बही मूल्य पर किए जाते हैं।

8. नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि:

ये निधियाँ विशिष्ट उद्देश्यों के लिए निर्धारित की जाती हैं। इनमें से कुछ निधियाँ हैं मूल्यह्रास निधि, ग्रेच्युटी निधि, अवकाश नकदीकरण निधि, एमडीपी विकास निधि और कर्मचारी कल्याण निधि। इन निधियों के संचय को अलग और सुरक्षित रखने के लिए, संस्थान ने इन संचयों को बैंकों के साथ सावधि जमा में रखा है। संबंधित निधियों में शेष राशि को अग्रेषित किया जाया जाता है एवं बैलेंस शीट के देयता पक्ष में दिखाया जाता है, जबकि संबंधित निधियों के निवेश को बैलेंस शीट के परिसंपत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।

9. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों का लेखा-जोखा प्राप्ति के आधार पर किया जाता है। हालाँकि, जहाँ वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की स्वीकृति 31 मार्च से पहले प्राप्त होती है और अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, वहाँ अनुदान का लेखा-जोखा उपार्जन के आधार पर किया जाता है तथा अनुदानकर्ता से वसूली योग्य समान राशि दर्शाई जाती है।

पूँजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक, (उपार्जन आधार पर) सरकारी अनुदान पूँजी निधि में स्थानांतरित कर दिए जाते हैं। अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों से भुगतान किए गए अग्रिम सहित) को अग्रेषित किया जाया जाता है और बैलेंस शीट में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। **इसके अलावा संस्थान को चालू वित्त वर्ष के दौरान शिक्षा मंत्रालय से कोई योजना/राजस्व अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।**

10. निर्धारित निधियों का निवेश और ऐसे निवेशों पर अर्जित ब्याज आय

व्यय के लिए तत्काल आवश्यकता न होने या वित्तीय वर्ष के अंत में वर्ष के लिए प्रावधान के रूप में जोड़ी गई राशि तक, ऐसी निधियों के विरुद्ध उपलब्ध राशि को बैंकों में सावधि जमा में निवेश किया जाता है तथा शेष राशि को बचत बैंक खातों (जहाँ भी लागू हो) में छोड़ दिया जाता है। ऐसे निवेशों पर प्राप्त ब्याज, अर्जित और देय ब्याज तथा अर्जित लेकिन देय नहीं, ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ दिया जाता है तथा उसे संस्थान की आय नहीं माना जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

11.1 चालू प्रायोजित परियोजनाओं (परामर्श, एमडीपी और अनुसंधान) के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को "वर्तमान देयताएँ और प्रावधान" समूह में जमा किया जाता है। जब भी ऐसी परियोजनाओं के लिए व्यय किया जाता है / अग्रिम भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, तो देयता खाते को डेबिट किया जाता है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर इनकी प्राप्तियाँ और व्यय उस वर्ष के आय एवं व्यय खातों में स्थानांतरित किए जा रहे हैं जिसमें ये स्थित हैं।

11.2 प्रायोजित छात्रवृत्ति के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि "छात्रवृत्ति अन्य प्राप्तियों" में जमा की जाती है तथा विद्यार्थियों को भुगतान किए जाने पर इसे "छात्रवृत्ति अन्य भुगतान खाते" में डेबिट कर दिया जाता है।

12. आय कर

संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23ग) के तहत आयकर से मुक्त है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 09.05.2024

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सनदी लेखाकार (डॉ.) मधुकर गोयल एस.ए.ओ. (लेखाकार)	**(सनदी लेखाकार मृणाल सजवान) एफए-सह-सीएओ**	**(प्रो. सोमनाथ चक्रबर्ती) निदेशक (आई/सी)**	**(सनदी लेखाकार दीपांशु अग्रवाल) साझेदार एम, नं. 410844**

अनुसूची: 24 - आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा पर टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देयताएँ

31.03.2025 को संस्था के विरुद्ध पूर्व/वर्तमान कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किरायेदारों, ठेकेदारों और ठेकेदारों के साथ मध्यस्थता के मामले, फैसले के लिए लंबित थे। कार्य विभाग द्वारा अनुमानित दावों की मात्रा लगभग 4.98 /- करोड़ रूपए एवं 4.98 /- करोड़ रूपए तथा व्यक्तिगत विभाग द्वारा 0.96 /- करोड़ रूपए है।

2. पूँजीगत प्रतिबद्धताएँ

नए कैंपस को विकसित करने के लिए पूँजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों का मूल्य प्रदान नहीं किया गया है, क्योंकि इन्हें बिलों के माध्यम से निष्पादित कार्य की प्रस्तुति पर ही आरक्षित किया जाएगा।

3. स्थिर परिसंपत्तियाँ

अनुसूची 4 में वर्ष में अचल संपत्तियों में की गई अतिरिक्त राशि वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा उत्पन्न कॉर्पस फंड और अधिशेष से खरीदी जाती है। परिसंपत्तियों को भवन / सामान्य संपत्ति निधि में जमा करके स्थापित किया गया है।

4. पेटेंट:

संस्थान से संबंधित कोई पेटेंट नहीं है।

5. जमा देयताएँ

बयाना राशि जमा एवं प्रतिभूति जमा के रूप में बकाया राशि को रु. 94,76,514/- लाख की वर्तमान देनदारियों एवं प्रावधानों में दर्शाया गया है।

6. विदेशी मुद्रा में व्ययः

क. यात्रा
ख. रसायन आदि के आयात के लिए विदेशी ड्राफ्ट
ग. अन्य रु. 5,31,10,250 /-

7. चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम एवं जमा

संस्थान की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों, अग्रिमों एवं जमाराशियों का मूल्य सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है।

8. जहाँ कहीं आवश्यक हो, विगत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है।

9. अंतिम लेखा के आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

10. अनुसूची 1 से 24 संलग्न है और 31 मार्च 2025 को तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

11. नई पेंशन योजना में योगदान (रु.2,11,93,325 /-) को एनपीएस खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।

12. आईआईएम काशीपुर क्षमता और सामर्थ्य:

i) विद्यार्थियों की संख्या – 1246
ii) शिक्षकों की संख्या – 50
iii) भवन निधि और उसके व्यय के लिए संग्रह - शून्य
iv) खेलकूद गतिविधियों और उसके व्यय के लिए संग्रह - शून्य
v) सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और उसके व्यय के लिए संग्रह शून्य
Vi) विकास शुल्क और उस पर व्यय के कारण संग्रह - शून्य
Vii) चिकित्सा व्यय और उस पर व्यय के लिए संग्रह - शून्य
Viii) ईपीएफ और ईएसआई - एनपीएस जैसे वैधानिक बकायों का अनुपालन (सरकारी नियमों के अनुसार)
ix) शिक्षकों की वेतन संरचना - वेतन रूपरेखा संलग्न

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 09.05.2024

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सनदी लेखाकार
(डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सनदी लेखाकार
मृणाल सजवान)
एफए-सह-सीएओ

(प्रो. सोमनाथ चक्रबर्ती)
निदेशक (आई/सी)

(सनदी लेखाकार
दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम, नं. 410844

भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्च शिक्षा विभाग

आईआईटी/आईआईएससी/आईआईएम/एनआईटीआईई/आईआईएसईआर/एनआईटी/आईआईटी- के लिए 4-टियर स्ट्रक्चर में प्रस्तावित आव्यूह वेतन								
संवर्ग शीर्षक	सहायक प्राध्यापक ग्रेड 2		सहायक प्राध्यापक ग्रेड 1		सहायक प्राध्यापक	प्राध्यापक		
6 पीसी पे बैंड	PB3 15600-39100			PB4 37400-67000				67000-79000
ग्रेड पे – आईआईटी आदि	**6000**	**7000**	**8000**	**9000****	**9500**	**10000**	**10500**	**HAG**
युक्तिकरण का सूचकांक	2.67	2.67	2.67	2.67	2.67	2.72	2.72	2.72
प्रवेश वेतन आईआईटी आदि	21609	25790	38000	49200	52300	53000	58500	67000
प्रकोष्ठ संख्या वेतन स्तर	**10**	**11**	**12**	**13A1**	**13A2**	**14**	**14A**	**15**
1	57700	68900	101500	131400	139600	144200	159100	182200
2	59400	71000	104500	135300	143800	148500	163900	187700
3	61200	73100	107600	139400	148100	153000	168800	193300
4	63000	75300	110800	143600	152500	157600	173900	199100
5	64900	77600	114100	147900	157100	162300	179100	205100
6	66800	79900	117500	152300	161800	167200	184500	211300
7	68800	82300	121000	156900	166700	172200	190000	217600
8	70900	84800	124600	161600	171700	177400	195700	224100
9	73000	87300	128300	166400	176900	182700	201600	
10	75200	89900	132100	171400	182200	188200	207600	
11	77500	92600	136100	176500	187700	193800	213800	
12	79800	95400	140200	181800	193300	199600	220200	
13	82200	98300	144400	187300	199100	205600		
14	84700	101200	148700	192900	205100	211800		
15	87200	104200	153200	198700	211300			
16	89800	107300	157800	204700				
17	92500	110500	162500					
18	95300	113800	167400					
19	98200	117200						

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

कुंडेश्वरी, काशीपुर, जिला-उधम सिंह
नगर, काशीपुर, उत्तराखण्ड 244713, भारत
www.iimkashipur.ac.in